DIGITAL EDITION

मायापुरी

WEEKLY ENTERTAINMENT

219

बॉलीवुड में भी बादशाह

क्रिकेट में भी बादशाह

31 / 5 / 2024

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक

मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक : श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine | Mayapurimag

Mayapurimagazine | Mayapuri Cut

www.mayapuri.com

संपादकीय

बॉलीवुड में भी बादशाह क्रिकेट में भी बादशाह !!

बादशाहीयत जैसे उनके माथे की लकीरों में है। जब वह दिल्ली में टीवी सीरियल करते थे, साथी कलाकारों को अपनी गाड़ी में जमुनापार तक लिफ्ट देने चले जाते थे जबकि उनका घर गोल मार्किट में था। टीम वर्क में उनका गहरा विश्वास था। दोस्तों के लिए उस समय भी वह बादशाह थे। मुम्बई आना हुआ जब 'दिल आसना है' और 'दीवाना' की शुरुआत ने उनको अस्सी के दशक की सर्वाधिक सफल फिल्म 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे'(DDLJ) तक पहुंचा दिया, वह यशराज बैनर की टीम के चहेते बन गए। और अब, जब उनकी क्रिकेट टीम KKR ने तीसरी बार इंडियन क्रिकेट लीग मैचों में **"आईपीएल 2024"** पर जीत हासिल की है, इसका पूरा श्रेय वह टीम को देते हैं एक भावुक नोट लिखते हुए- "मेरे लड़कों, बॉयज, चैम्पस...!" यह भाषा- शैली किसी बादशाह की ही हो सकती है।

वह टीम के कोच- गौतम गम्भीर, ट्रेनर, कोओनर- जूही चावला और जय मेहता, उनकी सेक्रेटरी पूजा ददलानी गुरनानी और पत्नी गौरी व बच्चों (आर्यन, सुहाना,अबराम) को भी शुक्रिया देना नहीं भूलते। शाहरुख ने अपने 'x' हैंडल पर ग्रुप एंथम के साथ एक पूरी पोस्ट लिखा है- "कोरबो... लोरबो... जीतबो.. ऑलवेज।" उन्होंने लिखा- "मैं सब कुछ अकेले नही कर सकता और आप भी नहीं कर पाएंगे। लेकिन, मिलकर हम सबकुछ कर सकते हैं @kkriders stood for simply being together beyond the ability", और शायद यही मंत्र किंग खान के लिए बॉलीवुड और आईपीएल दोनो क्षेत्रों पर बादशाहीयत हासिल करने का राज है।

यहां जिक्र करने लायक एक प्रसंग है, जब शाहरुख दिल्ली के हंसराज कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे, एक सर्वेयर वार्ता में उन्होंने कहा था कि उनको अभिनय में लगाव है और फिल्म में भी। दोनो में से किसमें कामयाब बनना चाहोगे ? इस सवाल पर उनका जवाब था- 'कोशिश करूंगा दोनो में जुड़ा रहूं।' वह बात आज सच साबित हुई है। उनके साथ जुड़े और काम करने वालों का भी मानना है कि किंग खान अपनी कमिटमेंट से पीछे नहीं हटते। गौरी खान जब मिसेज शाहरुख नहीं बनी थी, शाहरुख और गौरी में छः साल प्यार चला था।

सब समझते थे कि हिन्दू लड़की गौरी छिब्बर मुसलमान बनेगी तभी इनके जीवन की गाड़ी आगे पटरी पर बढ़ेगी। शाहरुख ने हिन्दू विधि विधान से गौरी से विवाह किया और आज भी उनके बंगले मन्नत में धर्म की कोई कट्टर रेखा नहीं है। वहां ईद भी सेलिब्रेट होती है और दीपावली भी। जब शाहरुख हीट वेव से गुजरात में बीमार हो गए, गौरी एक अदम्य पत्नी बनकर चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में, फाइनल मैच के दौरान सन राइजिंग हैदराबाद (SRH) टीम के विरुद्ध अपनी टीम KKR का हौंसला बढ़ाते खड़ी दिखी। वहां मैदान में जब बीमार पति शाहरुख खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने आ गए तब गौरी की नजरें उनपर टिकी रहीं। वह एसआरके को हिदायत देते दिखी-" मास्क लगाओ-मास्क।" कमिटमेंट की बात पर यह भी उल्लेखनीय है कि शाहरुख की सेक्रेटरी पूजा ददलानी काम करती हैं फिल्मों के लिए, लेकिन आईपीएल जीतने के बाद बादशाह ने शुक्रिया प्रदर्शन में उनका नाम लेना भी नहीं भूले। यह है उनकी टीम को बांधे रखने की क्षमता। टीवी, फ़िल्म, आईपीएल, इंडोर्समेंट, अवॉर्ड शोज के मंच या होम फ्रंट... वह जहां होते हैं सेंटर ऑफ अट्रेक्शन होते हैं।

सचमुच यही तो है बादशाहीयत... जो शाहरुख को बॉलीवुड में भी हासिल है और आईपीएल में भी। मायापुरी इस सुपर स्टार को "कामयाबी की नई बादशाहीयत" पर शुभकामनाएँ देती है।

संपादक

SRK की इस लिमिटेड एडिशन घड़ी ने KKR की जीत में चुराई लाइमलाइट..

मायापुरी डेस्क

आईपीएल 2024 का ख़िताब **किंग खान** की टीम **केकेआर** ने अपने नाम किया. कोलकता नाईट राइडर्स ने सनराइजर हैदराबाद को एक तरफ़ा मैच में हराकर तीसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम की है. टीम के मालिक किंग खान इस मौके पर टीम का हौसला बढ़ाने के लिए अपनी फैमिली और फ्रेंड्स के साथ मौजूद थे.

नाईट राइडर्स की जीत के बाद शाहरुख़ इमोशनल नज़र आयें। मैच के जीतने की ख़ुशी में शाहरुख़ ने चेन्नई के चिदम्बरम स्टेडियम में उतरकर फैंस का हाथ जोड़कर शुक्रिया अदा किया। तीसरी बार मैच जीतने की चर्चा एक तरफ और शाहरुख़ की घड़ी ने जो लाइमलाइट बटोरी वो दूसरी तरफ है.

बता दें आईपीएल 2024 के इस फाइनल मुकाबले के मौके पर शाहरुख़ ने जो घड़ी पहन ऱखी थी उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया. इस घड़ी के दाम सुनकर किसी के भी होश उड़ जायेंगे. दरअसल शाहरुख़ ने इस मौके पर एक इंटरनेशनल ब्रांड की घड़ी पहनी थी जो लिमिटेड एडिशन में हीं उपलब्ध होती है.

शाहरुख़ ने रिचर्ड मिले नाम के ब्रांड की घड़ी पहनी थी जिसके दुनियाभर में सिर्फ 500 घड़िया उपलब्ध हैं. फरवरी में हुए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग में भी इस घड़ी के चर्चे हुए थे जब फेसबुक के मालिक मार्क ज़ुकरबर्ग की पत्नी प्रिसिला चान को अनंत अंबानी की घड़ी पसंद आ गयी थी. उस समय भी इसकी कीमत जानने वालों के होश उड़ गए थे.

बता दें इस अनोखी और एक्सक्लूसिव घड़ी जो किंग खान के हाथों में जंच रही थी उसका दाम 4 करोड़ है. शाहरुख़ ने एक इंटरव्यू के दौरान ये बात कही थी कि उन्हें लिमिटेड एडिशन घड़ियों का शौक है और उनके पास इसकी एक अच्छी कलेक्शन भी है. किंग खान की रिचर्ड मिले की ये लिमटेड एडिशन घड़ी टनोऊ (Tonneau) शेप की है जिसका मॉडल RM -052 है. शाहरुख़ की इस लिमिटेड एडिशन घड़ी में एक बेहद हीं यूनिक स्कल बना हुआ है. शाहरुख़ खान भारत के रईस एक्टर्स में से एक हैं जिनकी नेटवर्थ 6000 करोड़ से भी ज्यादा है.

प्रीति जिंटा,रणवीर और अन्य सितारों ने SRK को दी बधाई...

रिचा मिश्रा

रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 के फाइनल मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हरा दिया, इस दौरान शाहरुख खान अपनी टीम, परिवार और दोस्तों के साथ जीत का जश्न मनाते नजर आए . प्रीति जिंटा और रणवीर सिंह समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने सोशल मीडिया पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान को आईपीएल 2024 की विजेता ट्रॉफी जीतने पर बधाई दी.

सेलेब्स ने की केकेआर की तारीफ

इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक्टर **रणवीर सिंह** ने केकेआर और शाहरुख को टैग करते हुए लिखा, "शानदार अभियान के लिए बधाई. एक सच्चा टीम प्रयास."

अभिनेता **कार्तिक आर्यन** ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शाहरुख को टैग करते हुए केकेआर का आधिकारिक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया और लिखा, "चैंपियंस को बधाई."

फि

शाहरुख की मैच से उनकी सिग्नेचर ओपन-आर्म्स पोज़ वाली एक तस्वीर शेयर की और इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, "भाई की जीत! @iplt20 की ट्रॉफी मिल गया. बधाई हो. लव यू भाई (भाई की जीत! आईपीएल ट्रॉफी उनकी है. मेरे भाई को बधाई और प्यार)!"

एक्ट्रेस और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक **प्रीति जिंटा** ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ट्वीट करते हुए लिखा, "ऐसी अविश्वसनीय जीत और अपने तीसरे आईपीएल खिताब के लिए बधाई @KKRiders @iamsrk @iam_juhi. हार्ड लक @SunRisers. आप लोग पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहे..."

गायिका **सोफी चौधरी** ने भी ट्वीट किया, "केकेआर के लिए बेहद रोमांचित हूं!! क्या टीम है!! वे पूरे सीजन में अविश्वसनीय रहे हैं और आज अपने विरोधियों को पूरी तरह से मात दी! आपके लिए बहुत खुश हूं @ShreyasIyer15 और निश्चित रूप से सबसे अच्छे @iamsrk के लिए..."

केकेआर की जीत पर क्रिकेटरों की प्रतिक्रिया

सिर्फ़ सेलेब्स ही नहीं, क्रिकेटरों ने भी टीम और शाहरुख़ पर प्यार बरसाया. शाहरुख़ को बधाई देते हुए केकेआर के कप्तान **श्रेयस अय्यर** ने ट्वीट किया, "इस टीम की धड़कन @iamsrk का विशेष उल्लेख! प्रेरणा और प्रोत्साहन के आपके सभी शब्दों के लिए धन्यवाद."

सुरेश रैना ने ट्वीट किया, "सर्वश्रेष्ठ टीम और #IPL2024 के योग्य चैंपियन @KKRiders को बधाई. शानदार सीजन के लिए @SunRisers को भी बधाई. @iamsrk भाई पार्टी पठान के घर पे है या चेन्नई में?"

युवराज सिंह ने ट्वीट किया, "@KKRiderson को @IPL 2024 चैंपियन बनने पर बधाई. वे पूरे सीजन में सबसे बेहतरीन टीम रहे हैं. शानदार प्रदर्शन के लिए @SunRisers को बधाई - लेकिन आज बेहतर टीम ने जीत हासिल की. @GautamGambhir को उनके निडर मार्गदर्शन के लिए और किंग ऑफ हार्ट्स @iamsrk को इस साल सिनेमा और क्रिकेट दोनों में उनकी सफलता के लिए विशेष धन्यवाद!

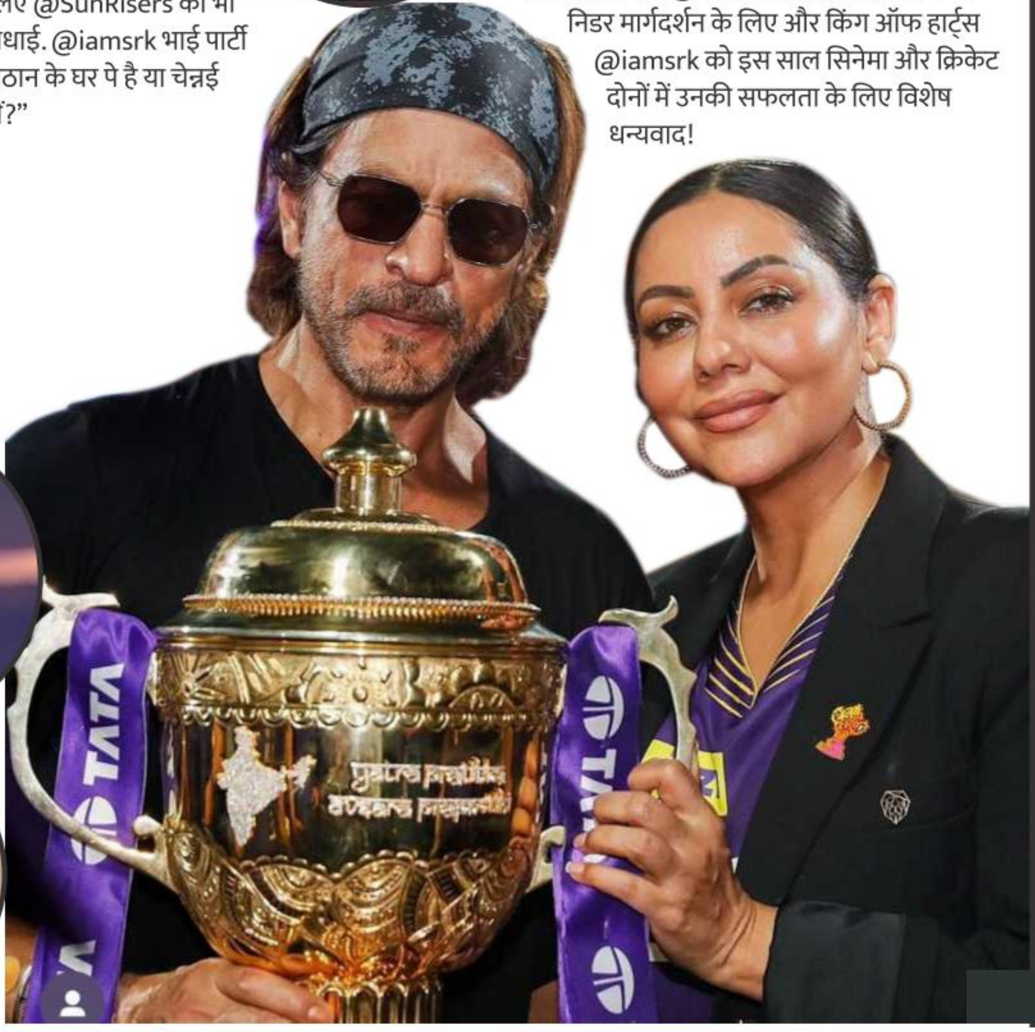

केकेआर की जीत के मास्टरमाइंड गौतम गंभीर हैं टीम के सारथी...

आयुषी सिन्हा

आईपीएल 2024 का ख़िताब किंग खान की टीम केकेआर ने अपने नाम किया. केकेआर की जीत का श्रेय टीम के खिलाडियों के साथ साथ टीम के मेंटर गौतम गंभीर को भी जाता है. एक पिलर और एक गुरु की तरह गौतम गंभीर ने श्रेयस अय्यर को गाइड किया है.

बता दें गौतम गंभीर की कप्तानी में 2012 और 2014 में केकेआर चैंपियन बनी थी और अब 2024 में एक मेंटर के तौर पर उन्होंने टीम को चैंपियन बनाया. 2022 और 2023 में गंभीर लखनऊ के मेंटर रह चुके हैं और टीम को उन्होंने प्लेऑफ तक पहुँचाया था. केकेआर की इस जीत ने ये साबित कर दिया है कि गंभीर बिलकुल श्रीकृष्ण की तरह एक गुणी सारथि हैं जिन्हे बस एक अर्जुन की तलाश थी.

केकेआर की जीत के बाद गंभीर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है, "जिसकी मति और गति सत्य की हो उसका रथ आज भी श्रीकृष्ण चलाते हैं."

गंभीर ने कोलकाता की टीम को एक मेंटर के तौर पर ज्वाइन करते हीं खिलड़ियों ली ट्रेनिंग शुरू कर दी थी. एक पारखी सारथि की तरह गंभीर ने खिलाड़ियों पर भरोसा और विश्वास दिखाया जिसका परिणाम आईपीएल 2024 की चमचमाती ट्रॉफी आयी. उनके इस मेहनत के लिए खिलाड़ियों ने उन्हें बेहद सम्मान दिया. 2011 के वर्ल्ड कप की जीत के बाद जिस तरह खिलाड़ियों ने सचिन तेंदुलकर को कंधे पर उठाया था ठीक उसी तरह केकेआर के खिलाड़ियों ने गंभीर को कंधे पर उठाया। ये गंभीर की मेहनत और खिलाड़ियों का परिश्रम हीं है जिसने ट्रॉफी को उनके नाम किया.

केकेआर की जीत के बाद बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने गौतम गंभीर से आनेवाले टी-२० वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए इंडिया टीम के हेड कोच बनने के लिए बात की है. गंभीर जो एक देशभक्त हैं और जिनका मानना है, "देश के लिए करना है" इस बात पर विचार कर रहे हैं.

क्या गंभीर बनेंगे आनेवाले वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के सारथि?

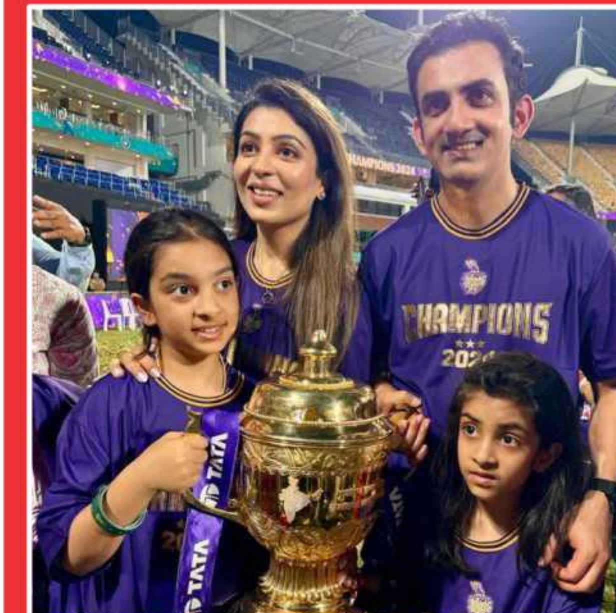

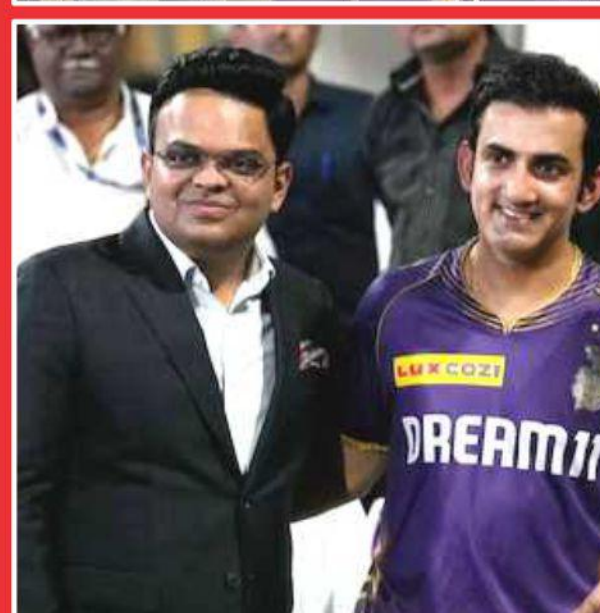

KKR की जीत के बाद सुहाना खान ने शेयर की शाहरुख खान की तस्वीर...

रिचा मिश्रा

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल मैच में नाइट राइडर्स द्वारा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने के बाद सुहाना खान ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ एक नई तस्वीर साझा की है. मंगलवार को इंस्टाग्राम पर सुहाना ने मैच के दिन की कई अन्य तस्वीरें पोस्ट कीं.

सुहाना ने शेयर की शाहरुख की तस्वीर

पहली तस्वीर में सुहाना अपने भाई अबराम खान का हाथ थामे चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मैदान पर उतरी हैं. रविवार को क्लिक की गई इस तस्वीर में शाहरुख खान भी केकेआर की जीत के बाद दर्शकों की तरफ इशारा करते हुए दिखाई दे रहे हैं. गौरी खान अबराम के बगल में चल रही हैं जबकि आर्यन खान अपनी मां के सामने खड़े हैं.

सुहाना ने पोस्ट शेयर कर कहा 'इंतजार के लायक'

एक फोटो में सुहाना और अबराम के साथ अनन्या पांडे और शनाया कपूर भी हैं. सुहाना ने आईपीएल ट्रॉफी की एक फोटो भी पोस्ट की है, साथ ही चेन्नई के आसमान में आतिशबाजी की भी तस्वीर है. तस्वीरें शेयर करते हुए सुहाना ने पोस्ट को कैप्शन दिया, "इंतजार के लायक (बैंगनी दिल और ट्रॉफी इमोजी)." पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अनन्या ने लिखा, "अब तक का सबसे बेहतरीन."

अनन्या ने सुहाना, शनाया और आईपीएल ट्रॉफी के साथ तस्वीर शेयर की

इससे पहले अनन्या ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी जिसमें उन्होंने, सुहाना और शनाया कपूर ने एक पार्टी में आईपीएल ट्रॉफी के साथ पोज़ देकर इस खुशी के मौके को सेलिब्रेट किया था. उन्होंने सोमवार को एक तस्वीर शेयर की जो कोलकाता नाइट राइडर्स की आफ्टर-पार्टी लग रही थी. फोटो में तीनों को कैमरे के सामने ट्रॉफी के साथ खुशी से पोज़ देते हुए देखा जा सकता है.

शनाया ने काले रंग की ड्रेस पहनी थी, जबकि अनन्या और सुहाना ने क्रमशः नारंगी और नीले रंग के कपड़े पहने थे. अनन्या ने पोस्ट को कैप्शन दिया, "हम जीत गए". तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए, सुहाना ने पर्पल हार्ट्स बनाए. केकेआर का तीसरा खिताब का जश्न उसी मैदान चेपक में शुरू हुआ, जहां उन्होंने गौतम गंभीर के नेतृत्व में 2012 में अपना खिताब जीता था. उन्होंने अपनी तीसरी ट्रॉफी उठाने के लिए एक और कहानी लिखी.

आईपीएल जीतने पर शाहरुख खान को बधाई देने के लिए बुर्ज खलीफा हुआ जगमग

प्रीति शुक्ला

दुबई का फेमस बुर्ज खलीफा मंगलवार, 28 मई को बैंगनी रंग में रंग गया, जिसने हाल ही में आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने जीत हासिल की ओर ध्यान आकर्षित किया शाहरुख खान की टीम ने रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद पर शानदार जीत के साथ कैबिनेट में अपना तीसरा आईपीएल खिताब बनाया, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में, बुर्ज खलीफा केकेआर के रंग में रंग गया और दुबई में क्रिकेट प्रेमियों ने नए आईपीएल चैंपियन का जश्न मनाया...

इस मोमेंट का एक वीडियो कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी द्वारा इंस्टाग्राम पर डाला गया था पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, “ऊपर से देखें यह सब बैंगनी है” बुर्ज खलीफा बिल्डिंग पर लाइट एंड साउंड शो की शुरुआत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स टीम की तस्वीर के साथ हुई इस सेगमेंट में शाहरुख खान भी शामिल थे और एक संदेश में लिखा था, “बधाई हो केकेआर बधाई हो शाहरुख”शाहरुख खान की मैनेजर पूजा ददलानी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के फेमस पर्पल और गोल्ड रंगों से सजे बुर्ज खलीफा की एक क्लिप भी शेयर की “यह बहुत खास है आप जो कुछ भी करते हैं उसके लिए एम्मार दुबई और बुर्ज खलीफा को बहुत-बहुत धन्यवाद"

शाहरुख खान ने दुबई में लोगों के साथ अच्छा रिश्ता शेयर किया पिछले साल जब बॉलीवुड बादशाह ने तीन बैक-टू-बैक फिल्मों के साथ सिल्वर स्क्रीन पर जोरदार वापसी की, तो उन फिल्मों-पठान, जवान और डंकी- के ट्रेलर बुर्ज खलीफा पर दिखाए गए, जवान की रिलीज से पहले दुबई में एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शाहरुख ने अपने डांस स्टेप्स से लोगों को एंटरटेन किया.

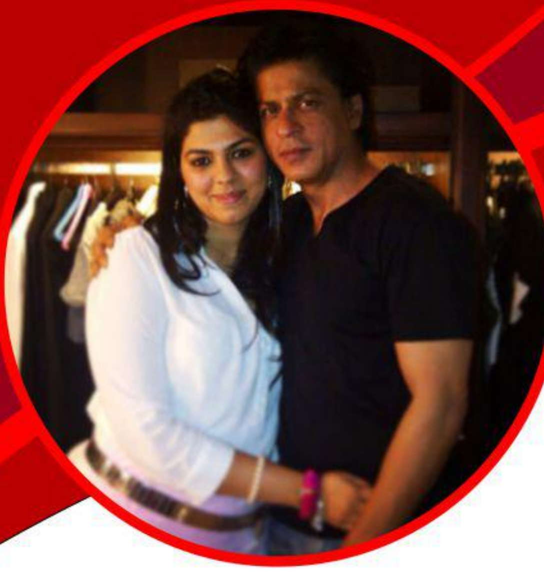

शाहरुख़ खान के साथ जन्मदिन शेयर करती हैं उनकी मैनेजर पूजा ददलानी गुरनानी

- आयुषी सिन्हा

वो कहते हैं ना हरेक सक्सेसफुल आदमी के पीछे औरत का हाथ होता है और हरेक सक्सेसफुल स्टार के पीछे उसके मैनेजर का हाथ होता है. यहाँ ये दोनों बातें सटीक बैठती हैं. पूजा ददलानी एक ऐसा हीं नाम है जो इन दोनों बातों के साथ सटीक बैठता है.

देश के सबसे अमीर और सक्सेसफुल एक्टर में से एक शाहरुख़ खान की मैनेजर हैं पूजा ददलानी, जो 2012 से सुपरस्टार की मैनेजर हैं. एक मैनेजर का काम होता है एक एक्टर को फ़िल्में दिलवाने से लेकर उसके फीस तक के बारे में बात करने का लेकिन पूजा शाहरुख़ की करियर मैनेजर से कहीं ज्यादा हैं. पूजा ना सिर्फ शाहरुख़ की फ़िल्में, डेट्स और फीस मैनेज करती हैं बल्कि वो शाहरुख़ की कंपनी रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट के साथ साथ उनकी क्रिकेट टीम केकेआर से जुड़े मुद्दे भी मैनेज करती हैं.

12 साल से किंग खान के लिए काम कर रहीं पूजा शाहरुख़ के परिवार का हीं एक हिस्सा हैं. इस बात का अंदाज़ा इससे लगाया जा सकता है कि पूजा अपने सोशल मीडिया पेज पर सुहाना की वीडियो शेयर करते हुए कुछ बेहतरीन शब्दों में उनकी तारीफ़ करती हैं.

अगर पूजा के पर्सनल लाइफ की बात करें तो पूजा ने बिजनेस मैन और लिस्टा जूल्स कंपनी के डायरेक्टर हितेश गुरनानी से 2008 में शादी की जिसके बाद पूजा ददलानी बन गईं पूजा ददलानी गुरनानी. पूजा और हितेश की एक रेयना नाम की एक प्यारी सी बेटी भी हैं.

बता दें पूजा और शाहरुख़ खान का जन्मदिन एक हीं दिन है. किंग खान अपना जन्मदिन 2 नवंबर को सेलिब्रेट करते हैं और ठीक

उसी दिन पूज़ा ददलानी का भी जन्मदिन होता है.

2 नवंबर 1983 को मुंबई में जन्मी पूजा के माता-पिता का नाम मीनू ददलानी और मनु ददलानी है. बाई अवाबाई फ्रामजी पेटिट गर्ल्स हाई स्कूल और एचआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से अपनी पढ़ाई पूरी करने वाली पूज़ा के पास मास कम्यूनिकेशन की डिग्री भी है.

पूज़ा मीडिया और उसकी चर्चाओं में तब आयीं जब उन्होंने शाहरुख़ के बेटे आर्यन के केस में आर्यन को बेल दिलवाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया. उस दौरान कोर्ट की हर सुनवाई में पूज़ा हीं आर्यन के साथ एक पिलर की तरह खड़ी नज़र आती थीं. उनकी कई कोशिशों के बाद भी जब आर्यन को बेल नहीं मिली तब पूज़ा इमोशनल हो गयीं थी. उनका इस तरह इमोशनल हो जाना यही दर्शाता है कि किस तरह ना सिर्फ शाहरुख़ से बल्कि उनके पूरे परिवार से भी जुड़ीं हुईं हैं.

बता दें पूजा का मुंबई में एक लैविश अपार्टमेंट है जिसका इंटीरियर शाहरुख़ खान की पत्नी गौरी खान ने किया है. पूज़ा ने इसकी एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर की थी. 2021 के एक रिपोर्ट के मुताबिक पूज़ा की उस समय की नेट वर्थ 40 से 50 करोड़ की थी.

आईपीएल 2024 की ट्रॉफी शाहरुख़ खान की टीम केकेआर ने अपने नाम की और इस मैच के दौरान भी पूज़ा वहां टीम का सपोर्ट करने पहुंची थी. ये कहना गलत नहीं होगा कि पूज़ा ना सिर्फ शाहरुख़ के सक्सेसफुल करियर को मैनेज करती हैं बल्कि वो उनके बिजनेस और उससे जुड़ी चीजों को मैनेज करते हुए शाहरुख़ की जिंदगी को आसान बना देती हैं.

एक वकील जिसने नियम कानून का पालन किया था, क्योंकि वह नहीं जानते थे, कि झूठ कैसे बोलना है!

अली पीटर जॉन

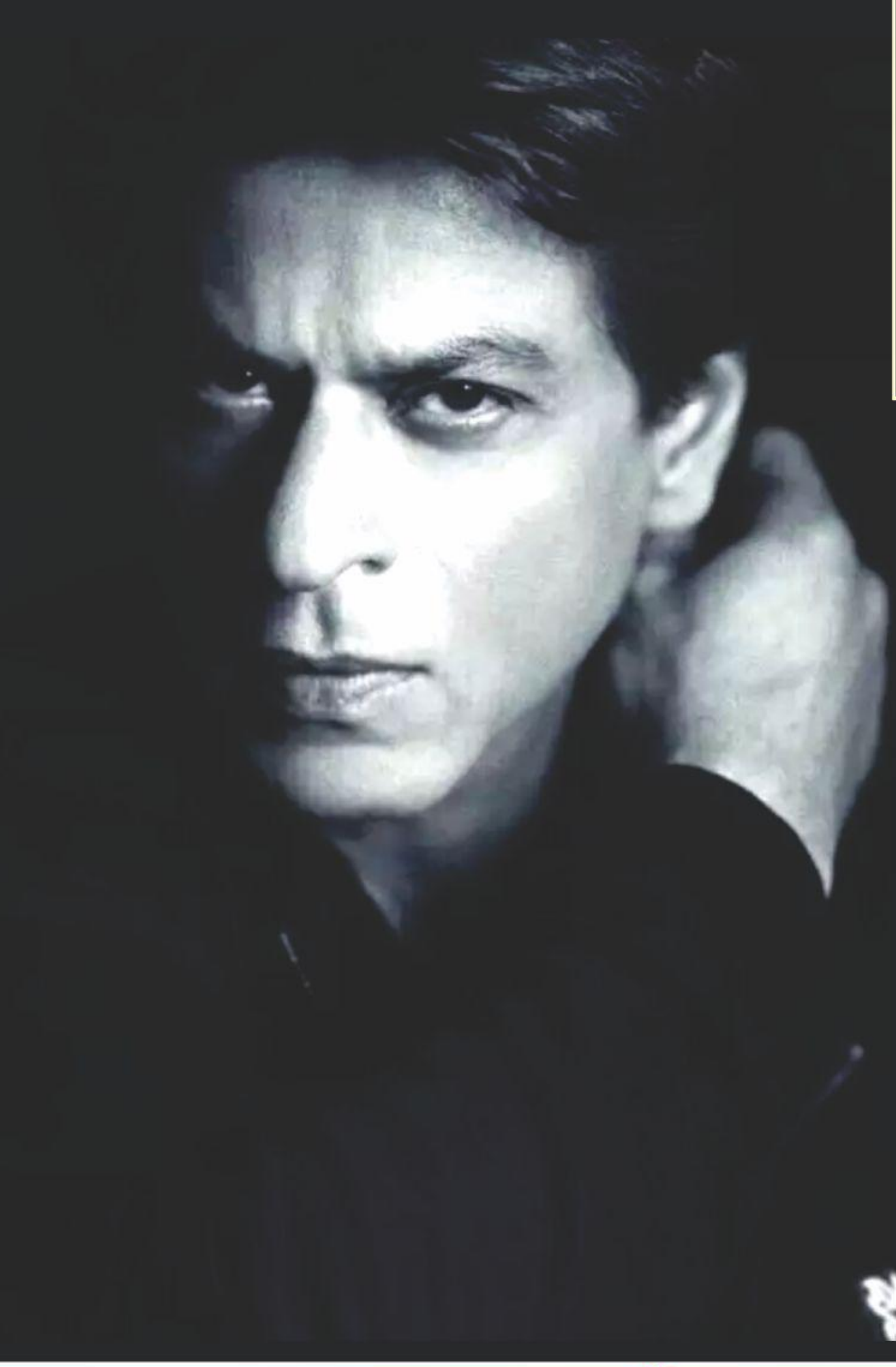

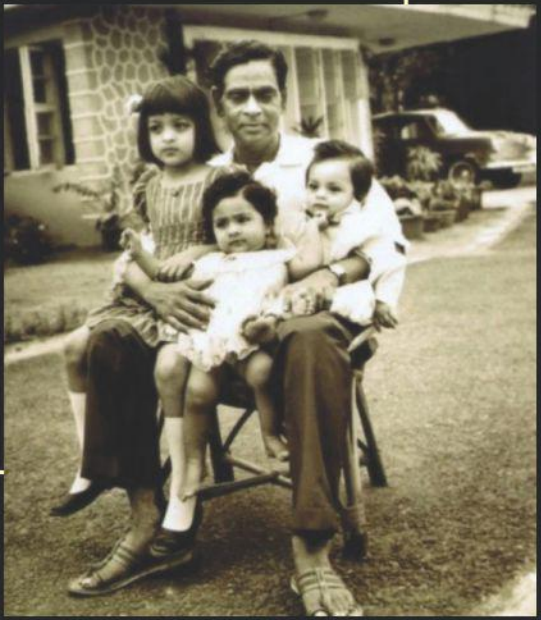

एक प्रमुख उर्दू कवि थे, जिन्होंने कहा था कि एक बच्चा जो अपनी माँ को दफनाता है, वह फिर कभी मुस्कुराता नहीं है, यह एक और कवि थे, जिसने कहा था, कि अपने पिता की छाया के बिना एक बेटा सामान्य नहीं हो सकता, यह वही लोग थे, जो आज सुबह मेरे दिमाग में आए थे, जब मैं **शाहरुख खान** के शुरुआती दिनों के बारे में सोच रहा था, और जब वह बहुत छोटे थे, तब उन्होंने कैसे अपने दोनों माता–पिता को खो दिया था!

मीर मोहम्मद ताज खान पाकिस्तान के पेशावर के हजारों युवा स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, एक सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी होने के अलावा, वह एक पढ़े–लिखे युवक भी थे, जिन्होंने एमए किया और फिर अपनी एलएलबी पूरी की, लेकिन उन्होंने लीगल प्रैक्टिस नहीं की क्योंकि शाहरुख कहते हैं, कि अगर उन्हें अदालत में केस लड़ना पड़े तो उन्हें झूठ बोलना बहुत मुश्किल लगता था, वह एक ऐसे विद्वान थे, जिन्हें फारसी, पुश्तो, उर्दू, संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी जैसी कई भाषाओं पर पूरा अधिकार था, वह एक नौकरी में नहीं टिक सकते थे, और किसी भी तरह की सफलता के साथ मीटिंग किए बिना एक नौकरी से दूसरी नौकरी में भाग लिया क्योंकि शाहरुख ने एक बार

Meer Foundation

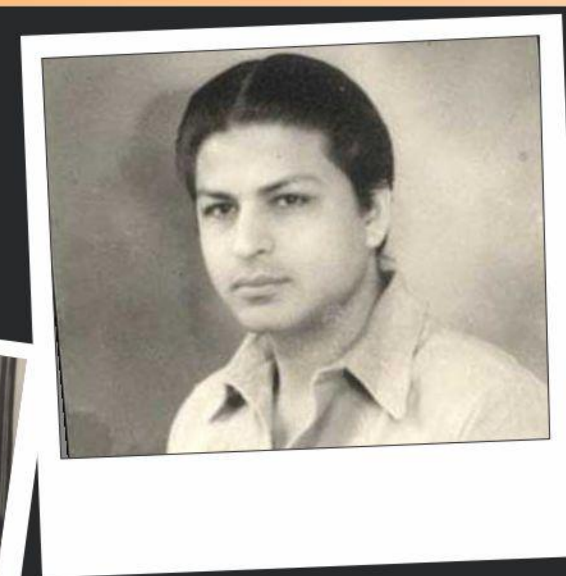

उन्हें **'मोस्ट सक्सेसफुल फेलियर'** कहा था, क्योंकि उन्होंने अंततः दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के गेट के बाहर किसी तरह की कैंटीन शुरू की थी, जो कि एक विफलता भी थी, लेकिन इसने युवा शाहरुख को कुछ महान अभिनेताओं, नाटककारों और निर्देशकों के साथ मिलने और बातचीत करने में मदद की जिन्होंने एक व्यवसाय के रूप में अभिनय करने के लिए पहला बीज बोया!

शाहरुख के पिता ने अपने बच्चों को अपने जुनून का पालन करने की आजादी दी। यह दिलचस्प कहानी है, शाहरुख अपने पिता के बारे में बताते हैं। उनके पिता ने एक बार शाहरुख से पूछा **'क्या कर रहे हो?'** और शाहरुख ने कहा, 'कुछ भी नहीं'। उनके पिता ने मुस्कुराते हुए कहा, 'जो कुछ नहीं करते है, वो कमाल करते है' उनके पिता की कैंसर से मृत्यु हो गई जब वह केवल 18 वर्ष के थे, और शाहरुख ने अपनी माँ और अपनी एकमात्र बहन की देखभाल करने की जिम्मेदारी संभाली, एक जिम्मेदारी उन्होंने तब तक निभाई जब तक उनकी माँ की मृत्यु नहीं हो गई, जब वह काफी युवा थी, और यह उनके जीवन का एक लंबा और अंतहीन **'कमाल'** रहा है जो समाप्त होता नहीं दिख रहा है!

वह शायद **बादशाह** और **किंग खान** हैं, लेकिन एक भी दिन ऐसा नहीं है, जब वह अपने माता–पिता को याद नहीं करते हैं। एक महीने पहले, जब वह **कोविड–19** के खिलाफ लड़ाई के लिए अपनी विशाल प्रतियोगिता बना रहे थे, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सहायता के लिए बनाई गई नींव में से एक का नाम उनके पिता के बाद **'मीर फाउंडेशन'** रखा गया था

- लोग मुझसे पूछते हैं, कि ऐसा क्या है जो शाहरुख खान को शाहरुख खान बनाता है और मैं बस कहता हूं, 'अपने माता–पिता से प्यार करो, उनका सम्मान करो और कभी भी उन्हें चोट मत पहुंचाओ और फिर देखो कैसे सफलता और यहां तक कि दुनिया आपके पैरों पर गिर जाएगी ।

अनु–छवि शर्मा

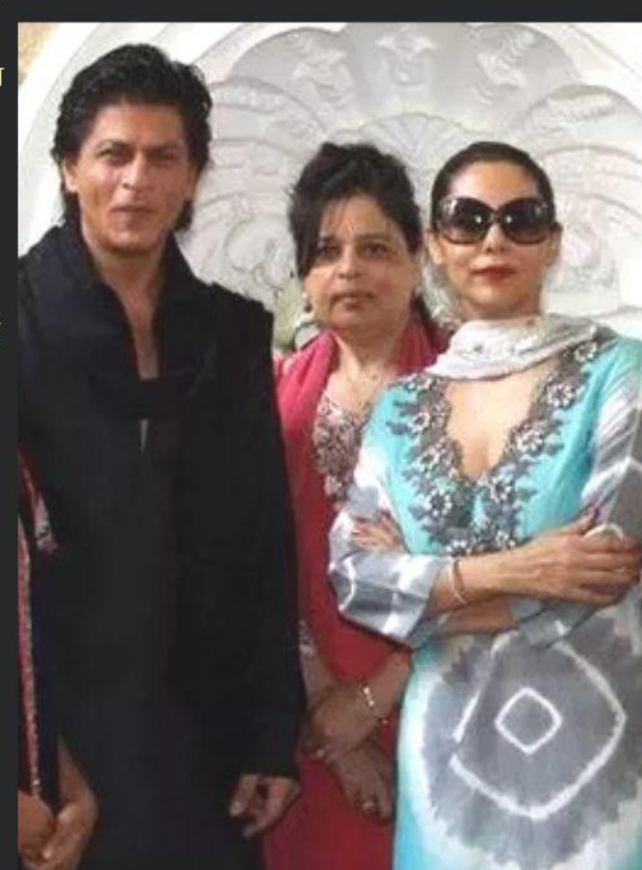

शाहरुख खान का सपना सुपरस्टार बनना नहीं था। बल्कि उनकी ख्वाहिश थी, खिलाड़ी या क्रिकेट-खिलाड़ी बनने की!

–चैतन्य पडुकोण

बॉलीवुड बादशाह शाहरुख खान तब से बेहद खुश मूड में हैं, जब से उनकी शानदार टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने सन–राइजर्स हैदराबाद (SRH) को हराकर आईपीएल ट्रॉफी (2024) जीती है। समाचार–मीडिया से बात करते हुए, डिंपल बॉलीवुड सुपरस्टार, जिन्होंने पिछले वर्ष 2023 के दौरान तीन मेगा–हिट फिल्मों की हैट्रिक बनाई है, ने खुलासा किया कि एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनका मूल सपना एक खिलाड़ी या शायद एक क्रिकेटर या फुटबॉलर बनना था। धावक। दुर्भाग्य से, व्यावहारिक शाहरुख को वित्तीय बाधाओं के कारण अपनी खेल–महत्वाकांक्षा छोड़नी पड़ी, जिसने उन्हें अभिनय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया।

स्पष्टवादी, स्पष्टवादी रोमांटिक दिलवाले शाहरुख खान ने कहा है, 'मैं हमेशा एक खिलाड़ी बनना चाहता था। ईमानदारी से कहूं तो मैं कभी अभिनेता नहीं बनना चाहता था। लेकिन फिर एक बार खेलते समय मुझे बहुत चोट लग गयी. सच कहूं तो मेरे पास महंगे इलाज कराने के पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे हार माननी पड़ी। वास्तव में मैं कभी–कभी स्थानीय क्रिकेट–मैचों के दौरान 'विकेट–कीपर' होता था, उस समय भारत में, 90 के दशक में, खेल करियर की संभावनाएं भी कम थीं, लेकिन मैं हमेशा खेल के साथ कुछ करना चाहता था।, "शाहरुख साझा करते हैं

यह याद किया जा सकता है कि शाहरुख ने महिला हॉकी–केंद्रित वाईआरएफ क्लासिक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता खेल फिल्म चक दे में हॉकी–कोच की यथार्थवादी भूमिका निभाई थी! इंडिया (2007)

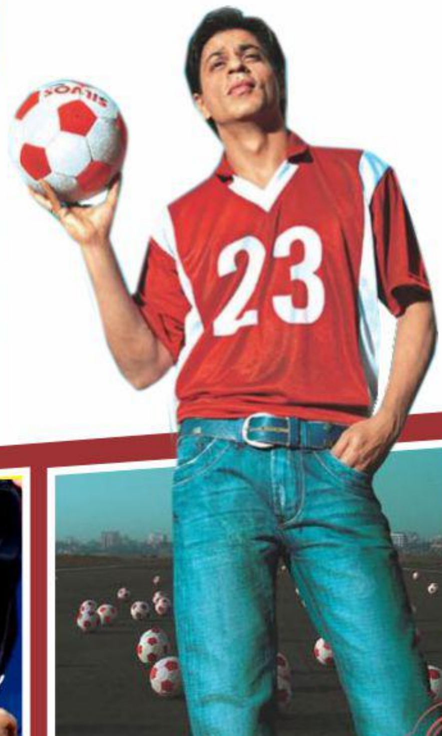

इस कई पुरस्कार विजेता खेल फिल्म में शाहरुख (अपने स्टाइलिश स्क्रीन–रोमांस के लिए जाने जाते हैं) के सामने कोई रोमांटिक हीरोइन नहीं थी! फिर भी दर्शकों और उनके वफादार प्रशंसकों ने उनके यथार्थवादी, डी–ग्लैम प्रदर्शन की प्रशंसा की। बदनाम, निर्वासित अनुशासित हॉकी कोच 'कबीर खान' के रूप में, जो हार मानने से इंकार कर देता है और अंत में सर्वोच्च जीत हासिल करता है..।

14 आईपीएल टूर्नामेंट में से केकेआर ने तीन खिताब जीते हैं। समाचार–मीडिया चर्चा के दौरान, किंग खान ने इस बात पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि केकेआर की अधिक टूर्नामेंट जीतने में विफलता पर कुछ क्रिकेट–आलोचकों की टिप्पणियों ने उन्हें कैसे प्रभावित किया। शाहरुख ने कहा, हमारे पास सबसे अच्छी टीम है। हम बार–बार हारते रहे. सबसे दुखद क्षण वह था जब किसी ने मुझसे कहा, केवल उनकी पोशाक अच्छी है, उनका खेल–खेल अच्छा नहीं है। इससे दुख होता था... टीम–मेंटर गौतम गंभीर के लिए बड़े धमाके के साथ वापसी करना और यह हासिल करना उत्कृष्ट था। इसने हमें सिखाया कि खेल में कैसे हारें लेकिन हमेशा हारे हुए न रहें और कभी उम्मीद न छोड़ें। खेल आपको यही सिखाता है, तेजतर्रार खान ने कहा।

'पठान' मेगा–स्टार ने यह भी खुलासा किया कि वह अधिकांश अन्य आईपीएल टीम मालिकों के साथ भी दोस्ताना संबंध रखते हैं। "हम एक–दूसरे से अपनी हार और जीत के बारे में बात करते हैं और हंसते भी हैं। हम चर्चा करते हैं कि अंतिम स्कोर के संबंध में यह अच्छा दिन था या बुरा दिन।

अहमदाबाद (गुजरात) की चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहने से 'बाजीगर' नायक पर असर पड़ा। अन्यथा फिट और तंदुरुस्त शाहरुख खान गंभीर हीट–स्ट्रोक के कारण बीमार हो गए और उन्हें आईपीएल फाइनल मैच से ठीक पहले अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालाँकि, इससे इस सुपरस्टार के अपनी टीम को मार्गदर्शन–समर्थन देने के दृढ़ संकल्प में कोई कमी नहीं आई। आवश्यक स्थानीय चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के बाद, 'जवान' नायक ने केकेआर के अंतिम आईपीएल मैच में भाग लिया और उन्हें खुश किया और देखा कि कैसे उनकी शानदार टीम ने जीत हासिल की और प्रतिष्ठित आईपीएल ट्रॉफी जीती।

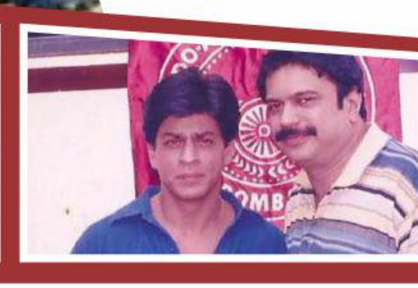

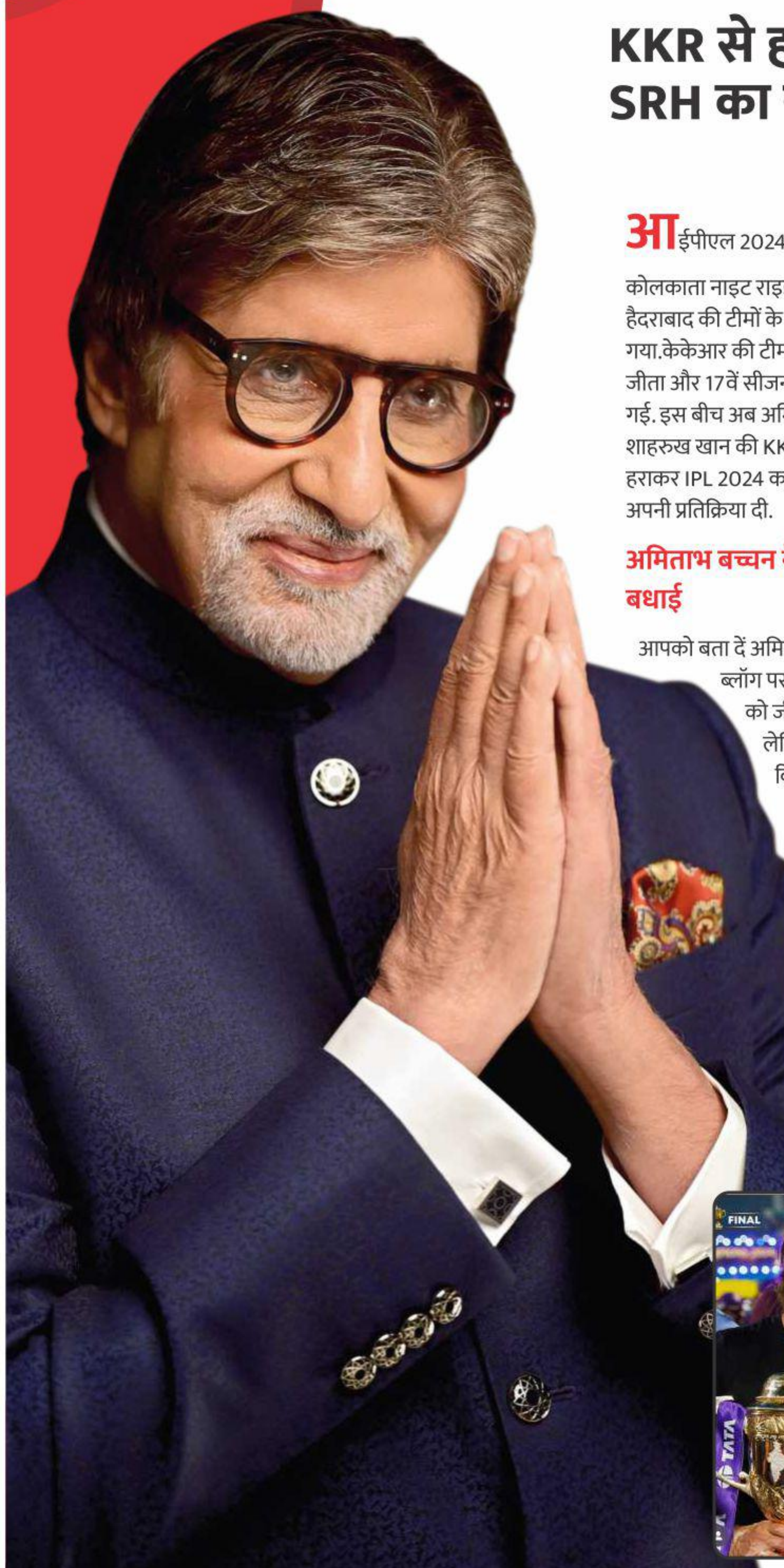

KKR से हारने पर अमिताभ बच्चन ने किया SRH का समर्थन, कहा-'मुझे बुरा...

आसना जैदी

आईपीएल 2024 का फाइनल मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमों के बीच खेला गया.केकेआर की टीम ने यह मैच 8 विकेट से जीता और 17वें सीजन की चैंपियन टीम बन गई. इस बीच अब अमिताभ बच्चन ने शाहरुख खान की KKR द्वारा SRH को हराकर IPL 2024 का खिताब जीतने पर अपनी प्रतिक्रिया दी.

अमिताभ बच्चन ने दी शाहरुख को बधाई

आपको बता दें अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर शाहरुख खान की टीम को जीत के लिए बधाई दी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह SRH के हारने से 'निराश' हैं.बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, "आईपीएल फाइनल समाप्त हो गया है और केकेआर ने बहुत ही शानदार जीत हासिल की है.एसआरएच को आसानी से मात दी गई.यह कई मायनों में निराशाजनक है, क्योंकि एसआरएच एक अच्छी टीम है और जब वे अन्य मैच खेलते थे, तो उनका प्रदर्शन बहुत शानदार होता था".

बिग बी ने किया काव्या मारन का समर्थन

इसके साथ बिग बी ने ब्लॉग में आगे कहा कि उन्हें यह देखकर दुख हुआ कि SRH की मालिक काव्या मारन अपनी टीम के आईपीएल 2024 विजेता कप हारने के बाद अपने आंसू छिपा रही थीं.उन्होंने कहा, "लेकिन सबसे मार्मिक बात यह थी कि स्टेडियम में मौजूद एसआरएच की मालकिन एक खूबसूरत युवती हार के बाद भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी. उन्होंने कैमरे से अपना चेहरा फेर लिया, ताकि वह अपनी भावनाओं को जाहिर न कर सके.मुझे उसके लिए बुरा लगा!! कोई बात नहीं. कल एक और दिन है. मेरी प्यारी".

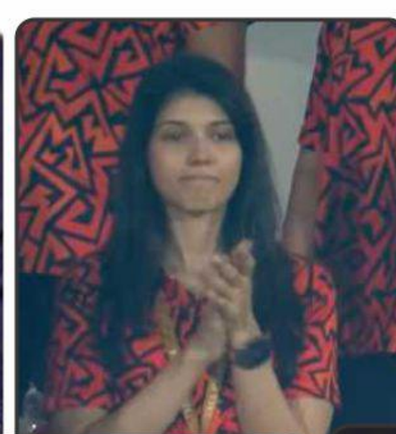

गुरु रंधावा, सिंगर पिटबुल के साथ अंबानी की पार्टी में करेंगे परफॉर्म?

प्रीति शुक्ला

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग पार्टी का दूसरा दौर सितारों से भरा होने वाला है, जो म्यूजिक और चकाचौंध से भरपूर होगा, मीडिया पोर्टल्स की रिपोर्ट्स से विशेष रूप से पता चला है कि सिंगर गुरु रंधावा अमेरिकी रैपर पिटबुल के साथ समारोह में एक साथ नज़र आएंगे.

पहले भी आ चुके हैं साथ

बता दें दोनों सिंगर्स पहले भी एक साथ काम कर चुके हैं साल 2019 में स्लोली स्लोली गाने पर पिटबुल के साथ काम किया था एक सूत्र के मुताबिक, गुरु प्री-वेडिंग पार्टी में परफॉर्म करेंगे अंदरूनी सूत्र का कहना है, "वह अगले दिन आयोजित होने वाले उत्सव में पिटबुल के साथ प्रदर्शन किया" अंदरूनी सूत्र ने शेयर किया, "पिटबुल की धुनों के साथ गुरु के संगीत के सही मिश्रण के साथ, यह एक मजेदार फंक्शन होने की उम्मीद है," उन्होंने कहा कि कोई भी उम्मीद कर सकता है कि पार्टी शुरू करने के लिए गुरु अपने सभी हिट गाने पेश किये.

मजेदार होगी पार्टी

गुरु को लाहौर, इशारे तेरे, तेरे ते, तू मेरी रानी और सूट जैसे गानों के लिए भी जाना जाता है पिटबुल को गिव मी एवरीथिंग, फील दिस मोमेंट, टिम्बर, टाइम ऑफ अवर लाइव्स और ऑन द फ्लोर जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है सूत्र का कहना है, "गुरु वास्तव में पिटबुल के साथ फिर से जुड़ने और इस विशेष तरीके से उत्सव का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं यह निश्चित रूप से एक मजेदार पार्टी हुई, जिसमें संगीत भी शामिल हुआ".

प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन होगा

अरबपति मुकेश अंबानी और नीता अंबानी अपने छोटे बेटे अनंत के लिए प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन आधिकारिक तौर पर 29 मई, बुधवार को इटली में क्रूज जहाज पर शुरू हुआ, जिसमें स्वागत दोपहर के भोजन के बाद शाम को "तारों वाली रात" थीम वाली पार्टी हुई,माना जा रहा है कि 30 मई को मेहमानों को रोम ले जाया गया, जहां क्रूज शिप पर देर रात पार्टी हुई. 31 मई को, अंबानी फ्रांस के दक्षिण में कान्स में एक ब्लैक-टाई कार्यक्रम की मेजबानी की,शनिवार, 1 जून को, लक्जरी क्रूज जहाज उत्सव के अंतिम दौर के लिए इटली के पोर्टोफिनो शहर पहुंचा.

motupatlu.lotpotcomics

Motu Patlu wishes SRK and KKR! 🏏🏆
The IPL 2024 final was a thrilling match between Kolkata Knight Riders and Sunrisers Hyderabad. SRH set a target of 114 runs, but KKR chased it down in just 10.3 overs, losing only two wickets. Congrats to KKR for an epic 8-wicket victory! 🎉🎉

इटली के लैविश विल्ला में हो रहा है अनंत–राधिका के सेकेंड प्री–वेडिंग की लास्ट पार्टी, कैटी पेरी परफॉर्म कर रही है

–आयुषी सिन्हा

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की दूसरी प्री–वेडिंग सेलिब्रेशन 29 मई से शुरू हो गयी. बता दें इस ग्रैंड लैविश क्रूज का नाम 'सेलिब्रिटी एसेंट' है. इस पार्टी

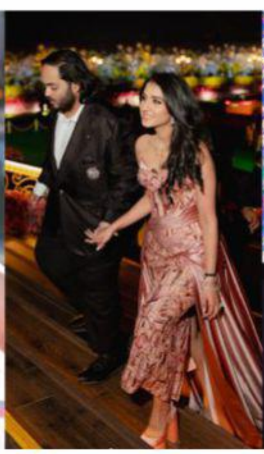

में शामिल होने के लिए रणबीर– आलिया से लेकर सारा– करीना तक सभी बॉलीवुड सितारे पहुंचे हैं. फंक्शन के पहले दिन यानि 29 मई को एक वेलकम लंच के साथ मेहमानों का स्वागत किया गया जिसके बाद उस शाम क्रूज पर एक स्टेरी नाईट थीम पार्टी हुई जिसमें थीम के अनुसार हीं सेलेब्रिटी कपड़े पहन कर पहुंचे. बता दें ऐसा माना जा रहा है कि इस क्रूज पर होने वाली सभी पार्टी थीम पार्टी हैं जहाँ गेस्ट को उसी थीम के अनुसार तैयार होकर पहुंचना है.

30 मई के दिन रोम पहुँच कर सभी गेस्ट ने रोम को एंजॉय किया और उसके बाद टोगा पार्टी को एंजॉय किया. बता दें 31 मई के दिन आकाश अंबानी और श्लोका मेहता की बेटी वेदा एक साल की हो गयी जिसके उपलक्ष्य में क्रूज पर हीं जन्मदिन मनाया गया. 31 मई की रात जिस इवेंट का आयोजन किया गया है वो है 'ला मास्करेड'. इस पार्टी में मेहमान अलग अलग तरह के मास्क लगा कर आएं, ये एक थीम बेस्ड पार्टी है. ये पार्टी आधी रात तक चली जिसका ड्रेस कोड ब्लैक रखा गया है. इस पार्टी में सभी मेहमान ब्लैक कपड़ों में नजर आयें.

बता दें अगर रिपोर्ट्स की माने तो इस क्रूज पर गुरु रंधावा और पिटबुल भी है जो इस क्रूज पर अपने आवाज का जादू बिखेरें. जानकारी के लिए बता दें अनंत–राधिका की पहली प्री–वेडिंग जो कि जामनगर में हुई थी उसने भी खूब सुर्खिया बटोरी थीं. उस फंक्शन में इंटरनेशनल स्टार रेहाना और एकॉन से लेकर हमारे देशी कलाकार दिलजीत दोसांझ ने अपना जलवा बिखेरा था.

1 जून को क्रूज का आखिरी दिन है और इस दिन क्रूज इटली वापस लौट आ जाएगी जिसके बाद सभी मेहमानों के लिए एक आफ्टर पार्टी का इंतजाम भी किया गया है. सूत्रों की मानें तो ये इवेंट एक विल्ला होने जा रहा है जहाँ पॉप आइकॉन कैटी पेरी परफॉर्म करेंगी और इस परफॉरमेंस के लिए उन्होंने 45 करोड़ में चार्ज किया है. खबरों में ये भी अफवाह आ रही है कि इस इवेंट ना सिर्फ कैटी पेरी बल्कि शकीरा भी परफॉर्म करेंगी और इसके लिए उन्होंने 10 से 15 करोड़ चार्ज किये हैं.

बता दें नो फोन पॉलिसी के कारण क्रूज पर मौजूद कोई भी इंसान वहां से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर नहीं कर सकता है इसलिए अभी तक किसी भी सेलेब्रिटी का कोई भी इवेंट लुक सामने नहीं आया है. सभी फैंस को सेलिब्रिटीज के झलक का इंतजार है उम्मीद है कल के बाद उनका ये इंतजार खत्म होगा और उनको 'सेलिब्रिटी एसेंट' क्रूज की तस्वीरें देखने को मिलेंगी.

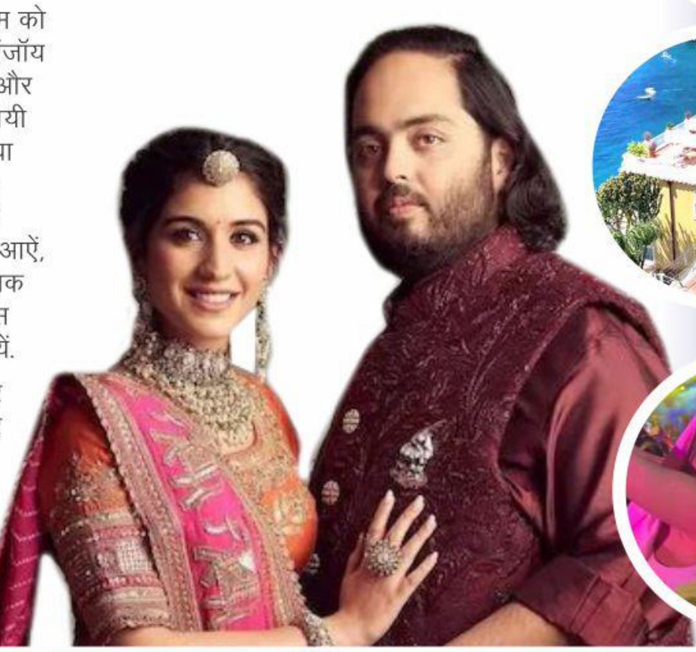

मायापुरी
www.mayapuri.com

'मिस्टर एंड मिसेज माही' में रोमांटिक सीन पर जान्हवी कपूर ने कही ये बात

प्रीति शुक्ला

जान्हवी कपूर ने मंगलवार को रेडिट पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में भाग लिया, एक्ट्रेस ने अपनी आने वाली स्पोर्ट्स ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही, जिसमें राजकुमार राव भी हैं, के बारे में बात की...

जान्हवी ने कहा कि वह और राजकुमार दोनों लंबे दिन के बाद थके हुए थे जब उनसे फिल्म के लिए एक रोमांटिक सीन शूट करने के लिए कहा गया, उन्होंने लिखा, "फिल्म में मेरे और राज के ज्यादातर रोमांटिक पलों को देखकर हम पूरी तरह थक गए थे मुझे लगता है कि हमारा पहला रोमांटिक पल 20 घंटे की शिफ्ट के बाद था, और हम दोनों ऐसा महसूस कर रहे थे जैसे हम मर गए हों हमारे पेट ख़राब थे, हमारे शरीर टूटे हुए थे, और फिर हमें ऐसा दिखना था जैसे हम प्यार में पड़ रहे थे और हम अपना पहला किस लेने जा रहे थे, लेकिन असल में, हमें ऐसा महसूस हो रहा था जैसे हम अंदर ही अंदर मर रहे थे.

बता दें Reddit इंटरनेट पर बॉलीवुड गॉसिप के लिए सबसे फेमस प्लेटफार्मों में से एक है, हालाँकि, जान्हवी ने कहा कि उन्हें वेबसाइट "डरावनी" लगती है जब एक यूज़र ने जान्हवी से पूछा कि क्या वह कई फेमस एक्टर्स की तरह रेडिट पर छुपी रहती हैं, तो जान्हवी ने कहा, "वास्तव में मैं ऐसा नहीं करती ईमानदारी से कहूं तो, मुझे ऐसा लगता है जैसे मैंने Reddit पर थ्रेड्स के बारे में बहुत कुछ सुना है, और यह मुझे हमेशा थोड़ा डराता है मुझे लगता है कि रेडिट पर जांच थोड़ी ज्यादा लगती है"

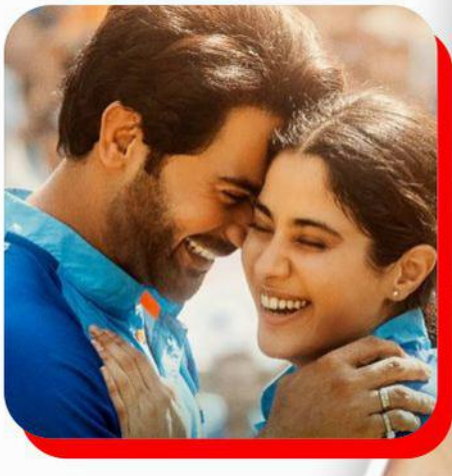

ख़ुशी के बारे में बताते हुए जान्हवी ने बताया "मुझे लगता है कि मेरी बहन (खुशी कपूर) रेडिट पर जो चल रहा है, उससे काफी मेल खाती है और उससे जुड़ी हुई है, और कभी-कभी मैं उससे पूछती हूं कि रेडिट पर क्या चल रहा है, लेकिन मैं खुद ऐसा नहीं करती मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता कि कैसे, मुझे लगता है कि मैंने एक बार कोशिश की थी, लेकिन मैं समझ नहीं पाई कि कैसे, जैसे, कैसे देखें कि थ्रेड्स क्या हैं, ये सभी चीजें, लेकिन नहीं, मुझे लगता है कि मैं खुद को इससे थोड़ा बचाना चाहती हूं"

मस्ती भरी शरारतें

तुमने मेरा हमेशा साथ दिया है... जब मैं बीमार था तो तुमने केकेआर की टीम का हौंसला भी बढ़ाया !

जब हम ईद और दिवाली एक साथ मनाते हैं तो हर काम में भी तो हम दोनों एक दूसरे का साथ देंगे ही !

डैडी मैं भी आप की तरह आलराउंडर ही बनूँगा...ताकि लोग कहे देखो वो जा रहा है आलराउंडर का आलराउंडर बेटा!

अभी तुम्हे कुछ भी बनने की जरुरत नहीं है... अभी तुम सिर्फ अपना बचपन जियो... खूब पढो, खूब लिखो और खूब खेलो!

क्या कहते हो पापा हमारी फिल्म "किंग" सुपरहिट होगी !

बेटा सुपरहिट होगी या नहीं ये तो सब ऊपर वाले और पब्लिक पर छोड़ दो... हमेशा ये सोचो कि ये मेरी आखिरी फिल्म है और मुझे इसमें अपना बेस्ट देना है बस.. बाकी अल्लाह मालिक!

दिव्या खोसला

एक औरत के दृढ़ संकल्प, साहस और शक्ति की कहानी कहती है फिल्म 'सावी'

-शिल्पा पाटिल

31 मई को रिलीज़ हुई टी-सीरीज की फिल्म 'सावी' ने दमदार ट्रेलर से लोगों के बीच उत्साह बना रखा है. फिल्म में एक आम गृहिणी की कहानी दिखाई गयी है जो अपने पति को बचाने के लिए इंग्लैंड की सबसे खतरनाक जेल को तोड़ने के लिए तैयार है. ये कहानी एक औरत के हिम्मत और स्ट्रेंथ की कहानी को बताता है. फिल्म के निर्देशक अभिनय देव और निर्माता मुकेश भट्ट, भूषण कुमार, और कृष्ण कुमार हैं. फिल्म में दिव्या खोसला कुमार, हर्षवर्धन राणे, और अनिल कपूर मुख्य किरदार में नज़र आएंगे.

❍ आपकी फिल्म आ रही है 'सावी' इसके बारे में क्या कहना चाहेंगी?

'सावी' सावित्री की कहानी पर बेस्ड है, सावी की कहानी सावित्री का हीं मॉडर्नाइज्ड वर्जन है. जैसे सावित्री की कहानी में सावित्री अपने पति को वापस लाने के लिए यमराज से भी लड़ जाती है वैसा हीं कुछ इस कहानी में भी देखने को मिलेगा. एक नॉर्मल हाउसवाइफ जो बहुत हीं सीधी-साधी और वल्नरेबल है, किस तरह जब उसके परिवार पर बात आती है तो वो शक्ति का रूप धारण करती है. वो पूरी कोशिश करती है कि वो लड़े और अपने पति को बचाने के लिए इंग्लैंड की सबसे खतरनाक जेल को ब्रेक-इन करती है. ये दृढ़ संकल्प, साहस और शक्ति की कहानी है. मुझे लगता है हर औरत जो ये पिक्चर देखेगी वो अपने आप को सावी में देखेगी और सावी को अपने आप में. ये फैमिली फिल्म है, इसमें थ्रिलर भी है तो ऑडियंस को इसको देखने में बहुत मज़ा आएगा.

❍ जब आप एक ऐसा किरदार निभाती हैं जिससे लोगों को प्रेरणा मिले तो उसके लिए आप किस तरह की तैयारी करती हैं? इस फिल्म में आपका जो अंदाज़ है ऐसे अंदाज़ में दर्शकों ने आपको पहले नहीं देखा है, इसके बारे में आप क्या कहना चाहेंगी?

मेरे लिए यही चैलेंज रहता है कि मै ऐसे किरदार चुनू जो मुझे चैलेंज करता हो और मुझे सोचने पर मजबूर करता हो और उस किरदार में मेरे करने के लिए कुछ हो. किसी भी किरदार के लिए मेरी यही प्रिपरेशन होती है कि मै वो किरदार बन जाऊं. मेरी यही कोशिश रहती है कि मेरी परफॉरमेंस ऐसी हो कि मेरा किरदार मेरे दुसरे किरदार से मिलता नहीं हो. इस फिल्म के पहले मेरी जो फिल्म आई थी 'यारियां' उसमें मै लाडली का किरदार निभा रही थी, वो एक बब्ली किरदार था, 'सावी' का किरदार उससे बिल्कुल अलग है, सावी में लाडली की कोई भी झलक देखने को नहीं मिलेगी. मै यही कोशिश करती हूँ कि जब तक मै सेट पर पहुंचू तब तक मै उस किरदार में इस कदर ढल जाऊं कि मै ये महसूस कर सकूं कि मै हीं वो किरदार हूँ. जब आप ऐसे करते हैं तब आप उस किरदार के इमोशन के महसूस कर पाते हैं और आपके अन्दर से वो इमोशन बाहर आते हैं, और आप सीन के दौरान ऐसा कुछ कर जाते हैं जिसपर आपको हीं विश्वास नहीं होता है.

❍ सिनेमा में काफी बदलाव आया है, अब एक ऐसा समय है जब फ़िल्में वुमन-सेंट्रिक आ रही है. सिनेमा के इस बदलाव के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

मुझे लगता है औरतों के लिए ये बहुत गर्व की बात है. 90 के दशक में वुमन-सेंट्रिक फ़िल्में बनना तो दूर की बात है इसके बारे में कोई बात भी नहीं करता था. आजकल वुमन-सेंट्रिक फिल्म बन रही हैं और इसका क्रेडिट भी ऑडियंस को हीं जाता है क्योंकि ऑडियंस माई-बाप होती है. क्योंकि अगर ऑडियंस थिएटर में अगर वुमन-सेंट्रिक फिल्म देखने आ रहे हैं तो उस तरह की कहानियां भी लिखी जा रही हैं. मुझे लगता है आखिर में वो एक कहानी हीं होती है, क्योंकि कहानी में कोई भी लीड में हो सकता है. जब हम किताब में कहानी पढ़ते हैं, तब

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल मायापुरी पत्रिका पर देख सकते हैं।

हम ये नहीं सोचते हैं कि ये वुमन-सेंट्रिक या मेल सेंट्रिक है. अब औरतों के लिए काफी कुछ बदल गया है. आजकल हर फील्ड में लड़को से ज्यादा लड़कियां हैं. ये बहुत हीं गर्व की बात है और ये सही दिशा की ओर एक सही कदम है.

❍ एक इंटरव्यू में आपने कहा था कि महत्वकांक्षी होना हर किसी का अधिकार है, फिर चाहे वो हाउसवाइफ हीं क्यों नहीं हो. इसके बारे में क्या कहना चाहेंगी?

उस इंटरव्यू में मुझसे ये सवाल पूछा गया था कि "एक औरत के सामने सबसे बड़ी समस्या क्या होती है?" इसी पर मैंने कहा था कि सबसे बड़ी प्रॉब्लम जो एक औरत फेस करती है वो ये अगर वो महत्वकांक्षी है तो लोग उसे काफी गलत तरीके से जज करते हैं. उनका ये मानना है कि अगर एक औरत महत्वकांक्षी है इसका मतलब है उसका उसके परिवार से रिश्ता खराब है, या फिर वो करियर में आगे बढ़ने के लिए गलत रास्ता चुन रही है. अगर एक औरत महत्वकांक्षी है तो उसपर बहुत सारे इल्ज़ाम लगाये जाते हैं लेकिन वहीं अगर एक आदमी महत्वकांक्षी है तो उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है. आज भी हमारे समाज में एक स्ट्रॉन्ग और महत्वकांक्षी औरत को एक्सेप्ट नहीं किया जाता है. मुझे लगता है हमें इस चीज को बदलने की जरुरत है तभी हमारे समाज में औरतों को बराबरी का हक़ मिलेगा. मुझे लगता है हर इन्सान का हक़ है कि वो अपने पुरे पोटेंशियल के साथ

अपनी लाइफ को एक्स्प्लोर करे फिर चाहे वो आदमी हो या औरत.

❍ मायापुरी मैगज़ीन से जुड़ी कुछ यादों के बारे में शेयर करना चाहेंगी?

मेरी फोटो उसके कवर पर भी आई है. मै दिल्ली से हीं हूँ इसलिए मुझे पता है कि मायापुरी भी वहीं की मैगज़ीन है. मै मायापुरी के मालिक बजाज जी से भी कई दफ़ा मिल चुकी हूँ दिल्ली के इवेंट्स में. मायापुरी के साथ मेरा बहुत अच्छा कनेक्शन है. मायापुरी एक बहुत हीं अच्छी मैगज़ीन है जो पहले पतली, लंबी और बड़ी सी आया करती थी, जिसको पढ़ने में बहुत मज़ा आता था.

❍ अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगी?

मै यही कहना चाहूंगी कि 'सावी' एक बहुत हीं अच्छी थ्रिलर फिल्म है जो 31 मई को थिएटर में रिलीज़ हो गई. फिल्म में आपको ये देखने को मिलेगा कि कैसे एक नॉर्मल हाउसवाइफ इंग्लैंड की सबसे खतरनाक जेल ब्रेक करती है. और कैसे वो सभी आर्म्स गार्ड्स और सीसीटीवी कैमरा से बचते हुए अपने मिशन में आगे बढ़ती है. पिक्चर में बहुत हीं थ्रिल है और अनिल जी का किरदार फिल्म में ह्यूमर लेकर आता है.

काजोल की एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'महाराग्नि' का जबरदस्त टीजर रिलीज

-असना जैदी

काजोल को आखिरी बार वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरी 2' में देखा गया था जिसमें उनके अभिनय की काफी तारीफें भी हुई. एक्ट्रेस अगली बार फिल्म 'महाराग्निः क्वीन ऑफ क्वींस' में आने के लिए

बिल्कुल तैयार है. वहीं 28 मई 2024 को फिल्म 'महाराग्नि' का टीजर मेकर्स द्वारा रिलीज कर दिया गया हैं जिसमें उनके साथ प्रभुदेवा फुल एक्शन मोड़ में नजर आ रहे हैं.

काजोल का दिखाई देगा एक्शन अवतार

'महाराग्नि' के टीजर की शुरुआत रनवे पर दौड़ते हुए एक व्यक्ति से होती है, जिसका पीछा प्रभुदेवा बैट से करते हैं. वीडियो में नसीरुद्दीन शाह और संयुक्ता मेनन का भी परिचय है. बाद में, काजोल गुंडों की पिटाई करती हुई दिखाई देती हैं, जबकि वह अपनी लाइनें बोलती हैं. लाल रंग की पोशाक पहने हुए, वह तलवार से उन पर वार करती हैं. जिसमें वह यह कहती हुई नजर आ रही हैं, 'पावर मांगने से नहीं, छीन कर ली जाती है', इस फिल्म में काजोल और प्रभु देवा 27 साल के लंबे अंतराल के बाद तेलुगु निर्देशक चरण तेज उप्पलपति के साथ फिर से काम कर रहे हैं.

कई भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म 'महाराग्नि'

फिल्म 'महाराग्नि' का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया जा रहा है. 'महाराग्नि – क्वीन ऑफ क्वींस' एक अखिल भारतीय फिल्म है जो हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी. फिल्म में काजोल और प्रभुदेवा के अलावा नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता, आदित्य सील, छाया कदम और प्रमोद पाठक भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. फिलहाल मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है.

फिल्म 'महाराग्नि' को लेकर निर्देशक चरण तेज उप्पलपति ने कही ये बात

फिल्म 'महाराग्नि' के बारे में बात करते हुए निर्देशक चरण तेज उप्पलपति ने कहा, "महाराग्नि – क्वीन ऑफ क्वींस का निर्देशन करना प्यार का परिश्रम रहा है. काजोल, प्रभुदेवा, नसीर सर, संयुक्ता मेनन और जिशुसेन गुप्ता जैसे अभिनेताओं के साथ सहयोग ने इस परियोजना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है. उनका बेजोड़ करिश्मा और अभिनय क्षमताएं किरदारों में जान डाल देती हैं और मैं दर्शकों द्वारा इसे स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं कर सकता...

निर्माता हरमन बावेजा ने 'महाराग्नि' को लेकर दिया बयान

इसके अलावा, निर्माता हरमन बावेजा ने शेयर किया, "महाराग्नि बावेजा स्टूडियोज के लिए एक विशेष परियोजना है, जो एक सम्मोहक कहानी से प्रेरित है. हम इटरनल 7 के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं और इसमें काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह और संयुक्ता मेनन जैसे असाधारण कलाकार हैं. काजोल की प्रतिभा और प्रामाणिकता उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाती है. बावेजा स्टूडियोज में, हम शक्तिशाली कहानियां बताने में विश्वास करते हैं, और मैं इतनी शानदार टीम के साथ इस परियोजना को साकार करने के लिए एक्साइटेड हूं. इसके अलावा निर्माता वेंकट अनीश डोरिगिल्लू ने कहा, "जैसे ही मुझे यह कहानी मिली, मुझे पता था कि इसमें एक स्ट्रॉन्ग मैसेज है जिसे जनता तक पहुंचाने की जरूरत है. चरण तेज उप्पलपति की निर्देशन पर गहरी नजर और हमारे तारकीय कलाकारों की उल्लेखनीय प्रतिभा के साथ, हमें विश्वास है कि हम एक अनूठी दृष्टि प्रदान करेंगे जो इस कहानी को चमका देगी.

ट्विंकल की बेटी ने किया उनका मेकओवर, कहा 'किसी ने पान चबाकर थूक दिया..'

प्रीति शुक्ला

ट्विंकल खन्ना अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी पर्सनल लाइफ की मजेदार और दिल छू लेने वाली झलकियां शेयर करती रहती हैं उनकी हालिया पोस्ट उनकी 11 वर्षीय बेटी नितारा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने अपनी मां को मेकओवर देने के लिए अपने मेकअप टैलेंट का इस्तेमाल किया ट्विंकल ने अपनी बेटी के मेकओवर पर रिएक्शन को कैद किया और नितारा द्वारा आखिरी बार दिए गए मेकओवर को याद किया, जब उसने अपने टैलेंट को लागू करने का फैसला किया था

क्लिप में ट्विंकल एक किताब के साथ मेकअप कुर्सी पर नजर आ रही हैं जैसे ही नितारा कैमरे की ओर पीठ करके खड़ी होती

है, वह ट्विंकल के चेहरे पर कई कॉस्मेटिक प्रोडक्ट लगाती हुई दिखाई देती है ट्विंकल ने खुलासा किया कि नितारा ने उनसे पूछा कि क्या उनका मेकअप उनके द्वारा दिए गए आखिरी मेकओवर से बेहतर होगा अपनी बेटी को जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'अगर किसी ने पान चबाया होता और मेरे चेहरे पर थूक दिया होता, तो भी इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता था'

हालांकि, बाद में ट्विंकल ने स्वीकार किया

कि नितारा ने उन्हें इस बार जो मेकओवर दिया था, वह पिछली बार से कहीं बेहतर था और उन्होंने पिछले मेकओवर की तस्वीरें और इस बार अपने फाइनल लुक की तस्वीरें साझा कीं उन्होंने वीडियो शेयर किया और लिखा, "यह सप्ताहांत एक बदलाव के बारे में था, और मुझे लगता है कि अगले namratasoni के रूप में उसका भविष्य है कभी-कभी, अपने बच्चों के साथ बातचीत करने से कुछ दिलचस्प अनुभव और बहुत सारी हंसी हो सकती है आपके बच्चे ने हाल ही में ऐसा क्या किया है जिससे आप ज़ोर से हँसे? मुझे नीचे टिप्पणी में बताये"

हाल ही में अक्षय कुमार ने शिखर धवन के नए शो धवन करेंगे में अपने बच्चों के बारे में

खुलकर बात की जबकि खिलाड़ी कुमार ने अपने बेटे आरव कुमार की जमीन से जुड़े रहने और सेकेंड-हैंड स्टोर से कपड़े खरीदने के लिए सराहना की, उन्होंने खुलासा किया कि उनकी बेटी को 'कपड़े बहुत पसंद हैं' उन्होंने कहा, "जिस तरह से ट्विंकल और मैंने आरव को पाला है, उससे मैं खुश हूं ; वह बहुत सीधा-सादा लड़का है. दूसरी ओर, मेरी बेटी को कपड़े पसंद हैं"

अनंत-राधिका के प्री-वेडिंग में शामिल शाहरुख, एयरपोर्ट पर आए नजर

असना जैदी

मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के दूसरे प्री-वेडिंग फंक्शन इटली में शुरु हो चुके हैं. इस सेलिब्रेशन में कई बॉलीवुड स्टार्स शामिल हो रहे हैं. वहीं अब शाहरुख खान अपने परिवार के साथ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के दूसरे प्री-वेडिंग फंक्शन का हिस्सा बनने बने हैं.

दरअसल, शाहरुख खान को 30 मई 2024 की सुबह मुंबई के प्राइवेट एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया.जहां शाहरुख खान के साथ सुहाना खान, अबराम खान, आर्यन खान और पूजा ददलानी नजर आए.पूरे परिवार को एक साथ एयरपोर्ट पर देखकर ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि शाहरुख खान परिवार सहित अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने बने हैं.

बता दें अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन 29 मई से शुरु हो चुका हैं जोकि 1 जून को फ्रांस में खत्म होगा. यह एक बहुत ही भव्य आयोजन होगा जिसमें मेहमानों को इटली से सदर्न फ्रांस तक एक अद्भुत क्रूज पर ले जाया गया. वहीं अगर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंध जाएंगे.इस जोड़े ने मार्च में गुजरात के जामनगर में तीन दिवसीय भव्य प्री-वेडिंग पार्टी का आयोजन किया था, जिसमें मनोरंजन, राजनीति और व्यापार जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं.

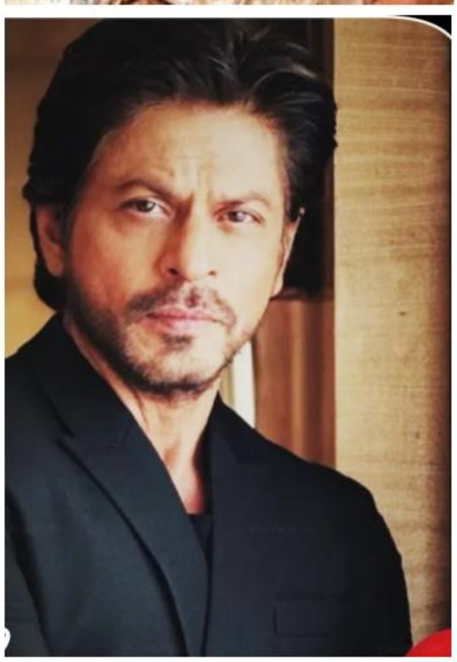

अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' का टीजर आउट

– असना ज़ैदी

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म में रोमांटिक ड्रामा 'औरों में कहां दम था' भी शामिल हैं. इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस तब्बू भी नजर आएंगी. वहीं 31 मई 2024 को फिल्म 'औरों में कहां दम था' का टीजर रिलीज कर दिया है।

अजय देवगन इन दिनों अपनी बैक–टू–बैक फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. वहीं एक्टर की अपकमिंग फिल्म में रोमांटिक ड्रामा 'औरों में कहां दम था' भी शामिल हैं. इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस तब्बू भी नजर आई. वहीं 31 मई 2024 को फिल्म औरों में कहां दम था का टीजर रिलीज कर दिया है।

तब्बू संग रोमांस करते दिखे अजय देवगन

टीजर की बात करें तो शुरुआत में अजय देवगन अपनी दमदार डायलॉग डिलीवरी से सबको मंत्रमुग्ध करते नजर आ रहे हैं. टीजर की शुरुआत शायरी से होती है. जिसमें अजय कहते हैं– 'जब दिल से धुआं उठता था, वो बारिश का मौसम था, दिए सौ दर्द वो दर्द का मरहम था, जुल्म हमने किए, जुल्मों पर हमने ही तोड़े, अपने ही दुश्मन थे, गैरों में ना था दम.' अजय देवगन इस दौरान दो अलग–अलग इमोशन में नजर आए. टीजर की शुरुआत में उनका तब्बू के साथ रोमांस नजर आता है. टीजर के आखिर में वो एक्शन मोड में नजर आते हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म औरों में कहां दम था

फिल्म के बारे में बात करें तो, फिल्म के लिए मूल साउंडट्रैक प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित संगीत निर्देशक एम. एम. क्रीम द्वारा रचित है. फिल्म की कास्ट की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा 'औरों में कहां दम था' में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे. नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो ने किया है. फिल्म 'औरों में कहां दम था' 5 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन सिंघम 3 उर्फ 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे. सिंघम 3 सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाली है. इस फिल्म में न केवल अजय देवगन सिंघम के रूप में वापस आ रहे हैं, बल्कि यह रोहित शेट्टी की पुलिस यूनिवर्स में रणवीर सिंह और अक्षय कुमार की वापसी का भी प्रतीक है. इस फिल्म में करीना कपूर भी हैं और दीपिका पादुकोण के रूप में पहली महिला सिंघम भी नजर आएंगी. इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ को भी पुलिस यूनिवर्स में पेश किया गया है. तो दूसरी ओर, तब्बू को आखिरी बार करीना कपूर खान और कृति सेनन अभिनीत द क्रू में देखा गया था. फिल्म में, अभिनेत्रियाँ फिल्म में एयर होस्टेस की भूमिका निभाती हैं।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप, जानें इसके पीछे की वजह?

– असना ज़ैदी

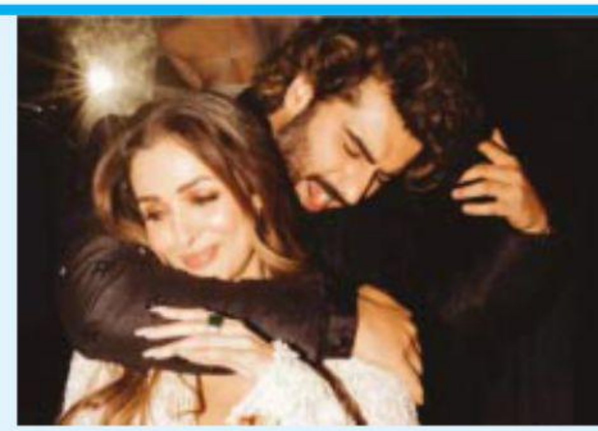

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड की चर्चित जोड़ी में से एक हैं. वहीं अब खबरें आ रही है कि मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप हो गया है. यही नहीं मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के ब्रेकअप की खबरों ने फैंस को हैरान–परेशान करके रख दिया है.

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड की चर्चित जोड़ी में से एक हैं. दोनों कपल्स के बीच उम्र में 12 साल का अंतर था. इसके बावजूद उनकी लव स्टोरी काफी सफल रही. वहीं अब खबरें आ रही है कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का ब्रेकअप हो गया है. यही नहीं मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के ब्रेकअप की खबरों ने फैंस को हैरान–परेशान करके रख दिया है।

इस वजह से हुआ मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप

दरअसल, सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ''मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का रिश्ता बहुत खास था और दोनों एक–दूसरे के दिलों में हमेशा खास जगह बनाए हुए थ. उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में एक सम्मानजनक चुप्पी बनाए हुए हैं. वे किसी को भी अपने रिश्ते को घसीटने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति नहीं देंगे. उनका रिश्ता बहुत लंबा, प्यार भरा और फलदायी था, जो दुर्भाग्य से अब खत्म हो चुका है. इसका मतलब यह नहीं है कि उनके बीच कोई खटास है. वे एक–दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं और एक–दूसरे के लिए ताकत का स्तंभ रहे हैं. पिछले कई सालों से उन्होंने अपने रिश्ते को बहुत सम्मान दिया है. अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे एक–दूसरे को उतना ही सम्मान देते रहेंगे. वे दोनों कई सालों से एक गंभीर रिश्ते में थे और उन्हें उम्मीद है कि लोग इस भावनात्मक समय में उन्हें स्पेस देने के लिए पर्याप्त दयालु होंगे''।

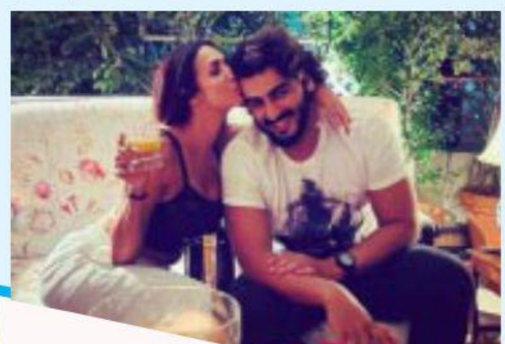

साल 2019 में मलाइका और अर्जुन ने अपने रिश्ते को किया था कन्फर्म

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने 2019 में इंडियाज मोस्ट वांटेड की स्क्रीनिंग के दौरान अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था. उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया. वे अक्सर एक–दूसरे को दिखाते हुए पोस्ट शेयर करते रहते हैं. इसके साथ–साथ पिछले साल अर्जुन और मलाइका के ब्रेकअप की अफवाहों का दौर चला था. मलाइका और अर्जुन तब चर्चा में आए थे जब यह दावा किया गया था कि अर्जुन और मलाइका अलग हो गए हैं. तभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अभिनेत्री बनी कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं. हालांकि, उस समय कुशा ने सभी अफवाहों का खंडन किया था जबकि अर्जुन और मलाइका ने पुष्टि की थी कि वे अभी भी साथ हैं।

करीना ने दिया एक्टर्स को ये नाम आलिया हैं गुलाब, रणबीर को दिया ये नाम

– प्रीति शुक्ला

करीना कपूर खान अपने फैशन को लेकर हमेशा ही ट्रेंड में बनी रहती हैं वहीं हाल ही में वह एक कार्यक्रम का हिस्सा बनीं जहाँ उन्होंने शेयर किया कि वह आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, फिल्म मेकर करण जौहर और एक्ट्रेस अपनी बहन करिश्मा कपूर के साथ कौन से परफ्यूम के साथ टैग करेंगी, करीना, जो हाल ही में मुंबई में बुल्गारी इंडिया के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, ने कॉस्मोपॉलिटन इंडिया के 'अगर लोग परफ्यूम होते' सेगमेंट में उनके बारे में बात की।

दिया ये नाम

अपनी भाभी आलिया भट्ट के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा, ''मैं गुलाब कहूंगी क्योंकि यह सबसे अच्छे फूलों में से एक है वह गुलाब की तरह दिखती है।'' रणबीर कपूर के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत तीव्र, अवध की तरह हैं इसलिए उनमे इसकी तेज खुशबू है'' करण जौहर, ''मुझे लगता है कि इसमें मेरे पसंदीदा फूल की तरह महक आएगी, जो कि लिली है कोई भी सफेद फूल क्योंकि यह मेरा पसंदीदा फूल है''

सैफ के लिए चाहती हैं इंटेंस

उसी कार्यक्रम के दौरान, वोग से बात करते हुए, करीना ने कहा, ''मैं सैफ में कुछ इंटेंस की तलाश में हूं कुछ ऐसा जो अधिक मूडी महसूस कराता हो मुझे नहीं लगता कि कोई भीउनके जैसे शुद्ध व्यक्ति को जानता है, है ना?'' बुल्गारी इवेंट में, करीना ने एक गाउन में अपनी हमेशा की तरह खूबसूरत छवि से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया उन्होंने होलोग्राफिक बोट–नेक, फ्रंट लेयरिंग के साथ एम्बेलिश्ड वाइन कलर का गाउन पहना था,वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना आखिरी बार कॉन–कॉमेडी 'क्रू' में नजर आई थीं, फिल्म में कृति सेनन और तब्बू भी मुख्य भूमिका में थीं,वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में भी मुख्य भूमिका में होंगी।

'महाराज' से बॉलीवुड में होने जा रहा है एक और स्टार का जन्म। आमिर खान के पुत्र जुनैद खान की शुरू हुई पारी

– शरद राय

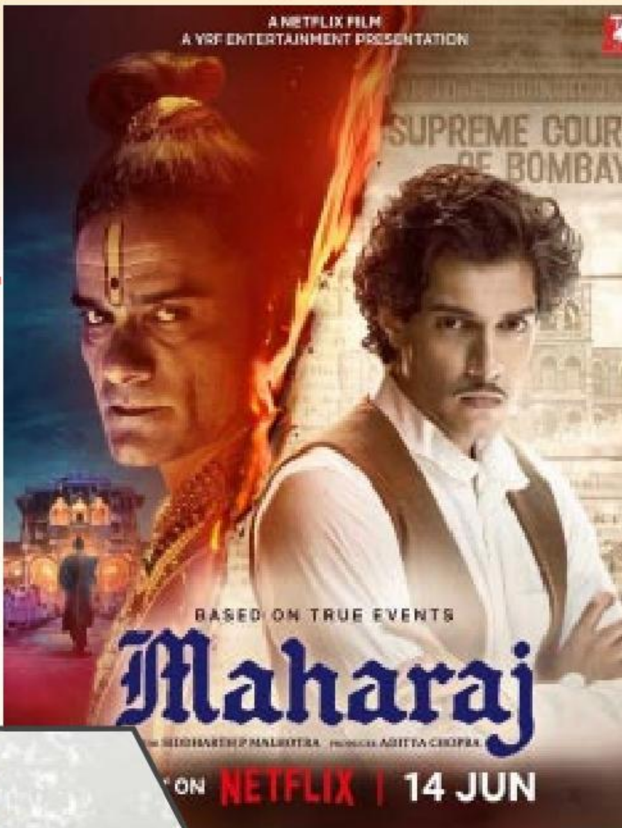

ना बाजा ना ढोल...निकल पड़ी है 'महाराज' की सवारी! आशा के विपरीत कि आमिर खान के बेटे की फिल्म है तो जोरदार हंगामें से आगाज होगा। सभी अखबार–पत्र पत्रिकाएं महाराज के चित्रों से खंची भरी पड़ी होंगी। लेकिन, ऐसा कुछ अबतक दिखा नहीं है। फिल्म का एक टीजर पोस्टर रिलीज हुआ है जिसमे एक साइड चित्र दिखाया जा रहा है कि ये जुनैद हैं, साथ मे उतना ही बड़ा चित्र है सह अभिनेता जयदीप अहलावत का। यह किसी फिल्म की पहली झलक है जो किसी टाकीज में भी प्रदर्शित नहीं हो रही है, बल्कि इसका प्रदर्शन ओटीटी पर है। आमिर खान के बड़े साहबजादे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' OTT प्लेटफॉर्म NETFLIX पर 14 जून 2024 से स्ट्रीम होने जा रही है।

जुनैद खान, आमिर खन की पहली पत्नी रीना दत्ता से हुए बेटे हैं। आमिर खान चूंकि बेहद परफेक्शनिस्ट हैं इसलिए यह सोचा जरूर जा सकता है कि बेटे के लांचिंग पैड में कहां क्या कुछ छूट रहा है? और फिल्म थिएटर में रिलीज किए जाने की योजना क्यों नहीं बनी ? जो भी हो, यशराज प्रोडक्शन द्वारा बनाई गई इस फिल्म से जुनैद पर्दे पर बतौर एक्टर आरहे हैं। कह सकते हैं बॉलीवुड में एक और स्टार अपने अभिनय पारी की शुरुआत कर रहा है। 'महाराज' के सितारे हैं–जुनैद खान, जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ, शालिनी पांडे आदि। कुछ समय पहले चर्चा थी कि आमिर खान बेटे जुनैद के साथ साउथ की स्टार साई पल्लवी के साथ विदेश में शूट पर थे। साई पल्लवी इनदिनों नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' की सीता बनने को लेकर सुर्खियों में हैं, इसलिए 'महाराज' में उनकी प्रजेंस की भी चर्चा बनी रही है। हालांकि साई पल्लवी और जुनैद के साथ की एक फिल्म 'एक दिन' भी आगामी दिनों में खबर बन सकती है।

'महाराज' का निर्माण यशराज प्रोडक्शन के तहत किया गया है। निर्माता आदित्य चोपड़ा और नेटफिलक्स के बीच तीन फिल्मों का करार हुआ है जिसमे महाराज के अलावा एक फिल्म अनुपम खेर की 'विजय 69' है और एक फिल्म वाणी कपूर के साथ 'मंडला मर्डर्स' है। 'महाराज' का निर्देशन किए हैं सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने। सिद्धार्थ ने पूर्व में 'वी आर फैमिली' और 'हिचकी' जैसी फिल्म दिया है जो तकनीकी रूप से काफी बेहतर फिल्में मानी जाती हैं। 'महाराज' का लेखन किया है विपुल मेहता और स्नेहा देसाई ने। इस फिल्म की कहानी के बारे में बताया जा रहा है कि एक शक्तिशाली आदमी और एक निडर पत्रकार के बीच की लड़ाई है। 1862 में घटित महाराजा लिबेल के केस से प्रेरित है यह कहानी, जिसमें एक धार्मिक नेता की अनुनायियों के साथ हुए रेप उत्पीड़न का मामला एक अखबार पर मुकदमा बना था। जुनैद खान इस फिल्म में पत्रकार करसन दास मुलजी की भूमिका में हैं।

कैरियर की शुरुआत जुनैद खान एक ओटीटी फिल्म से कर रहे हैं जो इनदिनों सिनेमा घरों के गिरते बाजार और ओटीटी के विस्तृत होते व्यापार को देखते हुए एक सही निर्णय हो सकता है। लेकिन, जहां तक जुनैद की अपनी बात है वे अभिनय के साथ प्रोडक्शन में भी शुरुआत लिए हैं। उनके द्वारा निर्मित की जा रही एक फिल्म है 'प्रीतम प्यारे' –जिसमें आमिर खान का भी एक कैमियो रोल है। जुनैद के रूप में बॉलीवुड में एक और स्टार का आगमन हो रहा है, यह एक बड़ा सच है। वह आमिर खान के बेटे हैं, उस आमिर खान के जो कुछ भी अधूरा नहीं रखते। जिनकी पहली फिल्म का एक गीत स्लोगन बन चुका है...'पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा !' उनके बेटे जुनैद ने दस्तक दे दिया है।

अनंत अंबानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के लिए सेलेब्रिटी यूरोप हुए रवाना

रिचा मिश्रा

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी जल्द ही राधिका मर्चेंट से शादी करने वाले हैं. शादी जुलाई में होगी लेकिन शादी से पहले का जश्न मार्च से ही भव्य तरीके से जारी है. जामनगर उत्सव से पैदा हुए उत्साह के बाद, यह जोड़ा एक क्रूज पर तीन दिवसीय उत्सव की मेजबानी करने के लिए तैयार है. कई सेलेब्स सोमवार सुबह-सुबह यूरोप के लिए उड़ान भर चुके हैं.

एयरपोर्ट पर सबसे पहले रणबीर कपूर, आलिया भट्ट अपनी बेटी राहा के साथ स्पॉट किए गए. अब, कई अन्य हस्तियां भी जश्न का हिस्सा बनने के लिए मुंबई के कलिना स्थित निजी हवाई अड्डे पर पहुंची.

होने वाली दुल्हन राधिका मर्चेंट को अपने परिवार के साथ एयरपोर्ट पर पहुंचते देखा गया.

आलिया भट्ट अपनी बेटी राहा के साथ स्पॉट किए गए

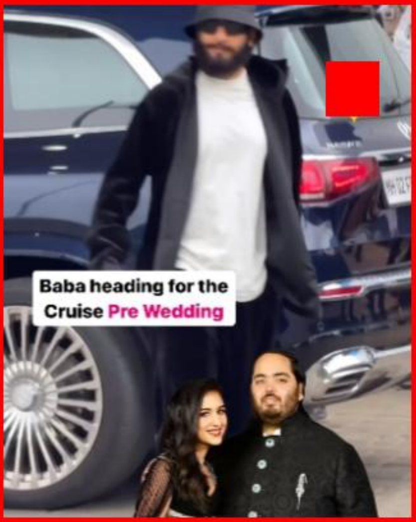

रणवीर सिंह भी नजर आए. एक्टर ने हुडी और टोपी के साथ कुछ आरामदायक ट्रैक पैंट का विकल्प चुना.

नीता अंबानी की मां पूर्णिमा जी और बहन ममता जी अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्रीवेडिंग फेस्टिव के लिए जाती हुई नजर आ रही हैं

एमएस धोनी अपनी पत्नी साक्षी धोनी और बेटी के साथ नजर आए.

एयरपोर्ट पर भी सलमान खान को उनके हमेशा की तरह स्वैग मोड में देखा गया.

जन्मदिन मुबारक हो पंकज कपूर
पहली फिल्म को मिले थे 8 ऑस्कर अवॉर्ड

मायापुरी डेस्क

साल 1982....अभिनेता पंकज कपूर की गांधी फिल्म रिलीज़ हुई। और इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा को एक और चमकता सितारा दे दिया। एक ऐसा दिग्गज कलाकार जिसने बड़े व छोटे दोनों ही पर्दों पर ऐसे ऐसे किरदार निभाए जिनको भुला पाना मुश्किल ही नहीं नामुकिन है। इस फिल्म के बाद पंकज कपूर ने कभी पलट कर नहीं देखा। ये उनके करियर के लिए वाकई मील का पत्थर साबित हुई।

1982 में रिलीज़ अभिनेता पंकज कपूर की पहली फिल्म महात्मा गांधी पर आधारित थी। जिसमें उन्होने राष्ट्रपिता के सचिव प्यारेलाल नैय्यर का किरदार निभाया था। भले ही रोल छोटा था लेकिन था दमदार। और पंकज कपूर को इस रोल में काफी नोटिस किया गया था। इस फिल्म के बाद पंकज कपूर को पीछे मुड़कर देखने की कभी जरुरत नहीं हुई।

अभिनेता पंकज कपूर की गांधी फिल्म का दबदबा 1983 की ऑस्कर सेरेमनी में खूब देखने को मिला था। फिल्म 11 कैटेगरी में नॉमिनेट हुई और इसने 8 ऑस्कर अवॉर्ड जीते। इस फिल्म के बाद वो अपने करियर में बुलंदियों को छूते गए और आज भारतीय सिनेमा में उनकी एक अलग पहचान है।

पंकज कपूर वो कलाकार हैं जिन्होनें बड़े व छोटे पर्दे में कोई भेद नहीं किया। टेलीविज़न की दुनिया के मुसद्दीलाल याद हैं आपको। भई....इस किरदार को कोई कैसे भूल सकता है। भ्रष्ट सरकारी तंत्र के मारे आम आदमी मुसद्दीलाल की भूमिका में पंकज कपूर ने देश के एक गंभीर मुद्दे को छूआ था। साल 2001 में आया ऑफिस-ऑफिस नाम का ये सीरियल इतना हिट हुआ कि ये पंकज कपूर के करियर में दूसरा मील का पत्थर साबित हुआ। आज भी उन्हें मुसद्दीलाल के नाम से घर-घर में जाना जाता है।

अपने अब तक के करियर में अभिनेता पंकज कपूर कई दमदार रोल निभा चुके हैं। उन्होने राख, एक डॉक्टर की मौत, रोज़ा, मकबूल, फाइंडिंग फैनी, सहर, दस फिल्म में यादगार किरदार निभाए हैं। इनकी निजी ज़िंदगी की बात करें तो इन्होने दो शादियां की। पहली शादी नीलिमा अज़ीम से। और दूसरी शादी दीना पाठक से। शहीद कपूर नीलिमा और पंकज कपूर के बेटे हैं। जो आज बॉलीवुड में अपनी एक पहचान बना चुके हैं।

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के विनोद भानुशाली ने सुपर्ण एस वर्मा के साथ 3 फिल्मों की डील साइन की

—मायापुरी प्रतिनिधि

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के विनोद भानुशाली ने सफल फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के बाद सुपर्ण एस वर्मा के साथ 3 फिल्मों की शानदार डील की

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड ने 3 फिल्मों की एक शानदार डील क्रैक की है। दरसअल इस स्टूडियो ने क्रिटिकली अक्लेम्ड निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा को एक अपकमिंग फिल्म का निर्देशन करने और दो और फिल्मों का रचनात्मक निर्माण करने के लिए साइन किया है। हाल में भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड ने इसकी घोषणा की है। यह रणनीतिक सहयोग स्टूडियो के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इसके साथ यह अपने रचनात्मक क्षितिज का विस्तार करते हुए शानदार सिनेमाई अनुभव देना जारी रखेंगे। ऐसा अवॉर्ड विनिंग सिर्फ एक बंदा काफी है के बाद हो रहा है जिसे सुपर्ण ने रचनात्मक रूप से निर्मित किया था। अपनी दूरदर्शी स्टोरीटेलिंग और इनोवेटिव फिल्ममेकिंग अपरोच के लिए जाने जाने वाले, सुपर्ण एस वर्मा अपना अनूठा दृष्टिकोण और रचनात्मक विशेषज्ञता भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड में लाएंगे। इस सहयोग से स्टूडियो के पोर्टफोलियो में बढ़ावा होने की उम्मीद है, जिससे हाई क्वालिटी, विविध और आकर्षक कंटेंट प्रोड्यूस होगा।

इसके तहत निर्देशक एक आगामी फिल्म की बागडोर संभालेंगे, जिसमें वे अपनी विशिष्ट शैली और रचनात्मकता का समावेश करने का वादा करेंगे। यह फिल्म अभी प्री—प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल की शुरुआत में इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। वहीं कास्ट और क्रू के बारे में ज्यादा जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी।

निर्देशन के अलावा, वह दो और फिल्मों के लिए क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी काम करेंगे। इस क्षमता में, वह रचनात्मक निर्देशन की देखरेख करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर परियोजना स्टूडियो के नजरिए के अनुरूप हो और साथ ही पारंपरिक फिल्म मेकिंग की सीमाओं को आगे बढ़ाए।

इसके बारे में बात करते हुए भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के विनोद भानुशाली ने कहा, 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के बाद हम फिर से भानुशाली स्टूडियोज परिवार में ऐसे प्रतिभाशाली और दूरदर्शी निर्देशक को पाकर बहुत खुश हैं। सुपर्ण का शानदार काम और कहानी कहने का उनका इनोवेटिव अपरोच हमारे मिशन के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है, जिससे हम अकर्षक और विविधतापूर्ण फिल्में बना सकेंगें। हमें विश्वास है कि इस सहयोग से दुनिया भर के दर्शकों को असाधारण सिनेमाई अनुभव मिलेगा।

सुपर्ण ने सहयोग के बारे में अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के साथ मिलकर काम करने की एक्साइटमेंट है, एक ऐसा स्टूडियो जो एक्सीलेंस और क्रिएटिविटी का प्रतीक है। साथ मिलकर हम ऐसी फिल्में बनाना चाहते है जो ऑडियंस को पसंद आएं और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें, बिल्कुल वैसे ही जैसे 'सिर्फ एक बंदा काफी है' ने किया।

यह नई साझेदारी प्रतिभा को पोषित करने और मनोरंजक एवं सम्मोहक कंटेंट के निर्माण के प्रति स्टूडियो की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आखिरी सातवें दौर के चुनाव में मंडी में 'क्वीन' और 'किंग' में घमासान! कंगना रनौत की बढ़ी धड़कनें

—शरद राय

हिमाचल प्रदेश की मंडी में बाजार में बेहद गर्मी है। मौसम का पारा पहाड़ों को इसबार झुलसा देने का नजारा खड़ा कर रखा है। ऐसेमें, हिमाचल प्रदेश के एक पत्रकार नेगी जब हमसे बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनौत और उनके विरोधी उम्मीदवार पुस्तैनी 'किंग' विक्रमादित्य सिंह के चुनावी सरगर्मियों की चर्चा करते हैं तो हैरानी होती है हमारे लिए यह जानना है कि इस तापमान में बॉलीवुड की ग्लैमर गर्ल अपने चुनाव क्षेत्र 'मंडी' की गर्मी को और बढ़ा रही है या उसे झेल रही हैं... एक एक वोट की खातिर !!

सचमुच 'बात' ताल मेल के बेताल होने की चर्चाओं में सिमट कर रह गयी है। मंडी पार्लियामेंट्री सीट का चुनाव 1 जून को है जबकि 4 जून को रिजल्ट आ आएगा। आखिरी सातवें चुनावी दौर की बची हुई 57 सीटों के चुनाव में वाराणसी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी समर की खबरों के बाद अगर नेट पर सर्वाधिक सर्च की जानेवाली कोई चुनावी खबर है तो वो है बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत की मंडी सीट की। हिमाचल प्रदेश का मंडी लोक सभा चुनावी क्षेत्र बहुत बड़ा है जिसमे 12 जिलों में 17 विधान सभा की सीटें बनती हैं। यहां ट्राइबल बेल्ट भरमौर के इलाके सहित कुल्लू, मनाली, कुन्नूर, मंडी और शिमला जैसे स्थान हैं। कंगना रनौत भांबला विलेज से हैं और खुद को मंडी की बेटी और यहां की भाषा मे मंडियाली मानती हैं। कंगना रनौत बॉलीवुड स्टार हैं जिनकी फिल्मी चर्चा में उनकी फिल्मों 'क्वीन', 'मणिकर्णिका' आदि का जिक्र बार बार आता है। कंगना रनौत को बीजेपी ने अप्रैल महीने में अपना लोकसभाई उम्मीदवार बनाने का जब फैसला लिया था, वह तभी से अपने चुनावी क्षेत्र में डटी हैं। कंगना यहां अपने चाहने वालों और फैंस के साथ एक स्टारी इमेज लेकर दिन रात प्रचार में जुड़ी हैं।

कंगना रनौत, जिनको उनके फिल्मी परिचय के साथ 'क्वीन' कहा जाता है उनके मुकाबले में यहां से प्रबल दावेदार हैं कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह। युवा विक्रमादित्य राज परिवार से हैं जिन्हें यहां 'किंग' नाम से संबोधित किया जाता है।राजनीति में नया नया कदम रखे विक्रमादित्य सिंह हिमाचल प्रदेश के छः बार मुख्यमंत्री रह चुके वीर भद्र सिंह और प्रदेश की कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा सिंह के पुत्र हैं। पुस्तैनी राज परिवार के युवराज के रूप में विक्रमादित्य के साथ जनता का एक अलग बांड है, एक अलग सोचीय समीकरण है। 2022 में यहां बाई इलेक्शन हुआ था तबसे विक्रमादित्य सिंह की मां प्रतिभा सिंह यहां की निवर्तमान सांसद हैं। वीरभद्र सिंह और प्रतिभा सिंह यहां के लोगों के लिए 'हमारे राजा–रानी हैं' की इमेज रखते हैं। हालांकि पिछले 2021 के एसेम्बली इलेक्शन में भारतीय जनता पार्टी ने यहां की 10 में से 9 सीटों पर जीत दर्ज किया था।

चुनावी चर्चा ने मंडी में जुमलेबाजी की शक्ल अख्तियार कर रखा है। जैसे ही बीजेपी ने यहां से अपना उम्मीदवार कंगना रनौत को घोषित किया था, उनका फिल्मी चिरहरण शुरू हो गया था। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया सुनेत्र ने कंगना के चित्र के साथ लिखकर 'क्या भाव है मंडी का' बवाल मचा दिया था। बाद में सफाईयों का दौर चला। कंगना ने अपने प्रतिद्वंदी विक्रमादित्य को 'छोटा पप्पू', 'स्पाइल्ड शहजादा', 'औरतों की इज्जत ना करनेवाला' जैसे संबोधन अपने प्रचार के दौरान देती रही हैं तो उनके लिए अपोजीशन पार्टी आरोप लगाती है 'आउट साइडर', 'वर्षाती मेढ़क', 'इम्पोर्टेड लीडर' आदि आदि। वे कंगना को बाहरी मानते हैं और कहते हैं जब वहां पिछले साल बाढ़ जैसी मुसीबत आयी थी तब वो कहाँ थी।लोग यहां की धार्मिक मान्यता 'देवनीति' पर चलने की गुहार लगाते हैं तो कंगना के पास 'मोदी' नाम का ब्रह्मास्त्र है।वे लोकल की बातें कम करती हैं राष्ट्रीय अस्मिता की याद ज्यादा दिलाती हैं।

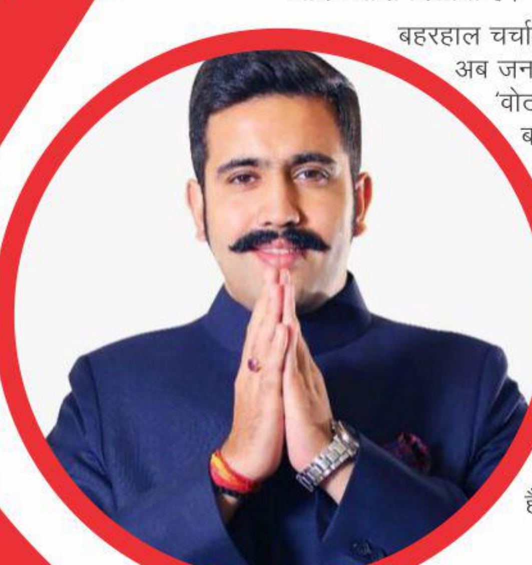

बहरहाल चर्चाओं – परिचर्चाओं का सारा तार अब जनता की अंगुलियों पर सिमटकर 'वोट' के मोड़ तक आगया है। इसके बाद रिजल्ट आने की उल्टी गिनती शुरू हो जाती है। दिल की धड़कने बढ़ गयी हैं। कंगना रनौत के लिए यह किसी फिल्म की रिलीज का खेल– फ्राइडे तो फ्राइडे वाला नहीं है, बल्कि उनके कैरियर की दिशा और दशा तय करने वाला है। कंगना की धड़कने बढ़ी हुई हैं... 1, 2, 3 और 4 जून, रिजल्ट आने को है !!!

शमा सिकंदर अपनी ब्लैक डीप-नेक मोनोकिनी में वेकेशन के लिए सर्वोत्कृष्ट फैशन लक्ष्य दे रही है।

सुलेना मजुमदार अरोरा

शमा सिकंदर ने मनोरंजन जगत में जिस तरह का सफर तय किया है, उसे देखते हुए इस बात में कोई संदेह नहीं है कि वह बॉलीवुड की सबसे प्रेरणादायक शख्सियतों में से एक हैं।

उन्होंने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच शीर्ष पर अपनी जगह बनाई है और अच्छी गुणवत्ता और विश्वसनीय काम के साथ उद्योग में सफलतापूर्वक अपनी जगह पक्की कर ली है। एक अभिनेत्री और एक फिटनेस आइकन होने के अलावा, शमा सिकंदर एक सफल निर्माता और मानसिक-स्वास्थ्य अडवोकेट भी हैं जो हमेशा लोगों को सही तरीके से प्रेरित करती हैं।

शमा सिकंदर के कई वफादार प्रशंसक निश्चित रूप से इस तथ्य को जानते और मानते होंगे कि वह एक ऐसी शख्स हैं जो संतुलन बनाने की कला में विश्वास करती हैं। "सुबह और शाम काम ही काम ' वाला कोई खेल नहीं उनके पास। और इसमें कोई आश्चर्य नहीं, कि उसे देखकर ताज़गी और कायाकल्प के महत्व का एहसास होता है।

यही कारण है कि, अपने व्यस्त जीवन की सभी हलचलों के बीच, शमा हमेशा चीजों को सुचारू रूप से चलाने के लिए छोटे-छोटे ब्रेक और छुट्टियां निकाल लेती हैं। वह एक ऐसी महिला है जिसे अपनी घूमने की लालसा को संतुष्ट करना पसंद है और इस प्रक्रिया में, वह अब तक लगभग पूरी दुनिया की यात्रा कर चुकी है। उसने निश्चित रूप से रिवर्स एजिंग की तरकीब सीख ली है और इसीलिए, जब बोल्ड और कामुक बिकनी और मोनोकिनिस की बात आती है, तो वह निश्चित रूप से किसी भी आधुनिक किशोरी को कड़ी टक्कर दे सकती है।

खैर, यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा हमें देखने और महसूस करने को मिला जब हमने उनकी हालिया, छुट्टियों में उनके क्लासिक और हाई-चिक, डीप-नेक मोनोकिनी अवतार में उनका जलवा देखा। यह दीवा उत्तम दर्जे की और शीर्ष पायदान पर दिखती है क्योंकि वह सनकिस्ड वाइब को अपनाती है और जो बात सामने आती है वह है उसकी मोनोकिनी में बढ़िया ट्यून किया गया नेट वर्क जो उसे पूरी तरह से 'कला का काम' जैसा दिखता है।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि एक मजबूत कारण है कि हमें क्यों लगता है कि अगर कोई अपनी छुट्टियों के दौरान मोनोकिनी स्विमवीयर का जलवा बिखेरना चाहता है, तो शमा सिकंदर वास्तव में एकमात्र ऐसी अभिनेत्री हैं जिनसे उन्हें प्रेरणा और स्वैग के लिए उम्मीद करनी चाहिए। उनकी सहज शिष्टता और करिश्माई मुद्रा वास्तव में हमें एक अलग मंत्रमुग्ध कर देने वाली दुनिया में ले जाती है। क्या आप उनके आकर्षक व्यक्तित्व को देखना और उसकी प्रशंसा करना चाहते हैं जो आपके दिलो-दिमाग को पहले की तरह मोहित करने के लिए तैयार है? तो देखिए यह तस्वीरें।

काम के मोर्चे पर, शमा सिकंदर की पाइपलाइन में कई दिलचस्प परियोजनाएं हैं, जिनकी आधिकारिक घोषणा जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार होगी। अधिक अपडेट के लिए बने रहें।

फिल्मों से लेकर ऑडियो सीरीज तक मई के अंत में देखो यह प्रोजेक्ट्स

–शिल्पा पाटिल

मई के अंत में, एक भव्य समापन के लिए तैयार हो जाइए, जो स्क्रीन पर रोमांच का वादा करता है! 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की दिल को छू लेने वाली और प्रेरणादायक कहानी से लेकर, आई पीएल सीजन के रोमांचक क्लाइमेक्स तक, जो लाइव स्ट्रीम किया गया, हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। चाहे आप जान्हवी कपूर और राजकुमार राव को एक्शन में देखने के लिए उत्सुक फिल्म प्रेमी हों, आईपीएल मुकाबले के लिए अपनी सीट से चिपके क्रिकेट प्रशंसक हों, या 'असुर' में नवीनतम ट्विस्ट का इंतजार कर रहे ऑडियो सीरीज के शौकीन हों, मई के अंत में आपके लिए सब कुछ है।

इन छह रोमांचक मनोरंजन विकल्पों का आनंद लें और अपनी मई को यादगार बनाएंरू

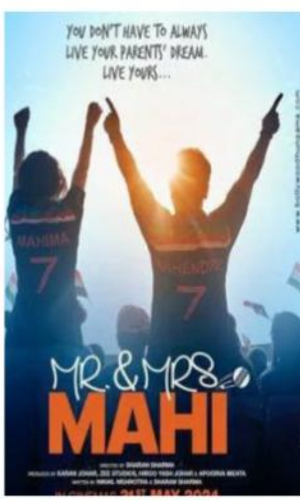

मिस्टर एंड मिसेज माही (सिनेमाघरों में)

शरण शर्मा द्वारा निर्देशित मिस्टर एंड मिसेज माही में जान्हवी कपूर और राजकुमार राव मुख्य भूमिका में हैं। यह ड्रामा महेंद्र नामक एक असफल क्रिकेटर और महिमा नामक एक डॉक्टर की कहानी है, जो एक अरेंज मैरिज के जरिए एक हो जाते हैं। श्माहीश उपनाम साझा करते हुए, वे क्रिकेट के प्रति अपने आपसी प्यार के कारण एक–दूसरे से जुड़ जाते हैं। महेंद्र महिमा की प्रतिभा को पहचानता है और उसके क्रिकेटर बनने के सपने का समर्थन करता है, साथ ही उसे कोचिंग भी देता है।

आईपीएल फिनाले (जियो सिनेमा)

इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां संस्करण रविवार, 26 मई को चेन्नई में अपने रोमांचक चरम पर पहुंच गया। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के साथ, रोमांचक मैच की झलकियाँ सिर्फ जियो सिनेमा पर देखें।

असुर (पॉकेट एफएम)

15 वर्षीय दर्श, जिसे हमेशा अपने परिवार द्वारा अपमानित किया जाता रहा है, लगातार पाँच वर्षों तक मार्शल आर्ट की परीक्षा में असफल होकर अपने परिवार का नाम हमेशा नीचे गिराता रहा। लेकिन फिर एक रात कुछ ऐसा हुआ, जिसके कारण दर्श के अंदर एक भयानक और बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ। उस रात क्या हुआ? क्या दर्श कभी अपने परिवार का प्यार और सम्मान वापस पा सकेगा? बार–बार असफल होने के बाद, क्या दर्श कभी अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर पाएगा? दर्श के सफर के बारे में जानने के लिए असुर को सुनें, सिर्फ पॉकेट एफएम पर।

पंचायत (अमेजॉन प्रॉइम वीडियो)

इस लोकप्रिय सीरीज में जीतेंद्र कुमार की वापसी हुई है, जिसमें एक दूरदराज के गांव में ग्राम पंचायत सचिव बने एक इंजीनियरिंग स्नातक की चुनौतियों को दिखाया गया है। इस सीजन में, जो अपनी मनोरंजक कहानी के लिए काफी प्रतीक्षित है, कुमार द्वारा अभिनीत अभिषेक त्रिपाठी, फुलेरा के जीवंत नाटक में उलझे हुए हैं। एक तनावपूर्ण विवाद के बाद, गांव में अभिषेक का भविष्य अनिश्चित है। गांव की राजनीति के बीच, वह स्थानीय नेता की बेटी रिंकी के साथ एक नवोदित रोमांस की शुरुआत करता है, जबकि सत्ता के भूखे प्रतिद्वंद्वियों से जूझता है।

महाबली मयंक (पॉकेट एफएम)

बिहार के घने जंगल में असली नालंदा विश्वविद्यालय है, जो मार्शल आर्ट और जादू की एक गुप्त अकादमी है। वहां मयंक पढ़ता है, जो एक विद्रोही युवा लड़का है और गुप्त वंश का एक राजघराना है। उसके खून में दुनिया को जीतने की शक्ति है। लेकिन इसे सक्रिय करने के लिए, मयंक को पहले अनुशासन सीखना होगा। इस काल्पनिक नाटक में उसकी अंतर्दृष्टिपूर्ण यात्रा के बारे में और जानें। महाबली मयंक को सिर्फ पॉकेट एफएम पर सुनें।

छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान मूवी (सिनेमाघरों में)

राजीव चिलका की 2012 की एनिमेटेड फिल्म का लाइव–एक्शन रूपांतरण छोटा भीम और उसके दोस्तों को जीवंत करता है। ढोलकपुर के काल्पनिक राज्य में स्थापित, यह फिल्म भीम की बहादुरी और उसके दोस्तों की वफादारी को दर्शाती है, क्योंकि वे रोमांचकारी कारनामों पर निकल पड़ते हैं। शानदार दृश्यों और गतिशील प्रदर्शनों के साथ, इस संस्करण का उद्देश्य नए दर्शकों और पुराने प्रशंसकों दोनों को मंत्रमुग्ध करना है, जो प्रिय मूल के आकर्षण और उत्साह को बनाए रखते हैं।

मैं शो 'गुम है किसी के प्यार में' करणवीर बोहरा की एंट्री से होगा बड़ा ड्रामा

–शिल्पा पाटिल

स्टार प्लस के शो 'गुम है किसी के प्यार में' ने अपनी इंटरेस्टिंग और एंगेजिंग कहानी की वजह से एक लॉयल ऑडियंस बना लिया है. शो के ट्विस्ट और टर्न दर्शकों को हाई–ऑक्टेन ड्रामा के साथ टीवी स्क्रीन से साथ चिपकाए रखते हैं. इस शो में शक्ति अरोड़ा, भाविका शर्मा और सुमित सिंह अहम किरदार निभा रहे हैं.

कहानी ईशान, सावी और रीवा पर फोकस है. शो को इन किरदारों के लिए दर्शकों से खूब प्यार और सराहना मिली है और साथ ही उनके बीच के लव ट्राएंगल को भी पसंद किया गया है. हाल में चल रहे ट्रैक की बात करें तो यह ईशान और सावी के तलाक के बारे में है, जिसकी जानकारी हरिनी को नहीं है. इशवी के फैन्स के लिए एक अच्छी खबर है,

दरअसल, एक्टर करणवीर बोहरा शो 'गुम है किसी के प्यार में' में एंटर हो चुके हैं. वो शो में भवर पाटिल का नेगेटिव किरदार निभाएंगे. बता दें कि करणवीर बोहरा अपनी वर्सेटाइल और दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं. करणवीर बोहरा की एंट्री के साथ ईशान और सावी की जिंदगी में आने वाले ट्विस्टर टर्न को देखना दिलचस्प होने वाला है. शो 'गुम है किसी के प्यार में' में दर्शकों के लिए जबरदस्त हाई–वोल्टेज ड्रामा इंतजार कर रहा है! और यही वजह है कि शो में करणवीर बोहरा को देखने का इंतजार करना मुश्किल हो रहा है.

इस बारे में बात करते हुए करणवीर बोहरा कहते हैं,

मैं शो 'गुम है किसी के प्यार में' का हिस्सा बनकर एक्साइटेड हूं. मुझे खुशी है कि मेरे फैंस को मुझे टेलीविजन पर देखने का मौका मिलने वाला है. शो 'गुम है किसी के प्यार में' में मैं बाजीराव पाटिल नाम के एक पुलिस वाले का किरदार निभाऊंगा. यह पहली बार है जब मैं इस तरह का किरदार निभा रहा हूं। किरदार निगेटिव होगा जो ईशान और सावी की जिंदगी में उथल–पुथल पैदा करेगा. मेरे किरदार में कई अलग–अलग परतें हैं, जिन्हें मैं एक्सप्लोर करने के लिए उत्साहित हूं. बीस साल बाद एक बार फिर स्टार प्लस के साथ काम करना बहुत अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए घर वापसी जैसा है. जुड़े रहिए.

'गुम है किसी के प्यार में' को राजेश राम सिंह, पिया बाजपेयी, प्रदीप कुमार और शैखा परवीन द्वारा प्रोड्यूस किया गया है. यह शो रात 8 बजे स्टारप्लस पर देखें.

मैं हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हूँ

किशोरी शहाणे विज

—मायापुरी प्रतिनिधि

जी टीवी का पॉपुलर शो – 'कैसे मुझे तुम मिल गए' अपनी दिलचस्प कहानी के साथ–साथ अमृता (सृति झा) और विराट (अर्जित तनेजा) की शानदार ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री के चलते अपनी शुरुआत से ही दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है. इस समय दर्शक अमृता और विराट की नकली शादी देख रहे हैं, जहां तमाम धूमधाम के बीच दोनों उस मुजरिम को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने उनकी अंतरंग तस्वीरें लीक की थीं. इसी के साथ विराट की मां बबीता आहुजा (किशोरी शहाणे विज) भी पकड़े जाने से बचने की कोशिश कर रही हैं.

बबीता का किरदार ऐसा है, जो हमेशा अपने बेटे विराट को बचाती है. हालांकि अमृता के प्रति उसकी नफरत, अपने बेटे के लिए उनके प्यार से कहीं ज्यादा है. इसी वजह से बबीता को अपने ही बेटे के खिलाफ कुछ कड़े फैसले लेने पड़े. अपने किरदार में आए इस बदलाव के बावजूद किशोरी पूरी लगन से इसे निभा रही हैं. जिस तरीके से बबीता विराट को अमृता के करीब जाने से रोक रही हैं वो बहुत ही बेरहम है, लेकिन किशोरी ने अपनी शानदार अदाकारी से अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है.

किशोरी शहाणे विज बताती हैं,

जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार बेहद नेगेटिव होने वाला है, तो मैं हैरान रह गई. मुझे शुरुआत में ही बताया गया था कि इस शो में बबीता का एक मजबूत किरदार होगा, जो हमेशा अपने बेटे को बचाती है. वैसे, बबीता आहुजा के नजरिया से देखा जाए तो वो तो अपने बेटे को बचा रही हैं और इसमें वो कुछ भी गलत नहीं मानतीं. इस किरदार को निभाने की सबसे बड़ी चुनौती है इसकी उलझन. वो बुरी इंसान नहीं हैं. वो तो सिर्फ अपने परिवार को बचाना चाहती हैं. ऐसे भी पल आते हैं जब अमृता के लिए उनका रवैया बदल जाता है और फिर मुझे अपने किरदार में अचानक हुए इस बदलाव में खुद को ढालना पड़ता है. मुझे लगता है कि दर्शकों को इसी बात में बड़ा मजा आता है. मेरे किरदार का एक गहरा मकसद है. ऐसे रोल निभाना एक एक्ट्रेस के लिए हमेशा बड़ा दिलचस्प होता है. हर दिन मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों तक लोग बबीता आहुजा को याद रखें.

बबीता आहुजा के रोल में किशोरी की अदाकारी दर्शकों में भारी दिलचस्पी जगा रही है जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनकी प्रतिभा और उनकी एक्टिंग की गहराई सामने आती है.

बेला हदीद और हेइडी क्लम के साथ एल'अमोरओफ के प्रीमियर पर उर्वशी रौतेला के शानदार गुलाबी और लैवेंडर गाउन को पूरा होने में 61000 घंटे लगे? डिजाइनर माइकल सिन्को ने विवरण साझा किया

सुलेना मजुमदार अरोरा

'आज की तारीख में, 'खान त्रिमूर्ति' से कहीं अधिक और पीएम नरेंद्र मोदी और विराट कोहली के बराबर 71.3 मिलियन से अधिक की अद्भुत और प्रभावशाली इंस्टाग्राम फैन फॉलोइंग के साथ, उर्वशी रौतेला को निश्चित रूप से सभी द्वारा रेट और पसंद की जाती है।

फैशन की दुनिया में तूफान लाने वाली उर्वशी रौतेला, पिछले दिनों, प्रतिष्ठित मेरिल स्ट्रीप के सामने एक विशेष पुरस्कार सम्मान जीतने से लेकर सेलेना गोमेज़ जैसी हस्तियों के साथ प्रीमियर उपस्थिति और आधुनिक समय की 'कान्स की रानी' का टैग अर्जित करने तक, उर्वशी ने निश्चित रूप से अपने हाई-चिक ओम्फ को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया है और वो भी, अपने किसी भी भारतीय मजबूत समसामयिकों को उचित एवं विशाल अंतर के साथ, अब तक उनके द्वारा पहने गए प्रत्येक परिधान को लोगों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला है और नेटीज़न आश्चर्यचकित नहीं हैं।

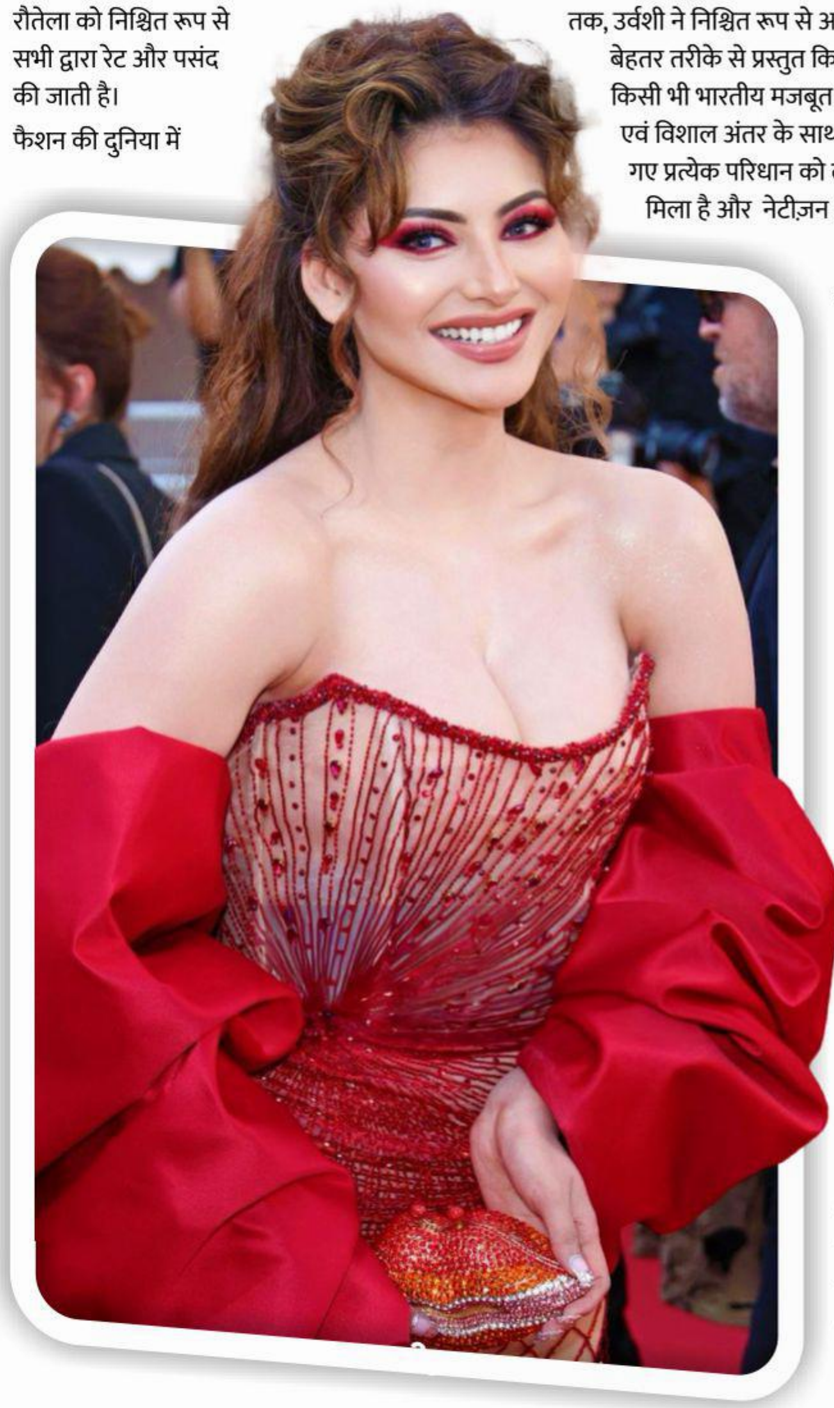

इससे पहले, हमें खबर मिली थी कि उर्वशी ने एक शानदार विशाल कस्टम-गाउन पहना था, जिसने रेड कार्पेट के इतिहास में अब तक, किसी और ग्लोबल स्टार द्वारा कभी नहीं पहना गया सबसे लंबा कस्टम गाउन होने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। अब अंदाज़ा लगाओ दोस्तों? सिर्फ वह आउटफिट ही नहीं, उर्वशी रौतेला का एक और आउटफिट सभी सही कारणों से खूब चर्चा बटोर रही है।

उर्वशी ने हाल ही में बेला हदीद और हेइडी क्लम के साथ एल'अमोरओफ के प्रीमियर पर एक खूबसूरत ब्लश क्रिस्टलाइज्ड ड्रीम गाउन पहना था, जो गुलाबी और लैवेंडर के सुरुचिपूर्ण रंगों से सजे कान्स में वसंत ऋतु के खिलने से प्रेरित था।

जलपरी के आकार की पोशाक ने विश्व भर के फैशनेबल लोगों का बहुत ध्यान आकर्षित किया था और उसे दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की के रूप में बहुत सराहना मिली। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस पोशाक की तैयारी में वास्तव में 61000 घंटे लगे थे? हाँ यह सही है।

उस पोशाक के डिजाइनर ने खुद अपनी सबसे पसंदीदा स्टार क्लाइंट उर्वशी रौतेला के लिए ड्रेस तैयार करने का अपना अद्भुत अनुभव साझा किया है। वह जो कुछ भी साझा करता है वो हम आपके सामने पेश करते हैं।

"उर्वशी रौतेला, मेरी सबसे पसंदीदा वैश्विक सुपरस्टार का ब्लश क्रिस्टलाइज्ड ड्रीम गाउन कान्स में वसंत ऋतु के खिलने से प्रेरित था, जो गुलाबी और लैवेंडर के सुरुचिपूर्ण रंगों से सजाया गया है। सिल्हूट एक आकर्षक जलपरी आकार है, जिसमें फूलों से जटिल कढ़ाई वाली 9 फुट की ट्रेन शामिल है। फिलीपींस के अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर माइकल सिन्को का कहना है कि इस आश्चर्यजनक विवरण को पूरा करने में अकेले, प्रभावशाली 61000 घंटे लगे।

सेलेना गोमेज़ के साथ एमिलिया पेरेज़ के प्रीमियर में उर्वशी रौतेला ने 77वें फेस्टिवल डे कान्स में तहलका मचा दिया, 35 करोड़ की कस्टम 'डांसिंग फिश' नेकपीस में वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं!

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि उर्वशी रौतेला भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे अधिक कमाई करने वाली वैश्विक सुपरस्टार हैं, जिन्हें फोर्ब्स के शीर्ष 10 में शामिल किया गया है। उनकी कुल संपत्ति 550 करोड़ से अधिक है और पूरा विश्व उन्हे सभी सही कारणों से उनसे प्यार करते हैं।

कई बार मिस यूनिवर्स जीतने से लेकर जज और फ्रंटलाइन बॉलीवुड सुपरस्टार के रूप में लोगों का मार्गदर्शन करने तक, इस आकर्षक और मनमोहक अभिनेत्री ने निश्चित रूप से अपने जीवन में एक लंबा सफर तय किया है, यह सब उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता की बदौलत है।

जब से उर्वशी रौतेला ने इस साल 77वें फेस्टिवल डे कान्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, तब से उन्हें किसी भी वैश्विक मंच पर किसी भी अन्य भारतीय अभिनेत्री की तुलना में अधिक प्यार, प्रशंसा और सम्मान मिल रहा है। वह पहले भी कई मौकों पर अपने देश भारत को गौरवान्वित कर चुकी हैं।

प्रतिष्ठित मेरिल स्ट्रीप की उपस्थिति में एक प्रतिष्ठित पुरस्कार सम्मान जीतने से लेकर एक विशेष कस्टम गाउन पहनने तक, जिसकी कीमत आलिया भट्ट के मेट गाला आउटफिट से 7 गुना अधिक है और इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बॉल गाउन पहनने का एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने तक, उर्वशी ने कमाल कर दिखाया है। यह सचमुच पार्क के बाहर है।

इस साल, फेस्टिवल डे कान्स में, अब से, यह अनुमान लगाने की कोई जरूरत नहीं है कि यह वास्तव में कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ ही समय में, उर्वशी ने ऐश्वर्या राय बच्चन की जगह लेकर आधिकारिक 'कान्स की रानी' का टैग हासिल कर लिया। खैर, इस बार, उर्वशी ने अपने लिए चीजों को एक पायदान ऊपर ले लिया है।

एमिलिया पेरेज़ के विशेष प्रीमियर में वह एकमात्र सेलेना गोमेज़ के साथ पोलिश डिजाइनर सिल्विया के भव्य कस्टम गाउन में बिल्कुल मंत्रमुग्ध और खूबसूरत लग रही थीं। हालांकि सभी को उर्वशी और सेलेना की एक साथ उपस्थिति बहुत पसंद आई, लेकिन प्रशंसक गण उर्वशी को सबसे ज्यादा सुंदर, एलिगेंट और बेस्ट पोशाक पहनने में सबसे ज्यादा बाजी मारने वाली घोषित करने से रोक नहीं पाए।

क्या आप जानते हैं कि उर्वशी के अल्ट्रा-शानदार और कस्टम 'डांसिंग फिश' नेकलेस की कीमत 35 करोड़ रुपये है? यह न केवल भारी कीमत वाले लोगों के लिए, सीमित संस्करण कस्टम नेकपीस विश्व स्तर पर उत्साह और डिजाइन के लिए कई पुरस्कार जीतने के लिए प्रसिद्ध है बल्कि यह विशेष रूप से 18K सोने में सेट किया गया है, यह पियर्स ब्रिलियंट टैन्ज़नाइट के साथ, मछली आकार को माणिक, गुलाबी नीलमणि और हीरे से सजाया गया है।

उर्वशी की सुंदरता और पहनावा सबसे अविश्वसनीय तरीके से परिष्कार और जीवंतता का प्रतीक है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, जब से वह इस अवतार में रेड कार्पेट पर उतरी हैं, सभी की निगाहें बस उन पर ही टिकी हुई रही। वास्तव में, उनकी उपस्थिति ऐसी थी कि हॉलीवुड की कुछ अभिनेत्रियाँ भी

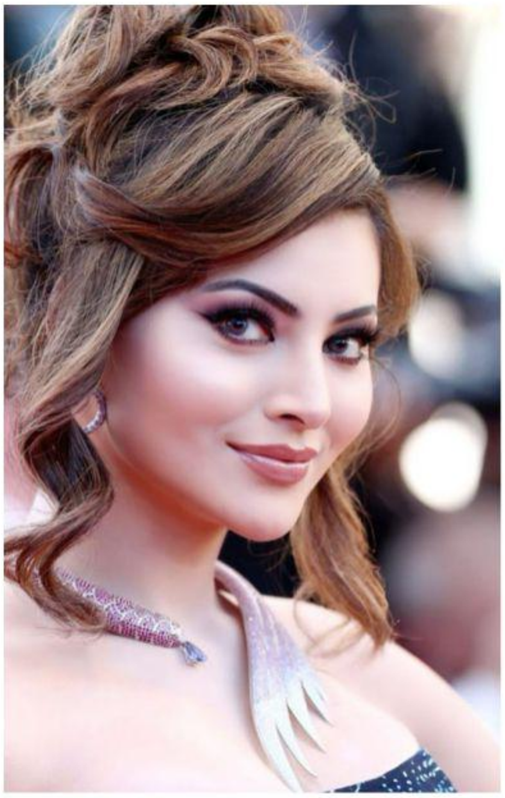

उतना ध्यान आकर्षित करने में विफल रहीं जितना इस बार प्रीमियर के रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला ने सहजता से ध्यान खींचा।

इस अविश्वसनीय लुक को पूरी विशेषज्ञता के साथ अपनाकर, उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कोई भी अन्य भारतीय अभिनेत्री वैश्विक मंच पर उनसे बेहतर शॉक फैक्टर पैदा करने में सक्षम नहीं है। कोई आश्चर्य नहीं, प्रशंसक उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की के रूप में सराह रहे हैं।

क्या आप उर्वशी के इस आकर्षक और शानदार लुक को देखना चाहेंगे? तो देखिए तस्वीरें। काम के मोर्चे पर, वैश्विक भारतीय सुपरस्टार उर्वशी रौतेला के पास अक्षय कुमार के साथ वेलकम 3, बॉबी देओल, दुलकीर सलमान, नंदामुरी बालकृष्ण के साथ 'एनबीके109', सनी देओल और संजय दत्त के साथ 'बाप' (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर एक्सपेंडेबल्स का रीमेक) जैसे बड़े प्रोजेक्ट हैं।

इसके अलावा, इंस्पेक्टर अविनाश 2, रणदीप हुड्डा के साथ, काला गुलाब. काला और एक इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में उर्वशी नजर आएंगी। उर्वशी एक आगामी बायोपिक में परवीन बाबी की भूमिका भी निभाएंगी। इसके अलावा वह 'जेएनयू' नाम की फिल्म में एक कॉलेज पॉलिटिशियन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके साथ ही, उनके पास जेसन डेरुलो के साथ एक बहुत ही खास संगीत वीडियो तथा और भी बहुत कुछ है।

जूनियर एनटीआर और **कल्याण राम** ने लीजेंड एनटीआर को उनकी 101वीं जयंती पर एनटीआर घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की...

खाने-पीने की शौकीन से लेकर फिटनेस की दीवानी **एल्नाज़ नोरौजी** ने साबित कर दिया है

सोनी सब के **'आंगन आपनों का'** में **आकाश** और **पल्लवी** के बीच तनाव बढ़ता है क्योंकि यह जोड़ा अलग होने की ओर बढ़ रहा है...

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

सुलेना मजुमदार अरोरा

जाने माने एक्टर अमित साध ने लंदन में जेरार्ड बटलर से मुलाकात की, इसे 'फैनबॉय मोमेंट' बताया

अभिनेता अमित साध को आखिरी बार शॉर्ट फिल्म 'घुसपैठ बिटवीन बॉर्डर्स' में देखा गया था और वेब सीरीज 'दुरंगा 2' के लिए वह फिलहाल काम के सिलसिले में लंदन में हैं। साध ने हाल ही में ग्रोसवेनर पार्क में स्कॉटिश अभिनेता और फिल्म निर्माता जेरार्ड बटलर से मुलाकात की, जहां दोनों एक-दूसरे के साथ मुस्कुराते और पोज देते नजर आए।

अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जेरार्ड बटलर के साथ एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर शेयर करते हुए अमित साध ने लिखा, "पूरी तरह से फैनबॉय मोमेंट - जेरार्ड बटलर से मिलना... पीएस आई लव यू "

इस मुलाकात पर विचार करते हुए अमित ने कहा, "मैंने हमेशा जेरार्ड बटलर की प्रशंसा की है, और वाकई में उनसे मिलना अवास्तविक था। यह मेरे लिए एक बड़ा फैन मोमेंट यानी प्रशंसक क्षण था। वह बहुत उदार और शालीन इंसान हैं। हमारी बातचीत के दौरान, उन्होंने भारत के लिए अपने प्यार का खुलकर इजहार करते हुए कहा कि उन्हें हमारा देश और हमारे देश की संस्कृति से कितना प्यार है। किसी ऐसे व्यक्ति से मिलना मुझे बहुत अच्छा लगा जो न केवल इतना प्रतिभाशाली है, बल्कि जबर्दस्त गर्मजोशी से भरा और दयालु भी है।"

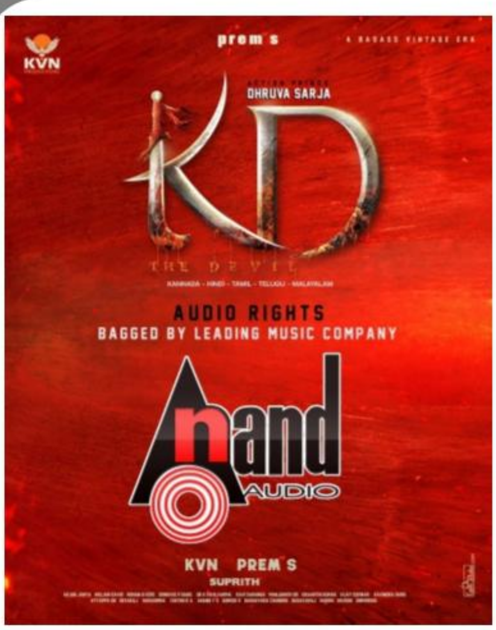

केवीएन प्रोडक्शन की 'केडी' द डेविल्स वारफील्ड' दिसंबर में रिलीज के लिए तैयार - संगीत अधिकार ₹17.7 करोड़ में प्राप्त किया

केवीएन प्रोडक्शंस इस दिसंबर 2024 में "केडी: द डेविल्स वॉरफील्ड' नामक एक हाई-ऑक्टेन पीरियड एक्शन फिल्म रिलीज करने के लिए तैयार हो रहा है। इस फिल्म के लिए प्रचार पहले से ही सेट है और यही कारण है कि के वी एन द्वारा जो वादा किया गया है उससे कम की उम्मीद नहीं की जा सकती है। यहां बताया गया है कि "केडी: जैसे कि केवल शीर्षक ही इसका संकेत देता है, "द डेविल्स वॉरफ़ील्ड" वर्ष के सबसे अधिक प्रतीक्षित रिकॉर्डों में से एक बनने की तैयारी कर रहा है।

सबसे पहले, फिल्म की दिलचस्प कथानक के लिए प्रशंसा की जा सकती है। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की दुनिया में हुई तथ्यात्मक घटनाओं से संबंधित है। इस ऐतिहासिक सेटिंग को एक दिलचस्प कहानी प्रदान की गई और उस अवधि के लिए मंच तैयार करना चाहिए जो अपने आप में अपनी चुनौतियां और अपील रखता है। बस पुराने जमाने के पीरियड ड्रामा को एक एक्शन फिल्म की ताकत और तनाव के साथ चित्रित करें। यह गंभीर फिल्म एक जादू है।

फिल्म की प्रतिष्ठा को और भी अधिक बढ़ावा देने वाला तथ्य यह है कि फिल्म के ऑडियो अधिकार ₹17. 7 करोड़ की भारी कीमत पर खरीदे गए हैं। यह बड़ी रकम इस परियोजना में वितरकों के मजबूत विश्वास का प्रमाण है। इससे यह भी पता चलता है कि साउंडट्रैक में चार्ट-बस्टिंग गाना हो सकता है जो दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म का पूरक होगा। दिसंबर महीने की बात करें तो फिल्म में प्रशंसकों के लिए कुछ और भी है क्योंकि फिल्म का पहला गाना अगस्त में रिलीज होने की उम्मीद है।

लेकिन "केडी: द डेविल्स वारफील्ड, यह सिर्फ युद्ध या ऐतिहासिक काल के बारे में नहीं है। यह उपन्यास "द डेविल्स वारफील्ड" उससे कहीं अधिक है। इसमें एक्शन से भरपूर कलाकारों की सूची है जिसका मतलब केवल यह हो सकता है कि इसमें कुछ शानदार प्रदर्शन होने वाले हैं। संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी कुंद्रा जैसे अनुभवी अभिनेताओं के साथ, यह निश्चित है कि फिल्म में मसाला और अनुभव स्पष्ट होगा। नोरा फतेही जैसे नए कलाकारों और कन्नड़ फिल्म उद्योग में सबसे बड़े अभिनेता - रमेश अरविंद का परिचय केवल कलाकारों को ताकत देता है। कलाकारों में वी रविचंद्रन को शामिल करने से फिल्म को एक बहु-क्षेत्रीय अपील मिलती है, जिससे फिल्म पूरे देश में दर्शकों को लुभाने का प्रयास करती है।

यह दृष्टिकोण का एक और दिलचस्प कारक है। फिल्म की पैन-इंडिया रिलीज़। "केडी: द डेविल्स वॉरफील्ड' अब तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज के लिए तैयार है, जिससे दर्शकों के बीच इसकी अपील बढ़ जाएगी और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित अखिल भारतीय फिल्म बनने की संभावना बढ़ जाएगी।

इतिहास में निहित इसकी मनोरम कहानी, एक प्रभावशाली कलाकार और निर्देशक प्रेम द्वारा जीवंत की गई एक निर्देशकीय दृष्टिकोण के साथ, "केडी: फिल्म का शीर्षक" द डेविल्स वारफील्ड "एक एक्शन से भरपूर, दृश्यमान रूप से प्रभावशाली घटना होनी चाहिए। इस दिसंबर 2024 में, 1970 के दशक के बेंगलुरु की जीवंत पृष्ठभूमि पर आधारित एक महान कहानी के लिए तैयार रहें और एड्रेनालाईन रश को महसूस करें। तो, अपने कैलेंडर चिह्नित करें और "केडी: द डेविल्स वारफील्ड" से रोमांचित होने के लिए तैयार रहें।

'छोटा भीम' के बेहतरीन गाने-लॉन्चिंग इवेंट में अनुपम खेर नए कंधे पर 'गद्दा' रखे हुए हैं, अपने बचपन की कौन सी अद्भुत यादें बयां करते हैं?

-चैतन्य पडुकोण

लगभग सभी बड़े वयस्कों में बच्चों जैसा मौज-मस्ती का गुण हमेशा छिपा रहता है। अनुभवी लेकिन युवा दिल के दिग्गज स्टार-अभिनेता अनुपम खेर कोई अपवाद नहीं हैं। कलाकारों और क्रू के साथ मंच पर 'जिंदा-दिल' अभिनेता अपने दिल-तो बच्चा है-जी मूड में थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित लेकिन विनम्र अभिनेता (अनुपम) ने गर्व से शक्तिशाली पौराणिक हथियार 'गद्दा' (गदा) को अपने कंधे पर रखा हुआ था। जिसे उन्होंने मंच पर

शक्तिशाली युवा 'छोटा भीम' (बाल कलाकार यज्ञ भसीन) से कुछ समय के लिए 'उधार' लिया था.. लाइव एक्शन फिल्म छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ के शानदार मधुर दो ट्रैक लॉन्च पर आमंत्रित दर्शकों ने इसे देखा। दमयान, गायकों, संगीतकार, कलाकारों और चालक दल की उपस्थिति में स्टार-पार्श्व गायक शान और सुखविंदर सिंह द्वारा खूबसूरती से गाया गया। निर्माता-निर्देशक राजीव चिलका की छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान अपनी शानदार नाटकीय रिलीज के लिए हो गई है। यह फिल्म शुक्रवार 31 मई 2024 से सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। निर्माताओं ने लाइव-एक्शन आश्चर्यजनक-दृश्य फिल्म से दो भावपूर्ण लेकिन स्पंदित करने वाले ट्रैक लॉन्च किए, जिनका नाम जम्बूरा और जरा मुस्कुरा है, जिन्हें क्रमशः सुखविंदर सिंह और शान ने गाया है, और बहुमुखी प्रतिभाशाली राघव द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। सच्चर...

'छोटा भीम' (2024) में 'गुरु शंभू' की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अनुपम खेर फ्लैश–बैक में चले गए और याद किया कि आखिरी बार उन्होंने 'गद्दा' (गदा) का नेतृत्व तब किया था जब पांचवीं कक्षा में उन्होंने एक बजाया था। अपने गृह–नगर में एक राम–लीला उत्सव में भगवान हनुमान की शक्तिशाली टीम के योद्धा–वानरों की। बाद में अनुपम ने मजाक में यह भी कहा, कि हालांकि उनके युवा सह–कलाकार शूटिंग सेट पर अक्सर नखरे दिखाते थे (मेरा–जीना–हराम किया), लेकिन उन सभी के बीच एक दोस्ताना रिश्ता था। "स्मार्ट बच्चों के साथ सह–कलाकार के रूप में अभिनय करना मेरे लिए हमेशा सीखने का अनुभव होता है और मैं हमेशा नए आश्चर्यों का अनुभव करना चाहता हूं। यह एक भावुक संयोग है कि यह फिल्म 'छोटा भीम' अब रिलीज हो गई है। जो मेरे बॉलीवुड अभिनय के 40 साल पूरे होने के साथ मेल खाता है – इसकी शुरुआत ऐतिहासिक क्लासिक फिल्म 'सारांश' (1984) से हुई है, अभिनय–गुरु अनुपम ने कहा, उन्होंने यह भी साझा किया कि वह गर्व से एक कलात्मक–अस्थायी डिजाइन टैटू प्रदर्शित करने के लिए सहमत हुए हैं। उनके साफ–मुंडा सिर पर, उनके ऑन–स्क्रीन 'शंभू' किरदार के 'गेट–अप' के रूप में, जिसने चरित्र के प्रभावशाली लुक को जोड़ा।

दर्शकों ने प्रतिभाशाली गायक शान और सुखविंदर सिंह के गानों का जीवंत अद्भुत प्रदर्शन देखा – जैम–जैम–जंबूरा एक फुट–टैपिंग शानदार ट्रैक है जो फिल्म के जादुई तत्व को दर्शाता है। सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया (जिन्होंने कहा कि वह उस गीत के लिए स्क्रीन पर अनुपम खेर के जीवंत रंगीन नृत्य–अभिनय को देखकर भी प्रेरित हुए थे) और राघव सच्चर द्वारा संगीतबद्ध इस गीत में छोटा भीम और उसकी सेना के साथ अनुपम खेर भी हैं। 'जरा मुस्कुरा' एक भावपूर्ण मधुर भूतिया ट्रैक है जो सभी सकारात्मक भावनात्मक तरंगों को स्थापित करता है। शान के स्वर और राघव सच्चर द्वारा संगीतबद्ध यह सुखदायक गीत ताजी हवा का झोंका है। संगीतकार राघव सच्चर (जो 41 संगीत वाद्ययंत्र बजाते हैं !!) ने कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहे गायकों के साथ मंच पर बांसुरी और सैक्सोफोन बजाया।

फिल्म में दिग्गज वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर (गुरु शंभू के रूप में) और मकरंद देशपांडे (स्कंधी के रूप में) के साथ–साथ बाल–अभिनेता यज्ञ भसीन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में नवनीत कौर ढिल्लन (दुष्ट–नागिन 'तक्षिका' की भूमिका में), कबीर शेख (कालिया), अदविक जयसवाल (राजू), दैविक डावर (ढोलू), दिव्यम डावर (भोलू), आश्रय मिश्रा (छुटकी) और स्वर्णा पांडे (इंदुमती) और प्रतिभाशाली, आकर्षक सह–निर्माता मेघा चिलका 'छोटा भीम की माँ' के रूप में।

दूरदर्शी राजीव चिलका द्वारा निर्मित और निर्देशित और मेघा चिलका द्वारा सह–निर्मित 'लाइव एक्शन' फिल्म छोटा भीम और द कर्स ऑफ दमयान नीरज विक्रम द्वारा लिखी गई है और भरत लक्ष्मीपति के साथ श्रीनिवास चिलकलापुडी द्वारा सह–निर्मित है, संगीत बहुमुखी राघव सच्चर द्वारा दिया गया है। यह फिल्म शुक्रवार 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अनीस बज़्मी ने बताया फ़िरोज़ खान को फिल्म 'वेलकम' के समय था कैंसर

प्रीति शुक्ला

फिरोज खान, जो 1970 और 1980 के समय में हिंदी फिल्मों के सबसे फेमस एक्टर्स में से एक थे, हालांकि अपने बाद के वर्षों में कई फिल्मों में दिखाई नहीं दिए लेकिन उन्होंने अनीस बज़्मी की 2007 की फिल्म वेलकम में एक छोटी भूमिका निभाने का फैसला किया, जो उनके सबसे यादगार किरदारों में से एक थी बता दें हाल ही में एक इंटरव्यू में बज्मी ने खुलासा किया कि फ़िरोज़ खान को शायद उस समय तक अपनी बीमारी के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने किसी को इसके बारे में पता नहीं चलने दिया, 2009 में फेफड़ों के कैंसर से लड़ने के बाद फ़िरोज़ का निधन हो गया अनीस ने बताया कि फ़िरोज़ वेलकम में काम करने को लेकर बहुत एक्साईटेड नहीं थे, लेकिन बाद में वह सहमत हो गए

अनीस ने बताया कि फ़िरोज़ ने नो एंट्री देखने के बाद उन्हें रात के खाने के लिए इनवाईट किया, जिसमें उनके बेटे फरदीन खान भी थे "मैं हमेशा से उनका प्रशंसक था मैंने उनकी सारी फिल्में देखी थीं. मुझे उनके कई डायलॉग याद आ गए और वह हैरान रह गए' उन्होंने कहा, 'अनीस, तुम्हें ये सब याद है?' मैंने उनसे कहा कि आपने इतना अच्छा काम किया है और हम आपके इतने बड़े प्रशंसक हैं इसलिए यह बहुत ही दोस्ताना माहौल था,"

इसके बाद अनीस ने उन्हें वेलकम में आरडीएक्स की भूमिका में कास्ट करने के बारे में बात की और कहा, "मैंने सोचा कि फ़िरोज़ खान के अलावा उदय शेट्टी और मजनू शेट्टी का बॉस कौन हो सकता है? लेकिन वह उस समय काम नहीं कर रहे थे मेरा मानना है कि तभी उन्हें अपनी बीमारी के बारे में कुछ संकेत मिल गया था वह सिर्फ यह कह रहे थे कि वह ऐसा नहीं करना चाहते, बहाने बना रहे थे लेकिन मैं इस बात पर अड़ा था कि तुम्हें यह करना ही होगा और किसी तरह वह मान गये . वह भूमिका बहुत बड़ी नहीं थी. वो सिर्फ चार सीन और क्लाइमेक्स थे उनके व्यक्तित्व के कारण यह भूमिका बड़ी हो गयी"

अनीस ने यह भी बताया कि उनके पास फ़िरोज़ खान के साथ काम करने की बहुत अच्छी यादें हैं और उन्होंने कहा कि एक्टर ने कभी किसी को ऐसा महसूस नहीं कराया कि वह बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहे है " उन्होंने मुझे एहसास नहीं कराया कि वह ठीक नहीं है ऐसा नहीं है कि वह दर्द में नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी बीमारी अपने तक ही रखी और सेट पर किसी को भी इसके बारे में नहीं बताया," फिल्म के तुरंत बाद, फ़िरोज़ खान का 2009 में 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया फिल्म में अक्षय कुमार, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, कैटरीना कैफ, परेश रावल जैसे अन्य कलाकार भी थे

नितिन और गौरव बने डांस दीवाने 4 के चमचमाती ट्रॉफी के विजेता

शिल्पा पाटिल

कलर्स टीवी के शो 'डांस दीवाने' सीजन 4 को उसका विनर मिल गया है. फरवरी में शुरुआत हुए इस शो में 27 कंटेस्टेंट और 5 वाइल्ड-कार्ड कंटेस्टेंट शामिल थे. जिनमें से पांच कंटेस्टें फाइनल तक पहुंचे. 25 मई 2024 को हुए इस ग्रैंड फाइनल में इन सभी कंटेस्टेंट को पीछे छोड़कर गौरव शर्मा और नितिन ने डांस दीवाने सीजन 4 की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम की, और इसके साथ हीं लाखों का इनाम भी अपने नाम किया. आइये जानते हैं इन दो विजेताओं से जीत के बाद कैसा महसूस कर रहे हैं.

आप 'डांस दीवाने' सीजन 4 के विजेता बन चुके हैं. जीत की ट्रॉफी उठाकर कैसा महसूस हो रहा है?

गौरव- बहुत हीं अमेजिंग फील हो रहा है. स्टेज पर खड़े रहना और फिर जब आपका नाम विनर के तौर पर अनाउंस हो तो वो फीलिंग हीं बहुत अलग होती है. बहुत ख़ुशी हो रही है.

नितिन- मै अनाउंसमेंट सुनकर इतना खुश हो गया कि मै स्टेज पर हीं लेट गया.

क्या कोई ऐसे कंटेस्टेंट थे जो आपके हिसाब से आपको टफ कम्पटीशन दे रहे थे?

गौरव- हर्ष और देवांश हमें टफ कम्पटीशन लगते थे.

उनके डांस की खास बात आपको क्या लगती थी?

गौरव- वो भी हमारी तरह हीं थे, वो हमेशा से अपने डांस में नयी नयी चीजें लेकर आते थे.

नितिन- वह कई तरह के डांस फॉर्म करते थे और मेहनती भी थे।

गौरव- काफी तरह के डांस तो नहीं, अलग-अलग तरह के डांस तो सबसे ज्यादा हम हीं करते थे. लेकिन वो लोग चुप रहकर भी जो चीजें कर जाते थे वो कोई और कर नहीं पाता शो में, इसलिए मुझे वो डिजर्विंग लगता था.

दोनों जजेज माधुरी दिक्षित और सुनील शेट्टी को कितना मिस करेंगे?

गौरव- सिर्फ उनको हीं नहीं सबको मिस करेंगे क्योंकि एक वीक में हमारा एक शूट होता था, तो हम सबकुछ मिस करेंगे.

माधुरी दिक्षित और सुनील शेट्टी की कोई ऐसी बात जो आपको बहुत खास लगती है?

गौरव- कोई एक खास बात नहीं है, वो पुरे हीं खास हैं. बहुत हीं प्यारे हैं और बहुत हीं पॉजिटिव कमेंट देते हैं.

नितिन- सुनील सर बहुत हीं हम्बल पर्सन हैं और माधुरी मैम बहुत हीं सुन्दर हैं.

ऑडिशन से लेकर फाइनल तक आपने जिस स्टेज पर परफॉर्म किया है, उसको कितना मिस करेंगे?

गौरव- स्टेज को बहुत मिस करूँगा, उस स्टेज पर हमें कई चोटें भी लगी हैं तो वो हमारे लिए बहुत यादगार रहेगा. अगर इस स्टेज पर लगी किसी भी चोट में अगर दोबारा दर्द होता है तो हमें ये स्टेज हीं याद आयेगा.

इस शो की इस जर्नी से क्या यादें लेकर जा रहे हैं?

गौरव- सबसे खास बात तो यही है कि हम दोनों यहाँ से सबका प्यार लेकर जा रहे हैं. हमारी कभी किसी से कोई लड़ाई नहीं हुई, हम दोनों से सभी लोग बहुत खुश रहते थे.

शो में कई सेलेब्रिटी गेस्ट भी आये थे जिनके सामने आप लोगों ने परफॉर्म किया था. उनसे जुड़ी किसी मेमोरी के बारे में शेयर करना चाहेंगे?

गौरव- जब करिश्मा कपूर मैम आयीं थी वो मोमेंट मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मै उनका बहुत समय से फैन रहा हूँ. हमारा परफॉरमेंस खत्म होने के बाद जब उन्होंने स्टेज पर आकर हमें मेडल पहनाया था तब वो मोमेंट हीं कुछ अलग सा खास बन गया था.

आपने शो के कंटेस्टेंट के साथ भी काफी समय बिताया है तो आप उनको कितना मिस करने वाले हैं?

गौरव- सब लोग फैमिली की तरह हीं थे इसलिए सबको मिस करूँगा लेकिन सबसे ज्यादा नितिन को मिस करूँगा क्योंकि मै सबसे ज्यादा इसी के साथ रहता था.

आनेवाले समय में डांस को लेकर और क्या प्लान्स हैं आपके?

गौरव- डांसिंग को लेकर ऐसा कोई प्लान तो किसी का नहीं होता है. डांस में ट्रेनिंग होती है तो इसके बाद मै अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान दूंगा.

नितिन- इसके बाद एक्टिंग क्लास जाना है और एक्टर बनना है.

बिग बॉस के कंटेस्टेंट अभिषेक कुमार आपको सपोर्ट करने के लिए आये थे, वो एपिसोड कैसा रहा?

गौरव- वो एपिसोड तो बहुत हीं अमेजिंग था. उसमें हमारा परफॉरमेंस भी खतरनाक था.

अभिषेक खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा बनने जा रहे हैं, उनको कुछ कहना चाहेंगे?

गौरव- आल द बेस्ट, जीत जाओ, हम भी जीत गए.

नितिन- फुल सपोर्ट

फाइनल का परफॉरमेंस कैसा रहा आपके लिए?

गौरव- फाइनल का परफॉरमेंस बहुत हीं अमेजिंग रहा.

इस जर्नी में आपको फैंस का काफी सपोर्ट मिला, उसके बारे में कुछ कहना चाहेंगे?

गौरव- फैंस ने बहुत सपोर्ट किया, आज हम उनकी वजह से हीं यहाँ पर खड़े हैं. उन्होंने बहुत प्यार दिया है और यही हमारे लिए सबसे अहम है.

इस ट्रॉफी को जीतने के बाद अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

गौरव- आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद, आपने हमें इतना प्यार दिया. ये हमारी ट्रॉफी के साथ साथ आपकी भी ट्रॉफी है क्योंकि आपलोगों ने हीं हमें जिताया है.

मायापुरी
www.mayapuri.com

जब अमरीका के व्हाइट हाउस में गूंजा भारत का देशभक्ति गीत

विनोद कुमार यादव

पिछले दिनों अमरीका के व्हाइट हाउस में भारत के भारत के लोकप्रिय देशभक्ति गीत – सारे जहां से अच्छा की धुन बजाई गई। मशहूर फिल्म लेखक विनोद कुमार इस देशभक्ति गीत के बनने के बारे में बता रहे हैं जो वर्षों बाद भी लोगों के मन में देशभक्ति की भावना भर रहा है...

सिनेमा के गोल्डन एरा के दौर में ऐसे अनेक गीत बने जो भारतीयता और राष्ट्रीयता के प्रतीक बन गए। इन गीतों ने देशवासियों के मन में देशभक्ति की भावना भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही नहीं, इन गीतों ने विभिन्न समुदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधा। वर्षों बाद भी ये गीत देश में होने वाले हर राष्ट्रीय समारोह में गूंजते हैं। यही नहीं, ये गीत विदेशों में भी भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ऐसा ही एक गीत है जिसे पिछले दिनों व्हाइट हाउस में बजाया गया। यही नहीं, अमरीका में रहने वाले भारतीयों के अनुरोध पर वह धुन दोबारा बजाई गई। व्हाइट हाउस के मरीन बैंड ने पिछले दिनों अनेक एशियाई अमेरिकियों के समक्ष इस गीत की धुन बजाई। व्हाइट हाउस में 'एशियन अमेरिकन, नेटिव हवाई एंड पेसिफिक आइलेंडर' यानी एएएनएचपीआई के 'विरासत माह' का जश्न मनाने के लिए यह आयोजन हुआ था जिसमें राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी उपस्थित हुए थे। देशभक्ति गीत की धुन को भारतीय अमेरिकियों के अनुरोध पर मरीन बैंड ने दो बार बजाया। अमरीकी राष्ट्रपति की ओर से इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए भारतीय अमेरिकियों को आमंत्रित किया गया था।

एक साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब व्हाइट हाउस में भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत बजाया गया। आखिरी बार पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान ऐसा किया गया था। मरीन बैंड ने बताया कि उसने राजकीय दौरे से पहले इसका अभ्यास किया था।

इस गीत को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोहम्मद इकबाल ने लिखा था। इस गीत को तराना -ए-हिंदी के रूप में जाना जाता है। अल्लामा मुहम्मद इक़बाल ने इसे ग़ज़ल शैली में लिखा जो सबसे पहले सोलह अगस्त उन्नीस सौ चार को साप्ताहिक पत्रिका इत्तेहाद में प्रकाशित हुई थी।

इसके अगले वर्ष इकबाल ने गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर में इसे सार्वजनिक रूप से सुनाई और यह गीत अंग्रेजों के विरोध का एक गीत बन गया। बाद में उन्नीस सौ चौबीस में उर्दू पुस्तक बंग-ए-दारा में प्रकाशित हुआ था।

इसमें हिन्दोस्तान का जिक्र उस भूमि के लिए किया गया है जिसमें भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं।

भारत में यह गीत बहुत लोकप्रिय रहा है। इसके छोटे हिस्से को देशभक्ति गीत और भारतीय सशस्त्र बलों के मार्चिंग गीत के रूप में अक्सर गाया और बजाया जाता है।

इस गीत के लिए सबसे लोकप्रिय संगीत रचना सितार वादक रविशंकर ने की थी। रविशंकर द्वारा बनाई गई धुन को ही भारतीय सशस्त्र बलों के मार्चिंग गीत के रूप में अपनाया गया।

पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने उन्नीस सौ चौरासी में तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को यह बताने के लिए गीत की पहली पंक्ति का उपयोग किया था कि भारत बाहरी अंतरिक्ष से कैसा दिखाई देता है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने उद्घाटन भाषण में इस कविता को उद्धृत किया था। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने भी इस गीत को संसद में गाया था।

यह गीत लगभग एक शताब्दी तक भारत में लोकप्रिय रहा है। कहा जाता है कि जब महात्मा

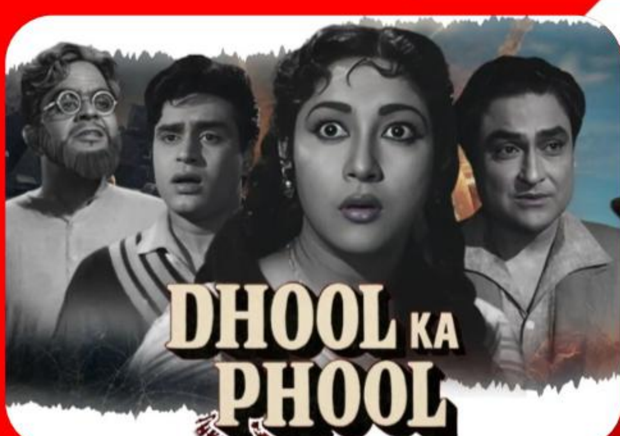

गांधी उन्नीस सौ तीस के दशक में पुणे की यरवदा जेल में कैद थे तो उन्होंने इसे सौ से अधिक बार गाया था।

उन्नीस सौ तीस और उन्नीस सौ चालीस के दशक में इसे धीमी धुन पर गाया जाता था। साल उन्नीस सौ पैतालिस में, इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन यानी इप्टा के साथ मुंबई में काम करते समय, सितारवादक पंडित रविशंकर को के ए अब्बास की फिल्म धरती के लाल और चेतन आनंद की फिल्म नीचा नगर के लिए संगीत तैयार करने के लिए कहा गया था।

साल 2009 में शेखर गुप्ता के साथ एक साक्षात्कार में, रविशंकर ने बताया कि उन्हें लगा कि मौजूदा धुन बहुत धीमी और ट्रैजिक थी। इसे और अधिक प्रेरक प्रभाव देने के लिए, उन्होंने इसे एक मजबूत धुन में सेट किया जो आज इस गीत की लोकप्रिय धुन है, जिसे बाद में उन्होंने समूह गीत के रूप में आज़माया।

बाद में इस गीत को मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले और महेन्द्र कपूर ने अलग-अलग फिल्मों के लिए अलग-अलग धुनों पर गाया।

आशा भोसले ने इसे साल उन्नीस सौ उनसठ में रिलीज हुई फिल्म भाई बहन के लिए गाया था। डेजी इरानी, बेबी नाज और जॉनी वाकर की मुख्य भुमिकाओं वाली इस फिल्म का निर्देशन जी पी सिप्पी ने किया था। इस गीत का संगीत एन दत्ता ने दिया था।

इसके बाद साल उन्नीस सौ इकसठ में रिलीज हुई फिल्म धर्मपुत्र में भी इस गीत को रखा गया था जिसे मोहम्मद रफी ने आशा भोसले के साथ गाया था। अशोक कुमार, माला सिन्हा और शशि कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म का निर्देशन यश चौपड़ा ने किया था।

धर्मपुत्र का निर्माण बी आर चोपड़ा ने किया था और इसका निर्देशन बी आर चोपड़ा के छोटे भाई यश चोपड़ा ने किया था। यश चोपड़ा के निर्देशन में बनने वाली यह दूसरी फिल्म थी। यह फिल्म ब्रिटिश राज के दौरान भारत के विभाजन से पैदा हुए साम्प्रदायिक घटनाओं पर आधारित है। इस फिल्म में शशि कपूर ने वयस्क होकर पहली बार काम किया था।

साम्प्रदायिक एकता और भाईचारे का संदेश देने वाली इस फिल्म के गाने लिखे थे शायर साहिर लुधियानवी ने और इसमें संगीत दिया था एन दत्ता ने।

हालांकि यह फिल्म नहीं चली लेकिन इसमें मोहम्मद रफी का एक गाना था जो खूब चला था – वो दिलवर मुझ पर खफा न हो, कहीं तेरी भी कुछ खता न हो। ये दिल दीवाना मचल गया।

इस फिल्म के रिलीज होने से दो साल पहले बी आर चौपड़ा ने इंसानियत और भाईचारे का संदेश देने वाली एक और फिल्म बनाई थी – धूल का फूल। इस फिल्म को डायरेक्ट करने की जिम्मेदारी दी थी यश चोपड़ा को। धूल का फूल फिल्म में थे राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, नंदा, अशोक कुमार और मनमोहन कृष्ण। फिल्म का संगीत दिया था संगीतकार एन दत्ता ने और इसके गाने लिखे थे शायर साहिर लुधियानवी ने।

इस फिल्म में भाइचारे का संदेश देने वाला गाना है – इंसान की औलाद है इंसान बनेगा। इस गाने को आवाज दी थी मोहम्मद रफी ने। हालांकि फिल्म में तो यह गाना महज़ एक गाना था लेकिन फिल्म के बाहर यह गाना आपसी भाईचारे का एक प्रतीक बन गया था।

इंसान की औलाद है इंसान बनेगा गीत की तरह ही सारे जहां से अच्छा गीत भाईचारे की भावना को भरता है। सारे जहां से अच्छा गीत भारत में स्कूलों में देशभक्ति गीत के रूप में लोकप्रिय है, जिसे सुबह की सभाओं के दौरान गाया जाता है। इसके अलावा सार्वजनिक कार्यक्रमों और परेडों के दौरान बजाया जाता है। हर साल भारतीय स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और बीटिंग द रिट्रीट के समापन के मौके पर सशस्त्र बलों के सामूहिक बैंड द्वारा इस गीत की धुन बजाई जाती है। आज जब भी कहीं यह गीत बजता है तो हर देशवासी का सिर गर्व से उपर उठ जाता है।

■ ■ ■

मायापुरी
www.mayapuri.com

भुवन बाम ने हासिल की बड़ी जीत: टीटू मामा बने ट्रेडमार्क चरित्र

—सुलेना मजुमदार अरोरा

एक रियल इंटरनेट सनसनी और अब, एक सुपर अभिनेता, भुवन बाम ने अपने पहले से ही उल्लेखनीय करियर में एक और प्रभावशाली उपलब्धि जोड़ ली है। 'बीबी की वाइंस' टाइटल के तहत अपने स्केच वीडियो में कई किरदार निभाने के लिए जाने जाने वाले भुवन बाम ने अब अपने सबसे लोकप्रिय पात्रों में से एक टीटू मामा को आधिकारिक तौर पर ट्रेडमार्क कर दिया है।

टीटू मामा, एक ऐसा किरदार है जिसे लाखों लोग पसंद करते हैं। वह अपने खुशी से भरने वाली दिलकश हँसी और अपनी अनूठी शैली के लिए फेमस है। वह 'बीबी की वाइन्स' एपिसोड के साथ एक ऐसे एक्टर बन गए हैं, जो व्यावहारिक तरीके से अपने आप में एक सांस्कृतिक प्रतीक की तरह लगते हैं। उनका एकदम अलग तरह का व्यक्तित्व, वास्तव में दर्शकों को प्रभावित करता है, जिससे वह एक सबके चहेते और मनोरंजक चरित्र बन जाते है।

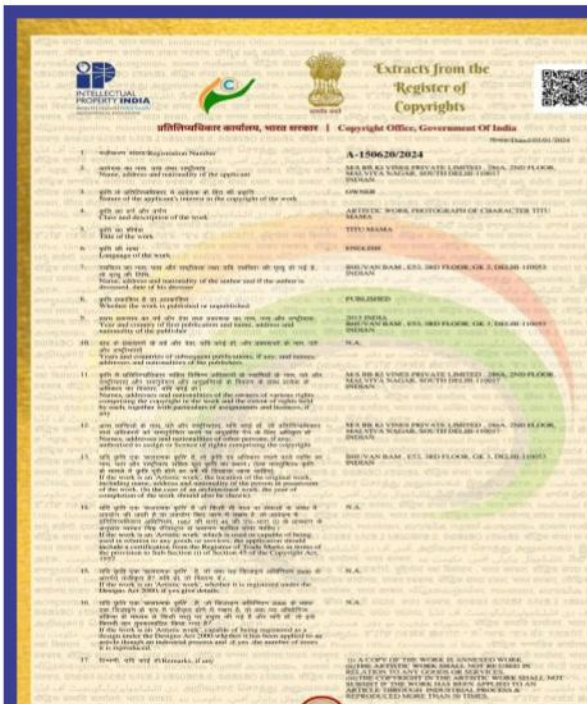

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

Extracts from the Register of Copyrights

प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय, भारत सरकार | Copyright Office, Government Of India

A-150620/2024

भुवन ने स्वयं टीटू मामा की अपार लोकप्रियता पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए, इस उपलब्धि के सिलसिले में कहा कि जब टीटू मामा को पहली बार पेश किया तो उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह किरदार इस तरह से आगे बढ़ेगा। वह टीटू के विशिष्ट गुणों को स्वीकार करते हैं और कैसे वे दर्शकों के बीच इतनी गहराई से जुड़े हैं यह उन्हे अद्भुत लगा। भुवन ने कहा, टीटू मामा के लिए प्यार और सराहना वास्तव में दिल को छू लेने वाली है।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भुवन ने बताया कि 2018 में, टीटू मामा ने बीबी की वाइन्स की दुनिया से बाहर कदम रखा और एक नए मंच – 'टीटू टॉक्स' में उन्हे एक नया स्तर मिला। इस टॉक शो ने टीटू मामा के रूप में भुवन को प्रसिध्द सेलिब्रिटीज के साथ साक्षात्कार लेने का अवसर दिया। महान एक्टर शाहरुख खान से लेकर जॉनी सिन्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय सितारों और रामचरण, जूनियर एनटीआर जैसे भारतीय पावरहाउस और यहां तक कि निर्देशक एस.एस. राजामौली तक सबका इंटरव्यू उन्होने लिया। टीटू टॉक्स ने कम समय में ही चरित्र की पहुंच और क्षमता का प्रदर्शन किया।

टीटू टॉक्स को मिली जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उनके चरित्र की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। इस अद्वितीय किरदार की रक्षा के लिए, भुवन ने टीटू मामा को बौद्धिक संपदा भारत कार्यालय के साथ ट्रेडमार्क के रूप में आधिकारिक तौर पर पंजीकृत करने का निर्णय लिया। इससे यह सुनिश्चित होता है कि टीटू मामा भुवन के रचनात्मक यूनिवर्स का एक अनूठा और प्रिय हिस्सा बने रहें।

टीटू मामा को ट्रेडमार्क कराने का भुवन बाम का निर्णय दो महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डालता है। सबसे पहले, यह चरित्र के अत्यधिक प्रभाव पर जोर देता है। टीटू मामा अब केवल ऑनलाइन रेखाचित्रों में एक हास्य चरित्र नहीं है – वह एकनिष्ठ फैन बेस के साथ एक पहचानने योग्य यूनिट बन गए है। दूसरे, यह आज के डिजिटल युग में रचनात्मक सामग्री की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। यह कदम उठाकर, भुवन ने अपने काम की अखंडता और मौलिकता की रक्षा की है, इससे यह सुनिश्चित होता है कि भुवन का अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता कमाल का है।

यह उपलब्धि भुवन बाम के असाधारण करियर में एक और मील का पत्थर साबित होता है। मनोरंजन उद्योग में बैरियर्स को पार करना और नए मानक स्थापित करना भुवन की योग्यता है।

परेश रावल के फैंस ने, ताजमहल अनाउंसमेंट, (द ताज स्टोरी) सुनते ही अपनी अपनी प्रतिक्रियाओं से नेट की दुनिया को लाल कर दिया

—सुलेना मजुमदार अरोरा

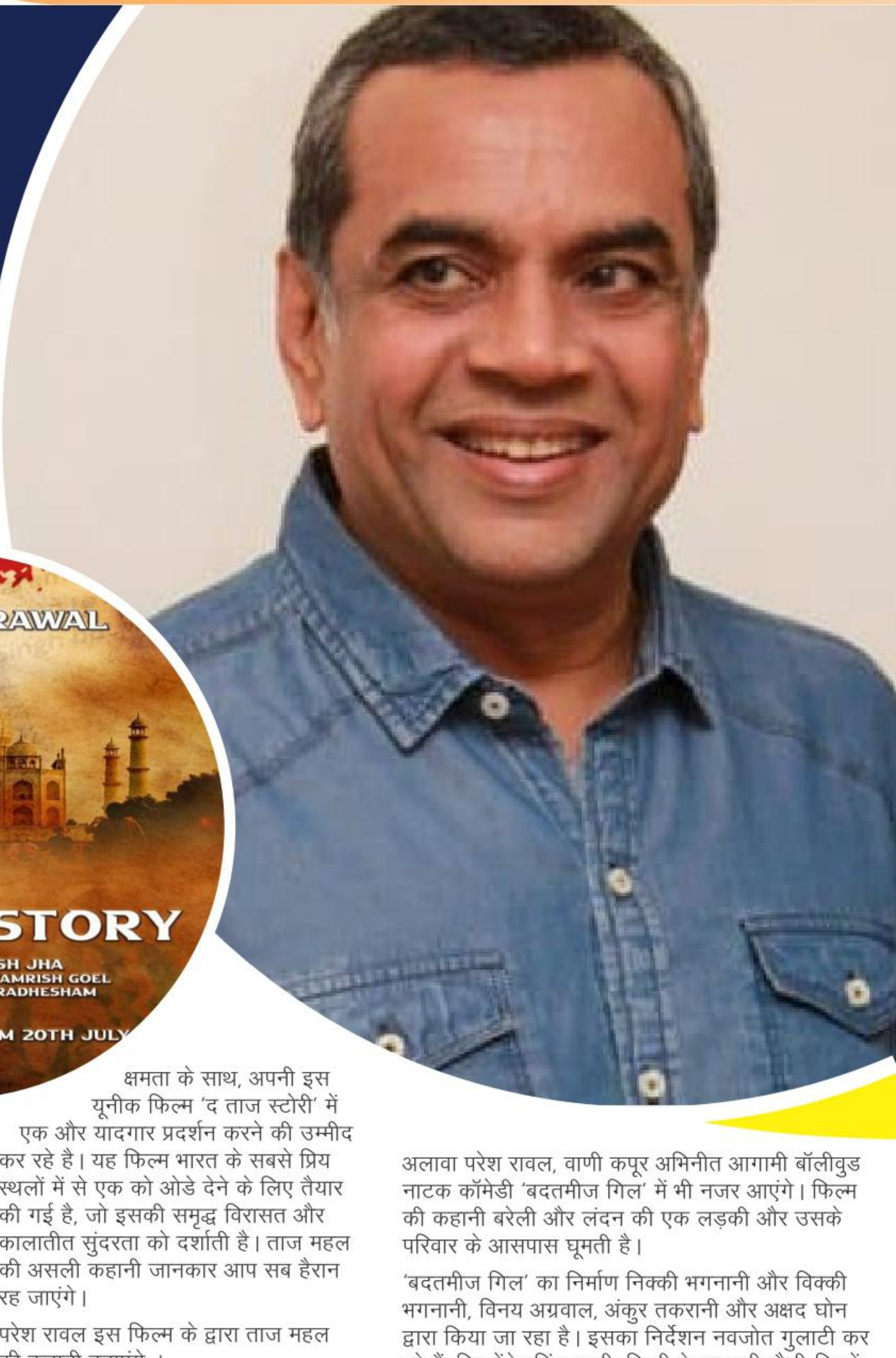

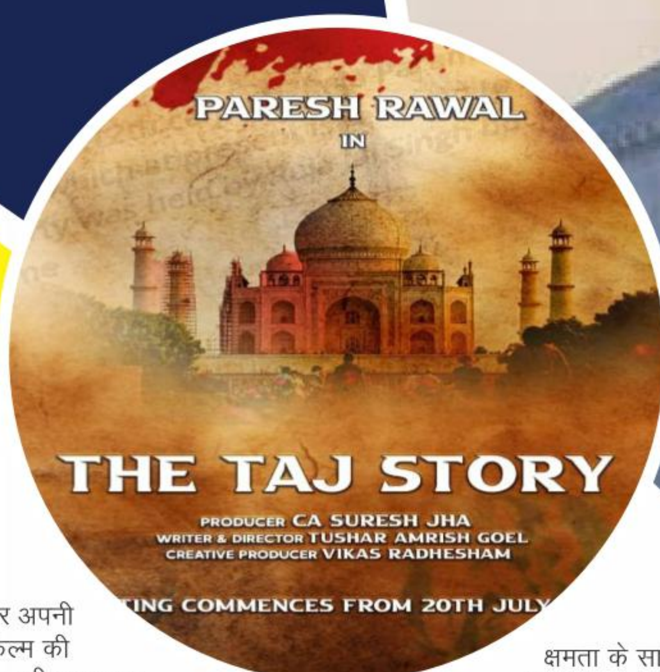

अभिनेता परेश रावल ने एक नई फिल्म 'द ताज स्टोरी' की घोषणा की। उन्होने सोशल मीडिया पर अपनी आने वाली इस अगली फिल्म की घोषणा करते हुए ट्विटर यानी एक्स का सहारा लिया और चुटकियों में बात आग की तरह फैल गई। इस 'हेरा फेरी' फेम अभिनेता ने लिखा, 'द ताज स्टोरी।' 20 जुलाई, 2024 से शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार, फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा द्वारा किया गया है और इसे तुषार अमरीश गोयल द्वारा निर्देशित किया गया है, जिसमें विकास राधेश्याम क्रिएटिव निर्माता हैं। यह प्रोजेक्ट स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले है। बस और क्या? दिल थाम कर बैठिए।

'द ताज स्टोरी', एक आकर्षक कहानी होने को प्रॉमिस करती है जो दुनिया के आठवें अजूबें कृतियों में से एक के बारे में है। परेश रावल की यह फिल्म ताज महल के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डालती है। इस परियोजना में परेश रावल की भागीदारी ने, पहले से ही प्रशंसकों और बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों के बीच काफी हलचल और उत्साह पैदा कर दिया है।

अपने शानदार अभिनय कौशल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध रावल, फिल्म के अन्य किरदारों को पर्दे पर जीवंत करने की क्षमता के साथ, अपनी इस यूनीक फिल्म 'द ताज स्टोरी' में एक और यादगार प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे है। यह फिल्म भारत के सबसे प्रिय स्थलों में से एक को ओडे देने के लिए तैयार की गई है, जो इसकी समृद्ध विरासत और कालातीत सुंदरता को दर्शाती है। ताज महल की असली कहानी जानकार आप सब हैरान रह जाएंगे।

परेश रावल इस फिल्म के द्वारा ताज महल की कहानी बताएंगे ।

'द ताज स्टोरी' की बात करें तो फिल्म की कहानी ताज महल के इतिहास और उसके महत्व पर रोशनी डालती नजर आएगी। खबरों के मुताबिक यह फिल्म भारत के सबसे प्रिय स्थलों में से एक, खूबसूरत ताजमहल को अपने असली जानकारियों के साथ उजागर करने वाली है।

जहां तक काम की बात है तो इस फिल्म के अलावा परेश रावल, वाणी कपूर अभिनीत आगामी बॉलीवुड नाटक कॉमेडी 'बदतमीज गिल' में भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी बरेली और लंदन की एक लड़की और उसके परिवार के आसपास घूमती है।

'बदतमीज गिल' का निर्माण निक्की भगनानी और विक्की भगनानी, विनय अग्रवाल, अंकुर तकरानी और अक्षद घोन द्वारा किया जा रहा है। इसका निर्देशन नवजोत गुलाटी कर रहे हैं, जिन्होंने रनिंग शादी, गिन्नी वेड्स सनी जैसी फिल्में लिखी हैं। उन्होंने जय मम्मी दी और जल्द ही रिलीज होने वाली फिल्म पूजा मेरी जान जैसी फिल्मों का भी निर्देशन किया है।

जाहिर है परेश के फैंस इस अनाउंसमेंट से बाग बाग हो गए हैं। इधर परेश ने अपने अगले कदम की जानकारी दी और उधर उनके चाहने वालों नें खुशी भरे कमेंट्स से सोशल मीडिया को दिल दे दे कर लाल कर दिया।

प्रभास, प्राइम वीडियो, और कल्कि 2898 ई. एक विशेष दावत के साथ प्रशंसकों को चिढ़ाते हैं, बी एंड बी, बुज्जी और भैरव, विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग, 31 मई

—मायापुरी प्रतिनिधि

प्रभास और साइंस—फिक्शन सिनेमा के प्रशंसकों को एक रोमांचक अनुभव मिलने वाला है क्योंकि प्राइम वीडियो और वैजयंती मूवीज ने बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की प्रस्तावना एनीमेशन श्रृंखला 'बी एंड बीः बुज्जी एंड भैरव' की विशेष स्ट्रीमिंग की घोषणा की है। प्रभास के चरित्र भैरव और उनके भविष्य के वाहन बुज्जी की विशेषता वाली यह श्रृंखला, प्राइम वीडियो पर दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी।

हैदराबाद में एक कार्यक्रम में आदमकद वाहन 'बुज्जी' के भव्य अनावरण के बाद, यह सीमित श्रृंखला 'कल्कि 2898 एडी' के ब्रह्मांड का विस्तार करने का वादा करती है, जो प्रशंसकों को फिल्म की रिलीज से पहले गतिशील जोड़ी के कारनामों की एक रोमांचक झलक प्रदान करती है। 27 जून, 2024। टीजर अब रिलीज हो गया है, जिससे महाकाव्य फिल्म के लिए प्रत्याशा और बढ़ गई है!

अनुराग हलदर का "खुदा के बंदे" गाना हुआ रिलीज़! एक रोमांटिक एंथम जिसमें डेज़ी शाह और सिद्धार्थ गुप्ता आए नज़र...

मायापुरी डेस्क

संगीत हमेशा हमारे दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखता है और अब हाल ही में एक नया संगीत वीडियो जो आपको अपनी धुन और धुन से प्यार करने पर मजबूर कर देगा, वह है "खुदा के बंदे", जिसमें बॉलीवुड की ब्यूटी क्वीन डेज़ी शाह और आकर्षक सिद्धार्थ गुप्ता हैं। इस गाने को प्रतिभाशाली अनुराग हलदर और पलक मुछाल ने खूबसूरती से गाया है, यह गाना निश्चित रूप से अपनी भावपूर्ण धुनों और खूबसूरत बोलों से लोगों का दिल जीतने का वादा करता है।

गीत लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इसमें डेज़ी शाह और अनुराग हलदर की उपस्थिति थी। डेज़ी सफेद छतरी वाली पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जो लालित्य और अनुग्रह का प्रतीक थी। अनुराग हलदर, आकर्षक काले-पर-काले रंग में, आश्चर्यजनक और आकर्षक लग रहे थे।

"खुदा के बंदे" एक आदर्श रोमांटिक गाना है जो दो प्रेमी जोड़ों की मर्मस्पर्शी कहानी बताता है जिन्हें कभी-कभी अपने सपनों को हासिल करने के लिए अलग होना पड़ता है। प्रेम और त्याग के इस विषय को डेज़ी और सिद्धार्थ द्वारा आकर्षक दृश्यों और हार्दिक प्रदर्शन के माध्यम से खूबसूरती से चित्रित किया गया है। सुरम्य रामोजी स्टूडियो में शूट किया गया यह वीडियो कथा में आकर्षण और आकर्षण की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है।

डेज़ी शाह और सिद्धार्थ गुप्ता स्क्रीन पर निर्विवाद केमिस्ट्री साझा करते हैं, जो उन्हें एक प्यारी जोड़ी बनाती है जिसे दर्शक निश्चित रूप से पसंद करेंगे। उनका प्रदर्शन, अनुराग हलदर और पलक मुछाल की मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन के साथ मिलकर, एक संगीत वीडियो बनाता है जो न केवल देखने में आकर्षक है बल्कि भावनात्मक रूप से भी गूंजता है। यह गाना अनुराग हलदर द्वारा लिखा गया है, विश्व रघु द्वारा निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री और टी.जी. विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित है।

विरल ओरिजिनल्स म्यूजिक चैनल पर रिलीज हुआ, "खुदा के बंदे" साल के सबसे पसंदीदा गानों में से एक बनने के लिए तैयार है। माधुर्य, भावना और दृश्य सौंदर्य का सही मिश्रण इसे संगीत प्रेमियों के बीच पसंदीदा बना सकता है। गाने की रचना और इसकी कथा निश्चित रूप से श्रोताओं को वीडियो समाप्त होने के बाद भी देर तक गुनगुनाते रहेगी। इस नवीनतम रोमांटिक हिट को देखने से न चूकें जो निश्चित रूप से आपके दिल पर अमिट छाप छोड़ेगा।

मूवी रिव्यू:- 'सावी'

हाउस वाइफ का ऐसा चेहरा कभी ना देखा होगा, अनिल और दिव्या की बेहतरीन एक्टिंग 'सावी' में

★★★½

—चंद्र मोहन शर्मा
सीनियर फिल्म क्रिटिक

BOX OFFICE

इस फिल्म को देखने के बाद दिव्या खोसला की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने एक ऐसी फिल्म को अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर स्टार्ट टू एंड तक कही कमजोर नहीं होने दिया जिसकी स्टोरी का सस्पेंस हाल में बैठा दर्शक फिल्म शुरू होने के करीब 15 मिनट बाद ही जान जाता है। वही दिव्या की एक और खासियत है कि अपनी फिल्म को रीयल लोकेशन पर जाकर ही शूट करती है मुझे याद है नोएडा के टी सीरीज स्टूडियो में दिव्या के निर्देशन में बनी यारियां की रिलीज से पहले मेरी टी सीरीज फैमिली से जुड़े वेद चानना के साथ दिव्या से मिला तो यारियां को जीरो डिग्री तापमान से भी कम सिक्किम की लोकेशन मे शूट करने की वजह स्टोरी को जीवंत करना बताई तो सावी भी लंदन की अलग अलग लोकेशन में शूट हुई और यह फिल्म को जानदार बनाती है लंदन की एक जेल में शूट अनिल कपूर, दिव्या और हर्षवर्धन के कई सींस इस फिल्म की जान है।

बेशक शुरुआत कुछ धीमी है लेकिन इंटरवल के बाद फिल्म का हर सीन अच्छा बन पड़ा है।

करीब दो घंटे की सावी एक मनोरंजक फिल्म है। दिव्या खोसला और हर्षवर्धन राणे के बीच की केमिस्ट्री का जवाब नहीं है।

स्टोरी प्लॉट

मुझे यह फिल्म सती सावित्री की पौराणिक कहानी का आधुनिक रूप लगा। जहां सावित्री अपने पति यमराज से वापस पाने के लिए हर संभव कोशिश करती है, वहीं इस फिल्म में सावी अपने पति को जेल से बचाने और बाकी की जिंदगी अपने और बेटे के साथ बिताने के लिए क्या कुछ नहीं करती और लंदन की एक जेल में हर वक्त मौत के साए में 12 साल की सजा काट रहे अपने पति को जेल से बाहर लाती है और एक बार अपनी नई जिंदगी पति और बेटे के साथ शुरू करती है यही इस फिल्म की स्टोरी है ।ओवर ऑल

लंदन में सेट की गई इस फिल्म में अनिल कपूर की एक्टिंग का जवाब ही नहीं हैं ।

फिल्म के कुछ सींस मे सावी की मानसिक हालत और तनाव के सींस में दिव्या ने खुद को बेहतरीन एक्ट्रेस साबित किया। दिव्या खोसला को इस फिल्म से पहले कभी ऐसे अवतार में मैने नहीं देखा। वहीं फिल्म की कमी एक थ्रिलर की गति का स्लो होना है अगर निर्देशक फिल्म की शुरुआत में फिल्म की स्पीड थोड़ी तेज रखते तो अच्छा होता। हर्षवर्धन राणे के कुछ और दृश्य होने चाहिए थे अगर सच कहूं तो अनिल और दिव्या के सामने उनका किरदार बहुत बौना है। अभिनय देव ने इस थ्रिलर फिल्म में भावनाओं को साथ पेश किया है यह स्टोरी का अच्छा पहलू है। इस वीकेंड पर आप सावी से मिलिए आप निराश नहीं होंगे।

कलाकार, अनिल कपूर, दिव्या खोसला, हर्ष वर्धन राने, निर्देशन, अभिनय देव, निर्माता, भूषण कुमार , किशन कुमार , सहयोग , वेद चानना कहानी, पटकथा और संवादः परवेज शेख और असीम अरोड़ा , पीआर , शैलेश गिरी, उषा मिश्रा और राजू

ओटीटी रिव्यू:- 'पंचायत 3'

अगर छुट्टियों में गांव नहीं गए तो देखिए गांव का नजारा 'पंचायत 3' में

★★★ — शरद राय

वही आपसी ईर्ष्या, आवास और कच्ची सड़क का टॉपिक, नेतागिरी का दबदबा और छुप छुपाकर होने वाला प्यार

अमेजॉन प्राइम वीडियो पर (28 मई से) स्ट्रीम हो रहा वेब सीरीज 'पंचायत' का तीसरा सीजन 'पंचायत 3' प्रदर्शन पर है। यह वेब धारावाहिक उन लोगों को पसंद आएगा जो गांव से दूर हैं किंतु वहां की महादशा से परिचित हैं। इस सीजन में भी वही लुत्फ है जो पिछले आठ आठ एपिसोड के दो सीजन में था। यह सीजन भी आठ एपिसोडों का ही है। कलाकार सब वही हैं–प्रधान पति (रघुवीर यादव), महिला प्रधाइन मंजू देवी (नीना गुप्ता), विकास(चंदन राय), प्रह्लाद (फैसल मलिक), विधायक चंद्र किशोर सिंह (पंकज झा), क्रांति देवी(सुनीता राजावत), भूषण (दुर्गेश कुमार) आदि।

कहानी की नई कड़ी की शुरूआत उदासी भरे माहौल से होती है। प्रह्लाद का फौजी बेटा शहीद हो गया है, उस गम में वह दारू पीकर सोता रहता है। गांव के सचिव अभिषेक का तबादला हो गया है, नया सचिव ज्वॉइन करने आता है लेकिन प्रधान जी नहीं चाहते। उपप्रधान प्रह्लाद और सचिव जी के सहायक विकास उसे डरा धमकाकर भगा देते हैं। इसबात पर विधायक जी कुपित हैं कि उनके आदमी को रखवाने में उनकी योजना नही चली। प्रधान जी की बेटी पिंकी जो पिछले सचिव जी को पसंद करती है उनको फोन पर बताती है कि तुम्हारे लिए यहां ठनी पड़ी है।सचिव जी गांव वापस आ जाते हैं। सचिव अभिषेक और प्रधान जी की बेटी का लुका छुपा प्यार समझ मे आता है।

प्रधान पद पाने के आकांक्षी भूषण और उनके दो चमचे तथा उनकी पत्नी इस जुगाड़ में होते हैं कि प्रधानी का पद उनके पास आ जाए। इसके लिए वे उदंड और बदमाश विधायक को भड़काते रहते हैं।चार एपिसोड तक प्रधानजी की बेइज्जती होती रहती है। उप प्रधान प्रह्लाद चुनाव ना लड़ने की बात कहकर मंजू देवी को डरा देता है। गांव में प्रधान मंत्री आवास योजना के गलत वितरण की बात करके भूषण सबको बहकाता है। अपने पसंद के सचिव ना रखवा पाने से कुपित विधायक जी का एक केस खुल जाता है कुत्ता मारने और खाने का। फुलेरा गांव के लोग विधायक से सुलह करना चाहते हैं ताकि कच्ची सड़क के लिए फंड पास हो सके।विधयक जी के हाथ से सुलह समझौते में एक कबूतर मर जाता है। वह जानवर और पंछियों से दूर रहने की पंडित जी की सलाह पर अपना प्यारा घोड़ा बेच डालते हैं, जो गांव वाले उन्हें नीचा दिखाने के लिए खरीदते हैं। घोड़े को वापस लेने के लिए विधायक जी और फुलेरा ग्राम वासियों में गोली चलने की स्थिति बन जाती है।

पंचायत 3 के निर्माता हैं अरुणाभ कुमार और निदेशक हैं दीपक कुमार मिश्र।इस कथा श्रृंखला के क्रियेटर हैं दीपक कुमार, अरुणाभ कुमार, चंदन कुमार। गांव के कल्चर को बड़ी बारीकी से पंचायत टीम ने संभाला है। सभी कलाकारों ने अपनी अभिव्यक्ति से दर्शकों को गांव का माहौल याद कराया है। तीसरे सीजन की समाप्ति पर दर्शकों में सीजन 4 देखने की उत्सुकता बढ़ जाती है।

नेहा धूपिया, नव्या नवेली और कई अन्य पोडमास्टर्स के पहले संस्करण की शोभा बढ़ाएंगे, भारतीय पॉडकास्टिंग में उत्कृष्टता का जश्न मनाएंगे

—मायापुरी प्रतिनिधि

फीवर एफएम, जो बॉलीवुड और मनोरंजन में सर्वश्रेष्ठ का समर्थन करने के लिए जाना जाता है, अब एचटी मीडिया लिमिटेड की पॉडकास्टिंग शाखा, एचटी स्मार्ट कास्ट के साथ साझेदारी में भारत के सर्वश्रेष्ठ पॉडकास्टरों का एक दिलचस्प उत्सव लेकर आया है। यह ऐतिहासिक अवसर भारत के अग्रणी पॉडकास्टरों, मशहूर हस्तियों को एकजुट करेगा। विशेषज्ञों और उद्योग जगत के नेताओं को आधुनिक ऑडियो माध्यम का जश्न मनाने और उन्नत करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

30 मई को मुंबई में हुई 'पॉडमास्टर्स कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स' में 35 पुरस्कार श्रेणियां शामिल हुई, जिन्हें पॉडकास्टिंग में सर्वश्रेष्ठ को सम्मानित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया। विजेताओं को 240 से अधिक नामांकनों में से चुना गया है और उन्हें 30,000 से अधिक वोट मिले हैं, जो उनके काम की अपार लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है।

12 न्यायाधीशों का एक प्रतिष्ठित पैनल पुरस्कारों की अध्यक्षता करेगा, जिसमें एचटी की मुख्य प्रबंध संपादक सोनल कालराय आइडिया स्टूडियो के सह–संस्थापक और सीईओ आदित्य कुबेरय रोशन अब्बास, कम्यून के संस्थापकय मंत्र मुग्ध, एमएनएम टॉकीज के निदेशकय कविता राजवाड़े, आईवीएम पॉडकास्ट की सह–संस्थापकय और EMoMee के सह–संस्थापक और सीईओ वरुण दुग्गिराला।

भारत में पॉडकास्टिंग को लंबे समय से शुरुआती दौर से देखा जा रहा है। हमने कार्रवाई करने और इसके विकास को आगे बढ़ाने का फैसला किया। पॉडमास्टर्स कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स भारतीय पॉडकास्टिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए हमारा साहसिक कदम है। भारतीय पॉडकास्टिंग के अग्रणी और उभरती प्रतिभाओं को एक साथ लाकर फीवर नेटवर्क के सीईओ रमेश मेनन ने कहा, हमारा लक्ष्य उनके योगदान का जश्न मनाना और इस गतिशील माध्यम की भविष्य की आवाजों को आकार देना है।

जबकि युवा के सह–संस्थापक और प्रमुख, निखिल तनेजा ने आगे कहा, "मैंने एक पत्रकार के रूप में एचटी में अपना करियर शुरू किया, इसलिए एचटी स्मार्टकास्ट पोडमास्टर्स अवॉर्ड्स में कई पुरस्कारों के लिए नामांकित होना मेरे लिए एक पूर्ण क्षण है। जीतें या हारें, मैं अपनी श्रृंखला 'बी ए मैन, यार!' के लिए बहुत आभारी हूं। जूरी और प्रशंसकों द्वारा मान्यता दी गई है, और मुझे उम्मीद है कि युवा कई और बातचीत करने में सक्षम है जो दुनिया को एक दयालु जगह बनाने की कोशिश करेगी।

नव्या नवेली शो के साथ जुड़ने पर कहती हैं, भारतीय पॉडकास्टिंग यूनिवर्स के उत्थान के लिए एचटी स्मार्टकास्ट द्वारा की गई पहल में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक पॉडकास्टर के रूप में, मैं इस विकसित स्थान और अपने स्वयं के व्हाट द हेल पॉडकास्ट की मेजबानी के बारे में बहुत उत्साहित रहती हूं।, नायवा! मुझे अपने विचारों के बारे में मुखर होने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलता है।

अनट्रिग्रेड पॉडकास्ट के होस्ट का कहना है, दिन के अंत में, हम केवल 4 दोस्त हैं जो मौज–मस्ती कर रहे हैं और अगर इस प्रक्रिया में हमें अन्य लोगों को हंसाने और पुरस्कारों में शामिल होने का मौका मिलता है, तो हम शिकायत नहीं कर सकते

इस कार्यक्रम में स्टार पावर जोड़ते हुए, कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित होंगी, जैसे साइरस ब्रोचा, राज शमानी, जाकिर खान, नेहा धूपिया, आकाश चोपड़ा, जैकी श्रॉफ और जिमी शेरगिल।

इस उत्सव का उद्देश्य उन लोगों के असाधारण योगदान को स्वीकार करना है जिन्होंने पॉडकास्टिंग परिदृश्य को बदल दिया है।

जब परेश रावल ने अपनी कॉमेडी से जीता दर्शकों का दिल!

असना जैदी

बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल ने 30 मई को अपना 68 वां जन्मदिन मनाया हैं. साल 1955 में परेश रावल का जन्म मुंबई में एक साधारण परिवार में हुआ. हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद परेश रावल अपने तमाम किरदारों से करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचने में कामयाब रहे. अब तक परेश रावल 200 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं. उनके जन्मदिन के मौके पर हम उनसे जुड़ी कुछ रोचक बातें और ऐसे ही 8 मजेदार डायलॉग बताते हैं जिन्हें देखकर दर्शक आज भी हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं.

आप लोगों को ऊपर वाले ने भेजा तो भेजा लेकिन भेजे में भेजा ही नहीं भेजा.

ये हाथ है कि हथौड़ा? कीड़ों की बस्ती में ये क्यूं आ गया मकौड़ा?

तेजा मैं हूं, मार्क इधर है.

उठा ले रे बाबा उठा ले, मेरे को नहीं, इन दोनों को उठा ले.

ये बाबूराव का इस्टाईल है.

वो मैं मस्त तेल में फ्राई करके, खा गया

कौवा कितना भी वाशिंग मशीन में नहा ले बगुला नहीं हो जाता.

पति पत्नी को सिर्फ गोली मार सकता है सीटी नहीं.

यह बात कम ही लोग जानते होंगे कि परेश रावल की पत्नी स्वरूप मिस इंडिया रह चुकी हैं. साल 1979 में उन्होंने मिस इंडिया कॉम्पिटीशन में हिस्सा लिया और ये खिताब अपने नाम किया. परेश और स्वरूप के दो बेटे हैं. इनमें से एक का नाम आदित्य और दूसरे का नाम अनिरुद्ध है.

मायापुरी
www.mayapuri.com

हिंदी सिनेमा की दो सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने वाली अपनी पीढ़ी की एकमात्र अभिनेत्री होने पर शरवरी ने कहा :

'हमारे इंडस्ट्री के सबसे बड़े आईपी का हिस्सा बनना किसी भी कलाकार के लिए एक सपने के सच होने जैसा है!'

मायापुरी डेस्क

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी अपनी पीढ़ी की एकमात्र अभिनेत्री हैं जो हिंदी सिनेमा की दो सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी हैं - दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी वर्स और आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स जिसमें वह सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही हैं!

शरवरी, जो पहली बार दिनेश विजान की मुंज्या में दिखाई देंगी, जो उनकी हिट हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की एक नई किस्त है जो 7 जून को रिलीज़ होगी,वे कहती हैं, "मेरे लिए इस मुकाम तक पहुँचना बहुत कठिन रहा है जहाँ हिंदी फिल्म बिरादरी के शीर्ष निर्माता और निर्देशकों को लगता है कि मेरे पास हमारे इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े आईपी का हिस्सा बनने की क्षमता है। दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स से लेकर आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना किसी भी कलाकार के लिए एक सपने के सच होने जैसा है।"

वह आगे कहती हैं, "मैं बहुत खुश हूँ कि एक फिल्म पुरानी होने के बावजूद, मेरे काम को इंडस्ट्री के बेहतरीन लोगों ने देखा है। ऐसी बड़ी फ्रैंचाइज़ी में आमतौर पर हमारे देश के सबसे बड़े और बेहतरीन सुपरस्टार इन प्रोजेक्ट्स को डायरेक्ट करते हैं। इसलिए, यह मेरे द्वारा किए गए प्रयासों का एक बड़ा प्रमाण है।"

शरवरी अपनी पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक बनने की ख्वाहिश रखती हैं और यह तथ्य कि उन्हें देश के शीर्ष निर्देशकों और फ़िल्म निर्माताओं द्वारा चुना जा रहा है, यह इस बात का प्रमाण है कि उनमें प्रतिभा है जिस पर नज़र रखनी चाहिए! मुंज्या और बिना शीर्षक वाली वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फ़िल्म के अलावा, शरवरी को एक और मास्टर फ़िल्म निर्माता निखिल आडवाणी ने अपनी निर्देशित फ़िल्म वेदा के लिए चुना है।

वह कहती हैं, "मैं अपने समय की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक बनने की ख्वाहिश रखती हूँ क्योंकि मैंने सभी पीढ़ियों के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों को अपना आदर्श माना है। मुझे पता है कि इन बड़ी फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनने से मुझे एक बड़ा मंच मिल रहा है जो मुझे देश भर के बहुत से लोगों से जुड़ने में मदद करेगा। यह मुझे अच्छा करने, अच्छा अभिनय करने और हर फ़िल्म के साथ बेहतर होने के लिए प्रेरित करता है।"

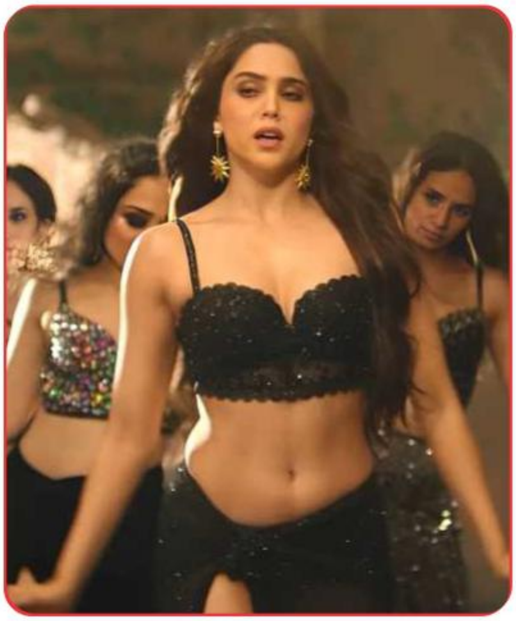

शारवरी वाघ ने बोल्ड फोटो से बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

प्रीति शुक्ला

शारवरी वाघ एक सच्ची फ़ैशनिस्टा हैं जो एक प्रोफेशनल की तरह स्टाइल लक्ष्य रखती हैं चाहे वह सार्टोरियल साड़ी हो या आकर्षक जंपसूट, वह किसी भी लुक को परफेक्शन के साथ पेश कर सकती हैं, स्टाइलिश दिवा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और फैशन-फ़ॉरवर्ड लुक से भरी उनकी ग्लैमरस इंस्टा-डायरियां उनके सभी फैंस के लिए स्टाइल प्रेरणा के खजाने से कम नहीं हैं, अभी कुछ दिन पहले, उन्होंने काले मोती से सजी मिनी ड्रेस पहनी थी और इस बार, वह एक सुपर स्टाइलिश मिडी आउटफिट में सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं.

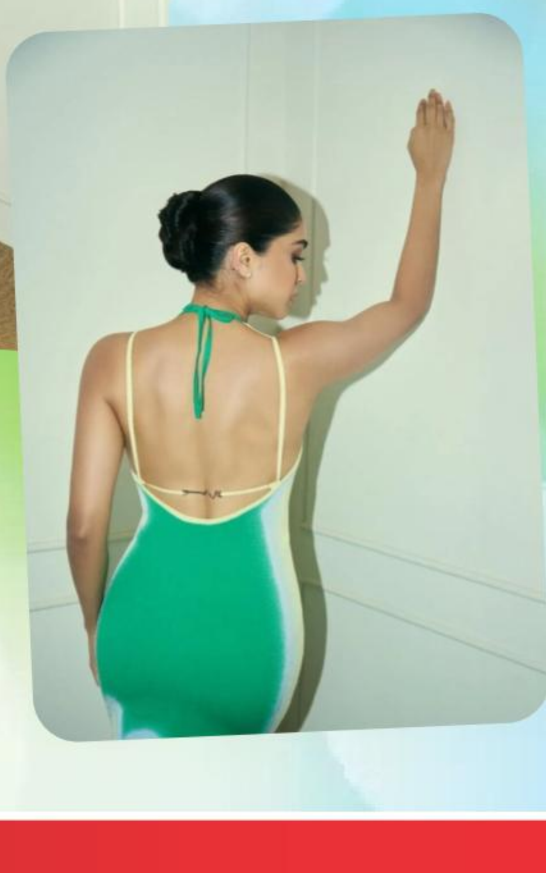

शारिब हाशमी ने मनोज बाजपेयी के साथ 'द फैमिली मैन 3' की शूटिंग शुरू की

रिचा मिश्रा

एक्टर शारिब हाशमी उर्फ जेके इस महीने की शुरुआत में मनोज बाजपेयी के साथ द फैमिली मैन 3 की शूटिंग शुरू करने के लिए सेट पर वापस आ गए हैं. पहले शेड्यूल के अनुभव को याद करते हुए, जो उन्होंने अभी-अभी पूरा किया है, वे कहते हैं, "सेट पर पहला दिन एक तरह से उत्सव और पुनर्मिलन जैसा था. श्रीकांत तिवारी (बाजपेयी का किरदार) का पूरा निजी और पेशेवर परिवार, जिसमें प्रियामणि (अभिनेता), उनके ऑन-स्क्रीन बच्चे और टास्क फोर्स के लोग शामिल थे, वहाँ मौजूद थे. मेरा उत्साह सातवें आसमान पर था."

शारिब हाशमी ने नए सीज़न के बारे में बातें बताईं, मनोज बाजपेयी की तारीफ | शारिब हाशमी ने नए सीज़न के बारे में बातें बताईं, मनोज बाजपेयी की ...

शारिब ने अपने सह-कलाकार बाजपेयी के बारे में कहा, "मैं मनोज सर के साथ बिताए हर पल को संजोकर रखता हूं. मैं तड़पता हूं मनोज सर के साथ शूट करने के लिए, मुझे पता है साथ में हम मचाएंगे. मैं स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर उनसे बहुत कुछ सीखता हूं, खासकर काम और जीवन के प्रति उनके अनुशासन से. उसका बस 5 प्रतिशत भी आ जाए मेरे अंदर तो जिंदगी सफल हो जाएगी मेरी. वह हर दिन खुद को फिर से खोज रहा है और नया आविष्कार कर रहा है."

पिछले सीजन से लेकर अब तक अपने सह-एक्टर में उन्होंने जो विकास देखा है, उसके बारे में पूछने पर हाशमी ने कहा, "सिर्फ एक बंदा काफी है (2023) में उन्होंने बहुत ही शानदार काम किया. दूसरी ओर, उन्होंने जोरम (2023) में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला किरदार निभाया और उन्होंने इसे बहुत ही परफेक्शन के साथ किया. किलर सूप में, वह पागल हो गए और यह किरदार निभाना वाकई पागलपन भरा था. वे सभी किरदार इतने अलग-अलग हैं और कोई भी सामान्य अभिनेता इसे उस तरह से नहीं निभा सकता जैसा उन्होंने निभाया है."

द फैमिली मैन के तीसरे सीजन के बारे में जानकारी शेयर करते हुए, हाशमी ने खुलासा किया कि जिस तरह दूसरे सीजन की शूटिंग चेन्नई में हुई थी, उसी तरह इस सीजन में भारत के दूसरे हिस्से को दिखाया जाएगा. उन्होंने कहा, "हमारी ज़्यादातर शूटिंग आउटडोर ही होगी. इस सीजन में दर्शकों को कई सरप्राइज देखने को मिलेंगे." उन्होंने आगे कहा कि अगला शूट शेड्यूल जून में मुंबई में होगा, उसके बाद जुलाई में कुछ दिन और शूट होंगे. उन्होंने कहा, "हर किसी की उपलब्धता के अनुसार, शूटिंग अभी चालू और बंद रहेगी. लेकिन हमारा लक्ष्य दिसंबर तक सीजन की शूटिंग पूरी करना है."

ऋतिक और सुजैन बेटे रेहान रोशन की ग्रेजुएशन सेरेमनी में एक साथ नजर आए

रिचा मिश्रा

एक्टर ऋतिक रोशन, उनकी पूर्व पत्नी और इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान अपने बड़े बेटे रेहान रोशन के जीवन में एक मील का पत्थर साबित होने का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए. सुजैन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रिहान के ग्रेजुएशन समारोह का एक वीडियो शेयर किया. रेहान हरे रंग की पोशाक में दिखाई दिए और अपने बैचमेट्स के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दिए. ऋतिक और सुजैन ने रिहान के साथ एक तस्वीर भी खिंचवाई.

सुजैन की नई पोस्ट रेहान के स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी के सभी खास पलों का एक वीडियो कोलाज थी. रेहान अपनी स्कूल यूनिफॉर्म में नजर आए. उनके साथ उनके भाई रिधान रोशन भी नजर आए, क्योंकि उन्होंने मुस्कुराते हुए एक साथ तस्वीर खिंचवाई. फिर, वह अपने सहपाठियों के साथ मंच पर शामिल हुए. वीडियो एक पारिवारिक तस्वीर के साथ समाप्त हुआ, क्योंकि ऋतिक भी उनके साथ शामिल हुए. अभिनेता पूरी तरह से सफेद परिधान में नजर आए. रेहान ने इस खास दिन पर एक बड़ा सफेद केक भी काटा.

कैप्शन में सुजैन ने लिखा, "'हम कहां जाएंगे कोई नहीं जानता... लेकिन मुझे कहना होगा कि मैं अपने रास्ते पर हूं..' बधाई हो मेरे बेटे.. तुम अनुग्रह और शक्ति के प्रतीक हो. मैं तुमसे हर दिन सीखती हूं... तुम्हारी मां होने पर गर्व है.. @hrehaanroshan_01 यह तुम्हारे जीवन के सबसे अच्छे दिनों की शुरुआत है.."

सुजैन फिलहाल अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं और दोनों सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं. ऋतिक एक्टर सबा आज़ाद के साथ रिलेशनशिप में हैं. दोनों अक्सर साथ में समय बिताते हैं.

राजन शाही ने बेटी इशिका की एकेडमिक अचीवमेंट का जश्न मनाया

रिचा मिश्रा

प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन निर्माता और निर्देशक राजन शाही ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक गौरवपूर्ण क्षण साझा किया जब उनकी बेटी इशिका ने एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट में बिजनेस कम्युनिकेशन में स्नातक की डिग्री पूरी की।

राजन शाही ने बेटी के लिए लिखा नोट

राजन शाही ने एक भावुक नोट में अपनी बेटी के प्रति अपना प्यार और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, "ईश्वर की कृपा और सर्वशक्तिमान आशीर्वाद से इशिका। बिजनेस कम्युनिकेशंस में स्नातक की उपाधि के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की, इशिका शाही को आप पर गर्व है। दादा-दादी, माता-पिता के लिए एक महान दिन। "शाही और ग्रे परिवार" और सभी मित्र शुभचिंतक, आपको शुभकामनाएं सभी सुख-समृद्धि को शैक्षणिक क्षेत्र में आपकी कड़ी मेहनत पर गर्व है, लेकिन इससे भी अधिक कि कैसे आप पिछले कुछ वर्षों में तीन देशों में एक इंसान के रूप में सीखने और बढ़ने में सक्षम रहे, आपका प्यार और "बेजुबान जानवरों" के लिए काम करना, यू.एस. को इस उद्देश्य की दिशा में काम करते हुए देखना बेज़ुबान वास्तव में एक अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है।"

टेलीविजन की दुनिया के सबसे प्रसिद्ध निर्माताओं में से एक राजन शाही ने भारतीय टेलीविजन उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी है। 'बिदाई', 'अनुपमा', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'वो तो है अलबेला' और अन्य जैसे बेहद सफल शो के निर्माण के लिए जाने जाने वाले राजन शाही के पास कहानी कहने की असाधारण समझ और प्रासंगिक किरदार बनाने की कला है। "अनुपमा" एक दिल छू लेने वाला पारिवारिक नाटक है, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया है, जिसमें एक महिला की ताकत पर जोर दिया गया है क्योंकि वह जीवन की चुनौतियों का सामना करती है। दूसरी ओर, "YRKKH", वर्षों से दर्शकों का पसंदीदा रहा है, जो अपनी आकर्षक कथा और विकसित होते रिश्तों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता है। और जैसे-जैसे समय बीतता गया, राजन शाही अपने समय के सबसे प्रसिद्ध निर्माताओं में से एक बन गए.

'मेरे किरदार बानी की तरह, मुझमें भी महत्वाकांक्षा की प्रबल भावना है'

अमनदीप सिद्धू

–शिल्पा पाटिल

जबकि सोनी सब के 'बादल पे पांव है' का बहुप्रतीक्षित लॉन्च जल्द ही होने वाला है, दर्शक बानी की सरल लेकिन उत्साही दुनिया के बारे में और जानने के लिए तैयार हैं, जिसे प्रतिभाशाली अमनदीप सिद्धू ने जीवंत किया है। रवि दुबे और सरगुन मेहता द्वारा निर्मित, यह शो पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित है, और जीवन और दृढ़ता से भरी युवा और मेहनती लड़की, बानी की कहानी प्रस्तुत करता है, जो जिंदगी द्वारा उसके सामने लाने वाली हर बाधा को पार करने के लिए तैयार है।

शो के लॉन्च से पहले, अमनदीप ने शो की अनूठी थीम, चंडीगढ़ में शूटिंग के अनुभव, बानी जैसे असाधारण किरदार को निभाने के लिए अपनी तैयारी और बहुत कुछ के बारे में बात की।

☐ क्या आप हमें अपने किरदार बानी के बारे में बता सकती हैं?

बानी वाकई अपनी तरह की अनोखी है। वह एक छोटे शहर की साधारण लड़की है, जो सीमित साधनों के साथ जीने के विचार पर यकीन नहीं करती है। वह वाकई मानती है कि भले ही जीवन ने उसे सीमित संसाधन दिए हैं, लेकिन उसे इन तक ही सीमित नहीं रहना है, और अपने व अपने परिवार के जीवन को बेहतर बनाना उसके हाथ में है। वह अपनी किस्मत खुद बनाने और अपने जीवन की कहानी खुद लिखने पर यकीन करती है। ये उसकी कुछ खूबियां थीं जिनके कारण मुझे शुरू से ही बानी से प्यार हो गया। इसके अलावा, मैं बानी के साथ पूरी तरह से कनेक्ट कर पाती हूं। वह भावुक है और अपने सपनों से प्रेरित है, ठीक वैसे ही जैसे मैं असल जीवन में हूं।

☐ 'बादल पे पांव है' में ऐसा क्या खास था जो आपको पसंद आया और आपने बानी की भूमिका के लिए हां कह दी? आपके अनुसार क्या बानी को अन्य किरदारों से क्या अलग करता है?

जो बात मुझे 'बादल पे पांव है' में सबसे ज्यादा पसंद आई, वह बानी का कभी न हार मानने वाला रवैया था, जिसका मुझपर गहराई से असर हुआ। बानी की तरह, मुझमें भी न केवल अपने लिए, बल्कि अपने परिवार की भलाई के लिए भी महत्वाकांक्षा की प्रबल भावना है। बानी की अपने परिवार के लिए कुछ भी करने की इच्छा और अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने की भावना, उसे अन्य किरदारों से अलग करती है। बानी एक प्रेरणा है, जो जिंदगी द्वारा सामने लाई जाने वाली बाधाओं को पार करने के लिए तैयार रहती है।

☐ एक अभिनेत्री के रूप में, बानी का किरदार निभाने के लिए आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आपने इस भूमिका के लिए कैसे तैयारी की?

बानी का किरदार निभाना अब तक की मेरी सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक रही है। वह ऐसे परिवार की सदस्य है जो वित्तीय रूप से बहुत समृद्ध नहीं है, और उसने अपने परिवार को जीवन भर संघर्ष करते हुए देखा है। वह कड़ी मेहनत और आशावादी नजरिये के साथ इन

समस्याओं को हल करने का जिम्मा उठाती है। वह लालची व्यक्ति नहीं है, लेकिन वह निश्चित रूप से अपने परिवार को बेहतर जीवन देना चाहती है क्योंकि उसका मानना है कि कड़ी मेहनत और दृढ़संकल्प से उनका भाग्य बदला जा सकता है। मुझे बानी का किरदार निभाने के लिए लगातार सीखने और एक्सप्लोर करने की आवश्यकता थी। इस मानसिकता में ढलना और कभी न हार मानने वाला रवैया अपनाना प्रेरणादायक अनुभव था। मुझे बानी का किरदार

निभाने में मजा आ रहा है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी उसे देखना पसंद करेंगे।

❑ यह शो पंजाब पर आधारित है, और खुद पंजाबी होने के नाते, क्या आप इस सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले किरदारों से बेहतर कनेक्ट कर पाती हैं?

एक सरदारनी होने के नाते, पंजाब पर आधारित शो का हिस्सा बनना निश्चित रूप से मेरे लिए काफी फायदेमंद है। मैं स्वाभाविक रूप से बर्ताव, उच्चारण और बारीकियों पर ध्यान दे पाती हूं। मैं इस संस्कृति से परिचित हूं, और मेरा मानना है कि उस परिचितता ने मेरे लिए इस किरदार और कहानी से जुड़ना आसान बना दिया है।

❑ चंडीगढ़ में शूटिंग करने का आपका अनुभव कैसा है?

सच कहूं तो, मैं अपना बेस चंडीगढ़ ले जाने को लेकर थोड़ी आशंकित थी। भले ही मुझे पता था कि यह चुनौतीपूर्ण होने वाला है, लेकिन मैं इस अनुभव के लिए पूरे दिल से तैयार थी। हम शूटिंग करते हुए एक महीने से अधिक का समय हो गया है, और यह वाकई शानदार अनुभव रहा है। हमने इस क्षेत्र की प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए असली लोकेशंस और इलाकों में सीन्स शूट किए हैं, और मैं असल में इन जगहों पर शूटिंग करने का मजा उठा रही हूं।

❑ शो के प्रोमो में, हम बानी को स्टॉक मार्केट की दुनिया में कदम रखते हुए देखते हैं। कहानी के इस पहलू से दर्शक क्या उम्मीद कर सकते हैं?

मैं अभी इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन फिलहाल मैं इतना ही कह सकती हूं कि आमतौर पर स्टॉक मार्केट की दुनिया को पुरुषों से जोड़ा जाता है, लेकिन अब एक महिला इस दुनिया में कदम रख रही है, और वह इसकी चुनौतियों से गुजरती है।

❑ रवि दुबे और सरगुन मेहता की डायनेमिक जोड़ी द्वारा निर्मित, किसी प्रोजेक्ट के साथ जुड़कर कैसा महसूस हो रहा है?

रवि दुबे और सरगुन मेहता की डायनेमिक जोड़ी द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट के साथ जुड़ना खुशी की बात है। निर्माता होने के अलावा, वे दोनों बेहतरीन कलाकार हैं और मैं हमेशा उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। वे बेहद अनुभवी हैं और यह उनके काम से स्पष्ट है। वे बहुत कुशल निर्माता हैं और हर चीज पर उनका इनपुट अनुभव को बेहतर बनाता है। इस प्रोजेक्ट पर उनके साथ काम करना हर दिन सीखने का अनुभव रहा है।

❑ अंत में, आप दर्शकों को शो के बारे में क्या संदेश देना चाहेंगी, और उन्हें 'बादल पे पांव है' क्यों देखना चाहिए?

बादलों पर पांव है कोई आम शो नहीं है। यह ऐसा अनुभव है जो बड़े सपने देखने की हिम्मत करने वाली, बानी जैसे आम लोगों की आकांक्षाओं, संघर्षों और जीत को दर्शाता है। यह ऐसी कहानी है जो सभी बाधाओं के बावजूद सपनों को लगातार फॉलो करने पर जोर देती है। इसलिए, मैं हर किसी से अनुरोध करती हूं कि वे दिल, दृढ़ संकल्प और जीवन में बेहतर चीजें हासिल करने के प्रयासों से भरे बानी के सफर को देखें।

सोनी सब के शो 'बादल पे पांव है' देखें, 10 जून से, सोमवार–शनिवार शाम 7.30 बजे।

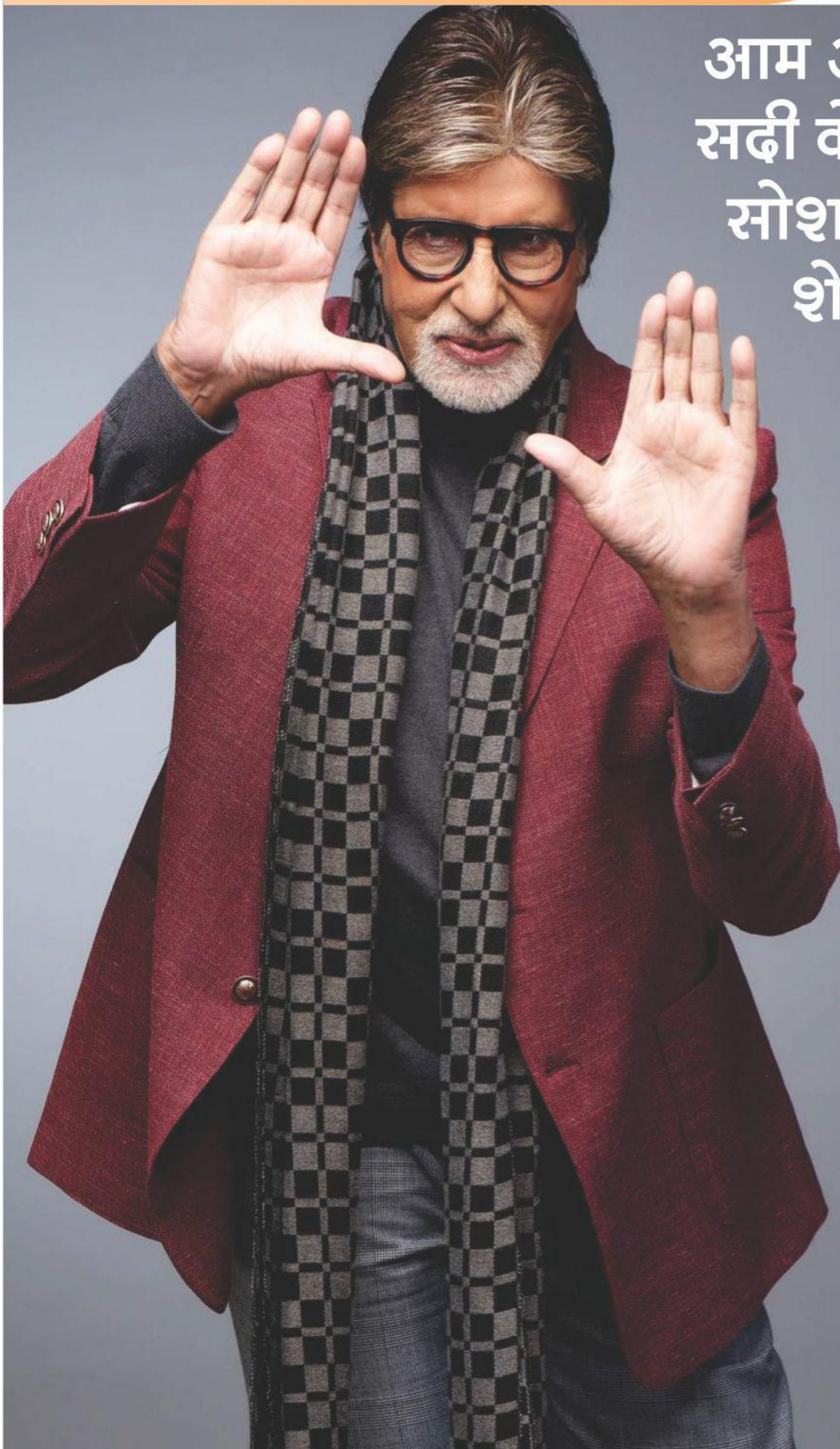

आम आदमी की तरह हीं सदी के महानायक भी हैं सोशल मीडिया एडिक्ट, शेयर किये एक्स पर अपने विचार

–आयुषी सिन्हा

आज सोशल मीडिया के समय में हमारा आधा से ज्यादा समय किस तरह से फोन पर स्क्रॉल करते हुए बीत जाता है हमें पता हीं नहीं चलता है. अगर हम अपनी स्क्रीन टाइमिंग देखें तो हमें समझ आएगा की आखिर हम इतना वक्त फोन पर क्या देखते हैं?

हर माता–पिता की इस समय उनके बच्चों से यही शिकायत है कि आखिर बच्चें पूरा दिन फोन पर क्या करते हैं लेकिन समय ऐसा है कि आजकल माँ–बाप का भी आधा से ज्यादा समय फोन पर हीं स्क्रॉल करते हुए निकल जाता है. हर कोई इस आदत से परेशान है पर आदत है कि जाने का नाम हीं नहीं ले रही है. अब इस फोन स्क्रॉलिंग और सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग से सिर्फ आम लोग हीं नहीं बल्कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी परेशान हैं.

हाल हीं में बिग बी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग के बारे में कुछ ऐसा हीं लिखा था, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया. अमिताभ बच्चन लिखते हैं, सोशल मीडिया एक बार देखना शुरू करो, तो समय का पता हीं नहीं चलता.

कुछ समय पहले बिग बी ने उनके 'कौन बनेगा करोड़पति' में भी इस आदत के बारे में बात की थी. बिग बी ने बताया था, अभी कुछ दिनों से जब भी मै कोई ब्लॉग लिखता हूँ तो यही सोचता हूँ कि चलो इसको सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देते हैं और उसके बाद जब मै उसको सोशल मीडिया पर पब्लिश कर देता हूँ तो फिर मेरी आदत है कि मैं बार–बार उस प्लेटफॉर्म पर जाकर देखता हूँ कि किसने क्या कहा है उसके बारे में. ऐसे हीं स्क्रॉल करते करते कब डेढ़ से दो घंटे निकल जाते हैं पता हीं नहीं चलता है. ये बहुत बुरी आदत है.

स्टेबिन बेन का गीत 'जिद ना करो' फिल्म 'डेढ़ बीघा जमीन' से हुआ रिलीज

–शिल्पा पाटिल

स्टेबिन बेन की भावपूर्ण आवाज से मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि उनका नवीनतम गीत 'जिद ना करो' रिलीज हो गया, जो जाने की जिद ना करो का रीमेक है। यह मधुर ट्रैक बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डेढ़ बीघा जमीन' का हिस्सा है, जो 31 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

'जिद ना करो' एक भावपूर्ण गीत है जो प्यार, दृढ़ता और आपके सपनों का पीछा करने के सार को दर्शाता है, जो अपनी खूबसूरत रचना और स्टेबिन के गायन के साथ आपके दिल की धड़कनों को छूने का वादा करता है।

स्टेबिन अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहते हैं, मैं 'डेढ़ बीघा जमीन' का हिस्सा बनने और 'जिद ना करो' गाने को लेकर रोमांचित हूं। यह मेरे लिए एक गहन संतुष्टिदायक अनुभव रहा है। यह गाना मेरे लिए बहुत खास है और मेरा मानना है कि यह हर उम्र के श्रोताओं को पसंद आएगा।

फिल्म में गाने के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'यह फिल्म के एक गाने से कहीं अधिक हैय यह कथा का हृदय और आत्मा है। गाने की धुन और बोल फिल्म की कहानी का सार दर्शाते हैं और मैं दर्शकों के भावनात्मक स्तर पर इससे जुड़ने का इंतजार नहीं कर सकता।

गाना फिल्म की कहानी के लिए एकदम सही टोन सेट करता है और स्टेबिन की आवाज ने गाने में जादू का स्पर्श जोड़ दिया है। फिल्म में प्रतीक गांधी और खुशाली कुमार मुख्य भूमिका में हैं। पुलकित द्वारा निर्देशित और कर्मा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, 'डेढ़ बीघा जमीन' एक सिनेमाई यात्रा है जो दर्शकों को प्रेरित करने और उनका मनोरंजन करने का वादा करती है।

दीपक रामसे

“हॉरर फिल्मों के निर्माण में 'रामसे ब्रदर्स' का कोई सानी नहीं था..”

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

''रामसे ब्रदर्स''एक ब्रांड नाम है, जिसका इस्तेमाल बॉलीवुड फिल्म निर्माताओं, एफ.यू. रामसे के बेटों और पोते–पोतियों के परिवार के लिए किया जाता है। 'रामसे ब्रदर्स' डरावनी शैली की हॉरर फिल्में बनाने के लिए मशहूर हैं। 'रामसे ब्रदर्स' ने 'दो गज जमीन के नीचे', 'गेस्ट हाउस', 'वीराना', 'पुराना मंदिर', 'पुरानी हवेली', 'दरवाजा' और 'बंद दरवाजा' सहित 45 हॉरर फिल्में तथा 'जी हॉरर शो' जैसा लोकप्रिय हॉरर सीरियल बनाया। ''जी हॉरर शो'' का निर्देशन तुलसी रामसे व श्याम रामसे के साथ ही 250 एपीसोड का निर्देशन तुलसी रामसे के बेटे दीपक रामसे ने भी किया था।

हाल ही में दीपक रामसे से मुलाकात होने पर उनसे उनके दादा फतेहचंद यू रामसे तथा ''रामसे ब्रदर्स' और उस दौर में किस तरह 'हॉरर फिल्मों का निर्माण किया जाता था,इस पर विस्तार से बातचीत की.....

❍हॉरर सिनेमा निर्माण में 'रामसे ब्रदर्स' का बहुत बड़ा नाम हैं। आप इसी परिवार के सदस्य हैं। आप रामसे ब्रदर्स को लेकर क्या जानकारी दे सकते हैं?

–आपने एकदम सही कहा कि हॉरर फिल्मों में रामसे ब्रदर्स का स्थान कोई नही ले पाया। मुझे गर्व है कि मैंने 'रामसे ब्रदर्स' की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हुए जीटीवी पर लगातार आठ वर्ष तक प्रसारित 'जी हॉरर शो' के ढाई सौ एपीसोड निर्देशित किए थे। उसके बाद 'आत्मा', 'वैम्पायर' जैसी कई फिल्में निर्देशित की। मुझे गर्व है कि मैने फिल्म विधा के बारे में अपने दादा जी श्री एफ यू रामसे, अपने पिता तुलसी रामसे व चाचा श्याम रामसे से सीखा।

मेरे दादा जी श्री एफ यू रामसे 1947 में देश के बंटवारे के चलते कराची, पाकिस्तान से मुंबई आकर अपना पुश्तैनी व्यवसाय घड़ी व रेडियो की दुकान खोली थी। उन्होने मुंबई के लैमिंग्टन रोड पर ही घर व आफिस भी खोला। वह न सिर्फ फिल्मों के शौकीन थे,बल्कि उन्हे फिल्म इंडस्ट्री से बड़ा लगाव था। मेरे दादाजी ने सबसे पहले ऐतिहासिक फिल्म ''रूस्तम सोहराब' का निर्माण किया था। यह बहुत बड़े बजट की फिल्म थी,जिसने बॉक्स आफिस पर उतनी कमायी नही की,जितनी उम्मीद थी। मेरे दादाजी के सात बेटे थे– कुमार रामसे,केशु रामसे,तुलसी रामसे,किरन रामसे,श्याम रामसे,गंगू रामसे व अर्जुन रामसे.इन्हें ही 'रामसे ब्रदर्स' कहा जाता है। मैं तुलसी रामसे जी का बेटा हूं।

मेरे दादाजी चाहते थे कि उनके सभी बेटे फिल्मी दुनिया में बेहतरीन रचनात्मक काम करें। बहरहाल, 'रूस्तम ए सोहराब' के बाद दादा जी ने दूसरी फिल्म ''एक नन्ही मुन्नी लड़की '' का निर्माण किया। यह हॉरर फिल्म नही थी। लेकिन इसमें एक किरदार मास्क पहनकर म्यूजियम में चोरी करता है। दर्शकों की जुबान पर मास्क वाला किरदार ही छाया हुआ था। आप यकीन नही करेंगे मगर इस एक दृश्य को देखने के लिए दर्शक बार बार 'एक नन्ही मुन्नी लड़की' फिल्म देखने आ रहे थे। तब मेरे दादा जी को अहसास हुआ कि इस हॉरर जॉनर को अब तक किसी फिल्मकार ने उपयोग नही किया है। फिर यह तय किया गया कि कम बजट की,नए कलाकारों के साथ एक ही लोकेशन पर फिल्मायी जाने वाली एक सशक्त कहानी से युक्त हॉरर फिल्म बनायी जाए। इस पर काम शुरू किया गया। यह फिल्म थी– ''दो गज जमीन के नीचे '', जिसे महाबलेश्वर में फिल्माया गया था। यह 1972 की बात है। 'दो गज जमीन के नीचे' के साथ सातों भाई जुड़े हुए थें। श्री तुलसी रामसे और श्री श्याम रामसे ने निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली थी,श्री गंगू रामसे कैमरामैन,श्री अर्जुन रामसे एडीटर, एसोसिएट प्रोड्यूसर व डायरेक्टर भी थे।. श्री किरण रामसे आडियो ग्राफर, जिसे अब साउंड डिजायनर कहा जाता है,केशु रामसे सह निर्माता थे.कुमार रामसे ने कहानी ,पटकथा व संवाद लिखे थे। इस तरह इन सातों भाईयों ने 1972 में भारत की पहली हॉरर फिल्म ''दो गज जमीन के नीचे'' बनायी थी। इस फिल्म की सफलता के ही चलते इन्हें 'रामसे ब्रदर्स' के नाम से जाना जाने लगा।

❍'दो गज जमीन के नीचे' को किस तरह का रिस्पांस मिला था?

–जब यह फिल्म बनी थी,तब तो मेरा जन्म नही हुआ था। लेकिन मेरे दादाजी मुझे अपनी फिल्मों व अपनी यात्रा के बारे में सब कुछ बताया करते थे। मेरे दादाजी ने बताया था कि 'दो गज जमीन के नीचे' बनकर तैयार हो गयी थी। पर फिल्म की सफलता को लेकर वह और उनके सभी बेटे नर्वस थे। अब उनके सामने शुक्रवार यानी कि फिल्म के प्रदर्शन का इंतजार करने के अलावा कोई रास्ता नही था। 30 दिसंबर 1972, शुक्रवार को फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। सुबह के पहले शो में दर्शक नही आए। दूसरे शो में कुछ दर्शक आए। लेकिन तीसरे शो यानी कि छह बजे का शो हर सिनेमाघर में हाउसफुल था। तब मेरे दादा जी को सकून मिला था। पूरे सप्ताह फिल्म हाउसफुल रही। इस फिल्म ने उन दिनों सफलता का एक इतिहास रचा था। इस फिल्म की सफलता से पूरे परिवार को समझ मे आया कि सफलता की यही राह है और अब इसी राह पर चलकर फिल्में बनानी हैं। उसके बाद 'रामसे ब्रदर्स' ने पचास से अधिक हॉरर फिल्में व टीवी सीरियल 'जी हॉरर शो' बनाया।

❍ इस फिल्म को महाबलेश्वर में फिल्माने की वजह पर आपके दादाजी ने कुछ बताया था?

–फिल्म की विषयवस्तु के अनुसार उन्हे एक हिल स्टेशन और सुनसान सी जगह चाहिए थी। शहर से दूर ऐसा बंगला चाहिए था, जहां कोई ज्यादा आता या जाता न हो। इस हिसाब से महाबलेश्वर एकदम सही लोकेशन थी और वह हमेशा आउट आफ सीजन में ही जाकर वहां पर शूटिंग करते थे,जब वहां पर कम लोग जाते थे। हम लोग एक बंगला और एक पूरा होटल बुक कर लेते थे,जहां कलाकार व पूरी युनिट एक साथ रूकती थी।हमने अपनी फिल्मों को वहां के वास्तविक श्मशान में फिल्माया।

❍ होश संभालने के बाद आप सबसे पहले किस फिल्म की शूटिंग पर सेट पर गए थे?

–मैने सबसे पहले फिल्म ''पुराना मंदिर'' की शूटिंग देखी थी। यह फिल्म ''राम से ब्रदर्स' की सबसे बड़ी फिल्म थी, जिसने 'वीराना' के ही स्तर पर बिजनेस किया था। इन दो फिल्मों के प्रदर्शन के बाद हॉरर फिल्मों को लेकर पूरा माहौल ही बदल गया।

❍ फिल्म 'वीराना' को लेकर विस्तार से बताना पसंद करेंगें?

–इस फिल्म में मशहूर अभिनेत्री जस्मीन के अलावा हेमंत बिर्जे,साहिला चड्ढा,कुलभूषण खरबंदा,विजयेंद्र घाटगे,राजेश विवेक जैसे कलाकार थे। राजेश विवेक ने फिल्म ''वीराना'' में तांत्रिक बाबा का किरदार निभाया था। 'वीराना' को महाबलेश्वर के अलावा बुरजंजीरा पैलेस में फिल्माया गया था। इस फिल्म के लिए एक 'कफीन' उपयोग किया गया था। मैं तो बहुत छोटा था, पर शूटिंग के वक्त सेट पर जाया करता था। इस वास्तविक कफीन को जर्मनी से आयात किया गया था। यह कफीन धातु का बना हुआ था,पर दोनों दरवाजे पारदर्शी थे। इसमें एक लॉकिंग डिवाइस हुआ करता था।हम लोग उसमें कुछ अटका कर रखते थे जिससे वह बंद न होने पाए। एक बार सहायक निर्देशक उसमें कुछ अटकाना भूल गया और कफीन का दरवाजा वास्तव में बंद हो गया। डायन का किरदार निभा रही अभिनेत्री चार पांच मिनट तक उसके अंदर बंद रही। जब वह बाहर निकली तो हमने पहली बार किसी डायन को रोते हुए देखा था। उस वक्त तो मैं बहुत छोटा था। वह बहुत घबरायी हुई थी। उसने अपना मेकअप वगैरह उतार दिया और कहने लगी कि अब वह इस किरदार को नहीं निभाएगी। बामुश्किल उसे समझाया गया।

❍ जहां तक मुझे याद है उस वक्त तक कुलभूषण खरबंदा फिल्म 'शान' में शाकाल का किरदार निभाकर काफी लोकप्रिय हो चुके थे,फिर भी यह कलाकार हॉरर फिल्में करने के लिए कैसे तैयार हो जाते थे?

–तैयार नही होते थे। क्योंकि हॉरर फिल्मों की गिनती 'लो बजट सिनेमा' के तौर पर ही होती रही है। मगर उस वक्त तक 'रामसे ब्रदर्स' अपने आप में एक बहुत बड़ा ब्रांड बन चुका था। फिर भी हमारी फिल्म में कुलभूषण खरबंदा को जोड़ने के लिए 'रामसे ब्रदर्स' को उन्हें काफी कन्विंस करना पड़ा था। आप भी जानते हैं कि फिल्म 'शान' में शाकाल का किरदार निभाने के बाद वह भी स्टार बन चुके थे। लेकिन फिल्म 'वीराना' का विषय व पूरी कहानी सुनने के बाद उन्होने विषय की तारीफ की और कहा कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगें। मैं यहां बताना चाहूंगा कि फिल्म 'वीराना' से पहले फिल्म 'पुराना मंदिर' प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म ने सफलता का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि 'पुराना मंदिर' के साथ ही अमिताभ बच्चन की भी एक फिल्म प्रदर्शित हुई थी। लोगों ने हमें मना किया था कि अमिताभ बच्चन की फिल्म के साथ 'पुराना मंदिर' प्रदर्शित मत करो, लेकिन हमारे घर वाले नही माने. आपको जानकर आश्चर्य होगा कि 'पुराना मंदिर' ने अमिताभ बच्चन की फिल्म को ठंडा कर दिया था। मेरी समझ से ऐसा इसलिए हुआ था कि फिल्म 'पुराना मंदिर' का सब्जेक्ट ही युनिक था और फिल्म भी बहुत अच्छी बनी थी। इसका संगीत अच्छा था। इस फिल्म के गाने आज भी लोग गुनगुनाना पसंद करते हैं।

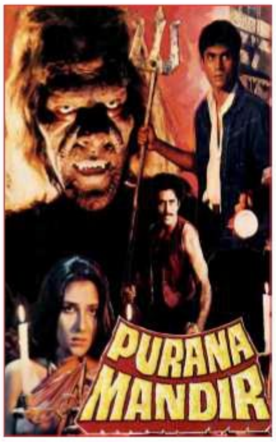

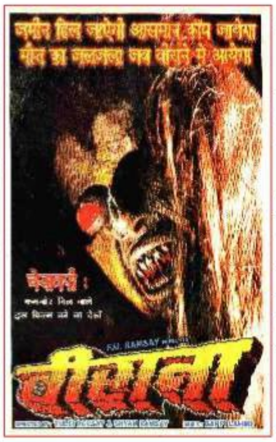

❍ फिल्म 'पुराना मंदिर' और 'वीराना' की कहानी में क्या अंतर था?

– फिल्म 'पुराना मंदिर' की कहानी ठाकुरो की कहानी थी। ठाकुर के घर में एक श्राप है। जो उनकी अगली पीढ़ी को खत्म कर देता था। तब पुनीत इस्सर के साथ मोहनीश बहल व आरती गुप्ता जाकर उस श्राप को खत्म करने की कोशिश करते हैं। एक पुराना मंदिर है,जहां पर इन्हें त्रिशूल मिलता है, उसी त्रिशूल से वह शैतान खत्म होता है। जबकि फिल्म 'वीराना' इससे एकदम अलग थी। 'वीराना' की कहानी डायन और वशीकरण जैसे विषय पर थी। यह भी अपने वक्त की एक नायाब फिल्म थी। 'वीराना' में 'पजेसिब' का मसला था। एक डायन जो मर जाती है, तब किस तरह ठाकुर की बेटी का वशीकरण कर उसमें डायन की आत्मा को डालते हैं। वह बेटी बड़ी होने पर कैसे हर वशीकरण के चलते एक एक से बदला लेती है।

❍ 'पुराना मंदिर' के समय की कोई रोचक घटना..?

–इस फिल्म में सामरी का किरदार अभिनेता अनिरूद्ध अग्रवाल ने निभाया था। उनका कद भी लगभग छह फिट नौ इंच था। वह हिस्टपुष्ट और बड़े चेहरे वाले कलाकार थे। अनिरूद्ध का जो मेकअप किया गया था, उसे किसी ने देखा नही था। शूटिंग की तैयारी हो चुकी थी। सेट पर अनिरूद्ध अग्रवाल अपना मेकअप पूरा होने के बाद अपने मेकअप रूम में बैठकर चाय पी रहे थे। तभी मुंबई से अभिनेत्री आरती गुप्ता पहुँचते ही गलती से अनिरूद्ध के मेकअप रूम के अंदर चली गयी और वहां पर अनिरुद्ध को देखकर वह इस कदर डर गयी कि बेहोश हो गयी थी। उनके चेहरे पर पानी डालकर होश में लाया गया और उन्हे बताया गया कि अनिरूद्ध को मेकअप कर सामरी बनाया गया है।

❍ अब तो तकनीक काफी विकसित हो गयी है। अब तो प्रोस्थेटिक मेकअप होने लगे हैं। उन दिनों यह सारी सुविधाएं नहीं थी। तब 'रामसे ब्रदर्स' कलाकार का मेकअप करने के लिए किसका सहारा लेता था?

–यूँ तो उन दिनों 'मास्क' बहुत लोकप्रिय था। मगर 'मास्क' तो कलाकार मुखौटे की तरह पहन लेता था। पर इससे चेहरे के एक्सप्रेशन नहीं मिलते थे। 'पुराना मंदिर' के समय मेकअप के लिए बहुत बड़ा व अनूठा प्रयोग किया गया था। जिसमें मास्क के छोटे छोटे टुकड़े कर एक एक टुकड़े को कलाकार के चेहरे पर चिपकाया जाता था। फिर उसके उपर मेकअप किया जाता था। उसके बाद बाल वगैरह लगाया जाता था। तब कलाकार कास्ट्यूम पहनता था। इस प्रक्रिया में कम से कम आठ से नौ घंटे का समय लगता था। तब कहीं सामरी का किरदार लोगों के सामने आता था। हमारी हॉरर फिल्मों की शूटिंग तो रात में ही होती थी। हमारी शूटिंग रात में नौ बजे शुरू होने वाली होती, पर सामरी के लिए कलाकार का मेकअप सुबह दस ग्यारह बजे ही शुरू हो जाता था। इस मेकअप को मेकअप मैन श्रीनिवास दादा किया करते थे। वह बंगाली थे। उनका टैलेंट और 'रामसे ब्रदर्स' का अपना रिसर्च मेकअप में चार चांद लगाता था। रामसे ब्रदर्स खुद मेकअप पर रिसर्च किया करते थे। उन दिनों कांटेंट लेंसेस नही थे, तब उन दिनों उन्होने एक बड़े साइज का कंटेंट लेंस बनाया था,जिसे वह आंख के उपर फिट करते थे। मेर चाचा गंगू रामसे जी को मेकअप के साथ लाइटिंग की बहुत अच्छी समझ थी। हॉरर लाइटिंग में वह माहिर थे।

❍ इन दिनों वीएफएक्स का काफी उपयोग किया जाता है। पहले वीएफएक्स तकनिक नही थीं। ऐसे में लोगों के अंदर डर पैदा करने वाले दृश्य गढ़ने के लिए 'रामसे ब्रदर्स' क्या करते थे?

–यह खासियत हमारे चाचा गंगू रामसे की थी। वह ट्रिक फोटोग्राफी और ऑप्टीकल वर्क में माहिर थे। किसी शैतान को बड़ा या लार्जर देन लाइफ कैसे दिखाना है,या उड़ने वाला दृश्य है,यह सब करने में गंगू रामसे माहिर थे। तब तो वीएफएक्स नही था। वी एफ एक्स तो अभी चार पांच वर्ष पहले ही आया है। पहले सारे इफेक्ट्स और ऑप्टीकल वर्क कैमरे के माध्यम से ही हुआ करता था। इसके अलावा कुछ चीजों के लिए हमें नगेटिब पर 'रब' करना पड़ता था। रामसे ब्रदर्स की सबसे बड़ी खूबी साउंड इफेक्ट और संगीत रहा है। 'जी हॉरर शो' का थीम संगीत, हमारी फिल्म 'पुराना मंदिर' का थीम संगीत है। इस संगीत को श्री उत्तम सिंह ने दिया था।

❍ 'पुराना मंदिर' के बाद कौन सी फिल्म बनी थी?

–'पुराना मंदिर' के बाद दो फिल्मों की घोषणा की गयी थी, मगर बनी 'वीराना' थी.'वीराना' के बाद 'बंद दरवाजा','महाकाल' बनी। यह वह दौर था,जब टीवी तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। मेरे पिता तुलसी रामसे 'जीटीवी' के सुभाष चंद्र जी के पास 'बंद दवाजा' के सेटेलाइट राइट्स बेचने गए थे। तब सुभाष चंद्र जी ने उनके सामने टीवी के लिए हॉरर शो बनाने का प्रस्ताव रखा। तब तक टीवी पर हॉरर फिल्में भी नही आयी थी। तो जीटीवी पर पहला हॉरर शो 'जी हॉरर शो'' लाने का श्रेय 'रामसे ब्रदर्स' को ही जाता है।

❍ 'रामसे ब्रदर्स' ने तो फैक्टरी की तरह 45 हॉरर फिल्में बनायी। आप किन फिल्मों के साथ जुड़े हुए थे?

–रामसे ब्रदर्य अपनी हर फिल्म की शूटिंग महाबलेश्वर में ही करते थे तो हम छुट्टी मनाने के लिए वहां चले जाते थे और फिर शूटिंग के दौरान सेट पर रह कर सीखते भी थे। पर 'पुराना मंदिर' से मैं ज्यादा सक्रिय हुआ। मैने चौथे सहायक के रूप में शुरूआत की थी। उस वक्त मेरे अंदर सीखने की रूचि भी थी। फिर 'वीराना मंदिर' में काम किया। लेकिन बतौर निर्देशक मेरी असली शुरूआत टीवी सीरियल ''जी हॉरर शो'' से हुई थी।

❍ क्या आपको पता है कि आपके दादा जी ने अपने सभी सात बेटों को कहां से फिल्म मेकिंग की ट्रेनिंग दिलायी थी?

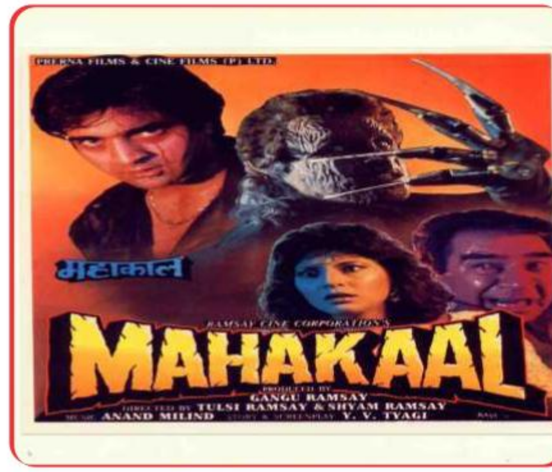

–मेरे दादा एफ यू रामसे जी ने कोशिश की थी कि उनके बेटे फिल्म इंडस्ट्री के मंजे हुए निर्देशक या कैमरामैन वगैरह से ट्रेनिंग लें, लेकिन कोई भी अपने साथ इन्हे रखकर ट्रेनिंग देने को तैयार नही हुआ था। मेरे दादाजी ने कोशिश की थी कि विश्राम बेड़ेकर से तुलसी रामसे और श्याम रामसे निर्देशन की बारीकियां सीखें। पर बात नही बनी। लोग सोचते थे कि यह सब रईस बाप के बेटे हैं,कुछ करने वाले नही है। तब वह अपने सातों बेटों को लेकर कश्मीर गए। यह बात 'दो गज जमीन के नीचे' से पहले की है। मेरे दादा एफ यू रामसे ने कश्मीर में दो माह के लिए हाउसबोट बुक की थी। और सातों को ट्रेनिंग देने की शुरूआत की थी। उस वक्त एक किताब हुआ करती थी–''द फाइव सीज आफ सिनेमैटोग्राफी'। यह किताब फिल्म मेकिंग के लिए बाइबल है। इसी किताब का सहारा लेकर मेरे दादाजी ने अपने बेटों को फिल्म मेकिंग की ट्रेनिंग दी, उनसे प्रैक्टिकल भी करवाया..वह अपने साथ एक छोटा कैमरा भी लेकर गए थे। जिसकी मदद से वह अपने बेटों से छोटी छोटी फिल्में भी बनवाते थे। उन्होने कैमरा मूवमेंट,टेकिंग,एडीटिंग व पोस्ट प्रोडक्शन सब कुछ वहीं पर सिखाया था।

❍ आपके पिताजी व उनके सभी भाई मिलकर फिल्म बनाते थे। सभी अलग अलग विभाग संभालते थे। फिल्म मेकिंग तो टीम वर्क होता है। कई बार ऐसा होता होगा,जब कैमरामैन व निर्देशक किसी सीन को लेकर सहमत न हो या संवाद को लेकर असहमति हो,तब क्या राह अपनाते थे?

–सबसे बड़ी बात यह थी कि सभी भाइयों में पारिवारिक एकता की भावना के साथ पारिवारिक मूल्य कूट कूट कर भरे हुए थे। सभी का मानना था कि क्रिएटिबिटी को लेकर बहस होनी चाहिए। सभी इस बात पर हमेशा एकमत होते थे कि फिल्म अच्छी बननी चाहिए। पर यह सातों भाई 'राम लक्ष्मण' की जोड़ी की तरह थे। हर मतभेद के समय बातचीत के दौरान छोटे बड़े का लिहाज रखते हुए समझाते व समझते थे। आपस में प्यार भी बहुत था। पूरा परिवार एक साथ काम करने में ही यकीन करता था। यदि इनमें आपस में प्यार व आपसी समझ न होती तो 45 फिल्में बनाने जितना लंबी यात्रा भी न होती। हमने अपने पिता व चाचाओं को काम करते देखकर बहुत कुछ सीखा। यही वजह है कि आज हम कजिन्स के बीच भी वही रिश्ता है। 'रामसे ब्रदर्स' का जो ब्रांड बना वह इन सात भाईयों की मेहनत,आपसी प्यार, आपसी विश्वास, सहयोग आदि का ही परिणाम है। यह सातों भाई फिल्म मेकिंग के अलग अलग विभाग में माहिर थे।

❍ आपके दादा एफ यू रामसे का स्वभाव कैसा था?

–वह छोटे कद के मगर गुस्सैल थे। सातों भाइयों को एकजुट रखने का श्रेय भी मेरे दादाजी को ही जाता है।

❍ आपके दादाजी ने आपको क्या खास सलाह दी थी?

–जब फिल्म मेकिंग को लेकर मेरी उनसे चर्चा होती थी, तो वह मुझसे बार बार कहा करते थे–''फिल्म की कहानी ऐसी होनी चाहिए, जो कि दो लाइन में ही समझ में आ जाए। यदि दो लाइन में कहानी समझ में नही आती,तो तीसरी लाइन में कहानी कहकर आप अपना और दर्शक का समय बरबाद कर रहे हैं। इसके अलावा फिल्म ऐसी होनी चाहिए कि वह पहले दृश्य से ही दर्शक को सीट पर बैठा दे।'

एक खुला खत पृथ्वीराज कपूर के नाम

अली पीटर जॉन

माननीय पापाजी

मेरे पास आपको देखने का केवल एक ही अवसर था, और यह तब था जब आप पंजाबी कला संगम के उद्घाटन समारोह में एक चीफ गेस्ट के रूप में मेरे कॉलेज आए थे और आपने अपने हैन्डम लुक, अपने चलने के अंदाज और पंजाबी और हिंदी में अपने बात करने के तरीके, के साथ मेरे युवा मन पर जो छाप छोड़ी थी, वह आज भी मेरे दिल और दिमाग में पहले की तरह ही ताजा है।

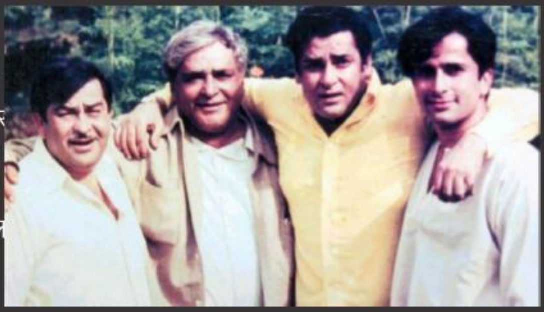

मैंने आपकी कुछ बेहतरीन फिल्में देखी हैं जैसे **'मुगल ए आजम'**, **'रुस्तम सोहराब'**, **'सिकंदर'**, **'कल आज और कल'** और **'तीन बहुरानियां'** और कई अन्य फिल्में और आपने हमेशा मुझे अपनी अदाकारी की पहुँच से रूबरू कराया है। अगर मैं गलत नहीं कह रहा हूँ तो मुझे खुद आपके पृथ्वी थियेटर और आईपीटीए के कुछ नाटकों में मंचित नाटकों को देखने का अवसर नहीं मिल पाया और मुझे पूरा विश्वास है कि आप उन सभी में मंत्रमुग्ध किए होंगे। अगर मुझे अपने जीवन में कोई पछतावा है, तो यह आपके द्वारा किए गए नाटकों में आपकी महिमा को न देख पाना है। जब आप इस दुनिया को छोड़ चुके थे, तब मैं आपको अंतिम विदाई देने के लिए भी भाग्यशाली नहीं रह पाया था, लेकिन आपकी महिमा अभी भी हम सभी के अंदर हमेशा के लिए जीवित रहेगी।

प्रिय पापाजी, आप जान सकते हैं कि आपके सभी बेटे **राज, शम्मी और शशि** सभी आप में शामिल हो चुके हैं और **ऋषि कपूर** और **राजीव कपूर** जैसे आपके प्रतिभाशाली पोते हैं। इसी दुनिया में आपके कुछ पड़ पोते भी एक्टिव हैं जहा आपने और आपके बेटों ने कभी राज किया था, लेकिन मैं उनमें से किसी में भी आशा की झलक को नहीं देख पाता हूँ!

आप सोच रहे होंगे कि, मैं उनका यह ओपन लैटर आपको क्यों लिख रहा हूं। मैं **पृथ्वी थिएटर की कैंटीन** में बैठा हूं जिसे आपके बेटे **शशि और बहू** ने आपके सम्मान में बनाया था भारतीय थिएटर के लिए आपके द्वारा निर्धारित परंपरा को जीवित रखने के लिए। मुझे नहीं पता कि मैं आपको या मेरे प्रिय

मित्र शशि कपूर और उनकी पत्नी को इस जगह के चमत्कार के लिए कैसे धन्यवाद दूँ, लेकिन यह फैक्ट यह है कि पृथ्वी थिएटर ने थिएटर के लिए जो किया है वो पिछले साठ वर्षों में कोई भी सरकार या संस्था नहीं कर पाई है। अभिनेता, लेखक और अन्य क्रिएटिव लोग अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए जगह की भीख माँगते थे, लेकिन अब उनके पास एक आश्रय है जहाँ वे आ सकते हैं, आराम कर सकते हैं और अपनी प्रतिभा को दिखा सकते हैं।

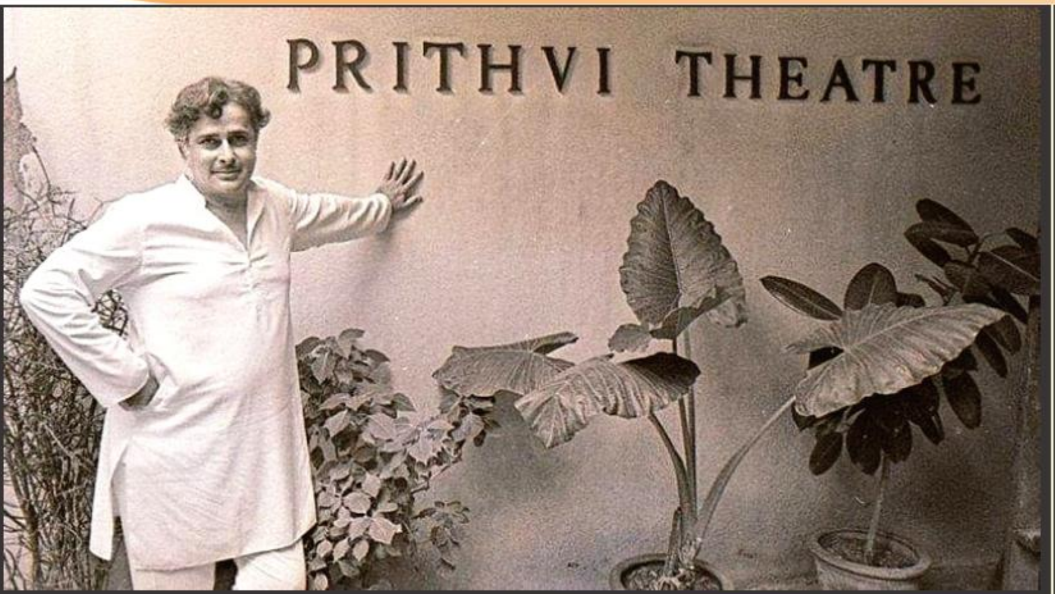

क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी थिएटर ने लाखों प्रतिभाशाली युवा पुरुषों और महिलाओं को एक जगह दी है जहाँ से वे अपनी मंजिल को पा सकते हैं? क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी थिएटर देश भर के कलाकारों के लिए एक घर रहा है और इसने शायद ही कभी किसी को निराश किया हो जो वास्तव में पृथ्वी थिएटर का हिस्सा होने के योग्य रहा है? आपके समय में एक कप चाय की कीमत एक आना यानि छह पैसे होती थी, लेकिन आज एक गिलास साधारण चाय की कीमत 25 रुपये है, आपके समय में परोसे जाने वाले स्नैक्स की कीमत एक या दो रुपये होती होगी, लेकिन आज हैसियत के हिसाब से भुगतान किया जाता हैं। और युवा लोगों द्वारा परोसे जाने वाले कुछ स्वादिष्ट स्नैक्स होते हैं, जो मुझे लगता है कि यह इन युवाओं का उज्ज्वल भविष्य नहीं है, पृथ्वी थिएटर एक मीटिंग प्लेस से भी अधिक है जहां बैठकर नसीरुद्दीन शाह द्वारा निर्देशित 'किस्मत आप के नाम' जैसे महत्वपूर्ण नाटक पर चर्चा की गई, नसीरुद्दीन शाह एक अभिनेता और निर्देशक जिन्हें आप जानकर प्रसन्न हुए होंगे।

आपके पृथ्वी थिएटर और शशि के पृथ्वी थिएटर के बीच बहुत कुछ बदल गया है। परिवर्तित होना तो जीवन का नियम है, लेकिन क्या इसकी वैल्यू चेंज हो गई है?

अभी आपका और शशि का पृथ्वी थिएटर शशि के बेटे **कुनाल कपूर** के हाथ में है, हो सके तो कुनाल को अपना आशीर्वाद दे दो की वो पृथ्वी थिएटर को **आगे और आगे लेकर चले।**

आपका और कपूर खानदान का शुभचिंतक
–अली पीटर जॉन

अनु– छवि शर्मा

फिल्म "हीरामंडी" के सार के साथ अभिनेत्री श्वेता खंडूरी का जन्मदिन समारोह की झलकिया...

येशा: ने एक हाई-ऑक्टेन आइस स्लैब ड्रामा सीक्वेंस पर बात की...

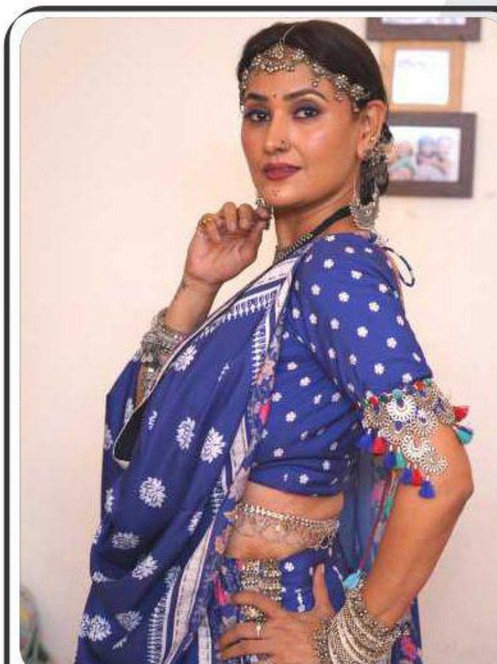

सपना सिकरवार ने डांसिंग के अपने पैशन के बारे में बताया...

परवीन डबास ने प्रो पांजा लीग के दूसरे सीज़न के बाद, पांजा बी लीग की घोषणा की...

एथलीट पहले से कहीं अधिक उत्साहित हैं

सुलेना मजुमदार अरोरा

परवीन डबास सही मायनों में एक मल्टीफैसेटेड और मल्टीडायनामिक तथा प्रतिभाशाली व्यक्तित्व हैं। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति भी हैं और उनमें चीजों को अपने समकालीनों से बेहतर और आगे देखने की क्षमता है। जबकि एक अभिनेता के रूप में उन्होंने हमेशा अपने विविध अभिनय कौशल के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वे एक दूरदर्शी एंटरप्रिनियर और खेल प्रेमी भी हैं, जिन्होंने आर्म रेसलिंग की कला और खेल को न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। वे प्रो पांजा लीग के पीछे के मुख्य व्यक्ति हैं, एक ऐसा मंच जिसने कई एथलीटों के सपनों को पंख दिए हैं जो आर्म रेसलिंग में रुचि रखते थे लेकिन उनके पास कोई दिशा नहीं थी। उनके परामर्श, मार्गदर्शन और उनकी ओर से प्रशिक्षण के लिए जोड़े गए सही तत्वों के लिए परवीन को नए अथलीटों की तरफ से धन्यवाद। इनमें से कई एथलीट अंतर्राष्ट्रीय लीग और प्रतियोगिताओं में देश के लिए गौरव लाने के लिए आगे बढ़े हैं। भारतीय आर्म रेसलिंग में परवीन के योगदान को कई मंचों पर मान्यता मिली है, जिसके कारण उन्हें कई स्तरों पर सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया है।

तो हाँ, जब आपने सोचा होगा कि इस विभाग में वह और अधिक कुछ भी नया या ताजा नहीं जोड़ सकते हैं, तो सौम्य व्यक्तित्व वाले डबास, एक अविश्वसनीय घोषणा के साथ

सामने आएं है। हाँ यह सही है। परवीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि प्रो पांजा लीग के दूसरे सीज़न के बाद, वह पांजा बी लीग खोलेंगे जो बहुत से लोगों को अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने का अवसर देगा। ये टूर्नामेंट पूरे देश में आयोजित किए जाएंगे और भारत में आर्म-रेसलिंग के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र और प्रजनन मैदान तैयार करेंगे। इस बारे में और अधिक पूछे जाने पर, परवीन ने जो कुछ बताया वो कुछ इस प्रकार है, वे बोले, "भारत एक ऐसा देश है जहां वास्तव में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जबकि प्रो पंजा लीग प्रभावशाली प्रदर्शन देने के मामले में हमेशा महान और आगे रही है, हमने महसूस किया कि कई अन्य युवा प्रतिभाएं जिन्हें सही ढंग से तैयार करने की आवश्यकता है, वे गायब हैं। यह ऐसा क्यों हुआ? फिर अब, पंजा बी लीग उसी विचार की उपज है क्योंकि हम आर्म रेसलिंग के खेल को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं ताकि देश को हमारे पहलवानों पर अधिक से अधिक गर्व महसूस हो। मुझे यकीन है कि यह पहल कम्यूनिटी को और अधिक सशक्त बनाएगी और मैं हमेशा की तरह इस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तत्पर हूं। आगे भी सभी के प्यार और समर्थन की उम्मीद है।"

खैर, हमेशा अग्रणी और दूरदर्शी नेता रहने के लिए परवीन को बधाई और उनकी तरह, हम भी इस तथ्य के बारे में आश्वस्त हैं कि बी लीग निश्चित रूप से देश में और साथ ही आर्म रेसलिंग के खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका विदेश में भी निभाएगी। यहां उन्हें शुभकामनाएं और महान सफलता की शुभकामनाएं।

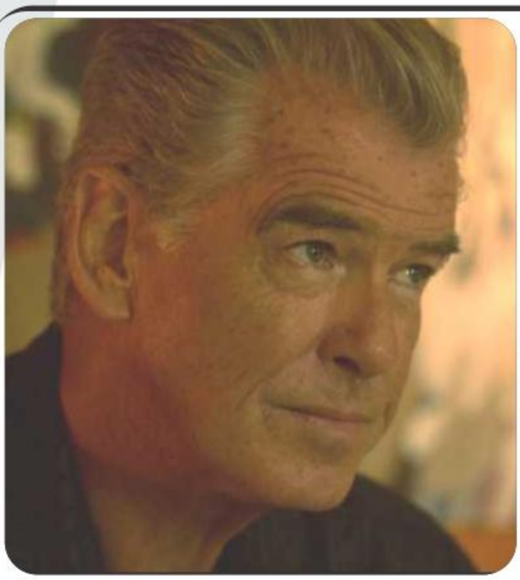
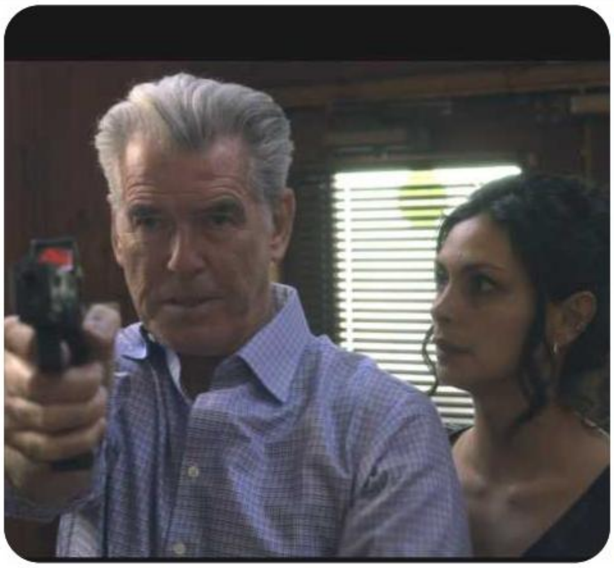
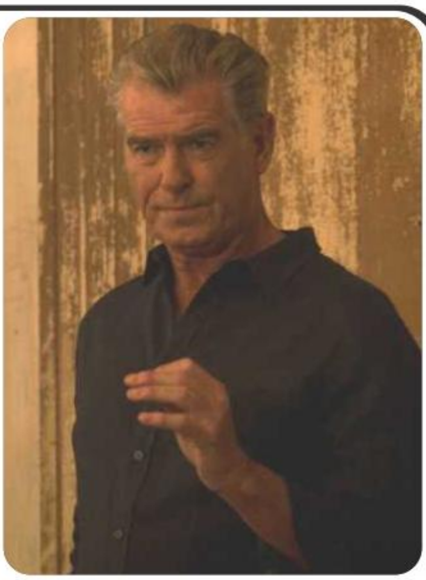

दिग्गज पियर्स ब्रॉसनन अपनी आगामी फिल्म "फास्ट चार्ली" में अपनी करिश्माई उपस्थिति से स्क्रीन पर छा जाएंगे

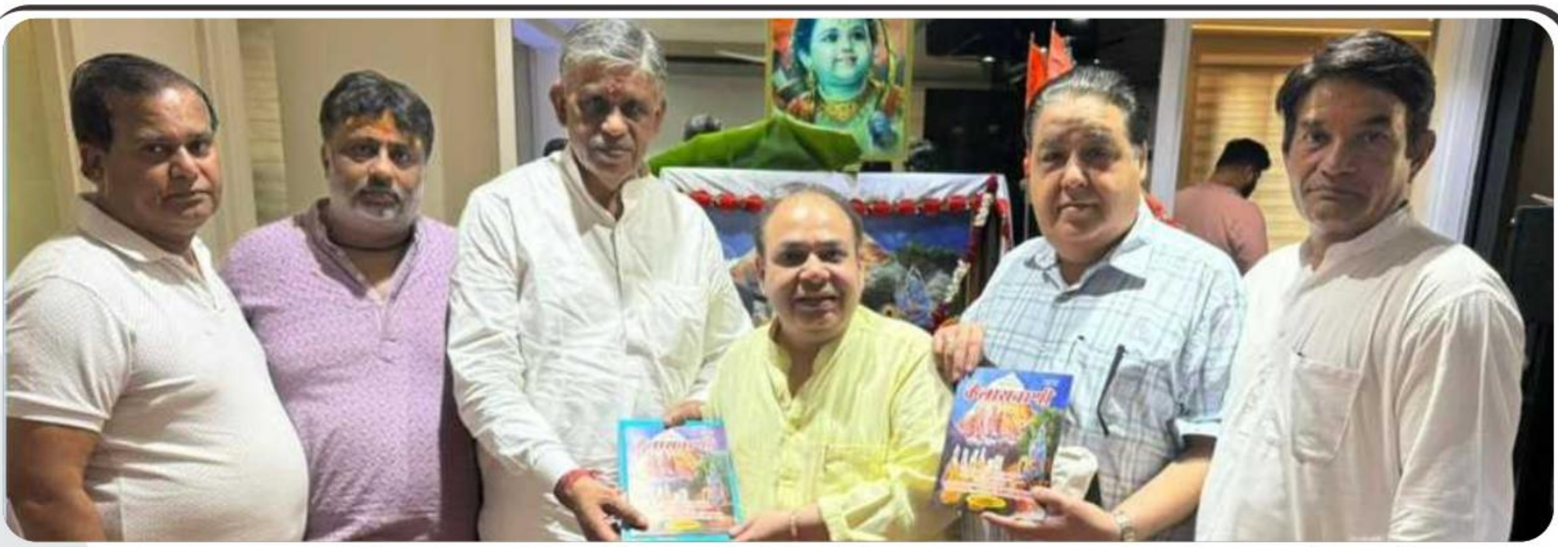

राकेश सप्रा (बबलू) जी के घर उदय कौशिंक जी के मुखारविंद से दिव्य शिंवपुराण उत्सव पर एकता मिंशन के अध्यक्ष डॉ. पवन मोगा महामंत्री संजय मलिक मंत्री राम अवतार डब्बू साथ मेंराजेश चौहान

यह हमारा पसंदीदा गाना है! एलनाज नोरौजी ने अपना पहला हिंदी गाना गाया है और यह वाकई जादू है!

प्रेम गीतों की रानी जसलीन रॉयल ने एक उत्साहवर्धक ट्रैक, अस्सी सजना रिलीज़ किया

अंतर्राष्ट्रीय "कांस फिल्म फेस्टिवल" के मार्केट सेक्शन में पहली बार हुआ भोजपुरी फिल्म 'अग्निसाक्षी' का भव्य प्रदर्शन...

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

अंतर्राष्ट्रीय कांस फिल्म फेस्टिवल फ्रांस के मार्केट सेक्शन में पहली बार एक भारतीय भोजपुरी फिल्म 'अग्निसाक्षी' का 16 मई 2024 को नीस सिटी के प्लास एफ स्क्रीन में प्रीमियर किया गया। इस अवसर पर भोजपुरी फिल्म के हीरो प्रदीप पांडेय चिंटू, फिल्म निर्माता निर्देशक राजकुमार आर. पांडेय के साथ साथ बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव, हीरामंडी के हीरो ताहा शाह, इंपा प्रेसिडेंट अभय सिन्हा, इंपा वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुषमा शिरोमणि, उपाध्यक्ष और गुजराती फिल्म मेकर अतुल पटेल, हिन्दी फिल्म मेकर यूसुफ शेख, गुजराती फिल्मों के निर्माता निर्देशक हरसुख पटेल, पोलैंड की अभिनेत्री नटालिया और तमाम फिल्म निर्माता मौजूद रहे।

बोल्ड ड्रामेटिकल सोशल और पारिवारिक मुद्दे पर आधारित इस फिल्म में प्रदीप पांडेय ''चिंटू'', अक्षरा, तनु श्री, राज राजपूत, आकाश यादव, ब्रिजेश त्रिपाठी, विपिन, ग्लोरी महानता, मनोज द्विवेदी, लाखन भारद्वाज, म. पंडित,उदय श्रीवास्तव, प्रिया पांडेय, के.के. गोस्वामी,शशकीला मजीद,

मंटू लाल, सुमित ''श्रीनेत्र'', अजीत मंडल, ओम साव, जे नीलम तथा संजय पांडेय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फिल्म के निर्माता निर्देशक राजकुमार आर. पांडेय इस फिल्म के गीतकार और संगीतकार भी हैं। कैमरामैन देवेंद्र तिवारी,कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और मनोज गुप्ता और एक्शन डायरेक्टर प्रदीप खड़का हैं। कांस में प्रीमियर होने से भोजपुरी समाज में हर्ष व्याप्त है!...

हिन्दी फिल्म 'लखीमपुर के लुक्खे' का 31 मई से भव्य...

शांतिस्वरूप त्रिपाठी

युवा पीढ़ी को केंद्र में रखकर 'दक्ष एंटरटेनमेंट' के बैनर तले निर्मित हिन्दी फिल्म 'लख्मीपुर के लुक्खे' को 31 मई को मुम्बई, गुजरात और सौराष्ट्र में प्रदर्शित किया गया...

बुरी लतों की आदी युवा पीढ़ी को जागरुक करने के लिए यह संदेशात्मक सामाजिक फिल्म है। इस फिल्म के लेखक, निर्माता और निर्देशक देशराज सौरोत हैं। इस फिल्म की समस्त शूटिंग हरियाणा,राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में की गई है। फिल्म के गीतकार नरेश कारवाला ने गीतकार सतीश अत्री के साथ फिल्म के गीत भी लिखे हैं। कोरियोग्राफी राजू नायडू, कला राज डागर और छायांकन आर.के. दास का है।

इस फिल्म में देशराज सौरात, गुलभान वालिया, सुरेंद्र शर्मा, डॉक्टर प्रशांत शुक्ला, मतीन खान, राजू मान,जोगिंदर कुंद्रू, आर्य सिंह, वीना चौधरी, मनोज राठी और संजय कुमार ने अहम भूमिका निभाई है। ममता सोनी ने आइटम सांग में अपने जलवे बिखेरे हैं!...

Shammi & Nadira

Nimmi

गुजरा हुआ जमाना, आता नहीं दुबारा
कुछ झलकिया 'मदर इंडिया' के प्रीमियर की

–अली पीटर जॉन

मेरे मित्र और मायापुरी के संपादक और प्रकाशक, श्री पी. के. बजाज जी हर समय मेरे लिए राहत का एक बड़ा स्रोत रहे हैं, लेकिन वे वायरस के हमले के दौरान मेरे लिए प्रेरणा की किरण से अधिक रहे हैं जिनका साथ अभी भी जारी है और वह इस साथ को छोड़ने का कोई संकेत नहीं दिखा रहे है और श्री बजाज की सबसे अच्छी चीजों में से एक मुझे वीडियो भेजना है जो मुझे अन्य समयों, अन्य युगों और अन्य महान और अविस्मरणीय नामों की याद दिलाता हैं, जिन्हें इतिहास के पन्नों में अंकित किया गया है।

यह उनकी माइंड–ब्लोइग वीडियो का सिलसिला है कि मिस्टर बजाज ने मुझे महबूब खान के मैग्नम ओप्स, **'मदर इंडिया'** के पहले शो को कैप्चर करते हुए एक पुराना वीडियो भेजा है, मैंने शो के बारे में राज कुमार, राजेंद्र कुमार जैसे प्रतिष्ठित नामों से पर्सनल रिपोर्ट सुनी थी (उन्होंने फिल्म में अपना प्रमुख डेब्यू किया और इसमें प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं थी सुनील दत्त ने)। मैंने महान दिलीप कुमार को भी इसके बारे में बोलते हुए सुना था और अगर कोई ऐसा व्यक्ति था जिसने मुझे इसके बारे में एक अनोखा वर्णन दिया, तो यह श्री चिमकांत गांधी थे जो महबूब खान के दाहिने हाथ थे और जो फिल्म के कलाकारों में तीन न्यूकमर, राज कुमार, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त को लाने के लिए जिम्मेदार थे। मैंने कुछ साल पहले प्रीमियर के बारे में भी ऐसा ही वीडियो देखा था, लेकिन इस बार जब मैंने इसे बार–बार देखा तो मेरी आँखों में खुशी और एक अजीब सी उदासी दोनों के आंसू थे यह मेरे दिल में बस गया, जिसने मुझे वीडियो, फिल्म और फिल्म के निर्माण में शामिल लोगों के बारे में मेरी भावनाओं से वापस जोड़ दिया था।

मुझे पता है कि कई अन्य लोग भी हो सकते हैं जिन्होंने इस वीडियो को देखा होगा, लेकिन मैं इसे अपने दिल की आँखों से देख रहा था।

वीडियो साउथ मुंबई में लिबर्टी सिनेमा के बाहर के एक दृश्य के साथ खुलता है, एक पॉश थिएटर जहां कई बार कुछ बेहतरीन फिल्मों के प्रीमियर आयोजित किए गए है,

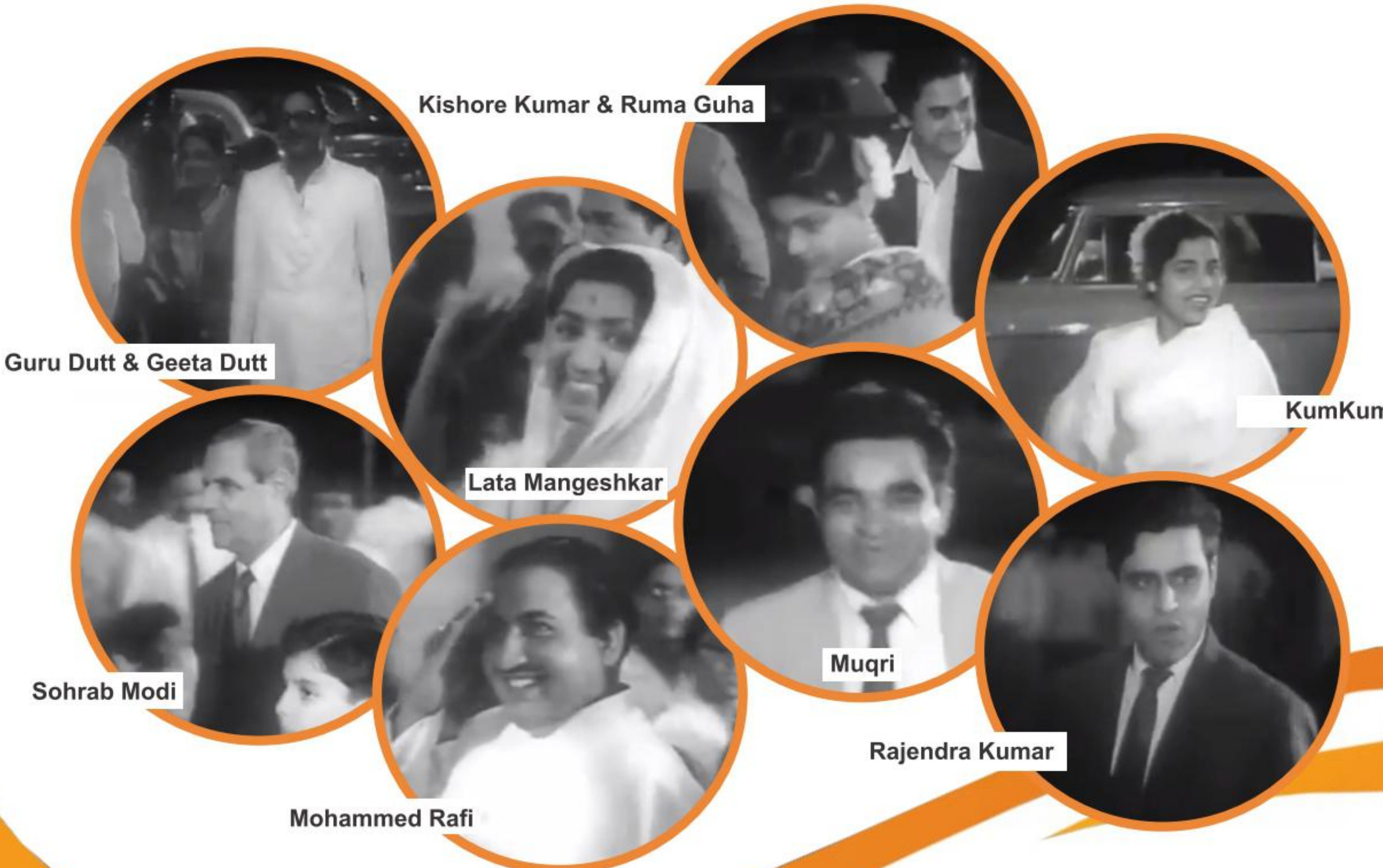

आखिरी यश चोपड़ा की आखिरी फिल्में और सूरज बड़जात्या की पहली कुछ फिल्में हैं।

लिबर्टी पर दृश्य पुरुषों और महिलाओं की एक बड़ी भीड़ के साथ खुलता है, जहा लोग बुकिंग काउंटर पर टिकटों के रेट्स और ब्लैक मार्किट में रेट्स पर चर्चा करते हैं। आवाजों के माध्यम से सुना जा सकता है कि ब्लैक मार्केट में टिकट 50 और 100 रुपये में बेचे जा रहे थे और लोग अभी भी उस फिल्म को देखना चाहते हैं जिसे रिलीज होने से पहले और प्रचार के दौरान महीनों पहले भी हाइली पब्लिश किया गया था। जिसमे एक सच्ची कहानी थी कि नरगिस किस कदर एक आग में फंसी थीं और युवा अभिनेता सुनील दत्त ने अपनी जान जोखिम में डालकर उन्हें कैसे बचाया था और इस भड़कीले दृश्य ने उनके बीच प्रेम और सम्मान की ज्वाला जला दी थी और इसने देश के सबसे कान्ट्रवर्शल और अभी तक के सफल विवाहों में से एक को जन्म दिया था।

लिबर्टी में प्रीमियर के दृश्य पर वापस आ जाए। बड़े बड़े स्टार्स की कारें लिबर्टी के विपरीत लेन में चलती रहती हैं और भीड़ के बीच उत्तेजना प्रत्येक स्टार के आगमन के साथ बढ़ती रही।

'बरसात' के साथ अपनी शानदार सफलता से फेमस हुई निम्मी तब गेट पर पहुँचने वाली पहली स्टार थी, 'बरसात' उनकी पहली फिल्म थी, जिसमें राज कपूर ने उन्हें सबसे पहले इन्ट्रडूस कराया था, जिन्होंने उन्हें महबूब खान की 'अंदाज' के सेट पर केवल एक बार देखा था और कई सवालों के जवाब दिए बिना ही उन्हें कास्ट कर लिया था और उनके बारे में राज कपूर की राय समय की कसौटी पर खरी उतरी थी। निम्मी अपने नए प्रशंसकों से घिरी हुई थी, लेकिन वह सफलतापूर्वक लिबर्टी के प्रवेश द्वार के लिए अपना रास्ता बनाती नजर आई थी।

निम्मी के बाद दो अच्छी दोस्त और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियां, नादिरा और शम्मी लिबर्टी पहुंची दोनों ने सफेद साड़ी पहनी थी जो उनकी फिल्मों में उनकी इमेज के खिलाफ रही है।

उनके बाद शोभना समर्थ आई, जो अभिनेत्री विजय भट्ट की फिल्म 'राम राज्य' में सीता का किरदार निभा रही थी। वह मां सीता के रूप में अपनी छवि के कारण वह सभी सम्मानों से अभिभूत थी। और उन्हें शांति से अंदर जाने की अनुमति थी।

फिर पृथ्वी, आकाश, चंद्रमा, सूर्य और वह सब जो जीवित है, एक साथ तालियां बजाने लगता है जब लता मंगेशकर अपने सर को अपने पल्लू से ढके के चलती हुई आती हैं और उसके चेहरे पर भगवान सी चमक दिखती है। और फिर जब मोहम्मद रफी विनम्रतापूर्वक प्रवेश द्वार की ओर आते हैं, तो ऐसा लगता है कि स्वर्ग और पृथ्वी एक साथ भगवान की पसंदीदा कृतियों की एक झलक को पाने के लिए आए हैं। उनके पास वह स्वर्ग है जो उनके चेहरे पर साफ दिखता है भले ही वे इस धरती के हो।

मेल स्टार्स की ब्रिगेड सोहराब मोदी की अगुवाई में चलती है, जिसके बाद फियरलेस

नादिया आती है। वह पर्दे पर उनकी दिलकश छवि के विपरीत है।

ब्रिगेड जारी है और महबूब खान के पीछे चलती है, जो आत्मविश्वास की एक उज्ज्वल मुस्कान के साथ मैग्नम–ओपस के पीछे का आदमी है जो तब आश्चर्यचकित हो जाता है जब उसके सैकड़ों प्रशंसक उसके बैनर के आदर्श वाक्य का जाप करते हैं "मुद्दई लाख चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो मंजूरे खुदा होता है" और महबूब के चेहरे पर विजय और दृढ़ निश्चय की मुस्कान नजर आती है और वह अंदर कि और चल पड़ते है।

महबूब खान का अनुसरण करने वाले अन्य लोग हैं जैसे कि दिग्गज अभिनेता शेख मुख्तार, याकूब, कन्हैयालाल, राजेंद्र कुमार और उसके बाद राज कुमार दोनों के लिए यह पहला अनुभव था कि स्टारडम का क्या मतलब है और वे एक स्टार के रूप में कहाँ और कितनी ऊँचाई तक पहुँचेंगे, इस बारे में एक तरह की भविष्यवाणी, और वहा उनके प्रशंसकों को 'हाय' चिल्लाते हुए सुना जा सकता था।

हालाँकि तब समय रुक जाता है और दिल की धड़कनें रुक जाती हैं, जब तेज तर्रार दिलीप कुमार शार्प स्किन सूट पहने आते दिखते हैं और भीड़ में मौजूद महिलाएं उन्हें देखकर पागल हो जाती हैं और यह दृश्य उस दृश्य जैसा लगता है जब अमिताभ बच्चन या शाहरुख खान किसी भी सार्वजनिक या निजी अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। यही एक कारण है कि हमेशा से दिलीप कुमार को 'सभी सितारों के बीच पहला सितारा' कहा जाता हैं।

बाहर की भीड़ बढ़ती रहती है और लोग चिल्लाते रहते हैं और खुशी में रोते भी हैं और शो खत्म होने तक अपनी जगह छोड़ने से मना कर दिया था जब तक सभी जानी मानी हस्तियां अंदर जाकर बाहर नहीं आ गई थीं और जो सभी 'मदर इंडिया' जैसी शानदार फिल्म देखकर खुश थे और उन्होंने आसपास के लोगों को बार–बार फिल्म देखने के लिए कहा था। यह भारत में बनाई गई सबसे बड़ी फिल्मों में से एक की शानदार सफलता की कहानी थी।

जैसा कि मैंने इस रेयर वीडियो को देखा, मुझे आश्चर्य हुआ कि वह सभी प्रीमियर और अनन्य शो कहां चले गए थे? जिन्हें एक बार प्रतिष्ठा का मुद्दा माना गया था। और अब उन्हें एक डरावना मुद्दा माना जाता है, खासकर मुंबई बम धमाकों और यश चोपड़ा, राकेश रोशन, गुलशन कुमार और भार शाह जैसी हस्तियों पर किए गए धमाकेदार शारीरिक हमलों के बाद। और फिर पांच सितारा और अन्य होटलों के अंदर या खुले में भी कोई भव्य प्रीमियर या पार्टियां नहीं हुई। फिल्ममेकिंग में पहले इतना मजा और उत्साह हुआ करता था। और अब यह एक खतरनाक व्यवसाय है जो संदेह और भय के माहौल में किया जाता है।

क्या गुजरा हुवा जमाना फिर लौट कर आएगा? जरा आपने आप से और जरा कंगना रानी से पूछ कर बताइये

अनु– छवि शर्मा

अपनी पहली कथा फीचर "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट" के लिए प्रतिष्ठित 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीतकर पायल कपाड़िया पहली भारतीय फिल्म निर्देशक बनी...

शांतिस्वरूप त्रिपाठी

फिल्मकार पायल कपाड़िया की लेखक व निर्देशक के रूप में पहली फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में मुख्य प्रतियोगिता में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ, जिसने ग्रांड प्रिक्स जीता, जिससे पायल कपाड़िया कॉन्स इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को जीतने वाली पहली महिला फिल्म निर्देशक बनने का इतिहास रचा। इस फिल्म के विश्व प्रीमियर में आठ मिनट तक खड़े होकर दर्शकों ने बजायी तालियां ।

इतना ही नहीं 30 से अधिक वर्षों में कान्स फिल्म महोत्सव की मुख्य प्रतियोगिता में प्रवेश पाने वाली पहली भारतीय फिल्मकार और पायल इस प्रतियोगिता के लिए चुनी गई पहली भारतीय महिला फिल्म निर्देशक बन गयी।

ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' एंड्रिया अर्नोल्ड, फ्रांसिस फोर्ड कोपोला, जिया झांग–के, पाओलो सोरेंटिनो, सीन बेकर और अली अब्बासी जैसे उच्च प्रोफाइल फिल्म निर्माताओं के साथ पाल्मे डी'ओर पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली 22 फिल्मों में से एक थी।

कान्स समारोह में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार प्राप्त करते समय अभिभूत होकर, पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया ने कहा, "हमारी फिल्म को यहां लाने के लिए कान्स फिल्म महोत्सव को बहुत– बहुत धन्यवाद। कृपया एक और भारतीय फिल्म के लिए 30 साल तक इंतजार न करें। मेरे निर्माताओं थॉमस, जूलियन, रणबीर और जिको को बहुत–बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस विचार का समर्थन किया और मेरे पूरे दल को, जिनमें से बहुत से लोग यहां हैं और जो इसे नहीं बना सके, लेकिन उम्मीद है कि घर से देख रहे हैं, यह हो सकता है उनके बिना यह संभव नहीं था, और हमारे सभी साझेदारों को धन्यवाद जो फिल्म में आए हैं और अब से इसकी यात्रा देखने जा रहे हैं, जो मुझे लगता है कि इस तरह की फिल्म के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, धन्यवाद!"

उन्होंने आगे कहा, "यह फिल्म तीन अलग–अलग महिलाओं के बीच दोस्ती के बारे में है और कई बार महिलाएं एक–दूसरे के खिलाफ खड़ी हो जाती हैं, लेकिन मेरे लिए दोस्ती एक बहुत ही महत्वपूर्ण रिश्ता है क्योंकि इससे एक–दूसरे के प्रति अधिक एकजुटता, समावेशिता और सहानुभूति पैदा हो सकती है।"

कनी कुश्रुति, दिव्य प्रभा, छाया कदम, ह्रदयु हारून और अजीस नेदुमंगद अभिनीत मलयालम हिंदी फीचर, 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' नर्स प्रभा की कहानी है, जिसकी दिनचर्या तब परेशान हो जाती है जब उसे अपने अलग हो चुके पति से एक अप्रत्याशित उपहार मिलता है। उसकी छोटी रूममेट, अनु, अपने प्रेमी के साथ अंतरंग होने के लिए शहर में जगह ढूंढने की व्यर्थ कोशिश करती है। समुद्र तटीय शहर की यात्रा से उन्हें अपनी इच्छाओं को प्रकट करने के लिए जगह मिल जाती है।

यह फिल्म फ्रांस के पेटिट कैओस और भारत के चॉक एंड चीज फिल्म्स के बीच एक इंडो–फ्रेंच सह–उत्पादन है। अन्य सह–निर्माता आर्टे फ्रांस सिनेमा, बाल्डर फिल्म, अनदर बर्थ, लेस फिल्म्स फाउव्स और पल्पा फिल्म हैं।

थॉमस हाकिम और जूलियन ग्रेफ पेटिट कैओस फिल्म के निर्माता हैं। भारतीय निर्माता जिको मैत्रा (चॉक एंड चीज) और रणबीर दास (अदर बर्थ) हैं जो फिल्म के सिनेमैटोग्राफर भी हैं।.

इससे पहले पायल कपाड़िया की प्रशंसित पहली फीचर डॉक 'ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल के साइडबार डायरेक्टर्स फोर्टनाइट 2021 में हुआ, जिसने सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए ओइल डी'ओर (गोल्डन आई) पुरस्कार जीता और तब से दुनिया भर में यात्रा की।

'आफ्टरनून क्लाउड्स' कान्स फिल्म फेस्टिवल के 2017 संस्करण में सिनेफॉन्डेशन सेक्शन का हिस्सा था, जो क्रिटिक्स वीक और डायरेक्टर्स फोर्टनाइट के साथ फेस्टिवल के दौरान भी होता है!....

अमेजॉन मिनी टीवी सीरीज पर स्ट्रीम हो रहा है हिना खान का 'नामाकूल'

कॉलेज लाइफ और उससे जुड़े थ्रिल, कॉमेडी, और रोमांस पर बेस्ड इस शो की कहानी में कहीं ज्यादा है देखने के लिए. ये कहानी लखनऊ पर बेस्ड है जहाँ एक कॉलेज में आये कुछ नए बच्चे कॉलेज की लाइफ को एंजॉय करते हुए अपना दबदबा बनाना चाहते हैं. ऋतम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस सीरीज में

SHILPA PATIL
Video Anchor / Reporter For Mayapuri

हिना खान, अभिनव शर्मा, एरोन अर्जुन कौल, अनुष्का कौशिक, अभिषेक बजाज, फैसल मलिक, आदिल खान, और साक्षी सागर म्हाडोलकर नजर आ रहे हैं. बता दें ये सीरीज अमेजॉन मिनी टीवी पर स्ट्रीम हो रहा है.

आपके हिसाब से ये सीरीज कितनी स्पेशल है?

हिना– बहुत स्पेशल है, सीरीज का नाम हीं इतना स्पेशल है, 'नामाकूल'. ये नाम ऐसा है जिससे हर कोई रिलेट करेगा क्योंकि हर कोई अपनी लाइफ में कहीं ना कहीं नामाकूल होता हीं है और हम सब नामाकूल हैं.

अभिषेक– मैं इस शो को लेकर बहुत एक्साइटेड हूँ क्योंकि मै एक यूपी के लड़के का किरदार निभा रहा हूँ. इससे पहले मै दिल्ली का या पंजाब के लड़के का किरदार निभा रहा था ये पहली बार है जब मै एक यूपी के लड़के का किरदार निभा रहा हूँ जिसका नाम चक्कू पांडेय है. मै इस किरदार को निभा कर बहुत खुश हूँ. इस शो को शांतनु ने लिखा है जिन्होंने 'बधाई हो', 'सैम बहादुर' और 'द नाईट मैनेजर' जैसे शोज लिखे हैं. मै इसका बनकर बहुत खुश हूँ. इसके डायलॉग्स भी बहुत हीं अच्छे हैं.

हिना– हमें लखनऊ में शूट करने में बहुत मजा आ रहा है.

अनुष्का– जब हम शूट कर रहे थे तब हमारा वर्किंग टाइटल कुछ और था इसका नाम 'नामाकूल' बाद में पड़ा. मुझे लगता है मेरा किरदार मेरे लिए बहुत अलग रहा है क्योंकि सलवार सूट से निकलकर मॉडर्न फैंसी कपड़ों में आना और उसमें ढलना मुझे बहुत इंट्रेस्टिंग लगा. मेरा किरदार हमेशा अपने बेस्ट कपड़ों में होता है, वो अपनी जिंदगी फुल ऑन जीती है, और उसे लगता है वो सबको अपनी उँगलियों पर नचा सकती है. मै असल जिंदगी में ऐसी इन्सान बिल्कुल भी नहीं हूँ तो जब मुझे ये किरदार स्क्रीन पर प्ले करने को मिला तो मुझे बहुत मजा आया.

टेलीविजन से लेकर ओटीटी तक ऑडियंस ने आपके हर वर्सटाइल अंदाज को देखा है. इस किरदार को चुनने के पीछे क्या कारण रहा?

हिना– सबसे पहला कारण बेहद हसीन उर्दू जो मुझे रुबिया के किरदार में बोलने को मिली है. मुझे लगता है ये एक कारण रहा है कि मुझे एक बहुत अच्छी उर्दू बोलने को मिलेगी जो मैंने आजतक अपने किसी भी किरदार को निभाते हुए नहीं बोली है. मै थोड़ी बहुत उर्दू बोल लेती हूँ क्योंकि मैंने उर्दू पढ़ी है और मै उर्दू लिख सकती हूँ, मै अरबी भी पढ़ सकती हूँ, इसलिए मेरा उर्दू में हाथ थोड़ा अच्छा है. मेरा जो किरदार है उसका हर कुछ करने का अपना एक अंदाज है और वो जो कुछ भी करती है एक तमीज में रहकर करती है. रुबिया की जो नजाकत है वो बहुत हीं आकर्षक है. ऐसा हीं एक और किरदार मैंने किया था जो नेगेटिव था उसका अंदाज हीं ऐसा था कि ये पता होने के बावजूद कि वो किरदार ईविल है आपको उस किरदार से प्यार हो जाता था. मै चाहती हूँ कि लोग इस किरदार को भी उतना हीं प्यार दें क्योंकि इसकी जबान और तहजीब इतनी अच्छी है कि अगर वो कत्ल करे लोग फिर भी उसके आशिक हो जाये.

इस प्रोजेक्ट के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

अभिषेक– मैं जब भी कोई नया किरदार चुनता हूँ तो यही देख कर चुनता हूँ कि वो पहले से अलग होना चाहिए. मै बहुत खुश हूँ कि मुझे चक्कू पांडेय का किरदार निभाने का मौका मिला क्योंकि ये एक ऐसा किरदार है जो दबंगी है. आप उसको एक्शन करते हुए देखोगे लेकिन साथ हीं वो वल्नरेबल भी है, उसकी एक सॉफ्ट साइड भी है. वो प्यार में है और जो प्यार में पड़ा हुआ लड़का होता है वो बहुत हीं हिम्मती होता है, क्योंकि प्यार के लिए आपको अपने सारे गार्ड्स डाउन करने होते हैं, आप सबमिसिव बन जाते हैं. और फिर जब उसको पता चलता है कि जिस लड़की से वो प्यार करता है वो उसके साथ चीट कर रही है तब वह राउडी से इमोशनल बन जाता है. मुझे इस सीरीज में मिंटी का एक डायलॉग बहुत अच्छा लगता है जब वो बोलती है, "माचो लोगों में तो इमोशन होते हीं नहीं हैं." लोगों का ये मानना

भी होता है कि जो लोग वेल–बिल्ट होते हैं उनके अन्दर इमोशन नहीं होते हैं. लेकिन ऐसा नहीं है वो सबसे ज्यादा वल्नरेबल होते हैं, ये माचो नेचर उनके लिए गार्ड की तरह काम करता है. मुझे किरदार बहुत लगाव हो गया है.

अनुष्का– जब भी मै कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ तो मै उसको एक व्यूअर की तरह हीं पढ़ती हूँ. मै ये देखती हूँ कि मुझे ये कहानी कितनी एक्साइटिंग लग रही है और मुझे इस कहानी को देखने में कितने मजा आएगा. मै हर किरदार के बार में स्क्रिप्ट में पढ़ती हूँ, इस शो की सबसे अच्छी बात ये है कि इसके सभी किरदार बहुत हीं अच्छी तरीके से लिखे गए हैं. हर किरदार का अपना मिशन और विजन क्लियर है. किरदारों के लिए जो सजा है वही ऑडियंस के लिया मजा है. मिस्त्री, थ्रिल, मर्डर और भी बहुत कुछ है.

सीरीज में कॉलेज लाइफ को दर्शाया गया है. आप सबकी कॉलेज लाइफ कैसी रही थी?

हिना– मेरी कॉलेज लाइफ बहुत हीं अच्छी रही है. मुझे कॉलेज में बहुत हीं ज्यादा अटेंशन मिला है और उस अटेंशन की वजह से हीं मैंने मेकअप करना शुरू किया था. मुझे लगा अगर ऐसे थोड़ी अटेंशन मिल रही है तो मेकअप लगा कर थोड़ी और अटेंशन ली जाये. मैंने लोगों से प्रोजेक्ट बनवाएं हैं, अटेंडेंस लगवाएं है इसलिए कॉलेज लाइफ तो बहुत अच्छी रही है.

अभिषेक– मेरी स्कूल लाइफ और कॉलेज लाइफ दोस्ती यारी में हीं निकल गयी. मै ग्यारहवीं में था जब मुझे पता चला कि लड़कियों को मेरी पर्सनालिटी पसंद है. मै बहुत कुराफाती था, कॉलेज में हमारी एक लेक्चरर थीं जो क्लास खत्म होने के समय से पहले चली जाती थीं. मैंने मेरे दोस्तों से शर्त लगायी कि मै लेक्चरर को क्लास में रोकूंगा. अगले दिन क्लास में क्लास खत्म होने से पहले मै डरी हुई शक्ल बनाकर धीरे धीरे करके पीछे जाने लगा और एक दम पीछे जाकर बेंच के नीचे घुस गया. मैम आयीं और उन्होंने जब मुझसे पूछा क्या हुआ तो मैंने डरते हुए कहा, "वो लोग मुझे मारने आ रहे हैं" उस दिन मैम क्लास में 20 मिनट रुकी और मै अपने दोस्तों से शर्त जीत गया और फिर हमने पार्टी की.

अनुष्का– मैं स्कूल में एक्स्ट्रा–करीकुलर एक्टिविटी में ज्यादा पार्टिसिपेट किया करती थी. मै यूपी एक छोटे से टाउन सहारनपुर से आती हूँ तो जब मै यूपी से निकलकर दिल्ली आई और जब मैंने सबकुछ देखा तो वो मेरे लिए कल्चरल शॉक था. क्योंकि दिल्ली में लोग बड़े ब्रांड्स, बड़े सेलिब्रिटीज के बारे में बात कर रहे थे, वहां लोग ब्रांडेड चीजों का इस्तेमाल कर रहे थे जो मुझे काफी महंगी लगी और ये मेरे लिए बहुत बड़ा कल्चरल शॉक था. इसकी वजह से मै बहुत हीं अन्दरकॉफिडेंट लड़की बन गयी और मेरा पूरा कॉलेज लाइफ वैसे हीं गया है. उसके बाद मुझे समझ आया कि कुछ लोगों को आपकी जिंदगी से अलग करना कितना जरुरी होता है क्योंकि जिस समय आप उनलोगों को अपनी लाइफ से निकालते हो उस समय से आपको खुद की जर्नी शुरू होती है.

इस शो में आपके किरदार ने जो साड़ियाँ पहनी हैं उसकी काफी बातें हो रहीं हैं, इसके बारे में क्या कहना चाहेंगी?

हिना– मुझे लगता है रुबिया के पुरे ऑउटफिट और लुक में हिना का बहुत बड़ा हाथ है. मै खुद को इस बात का क्रेडिट देना चाहूंगी क्योंकि मैंने इसके पीछे बहुत मेहनत की है कि रुबिया को एक सर्टेन तरीके से दिखाया जाये. इसमें टीम डिस्कशन भी हुआ था और रुबिया के लुक को लेकर हर छोटी से छोटी बात का ख्याल रखा है. लेकिन कई बार मै सामने से भी इसके लिए सजेशन दिया करती थी. मुझे याद है जब हम इसका लुक टेस्ट कर रहे थे तब टीम को मेरा रुबिया के किरदार में बालों में गुलाब लगाना अच्छा नहीं लग रहा था, लेकिन मैंने कहाँ नहीं हम गुलाब लगायेंगे और फिर उसके बाद हमने रुबिया के लिए अलग अलग गुलाब भी ट्राई किये. मुझे खुशी होती है जब मै किसी किरदार के लुक को लेकर कुछ सोचती हूँ और वो लोगों को पसंद आता है. मैंने रुबिया के किरदार में उसके लुक को लेकर काफी एफर्ट लगाये हैं.

अपने फैंस को क्या कहना चाहेंगे?

अभिषेक– बहुत हीं बेहतरीन शो है, हमने बहुत मेहनत से बनाया है और इसको बनाते हुए हमने बहुत मजे किये हैं. ये शो आपको रिलेटेबल लगेगा, इसमें कॉमेडी है, थ्रिल है, और ग्लैमर भी है हमारे शो में तो अपने दोस्तों के साथ देखो आप सभी को बहुत मजा आएगा.

हिना– शो का नाम है 'नामाकूल' जिसमें सबकुछ है, अमेजॉन मिनी टीवी पर फ्री स्ट्रीम हो रहा है तो जरुर देखिये.

अनुष्का– पूरा शो ट्रेलर से कहीं ज्यादा है, तो अमेजॉन मिनी टीवी पर फ्री में जाकर जरुर देखिये 'नामाकूल'

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

मायापुरी
www.mayapuri.com

इब्राहिम अली खान की लहर, ऑनलाइन भी ऑफ लाइन भी, करीना ने दी मीठी चेतावनी

–सुलेना मजुमदार अरोरा

पिछले दो हफ्तों से बॉलीवुड की नई पीढ़ी के जंवा दिलों को धड़काने वाले हीरो, इब्राहिम अली की बड़ी चर्चा है। सुपरस्टार सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने अपने हालिया डेब्यू से सोशल मीडिया पर तहलका मचा रखा है। वह न केवल अपने निर्विवाद हैंडसम लुक से सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है (हम्म! स्पष्ट रूप से अपने पिता पर गया है, ठीक है न?) बल्कि वह अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को अपने व्यावहारिक डाउन टू अर्थ व्यक्तित्व से भी आकर्षित कर रहें है।

अपनी तराशी हुई मर्दानगी और सुंदर, सुदर्शन लुक के साथ, स्टाइल और भव्यता में मियामी ग्रांड प्रिक्स को हिलाकर रख देने वाले, इब्राहिम ने कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की थी जो सचमुच ईर्ष्या के काबिल है, जिनमें प्रसिद्ध रेसिंग स्टार चार्ल्स लेक्लर के साथ एक तस्वीर भी शामिल थी। इस पिक शेयरिंग के बाद, नेट की दुनिया न केवल इस डैशिंग, मस्त और मंत्रमुग्ध कर देने वाली तस्वीरों के लिए गा गा हो उठे, बल्कि सुपरस्टार, करीना कपूर खान (सैफ अली खान की पत्नी) की, इब्राहिम के लिए दी गई एक मनमोहक वार्निंग के कारण भी

गर्म हो गई थी। अपनी हिट फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' की एक दिल छू लेने वाली और मधुर पंक्ति (संवाद) को दोहरा कर, करीना ने इब्राहिम अली को छेड़ते हुए कमेंट किया था, 'तुम्हारा कोई हक नहीं बनता है कि तुम इतना हैंडसम लगो।' सैफ और इब्राहिम के प्रशंसक, जो पहले से ही इब्राहिम की तस्वीरों को देखकर पागल हुए जा रहे थे, वे सब, खान परिवार के बीच इस मधुर वाक आदान–प्रदान से और भी मंत्रमुग्ध हो गए।

लेकिन इब्राहिम सिर्फ अच्छे लुक्स और सोशल मीडिया चर्चा के कारण ही सुर्खियों में नहीं है। इस प्रतिभाशाली युवा को, करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में, पर्दे के पीछे जौहर को असिस्ट करते हुए भी देखा गया था और अगर यह काफी नहीं है तो यह भी जान लीजिये कि उन्होंने कुछ समय पहले ही अपनी पहली फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है, जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ उनके अभिनय करने की खबरें है।

इसलिए, बस अपनी आँखें खुली रखें, क्योंकि अपनी प्रतिभा, हंकी लुक्स और सपोर्टिंग परिवार के साथ, इब्राहिम अली खान निश्चित रूप से उभरता हुआ सितारा है।

यह लेख दिनांक 12–04–1981 मायापुरी के पुराने अंक 342 से लिया गया है

HAPPY BIRTHDAY

मैं समझौता पसंद नहीं करता

राज खोसला

–पन्नालाल व्यास

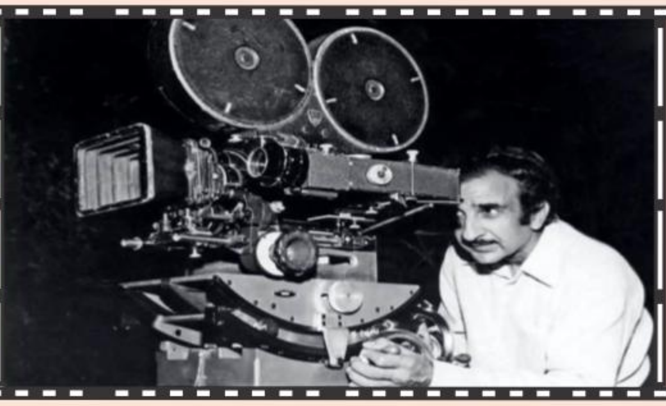

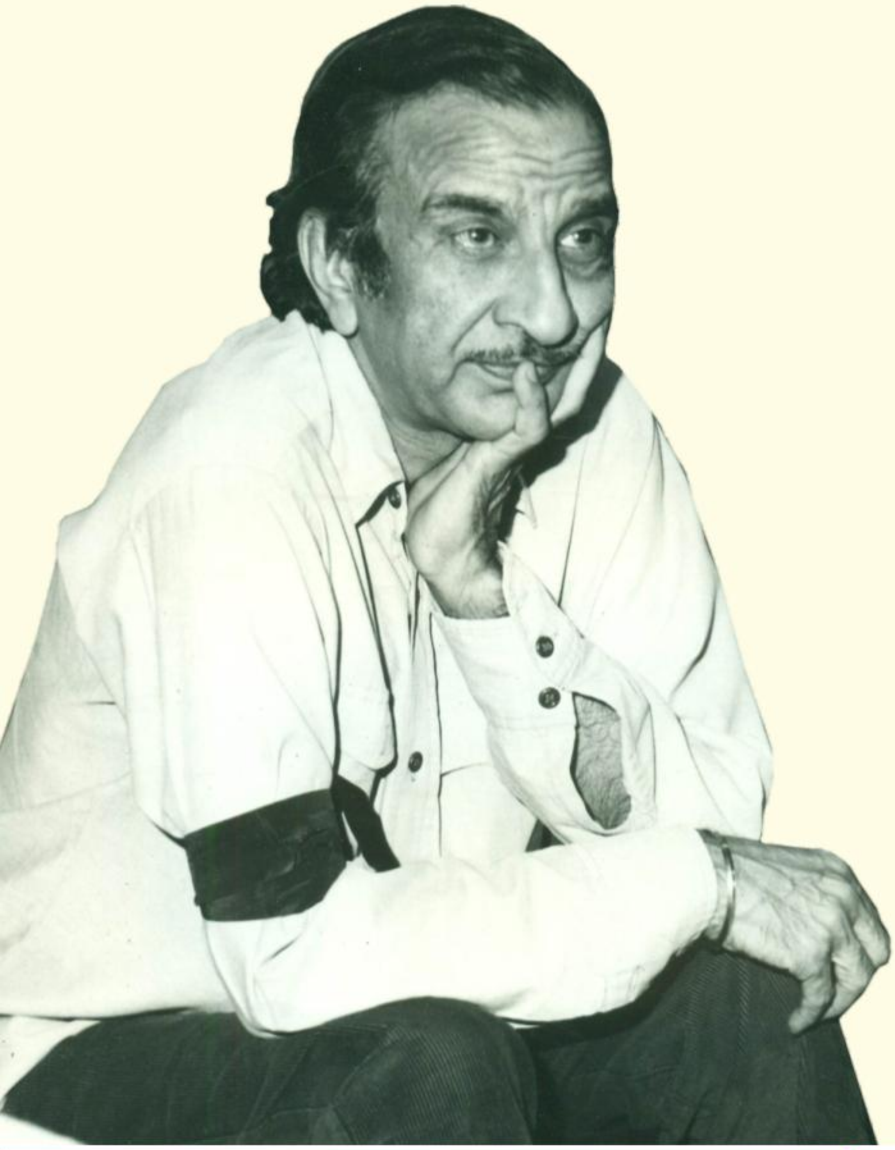

मैंने राज खोसला के यहां फोन किया तो उनके सेकरेट्री वेद प्रकाश ने फोन उठाया। वे तो मेरे पुराने परिचित निकले। मेरा काम सहज हो गया। उन्होंनें तीसरे दिन खोसला जी के ऑफिस में ही मिलने का समय मुकर्र कर दिया।

तीसरे दिन जब मैं तीन बजे उनके ऑफिस गया तो वे खाना खाकर सोये ही थे। वेद प्रकाश जी ने मेरा अभिवादन करके गरम–गरम चाय मंगाई और बताया कि अगले सप्ताह से खोसला जी के निर्देशन में बन रही जॉनी बख्शी की फिल्म 'मेरा दुश्मन" रामायण चित्र की 'माटी मांगे खून! और तीसरी फिल्म 'दासी' की लगातार कई दिनों की शूटिंग होगी और साथ–साथ में उनकी खुद की नयी फिल्म "श्रीमती जी'' की भी दस दिनों की लगातार शूटिंग होगी।

मैंने कहा–'श्रीमती जी' मल्टीकास्ट फिल्म होगी। इस पर वेद प्रकाश जी ने मेरी इस अन्जानकारी पर आश्चर्य जाहिर किया और कहा–'अरे, आपको पता नहीं। इसमें तो राज किरण, पदमिनी कोल्हापुरी, नूतन, अमजद खान आदि हैं।"

ओह ! तो वह मिनी मल्टीकास्ट फिल्म है।" मैंने मजाक में कहा.

इस तरह हम गप–शप कर ही रहे थे कि भीतर से बुलावा आ गया। मैंने समझ लिया–खोसला जी खाना खाने के बाद नींद

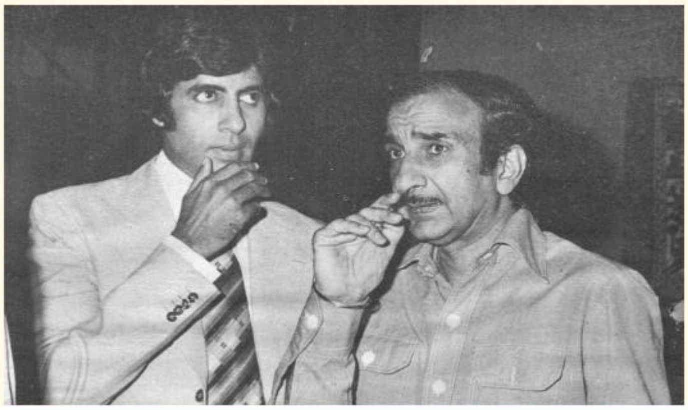

नहीं लेते बस हल्की झपकी भर लेते हैं।"

उनके कैबिन के भीतर घुसते ही उन्होंने हाथ मिला कर सिगरेट ऑफर की। "मैं पीता नहीं'' कह कर मैं सोचने लगा–बात शुरू करूं तो कहाँ से करूं। तभी मुझे याद आया–कुछ ही दिनों उनके पिता जी का देहांत हो चुका है। एक विचार बिजली की तरह मस्तिष्क में दौड़ गया। मैंने उनके पिता जी के देहावसान पर शोक अभिव्यक्त करते हुए कहा–घर में जब सबसे बुर्जुग का देहांत हो जाता है तो उनके निकटतम संबंधियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। और कभी–कभी तो फिलॉसफीकल इफेक्ट होता है आदमी तब जीवन और मृत्यु के बारे में सोचते–सोचते किसी और दुनिया में चला जाता है। तो आप पर और आपके मूड पर आपके पिता जी की मृत्यु का क्या असर हुआ।

मेरी इस बात पर उनकी आंखें हल्की–सी बंद हो गयी। फिर कुछ सजल भाव से बोले–मेरे पिता जी बाहर में थे। फिल्म से उनका ताल्लुक नहीं था। पर लिटरेचर में दखल रखते थे। उन्होंने लिटरेचर में एम. ए. किया था। उनकी हर बात में रहबरी होती थी। जब वे चले गये तो मुझे लगा जैसे मैं स्पेस में चला गया हूं। शून्यता का सन्नाटा मुझपर छा गया। फीलिंग हुआ जैसे सडनली हम बड़े हो गये हैं।"

☐ "बड़े होने के साथ–साथ आप अनुभवी भी तो हो गये हैं।" मैंने मजाक में कहा और वहीं से बुनियादी इन्टरव्यू की डोर पकड़ते हुए कहा–आपने अच्छी से अच्छी दिल को छूने वाली फिल्में दी हैं। और ढेर सारी कामर्शियल फिल्में भी दी हैं। आपकी कुछ फिल्में खूब चली और कुछ नहीं चली जैसी आशा थी। तो क्या आप अब अनुभव से आज कोई बॉक्स ऑफिस फार्मूला दे सकते हैं?"

उन्होंने एकदम साफ जवाब दिया–"नहीं, बिल्कुल नहीं। उस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता। पता नहीं, उसकी चाबी किसके पास है। फिर भी मैं कह सकता हूं कि जो कहानी मुझे अच्छी लगे, जिसे मैं सुनाऊ उसे भी अच्छी लगे, वह कहानी मुझे अच्छी लगे और दूसरों को भी अच्छे लगें तो उस कहानी पर बनी फिल्म अवश्य पसन्द की जायेगी। अच्छी कहानी–जिसे हम सचमुच दिल को छूने वाली, दिल को असर करने वाली कहानी कह सकें। उसकी यूनिवर्सल अपील तो होती ही हैं। हां, एक बात और है कि जैसी वह कहानी है उसका मेकिंग भी वैसा ही होना चाहिए।"

☐ कहानी की बात चलते ही मुझे याद आया कि राज खोसला की हमेशा राइटरों के साथ नोंक–झोंक होती रहती है। दोस्ताना के वक्त उनकी सलीम जावेद से कुछ विवाद हुआ. के. ए. नारायण ने तो उनके खिलाफ अपने एक इन्टरव्यू में बहुत कुछ कह दिया है तो मैंने मुंहफट सवाल किया आप राइटरों से क्यों झगड़ते रहते हैं?"

यह सुनते ही वे चौंके–फिर हल्के से सिगरेट का कश खींचकर बोले–'मैं और झगड़ा–कभी नहीं! यदि राइटरों से झगड़ा होता तो पिछले अठारह साल से मेरे पास एक ही राइटर काम करते नहीं होते। पर हाँ–जब मैंने बाहर के निर्माताओं की फिल्मों का डायरेक्शन लिया तो उनके राइटरों को मैं अपने डिफरेंस ऑफ ऑपोनियन को लेकर उन्हें हमेशा अपना प्वाइंट बताता रहा। आफटर ऑल आई एम द डायरेक्टर. आई एम द कैप्टन ऑफ द शिप यदि कहानी की कमजोरी से, स्क्रिप्ट की कमजोरी से कोई

फिल्म लड़खड़ा जाती है तो उसको जिम्मेदारी आखिर मुझपर ही तो आती हैं। कहानी के मामले में मैं समभौता पसन्द नहीं करता। पर उसका मतलब यह नहीं कि मैं झगड़ालू हूं।"

☐ कहानी की बात हुई तो स्टार सिस्टम की चर्चा भी जरूरी थी। मैंने कहा–क्या आप भी स्टारवाद के फोलोवर हैं?

उन्होंने तपाक से कहा–कतई नहीं। कहानी वन स्टार की होगी तो मैं जबरदस्ती उसमें दो स्टार नहीं ठूसूंगा। मेरी हमेशा से यही मान्यता रही है कि कहानी पहले–फिर बाद में आर्टिस्टों का सिलेक्शन! मैं मानता हूं कास्टिग इंपोर्टेंट है पर कहानी पर वह हावी नहीं होनी चाहिए। अगर हमें हिस्टोरिकल या कॉस्टयूस फिल्म बनानी है या रामायण, महाभारत जैसे किसी धार्मिक ग्रन्थ पर भव्य फिल्में बनानी है तो बड़े–बड़े स्टार करेक्टरस के हिसाब से लेने ही पड़ेंगे। वैसे फिल्में भव्य मल्टीकास्ट फिल्में हो जायेंगी पर सबजेक्ट के कारण केवल मल्टीकास्ट के लिए मल्टीकास्ट फिल्में बनाना वाजिब नहीं है। आप इस तरह की फिल्मों का रिजल्ट देख ही रहे हैं।"

मैंने कहा–आपकी यह बात तो ठीक है समझ में आती है पर हमें आपसे भी शिकायत है।"

"वह क्या ?!

'आपने "मैं तुलसी तेरे आंगन की" जैसे दिल को छूनें वाली भावुक फिल्म बनायी। फिल्म वालों को एक नयी रोशनी दी पर आपने ''दोस्ताना" जैसी ठेट मल्टीकास्ट कामर्शियल फिल्म मारा–मारी वाली फिल्म बना कर दिल खट्टा कर दिया।

मेरे कथन पर वे कुछ मुस्करा उठे। फिर थोड़ी देर बाद बोले–'दोस्ताना' दोस्ताना की बात थी। बात यह है कि उस फिल्म के पहले डायरेक्टर और कोई थे। उसके प्रोड्यूसर यश जौहर उसके निर्माण में काफी हाथ जला चुके थे। वे हमारे दोस्त हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी उस फिल्म का डायरेक्शन मैं ही करूंगा। आखिर मुझे दोस्ती निभानी पड़ी। इसी तरह सुनील दत्त की फिल्म "नहले पे देहला' दोस्ती की खातिर डायरेक्ट की। मैं दत्त साहब से लगातार नौ महीने तक कहता रहा कि मुझें वह कहानी पसन्द नहीं है। पर दोस्त की पिक्चर बनाने के लिए कुछ ज्यादा कहने–सुनने की गुंजाइश नहीं रहती। आज मुझे यह बात स्वीकार करने में संकोच नहीं है कि उस तरह की फिल्में मुझे हाथ में नहीं लेनी चाहिए थी। पर दत्त साहब 'रेशमा और शेरा' को असफलता से परेशान थे। यश जौहर भी संकट में थे। उस हालात में मैं जिद नहीं कर सका। भूल हो ही गयी।

☐ तभी मैंने खोसला साहब को ध्यान दिलाया केन्द्रीय सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय श्री वी. पी. साठे की उस घोंषणा की ओर जिसमें कहा गया कि केन्द्रीय सरकार फिल्म इंडस्ट्री को इंडस्ट्री का दर्जा देने जा रही है और अब फिल्म वालों को बैंक से ऋण आदि की सुविधाएं मिलने वाली हैं। इस बात की ओर ध्यान खींचकर मैंने पूछा–क्या उससे सचमुच फिल्मों के निर्माण में कुछ फर्क आयेगा?"

उन्होंने बड़ी गम्भीरता से मंतव्य प्रकट किया 'वैसे यह घोषणा काफी देर से हुई है–फिर भी उसका स्वागत किया जाना चाहिए। पर मैं सोचता हूं– हकीकत में जब तक आर्टिस्ट खुद सेल्फ

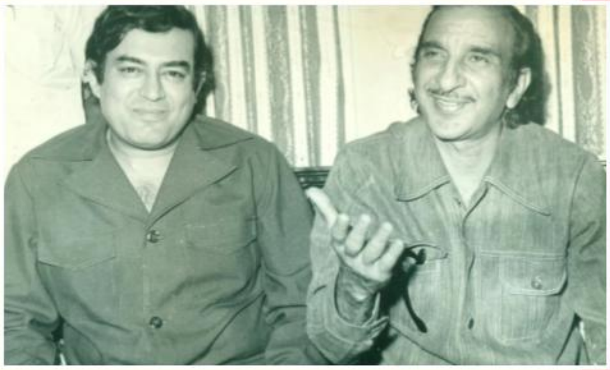

डिसीप्लिन लागू नहीं करेंगे और जब तक फायनेसिग एजेन्सी को चाहे वह बैंक हो या और कोई, यह विश्वास नहीं होगा कि फिल्म जल्द बन जायेगी। कुछ नहीं होगा संदिग्ध स्थिति में बैंक भी ऋण क्यों देने लगे। इस संबंध में मैं एक्टर्स गिल्ड के प्रमुख देव आनन्द से बात करने वाला हूं। आपको याद होगा पहले हम लोगों ने आर्टिस्टों पर एक साथ छः से अधिक फिल्में न लेने का नियम लागू किया था। पर हुआ क्या। न प्रोड्यूसरों के लिए और न आर्टिस्टों के लिए वह हैप्पी डिसीजन रहा। बात वहीं खत्म हो गयी। इसलिए मैं बार–बार यही कहता हूं कि यदि आर्टिस्ट खुद सेल्फ डिसीप्लिन लागू करके घोषणा कर दें कि वे ज्यादा फिल्में एक साथ साइन नहीं करेंगे। वे एक ही शिफ्ट में काम करेंगे। एक स्ट्रेच में शूटिंग करेंगे तो उससे फिल्म इंडस्ट्री को कुछ लाभ हो सकता है। तब बैंक वालों में भी फिल्मों के निर्माण के प्रति गहरा इंडस्ट्री हो जायेगी।

उसके बाद आज की फिल्म इंडस्ट्री में यहां–वहां की चर्चा हुई तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि हमारा प्रोडक्शन सेक्टर बहुत री डिसऑरग्रेनाइज्ड है। हॉलीवुड में देखिये–वे स्टारों से सीधा छः सप्ताह का कॉनट्रेक्ट करते हैं। उस कॉन्ट्रेक्ट के मुताबिक वे फिर अन्य किसी फिल्म में काम नहीं कर सकते। वे मंडे से फ्राइडे तक पब्लिक पार्टी में जा नहीं सकते। वे शूटिंग जब तक खत्म नहीं हो जाती एयर से ट्रेवल नहीं कर सकते। मोटर–साइकिल नहीं चला सकते। वे शूटिंग के दौरान एफेयर नहीं कर सकते। और भी कई खास बातें होती हैं उस कॉन्ट्रेक्ट में। बड़ी सख्ती से काम होता है। यह वहां का सिस्टम है। पर हमारे यहां तो शूटिंग खत्म होने पर कॉन्ट्रेक्ट होता है। शूटिंग डेट्स प्रोड्यूसर नहीं देते–आर्टिस्ट देते हैं। कितनी उल्टी बात है। भला ऐसे डिसआर्गनाइज्ड प्रोडक्शन सेक्टर से लोगों में विश्वास कैसे हो सकता है

❑ "तो क्या इसका इलाज नेशनलाइजेशन नहीं है? मैंने पूछा।

खोसला साहब ने बताया–"कोरे नेशनलाइजेशन से क्या होगा। मूल बात यह है कि देश में ज्यादा से ज्यादा थियेटर्स बनने चाहिए। देखिये रूस में तीस करोड़ लोग हैं जिनके लिए एक लाख से ज्यादा थियेट्र्स हैं। पर हमारे देश में साठ करोड़ से ज्यादा लोग हैं पर थियेटर मुश्किल से दस हजार हैं। इसलिए फिल्म इंडस्ट्री को गियर में लाने के लिए एक तो प्रोडक्शन सेक्टर स्ट्रीमललाइज्ड किया जाना चाहिए और दूसरी और ज्यादा से ज्यादा थियेटर्स बनने चाहिए। यह काम हो जाये तो वह नेशनलाइजेशन से भी अधिक प्रभावकारी होगा।

इस संदर्भ में मैंने कहा–देश में जनता थियेटरों के बनाये जाने की बाबत चर्चाएं हो रही हैं। व्ही–शांताराम जी ने उसके लिए एक ट्रस्ट भी बनाया है। क्या जनता थियेटरों के निर्माण का मूवमेंट प्रभावकारी सिद्ध हो सकेगा?"

थे "मुझे नहीं लगता. लाखों के लागत को फिल्में जनता थियेटरों में एक–एक रुपये के टिकट पर कैसे दिखायी जा सकेंगी। हाँ–छोटे बजट की फिल्मों को बड़े थियेटरों की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी. फिर भी मैं समझता हूं कि उनसे कोई खास फायदा नहीं होगा।"

❑ राज खोसला ने जब छोटें बजट की फिल्मों का नाम लिया तो मैंने कहा–इन दिनों आर्ट और कामर्शियल

फिल्मों के बीच रेखाएं खींचने को कोशिश हों रही है। आर्ट फिल्मों के नाम पर तो जैसे मूवमेंट चल पड़ा है–आपको इस बारे में क्या राय है?

उन्होंने ओज भरी वाणी में कहा–'मेरी मान्यता है कि जो फिल्म अच्छी है वह भव्य फिल्म है। न्यू थियेटर्स, बॉम्बे टाकीज देवकी बाबू, बिमल राय, गुरुदत्त, राज कपूर, व्ही–शांताराम, महबुब खां आदि को फिल्में जो खूब चली और जिन्होंने फिल्म निर्माण में नयी परम्पराएं स्थापित की–'क्या आर्ट फिल्में नहीं हैं! और जब बार–बार कामर्शियल–कामर्शियल फिल्मों का नाम लिया जाता है तो मुझे हंसी आती है। हकीकत यह है कि सौ फिल्मों में केवल दस फिल्में कामर्शियली हिट होती हैं। इसलिए आर्ट और कामर्शियल फिल्मों के नाम पर रेखा खींचना वाजिब नहीं है फिल्म या तो अच्छी है–या फिर बुरी। गुड और बैड–बस यही दो तरह की फिल्में हो सकती हैं."

☐ "मैंने पूछा–''क्या फिल्म मेकिंग में सारी जिम्मेदारी डायरेक्टर की रहती है?"

हाँ–ही इज द मास्टर।"

पर !?

"पर क्या ?" उन्होंने आश्चर्य से पूछा। मैंने बताया–'इन दिनों यहां–वहां सेट पर घूमते हुए मैंने यही देखा है कि डांस डायरेक्टर्स डांस के सीन्स फिल्माते हैं। फाइट मास्टर्स फाइट सीन्स फिल्माते हैं। आर्ट डायरेक्टर्स सेट बना देते हैं। लाइटिंग वाले अपनी मर्जी से लाइटिंग करते हैं। कैमरामैन अपनी मर्जी से शूट करते हैं–तो फिर डायरेक्टर्स को क्या दुख। वे तो आराम कुर्सी पर बैठे रहते हैं।

मेरी बात सुन कर खोसला साहब को कुछ हंसी आ गयी। फिर थोड़ी देर बाद नयी सिगरेट जलाकर बोले–मैं दूसरों को बात नहीं करता। मैं अपनी बात करता हूं. डांस मास्टर्स फाइटर्स ही नहीं, म्युजिक डायरेक्टर्स भी मेरे बताये अनुसार काम करते हैं। फिल्म के डायरेक्शन में लीडरशिप मेरी ही रहती है। अल्टीमेट रेसपॉन्सिबिलिटी मेरी ही रहती है। राय सबकी हो सकती है पर अंतिम काम मेरी मर्जी से होगा। जिस तरह आर्मी में कैप्टन के कहे अनुसार फौज चलती है–वही बात मेरे फिल्म डायरेक्शन के वक्त रहती है। काम करने वाले लोग अलग–अलग होंगे ही पर मास्टर माईंड मेरा ही होगा। ब्ल्यू प्रिंट मेरा ही होगा। फिल्म में यूनिटो ऑफ टाइम, प्लेस और करेक्टर निहायत जरूरी है–और यह यूनिटी डायरेक्टर के हाथ में है. म्युजिक कम्पोज के वक्त मैं वही ट्यून लेता हूं जो मुझे पसन्द है और जिन्हें मैं अपनी कहानी के मुताबिक ठीक मानता हूं।"

☐ यह बात उन्होंने ज्यों ही समाप्त किया तो मैंने पूछ लिया–तो कहीं आपके इन्टरफियर के कारण आपको चर्चित फिल्म 'दासी' से राजेश रोशन तो अलग नहीं हुए? या आपने उन्हें खास कारणों से हटा कर उनको जगह रवीन्द्र जैन को लिया?!

उन्होंने इस कन्ट्रोवर्सी के बारे में अपना मंतव्य स्पष्ट करते हुए कहा–निकाले जाने की बात नहीं है। दरअसल राजेश रोशन ने वेस्टर्न धुनें तैयार की थी। जो मेरी कहानी पर फिट नहीं बैठती थी। हम दोनों ने परस्पर बड़े होमली वातावरण में अलग होने का फैसला किया। इस फिल्म में उनके दो गाने रिकार्ड हो चुके हैं। वे उसमें रहेंगे।"

☐ इन एकेडेमिक बातों से हम दोनों महसूस करने लगे कि हम काफी सीरियस हो गये हैं। तब उस वातावरण को हल्का करने के लिए मैंने पूछा–आप अपनी फिल्मों को औरत को–वूमनहुड को ग्लोरिफाइड क्यों करते हैं?"

उन्होंने अपने दोनों हाथों को माथे पर फेरते हुए कहा–यह प्रभाव मेरी मां का है। मेरी मां का मेरे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है. और फिर मैंने खुद ने आस–पास की जिंदगी में देखा है कि आदमी का दिल बड़ा बेवफा होता है। जीवन की मुश्किल से मुश्किल घड़ी में औरत सब–सहन करती हुई अकेली खड़ी रहती है। आदमी टूट जाता है–औरत नहीं टूटती। औरत अंत तक त्याग करती है।"

''मैं आपसे सहमत नहीं हूं।''

☐ कैसे?

आज–तो–मॉडर्न पीरियड में यह देखा जा रहा है कि औरत आदमी को डिच करती है।

आप फिल्मी दुनिया की बात करते हैं या बाहर की सोसायटी की!

"दोनों की।

"पर मैं इंडियन वूमनहुड को बात कह रहा हूं वेस्टर्न टाइप वूमन को नहीं. और वहां भी जेनरली औरत का रोल हमेशा ग्रेट रहता है. मैं तो यही समझा हूं।"

इस बारे में मैं उनसे बहस करना चाहता था। पर यह मौका नहीं था।

उसके बाद गास्पिंग की चर्चा छेड़ी तो उन्होंने अपने कान बंद करते हुए कहा–बहुत गलत है। मैं आपको बताऊं–मेरे घर में फिल्म की एक भी मैंगजीन नहीं आती। मैं घर–के वातावरण में पौल्यूट नहीं करना चाहता। मेरी तीन बड़ी–बड़ी बेटियाँ हैं जिन्हें मैं फिल्म मैगजीनों से दूर रखता हूं।"

☐ "आप हिन्दी उपन्यासों पर फिल्में क्यों नहीं बनाते?

"बनाना चाहता हूं पर मेरी मुश्किल यह है कि मैंने उर्दू पढ़ी है। हिन्दी उपन्यासों के उर्दू अनुवाद बहुत कम मिलते हैं। और मैंने जिनकी चर्चा सुनकर पढ़े भी है तो वे मुझे फिल्म के लिए ठीक नहीं लगे। फिल्म देखने–सुनने का मीडियम है–पढ़ने का नहीं। फिर भी आपके ध्यान में कोई अच्छा उपन्यास हो तो जरूर बतायें!

बातें काकी हो चुकी थी। अंत में मैंने कहा– "मैं अंत में सबसे महत्वपूर्ण सवाल करना चाहता हूं। आजकल डायरेक्टर बड़े टेन्शन में रहते है और टेन्शन में काम करते है। आप

मेरा वाक्य पूरा होने से पहले ही खोसला साहब ने बड़े आत्म–विश्वास के साथ कहा–'मैं कभी टेन्शन में नहीं रहता। मैं कभी टेन्शन में शूटिंग नहीं करता। यदि सेट पर किसी आर्टिस्ट को भी टेंशन में देखता हूं तो मैं शूटिंग कैंसल कर देता हूं। बातें काफी गहरी हो चुकी थी... उठते–उठते मैंने कहा–इस बार आपकी फिल्मों को शूटिंग देखने आऊंगा। 'वेलकम' कह कर उन्होंने हाथ मिलाया।

बस–इन्टरव्यू यहीं खत्म।

मिलाप

सी आई डी

बम्बई का बाबू

चिराग

दो रास्ते

प्रेम कहानी

नेहले पे देहला

दो प्रेमी

सुलेना मजुमदार अरोरा

तनीषा मुखर्जी, बहाने पसंद नहीं करती, उन्होने स्वास्थ को नई सेक्सी और सुंदर बनाने के बारे में बात की

तनीषा मुखर्जी भारतीय मनोरंजन उद्योग की ग्लैमरस और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। हालांकि फिटनेस एक मंत्र है जिसका पालन अधिकांश भारतीय अभिनेत्रियां करती हैं, लेकिन एक चीज जो तनीषा को बाकियों से अलग करती है और उन्हे अद्वितीय बनाती है वह है उनकी सरासर, लगातार, निरंतरता और समर्पण स्तर। चाहे वह व्यस्त और कठिन शूटिंग शेड्यूल या फिर छुट्टियों के दौरान हो, तनीषा वह व्यक्ति है जो वास्तव में अपने वर्कआउट से कभी नहीं चूकती है क्योंकि वह 'बहाने' में बिल्कुल भी विश्वास नहीं करती है।

जिस तरह से वह अपने दैनिक जीवन की भागदौड़ के बीच हमेशा वर्कआउट और व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करती हैं वह वास्तव में युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है जिस पर न केवल प्रशंसकों बल्कि कई अन्य भारतीय अभिनेत्रियों को भी ध्यान देना चाहिए।

तनीषा मुखर्जी ने पिलेट्स वर्कआउट करते हुए एक प्रेरक फिटनेस वीडियो साझा किया, 'स्वास्थ ' को नई सेक्सी और सुंदर बनाने के बारे में बात की

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके नियमित और अनुशासित वर्कआउट रूटीन के साथ-साथ उनकी बेहद स्वस्थ आहार दिनचर्या ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि वह रिवर्स एजिंग के फॉर्मूले को भी पार कर गई हैं और यही कारण है कि वह सुंदरता और फिटनेस के मामले में किसी भी आधुनिक किशोरी को भी कड़ी टक्कर दे सकती हैं। तो भागफल क्या है?

जब भी तनीषा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिटनेस वीडियो साझा किए हैं, वे हमेशा एक अच्छा प्रभाव पैदा करने में कामयाब रही हैं और उनके वीडियो पर मिले लाखों टिप्पणियाँ खुद ही अपनी कहानी बोलती हैं। जहां तक उनकी फिटनेस दिनचर्या का सवाल है, एक चीज जो हमेशा स्थिर रहती है वह है पिलेट्स के प्रति उनका दिल से प्यार।

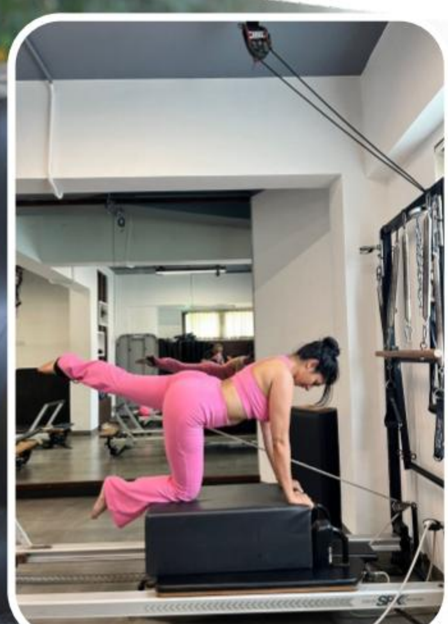

खैर, उनके हालिया वीडियो में भी, वह पिलेट्स करती हुई नजर आ रही हैं और देखने वाले लोग इससे उबर नहीं पा रहे हैं। उनकी ऊर्जा के स्तर से लेकर उसके संतुलन और वर्कआउट के रूप तक, सब कुछ एकदम पर्फेक्ट और सही है और यह उस किसी भी व्यक्ति के लिए एकदम सटीक, 'क्विक-टाइम' ट्यूटोरियल वीडियो के रूप में कार्य करता है जो वर्कआउट में महारत हासिल करना चाहता है।

उनका गुलाबी को-ऑर्ड वर्कआउट आउटफिट भी कुछ ऐसा है जो बहुत से लोगों का ध्यान खींच रहा है और इसमें संदेश स्पष्ट और स्पष्ट है, 'स्वस्थ' को नए सेक्सी और सुंदर बनाएं। क्या आप इस प्रेरणादायक वर्कआउट वीडियो को देखना चाहते हैं और कुछ फिटनेस युक्तियाँ प्राप्त करना चाहते हैं? हेयर यू गो - देखिए तस्वीरें।

अच्छा, बिल्कुल सुंदर और अद्भुत, है ना? यहां आशा और कामना है कि तनीषा अपने वर्कआउट रूटीन में निरंतरता बनाए रखें और युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करती रहें। जहां तक काम के बारे में जानकारी है तो तनीषा मुखर्जी कई अन्य दिलचस्प परियोजनाओं के साथ आगामी फिल्म 'मुरारबाजी' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी और उनके चाहने वाले बेहद उत्साहित हैं। बस थोड़ा इंतज़ार और।

प्रतिभा रांटा को डेट कर रहे हैं हीरामंडी के ताजदार, एक्टर ने दिया बयान

असना जैदी

द डायमंड बाजार में ताजदार का किरदार निभाने वाले ताहा शाह बलूच इस समय काफी लाइफलाइट बटोर रहे हैं. वहीं हाल ही में ताहा शाह और लापता लेडीज़ की एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर निकलीं. दोनों एक साथ देखे गए दोनों ने पैपराज़ी के लिए पोज़ दिया. इसके तुरंत बाद, अटकलें लगाई जाने लगीं कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं. इस बीच ताहा शाह ने प्रतिभा रांटा के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच अपने रिलेशनशिप स्टेटस का खुलासा किया.

आपको बता दें ताहा शाह ने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रेम पत्र लिखने के बारे में बात की. उन्होंने वर्तमान में अपनी लव लाइव की स्थिति के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा, "काश मैं आपको बता पाता कि मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी मेरी जिम्मेदारी प्यार में पड़ने की नहीं, बल्कि अपनी मां को कुछ वापस देने और उन्हें गौरवान्वित करने की है. अभी ध्यान केंद्रित करने का समय है. मुझे केवल अपने काम

से ही संबंध रखना चाहिए, ताकि मैं अपने परिवार का ख्याल रख सकूं. लेकिन हां, मैं भविष्य में प्यार में पड़ना चाहता हूं और एक परिवार बनाना चाहता हूं और ऐसा होने के लिए, मुझे पहले अपने पैरों पर खड़ा होना होगा."

वहीं ताहा शाह ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, "मैं हमेशा से ऐसा आदमी रहा हूं जो अपनी आत्मा उस लड़की को दे देता है जिससे उसे प्यार हो जाता है. जब मैं प्यार में पड़ता हूं, तो मैं 10 का हो जाता हूं. लेकिन मैं आपको यह भी बता दूं कि प्यार पाना बहुत मुश्किल है. ऐसा कहने के बाद, जब प्यार मुझ पर हावी होता है और यह मुझ पर कई बार हुआ है तो मैं पूरी तरह से इसके लिए तैयार हो जाता हूं. मैं इस मायने में एक कट्टरपंथी हूं. मैं 90 के दशक का बच्चा हूं. उस समय, इंटरनेट नहीं था. मेरी लिखावट खराब थी और फिर भी मैं प्रेम पत्र लिखता था. मैं पत्र में फूलों की पंखुड़ियां डालता था और लड़की को पकड़ने के लिए बस में फेंक देता था".

"लोग मुझे ऑडिशन भी नहीं दे रहे थे..." ताहा शाह बदुशा

– शिल्पा पाटिल

वाई–फिल्म्स की रोमांटिक कॉमेडी लव का द एंड (2011) से अपने करियर की शुरुआत करने वाले ताहा शाह बदुशा धर्मा प्रोडक्शन की कॉमेडी–ड्रामा गिप्पी (2013) में दिखाई दिए, जिसमें उनके अभिनय की सराहना भी हुई. ताहा ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम जिनमें से एक फिल्म थी 'बार बार देखो' इस फिल्म में उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कैटरीना कैफ के साथ स्क्रीन शेयर किया था. शाह को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पहचान 2024 में रिलीज हुई हीरामंडी में उनके किरदार ताजदार ने दिलवाई. इसके बाद रातों–रात शाह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सेंसेशन के साथ साथ नेशनल क्रश भी बन गए. आइये जानते हैं भंसाली के साथ काम करने के अनुभव और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में क्या कहते हैं ताहा शाह बदुशा।

'हीरामंडी' में आपके किरदार ताजदार को लोगों ने काफी पसंद किया है. आप इसकी सफलता के बाद नेशनल क्रश बन चुके हैं, इसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

– मैं बस यही कहना चाहूँगा कि नेशनल क्रश आपको मीडिया और लोग बनाते हैं. मेरा तो एक छोटा सा काम था, मै तो बस यही चाहता था कि मै एक ऐसा किरदार करूँ जिसे लोग जब देखें तो वो अपनी सारी परेशानियाँ भूल कर उस कहानी में बस जाएँ. मेरी बस यही कोशिश थी कि इस बड़ी सी कहानी 'हीरामंडी' में मेरा जो किरदार है ताजदार बलोच का उससे मै सबको रुला दूँ. आजकल लोग बड़े रिजर्व से हो चुके हैं, वो अपने इमोशन को दिखाते नहीं हैं. फिल्म्स और सीरीज एक ऐसी दुनिया है जहाँ आप अपनी दुनिया में चले जाते हैं क्योंकि आपका पूरा फोकस वहीँ पर है. मेरी यही कोशिश थी कि मैंने अगर अपने किरदार से लोगों को रुला दिया फिर मै उनके दिल में बस जाऊंगा. मै यही मानना चाहूँगा कि मेरा काम सफल रहा है. संजय सर की कहानी हमेशा ट्रेजेडी में हीं खत्म होती है नेटफ्लिक्स ने कहा भी था कि इस कहानी को हैप्पी एंडिंग दें लेकिन संजय सर ने कहा ये मेरी कहानी है और इसकी ट्रैजिक एंडिंग हीं होगी. मुझे लगता है अगर किसी कि ट्रैजिक एंडिंग होती है तो लोग चाहते हैं कि उसकी हैप्पी एंडिंग हो इसलिए और भी ज्यादा सोचते हैं उसके बारे में. संजय सर की और हीरामंडी की यही खास बात है कि वो एक सोच छोड़ देते हैं ऑडियंस के दिमाग में. मै बहुत शुक्रगुजार हूँ कि इतने सारे लोग देख रहे हैं, देख चुके हैं, और वापस से देख रहे हैं. मै और शर्मिन बहुत शुक्रगुजार हैं कि लोगों को हमारी लव स्टोरी पसंद आई और वो लोग हमारी कहानी को बार–बार देख रहे हैं. मै भंसाली सर और नेटफ्लिक्स का बहुत शशुक्रिया अदा करना चाहता हूँ और इसके साथ हीं अपनी माँ का भी ये मेरी मेहनत से ज्यादा उनकी मेहनत का नतीजा है. उन्होंने मुझे इन पंद्रह सालों में अपना अटूट विश्वास मुझपर बनाये रखा, इस दौरान एक बार उन्होंने ये नहीं कहा कि तुम्हारा नहीं हो रहा है इस इंडस्ट्री में, इसे छोड़ दो और कुछ और कर लो. ऐसा उन्होंने एक बार भी नहीं कहा. उन्होंने हमेशा यही कहा कि मै हमेशा तुम्हारे साथ हूँ लोग क्या कहते हैं इस बात की चिंता मत करो. मेरे भाई ने एक बार इंडस्ट्री छोड़ने के बारे में कहा था और कहा था कि वापस युएई लौटने के बारे में और नया बिजनेस शुरू करने के बारे में कहा था लेकिन ऐसा इसलिए क्योंकि उसको मेरी फिक्र है. जब भाई ने ऐसा कहा था तब मै बहुत रोया था लेकिन फिर मम्मी ने मुझे संभाला और उन्होंने कहा, "कौन क्या कहता है इस बात की फिक्र मत करो. तुम ये मेरे लिए कर रहे हो और मै हूँ यहाँ पर. तुम्हें जो कुछ भी चाहिए तुम मुझे बताना मै हूँ यहाँ पर तुम्हारे लिए." उस समय मै इतने पैसे नहीं कमाता था. उनकी वजह से हीं मै ये चूज कर पाता था कि मै कुछ गलत नहीं कर लूँ. एक समय मै बिग बॉस में जाने के बारे में भी सोच रहा था ताकि थोड़ी पब्लिसिटी मिल जाये लेकिन मम्मी ने और मेरे फ्रेंड तुषार ने इसके लिए सख्त मना कर दिया. क्योंकि बिग बॉस आपको एक अलग मार्केट में धकेल देता है. ये इनका विश्वास और आशीर्वाद हीं था जो मै यहाँ तक पहुँच पाया।

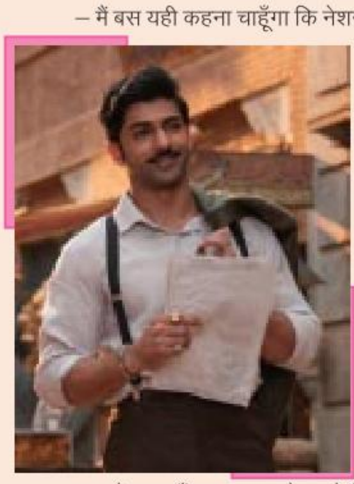

क्या इन चौदह सालों में क्या आप कभी इतने टूट गये थे कि आपको कभी ऐसा लगा कि अब आपको इस इंडस्ट्री को छोड़ देना चाहिए?

– ऐसे तो बहुत से पल हैं जहाँ मै टूट चूका हूँ. मै मानता हूँ कि जब आप टूट जाते हैं तब आप जीरो लेवल पर आ जाते हैं, और उसके नीचे अब नहीं जा सकते हैं, इसलिए आपको उठाना होता है. एक ऐसा भी समय था मेरे जीवन में जब मै नेगेटिव फेज में था. रिजेक्शन तो मिले हीं हैं, वो तो सबको मिलता है, लेकिन इसके साथ साथ एक वक्त ऐसा भी था जब लोगों ने मुझे कास्ट करना बंद कर दिया था क्योंकि वो मानने लगे थे कि अगर मेरी पिछली फिल्म ने काम नहीं किया तो मेरी वजह से हीं होगा क्योंकि वो मुझे बैड लक मानने लगे थे. एक समय के बाद मुझे ऑडिशन भी आने बंद हो गए थे, लोग मुझे ऑडिशन भी नहीं दे रहे थे. ऐसे भी मौके आये थे जहाँ बड़े बड़े लोगों ने कई बड़े बड़े वादे किये और उसकी वजह से आप किसी और चीज को करने से रुक जाते हैं लेकिन बाद में वो फिर किसी और को ले लेते हैं. कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि मैंने पिक्चर साईन कर दी है लेकिन वो बिना मुझे बताये किसी और को लेकर शूटिंग शुरू कर देते थे. एक एक्टर की जर्नी बहुत हीं अलग होती है क्योंकि एक्टर को हमेशा अपने अगले काम का इंतजार रहता है. इंडस्ट्री में पंद्रह साल बिताने के बाद मुझे ये तो समझ आ गया है कि आप चाहे कितना भी हाथ–पैर मार लो आपकी किस्मत में जो लिखा हुआ है वही आपको मिलेगा. लोग कहते थे कि मै मशीन हूँ क्योंकि मै सिर्फ घर का खाना खाता था, मै ज्यादा बाहर नहीं जाता था और ना हीं मै पार्टीज करता था. ये चीज जो लोग मुझे जानते थे

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

उनको भी लगता था जैसे एक समय मै एक लड़की को डेट कर रहा था उन्होंने भी मुझसे यही कहा था कि मै उनको नॉर्मल नहीं लगता हूँ मै उनको एबनॉर्मल लगता हूँ क्योंकि मै आम लोगों की तरह पार्टी नहीं करता हूँ और नाहीं मै वेकेशन पर जाता था. मेरे लिए इन सालों में कोई त्योहार था हीं नहीं मै रोज सुबह उठता था और खुद को ट्रेन करता था. सपनों को कभी छोड़ना नहीं चाहिए उनके पीछे भागते रहना चाहिए तभी आपके सपने सच होंगे।

जब मै छोटा था तो मै कभी पढ़ता नहीं था, मै मम्मी से पूछता था कि कितने लाइन्स पढ़ने हैं और मै उतने हीं लाइन्स पढ़ता था. और आज मै एक ऐसा इन्सान हूँ जो किताब के बाद किताबें पढ़ता है. मै ज्यादातर करके सेल्फ–इम्प्रूवमेंट और एक्टिंग की किताबें पढ़ता हूँ, आजकल मै अलग अलग सब्जेक्ट की भी किताबें पढ़ने लगा हूँ फिर चाहे वो फिलॉसफी हो या फाइनेंस जिसमें मै बहुत बुरा हूँ. आजकल तो मै एआई से जुड़े कोर्सेज भी कर रहा हूँ. कोविड के टाइम पर मै फिल्म मेकिंग के कोर्सेज कर रहा था. जब आप अपने जीवन के सभी एरियाज में अपना नॉलेज बढ़ाना शुरू करते हैं तब एक दिन वो सभी आपको वापस मिलता है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में आपके फैंस को आपकी झलक देखने को मिली, उस अनुभव के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

– कुछ हफ्ते पहले तक मेरे इन्स्टाग्राम पोस्ट पर ज्यादा से ज्यादा 600 से 800 लाइक्स आते थे लेकिन फिर अचानक से वो लाइक्स लाख में आने लगे. मेरे लिए बहुत शॉकिंग था. मै थोड़ा ओल्ड स्कूल हूँ इसलिए मै सोशल मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करता हूँ, जो भी थोड़ा बहुत करता हूँ वो इसलिए करता हूँ क्योंकि वो काम से जुड़ा हुआ है. जब मै कान्स गया था तो वहां लोगों ने मुझे मेरे किरदार के लुक के बिना पहचाना और उन्होंने आकर मुझसे बात की, मुझे गले लगाया वो मुझे बहुत अच्छा लगा. मुझे देखकर लोगों के चेहरे पर जो खुशी आती है मै उसके लिए काम करता हूँ क्योंकि वो खुशियाँ किसी भी पैसे से नहीं खरीदी जा सकती हैं. कान्स का एक्सपीरियंस मेरे लिए ऑय ओपनिंग था. पहले ये मेरा सपना नहीं था लेकिन जब मै कान्स से वापस आया हूँ मेरा यही सपना है कि मेरी फिल्म कान्स की ओपनिंग नाईट में प्ले हो. मेरा सपना है इंडियन सिनेमा को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ले जाने का और हमारी फिल्में दुनिया को दिखाने का. हम भारतीय किसी भी चीज में किसी से पीछे नहीं हैं. कान्स में भारतीय के साथ फ्रेंच, स्पैनिश, और रशियन लोगों ने भी मेरे किरदार ताजदार से मुझे पहचाना और ये फीलिंग बहुत खास था, इस फीलिंग को मै शब्दों में बयाँ नहीं कर सकता हूँ. मै बहुत ग्रेटफूल हूँ क्योंकि मुझे पता है कि एक एक फैन की वैल्यू क्या होती है. मेरा सपना लोगों को खुश करने का है फिर चाहे वो फिल्मों में काम करके हो या एन.जी.ओ में काम करके।

'हीरामंडी' के सभी कलाकारों के साथ काम करने का कैसा अनुभव रहा है?

– हर आर्टिस्ट के साथ मेरा काम करने का एक अलग अनुभव रहा है. जैसे फरीदा मैम मेरी ग्रैंड माँ की तरह हीं हो गयी थीं. उन्होंने सेट पर मुझे बहुत प्यार दिया और उन्होंने मुझे अपनाया और इसके लिए मेरे दिल में उनके लिए इज्जत और भी बढ़ गयी. वो हमेशा मेरे प्रति सबसे दयालु रहीं. हम जब भी उनसे पूछते थे मैम आप कैसी हैं, उनका यही रिप्लाई होता था, "आई एम जस्ट लाइक अ लड्डू, वन बाई टू." वो हमेशा जॉयफूल रहती हैं, वो कभी कंप्लेन नहीं करती हैं. उनको बैक में कोई प्रॉब्लम था लेकिन इसके बावजूद वो सेट पर 12 घंटे बिताती थीं और इस चीज के लिए उन्होंने कभी कंप्लेन नहीं किया. मनीषा मैम बहुत हीं रॉयल है शायद इसलिए भी क्योंकि वो एक रॉयल फैमिली से आती हैं. वो इस कहानी में एक सिनेरियो लेकर आती हैं. वो इतनी स्ट्रॉन्ग हैं, इसलिए तो वो हुजूर हैं. वो एक बेहतरीन अदाकारा हैं जो अपने रोल को लाकर काफी सीरियस हैं. वो सेट पर अपने किरदार को होल्ड करके रखती हैं लेकिन सेट के बाहर वो फिर से मनीषा मैम हैं. मनीषा मैम ने मुझे एनकरेज किया है और सेट पर उनकी मम्मी भी आयीं थीं और उन्होंने भी मुझसे कहा, "बेटा, तू बहुत अच्छा काम कर रहा है." ये छोटी छोटी एनकरेजमेंट हमारे जैसे आर्टिस्ट को बहुत मदद करती हैं. सोनाक्षी बहुत हीं फ्री–स्पिरिटेड हैं और वो मेरी अच्छी दोस्त बन गयीं. सोनाक्षी के मन में जो है वो बोल देती हैं और बहुत हीं स्मार्ट और विट्टी भी हैं इसलिए मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता था. अदिति के साथ मैंने कुछ सीन किये थें और वो अपने क्राफ्ट को लेकर बहुत डेडिकेटेड हैं. मैंने सबसे ज्यादा शर्मिन के साथ समय बिताया है तो मै उनके बारे में कुछ कहना चाहूँगा. शर्मिन ने अपना बेस्ट दिया है, भंसाली ने जो कुछ भी दिमाग में रखकर शर्मिन को कास्ट किया था, शर्मिन उस मार्क पर खड़ी उतरी है. शुरू के दो से चार दिन आइस–ब्रेक करने में लगा उसके बाद मुझे समझ आ गया कि शर्मिन को खाना बहुत पसंद है. इसलिए जब भी कुछ आइसक्रीम या खाने का कुछ खाने आता था तो मै उसको देता था और उसको बहुत पसंद आता था. शुरू में हमें थोड़ा समय लगा लेकिन जब हमारी दोस्ती हो गयी तो फिर वो मुझसे छोटे–छोटे सीक्रेट भी शेयर करती थी. वो एक ऐसी इन्सान है जो दुसरो से बहुत प्यार करती है, जैसे जब उनके पति का बर्थडे था तो उन्होंने 100 से 150 कैप्सूल के अन्दर छोटे छोटे लव लेटर डालें एक गिफ्ट के तौर पर ताकि वो उनका जन्मदिन स्पेशल बना सकें।

अपने आनेवाले प्रोजेक्ट के बारे में कुछ बताना चाहेंगे क्योंकि आपके फैंस आपको हर स्क्रीन पर देखना चाहते हैं?

– मैंने एक फिल्म की है जिसका नाम है 'पारो' और ये फिल्म मैंने हीरामंडी के रिलीज से पहले की थी, उस समय मुझे पता नहीं था की हीरामंडी के रिलीज के बाद ऐसा कुछ हो जायेगा. उस समय ऐसा कोई आईडिया नहीं था कि नेशनल क्रश जैसा टाइटल मिल जायेगा. मै बस ये चाहता था कि लोग ये बोले कि एक्टर अच्छा है और मुझे थोड़ा और काम मिल जाये. हीरामंडी के बाद जो मुझे प्यार मिला है उसकी तो मैंने कल्पना भी नहीं की थी. अब मुझे लगता है ये मेरी जिम्मेदारी है कि ना सिर्फ मै अच्छा काम करूँ बल्कि ऐसे सब्जेक्ट पर काम करूँ जो ऑडियंस को सोचने पर मजबूर कर दे. मेरी जो आनेवाली फिल्म 'पारो' है वो भी एक ऐसे हीं सब्जेक्ट पर बात करती है. ये फिल्म ब्राइड स्लवेरी के बारे में है, जहाँ छोटी–छोटी बच्चियों को अगवा करते हैं और फिर उन्हें बेचा जाता है और फिर उनकी शादी उनकी उम्र से काफी बड़े आदमी से करवा दी जाती है. इस लड़की का ना उस आदमी की प्रॉपर्टी पर कोई हक है और ना हीं उसके अपने पैदा किये बच्चों पर. जब उस आदमी का मन भर जायेगा वो इस लड़की को फिर से किसी दुसरे आदमी को बेच देगा. मैंने ये फिल्म इसलिए की क्योंकि इस तरह की चीजों के बारे में दुनिया को पता होना चाहिए. और मैंने इसलिए भी फिल्म की ताकि जब लोगों को इसके बारे में पता चले तब लोग उनकी मदद करने के लिए आगे आयें. मै भी उनकी इसमें मदद करना चाहता हूँ इसलिए मैंने ये फिल्म की. मेरी बस यही दुआ है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस फिल्म को देखें और इसका सपोर्ट करें. हमने 'पारो' को कान्स में लॉन्च किया और इसलिए मैं वहां गया था. अभी इस फिल्म की कोई रिलीज डेट नहीं आई है. मैंने एक प्रोजेक्ट 'मिसफिट्स' भी किया है जिसकी कोई रिलीज डेट अभी तक सामने नहीं आई है. अभी मेरा फोकस 'पारो' पर है. हीरामंडी के बाद मेरे पास काफी ऑफर्स हैं तो मै सोच समझ कर आगे काम करना चाहता हूँ क्योंकि जल्दबाजी में गलतियाँ हो जाती हैं. अभी तो हीरामंडी की सक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं और देखते हैं कि हीरामंडी 2 आयेगा कि नहीं आएगा।

अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

– सबसे पहले तो यही कहूँगा कि मै उनको फैंस की तरह नहीं देखता हूँ, मैं उनको एक परिवार की तरह हीं देखता हूँ. जैसा मैंने कहा कि मै हरेक की वैल्यू करता हूँ. मै बस यही कहना चाहूँगा कि मै बहुत हीं शुक्रगुजार हूँ कि इतने लोग मुझे पसंद करते हैं और मेरे काम को पसंद करते हैं और मेरे लिए वही सबसे बड़ी बात है. क्योंकि मेरे लिए एक्टिंग हीं मेरी जिंदगी है. मै आप सभी से बहुत प्यार करता हूँ और मेरी जिम्मेदारी है कि मै मेहनत करूँ और आपको अपना बेस्ट दे सकूं. मै सभी को यही कहना चाहूँगा कि कभी भी अपने सपने को गिव–अप नहीं कीजिये, क्योंकि हम सभी ने बहुत मुश्किलों से लड़ कर हीं अपना सपना पूरा किया है इसलिए आप भी अपने सपनों पर गिव–अप मत कीजिये।

आने वाली सोशल मीडिया शो 'ब्लू टिक' में अभिनय करेंगी पारुल गुलाटी

–सुलेना मजुमदार अरोरा

अभिनेत्री पारुल गुलाटी, अपनी बहुप्रतीक्षित सोशल मीडिया शो 'ब्लू टिक' में एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। जाने माने निर्देशक शुभम सिंह द्वारा निर्देशित और फोक्लोर फिल्म्स द्वारा निर्मित, यह श्रृंखला, एक खूबसूरत स्त्री पल्लवी पाहुजा की दिल छूने वाली यात्रा पर प्रकाश डालती है, जिसका किरदार पारुल ने निभाया है, जो स्टारडम के सपनों के साथ दक्षिण दिल्ली की रहने वाली एक दृढ़ निश्चयी युवा महिला है।

'ब्लू टिक' में पारुल ने एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री पल्लवी पाहुजा का किरदार निभाया है, जिसका अपनी प्रतिभा पर अटूट विश्वास है, जो आखिर उसे सफलता की निरंतर खोज के लिए प्रेरित करता है।

अपने किरदार के बारे में जानकारी साझा करते हुए, पारुल गुलाटी ने खुलासा किया, "यह पश्चिमी दिल्ली की एक लड़की की कहानी है, जिसकी आँखों में बड़े सपने हैं। हालांकि वह उम्र में किशोरी है, लेकिन फिर भी, वह इस उम्र में भी बड़ी जोखिम लेने को पूरी तत्परता से तैयार है। सच पूछा जाए तो उसके लिए असफलता जैसा कोई मन में डर नहीं है।

मैं अपने इस किरदार पल्लवी पाहुजा के साथ गहराई से जुड़ा हुआ महसूस कर रही हूं क्योंकि वह आधुनिक समय की आकांक्षा का प्रतीक है जो सोशल मीडिया को अपने सपनों की ओर चढ़ने के लिए एक सीढी के रूप में उपयोग करती है। उसकी प्रोफाइल पर ब्लूटिक का होना उसकी व्यक्तित्व का प्रतीक और सोशल मीडिया के दायरे में उसकी शक्ति का प्रमाण है।

मैं उसके साथ गहराई से जुड़ी हुई हूं क्योंकि मैं खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर आती हूं और मुंबई आने तथा अभिनेता बनने का मेरा बड़ा सपना सच हो गया है। यह उस युवा लड़की के उत्थान और पतन की एक खूबसूरत कहानी है जिसके मन में केवल एक संकल्प है, कि अपने सपने की रक्षा कैसे करे और कैसे वह फिर से हर कठिनाइयों का सामना करती है।

पारुल ने आगे कहा, 'वह आधुनिक युग की आकांक्षा का प्रतीक है, जो सोशल मीडिया को अपने सपनों की ओर चढ़ने के लिए सीढ़ी के रूप में उपयोग करती है। उसकी प्रोफाइल पर ब्लू टिक की खोज उसकी मान्यता का प्रतीक बन जाती है, जो सोशल मीडिया प्रभाव के दायरे में शक्ति की गतिशीलता को प्रदर्शित करती है।'

यह शो वर्चुअल मान्यता और वास्तविक दुनिया की सफलता के बीच द्वंद्व की एक दिलचस्प खोज का वादा करता है, क्योंकि पल्लवी विशिष्ट ब्लू टिक की खोज में अपनी यात्रा के उतार–चढ़ाव से गुजरती है। विश्व स्तर पर दर्शकों के साथ गूंजने वाले विषयों के साथ, ष्ब्लू टिकष् एक सम्मोहक कथा प्रस्तुत करता है जो हमारे डिजिटल युग की विचारधारा को दर्शाता है।

इस रोमांचक उद्यम में पारुल गुलाटी के साथ सिद्धार्थ निगम भी शामिल हैं, जिनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के अनुभव को बेहतर बनाने का वादा करती है। दिल्ली की जीवंत पृष्ठभूमि पर फिल्माई गई यह श्रृंखला महत्वाकांक्षा, लचीलेपन और प्रसिद्धि की कीमत की मनोरम कहानी को उजागर करती है।

शो से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'ब्लू टिक' के साथ हमारा लक्ष्य समकालीन आकांक्षाओं और सोशल मीडिया के उभरते परिदृश्य की जटिल बारीकियों को उजागर करना है। पारुल गुलाटी का पल्लवी पाहुजा का चित्रण कहानी में गहराई और प्रामाणिकता जोड़ता है, जिससे यह सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक आकर्षक घड़ी बन जाती है।

ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा कपूर ने अश्विनी यार्डी के साथ मिलकर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'किकिंग बॉल्स' के माध्यम से बाल विवाह से निपटने की पहल के लिए शी लीड्स इम्पैक्ट फंड के साथ हाथ मिलाया।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

एक अभूतपूर्व कोलैबोरेशन के तहत, शी लीड्स इम्पैक्ट फंड ने भारत में बाल विवाह के इतिहास को संबोधित करने के लिए 'किकिंग बॉल्स' टीम के साथ हाथ मिलाया है। सिख्या एंटरटेनमेंट और विनियार्ड फिल्म की लेटेस्ट डॉक्यूमेंट्री 'किकिंग बॉल्स' में, प्रसिद्ध निर्माता, अश्विनी यार्डी, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन इस सदियों पुराने मुद्दे को सामने लाते हैं। दिल छू लेने वाली यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म राजस्थान के 3 गांवों की जांच पड़ताल करती है जहां एक NGO फुटबॉल के माध्यम से बाल विवाह से निपटने की कोशिश कर रहा है। 'किकिंग बॉल्स' इन साहसी लड़कियों की आवाज को बुलंद करती है और स्वतंत्रता हासिल करने में उनकी यात्रा की खोज करती है।

'किकिंग बॉल्स' की एक विशेष स्क्रीनिंग हाल ही में राजधानी दिल्ली क्षेत्र में आयोजित की गई थी, जिसने प्रभावशाली निवेशकों को आकर्षित किया और 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने के लिए मजबूत राष्ट्रीय और राज्य–स्तरीय नीतियों की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया। शी लीड्स इम्पैक्ट फंड, वाइनयार्ड के बीच यह साझेदारी फिल्म्स और सिख्या एंटरटेनमेंट बाल विवाह को समाप्त करने और ग्रामीण घरों में विवाहित लड़कियों का सपोर्ट करने के लिए समर्पित है। इस साझेदारी का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन लाने और कम उम्र में विवाह के चक्र में फंसी युवा लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए कहानी कहने की शक्ति, अनुदान निधि, कॉर्पोरेट भागीदारी और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। बाल विवाह को समाप्त करने और प्रभावित लड़कियों को सशक्त बनाने के मिशन का समर्थन करने के लिए, शी लीड्स इम्पैक्ट फंड बचपन में विवाहित महिलाओं के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए 25,000 डॉलर की धनराशि प्रदान कर रहा है।

इस पर टिप्पणी करते हुए, निर्देशक विजयेता कुमार ने कहा, "यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि मैं राजस्थान से हूं। किकिंग बॉल्स ग्रामीण राजस्थान की इन बहादुर युवा लड़कियों की कहानी है, जो फुटबॉल खेलकर और पढ़ाई के अपने अधिकार के लिए लड़कर जबरन बाल विवाह, गरीबी और जाति उत्पीड़न से बाहर निकलती हैं। यह फिल्म रोजमर्रा के नारीवाद और अविश्वसनीय साहस की खोज के रूप में शुरू हुई। मैं यह देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं कि यह फिल्म प्रत्येक महिला के साथ कैसे आगे बढ़ती है और जिस समुदाय में हम इसे ले जाते हैं, उसमें सुधार लाने के लिए जागरूकता फैलाती है।

निर्माता गुनीत मोंगा कपूर ने कहा, "हर साल, 12 मिलियन लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले कर दी जाती है। यानी हर मिनट 23 लड़कियां का विवाह हो रहा है। 'किकिंग बॉल्स' एक ऐसा प्रोजेक्ट बन गया जिसके बारे में हम जानते थे कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं हो सकती है , बल्कि इस पर एक चर्चा होनी चाहिए। भारत भर के कई स्कूलों में स्क्रीनिंग के बाद, मुझसे हमेशा पूछा जाता था कि मैं इन युवा लड़कियों की मदद के लिए और क्या कर सकती हूं। हम कहानीकार हैं, हम जमीनी स्तर पर जो देखते हैं उसे प्रतिबिंबित करते हैं – हमारा प्रयास उन कहानियों को बताने का है जिसकी वजह से एक चर्चा को बढ़ावा देती हैं और देश की नीतियों में बदलाव लाती हैं। मैं अजिता शाह से मिलने के लिए बेहद भाग्यशाली थी, जिन्होंने अपने विचारों का आदान–प्रदान किया और देश भर में महिलाओं की मदद के लिए धन जुटाने में अब तक किए गए काम के बारे में बताया। साथ मिलकर, हम एक कदम आगे जाकर 1 मिलियन महिलाओं को शामिल करने के लिए सहयोग करना चाहते हैं, उन क्षेत्रों में जहां भारत में बाल विवाह और लैंगिक असमानता अत्यधिक प्रचलित है।

बिजनेस लिगेसी से बॉलीवुड तक, अभिनेता ऋषभ चौहान की आत्म-खोज की यात्रा

—सुलेना मजुमदार अरोरा

ऐसे उद्योग में जहां विरासतें अक्सर प्रोजेक्शन की राह को परिभाषित करती हैं, ऋषभ चौहान अपना रास्ता खुद बनाने के लिए एक प्रमाण के रूप में खड़े हैं। ''उत्तर भारत में स्कूलों की श्रृंखला बनाने के लिए प्रसिद्ध परिवार'' से आने के बावजूद, ऋषभ ने अपने परिवार की प्रतिष्ठित शैक्षिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि से अलग, अपनी पहचान बनाने के लिए अभिनय की दुनिया को चुना है।

ऋषभ, एक बॉलीवुड अभिनेता हैं जो अक्सर हिंदी फिल्मों में दिखाई देते हैं। उन्होंने विभिन्न किरदार निभाए हैं और उन्हें फिल्म, 'मरने भी दो यारों में राय किरण की भूमिका के लिए काफी सराहना मिली है। ऋषभ चौहान ने 2019 में, फिल्म ३ मरने भी दो यारों से अपनी फिल्म की शुरुआत की थी। ऋषभ ने गायक मीका सिंह, चित्रांगदा सिंह और कई अन्य लोगों के साथ कई संगीत वीडियो एल्बम किए हैं। यह अभिनेता जल्द ही फिल्मों में पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाई देंगे जो दर्शकों को आश्चर्यचकित कर देगा

शुद्ध व्यवसायियों के वंश से आने वाले, ऋषभ की यात्रा केवल अपने परिवार के नाम को भुनाने को लेकर नहीं है, यह जुनून, दृढ़ता और अपनी खुद की पहचान बनाने को लेकर है। अतीत में अपने सम्मोहक अभिनय के लिए जाने जाने वाले ऋषभ ने लगातार एक प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में अपनी योग्यता साबित की है। अब, वह एक और अधिक आशाजनक और इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों द्वारा व्यापक रूप से प्रशंसित कुछ बड़ा करने के लिए तैयार है।

इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले, ऋषभ ने आशीर्वाद और आध्यात्मिक मार्गदर्शन लेने की योजना बनाई है और स्वामी अवधेशानंद के आश्रम गए, जो अपने शांत वातावरण और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए जाने जाते है। यह यात्रा, ऋषभ के मन में की गहरी जड़ें जमा चुकी हैं, आध्यात्मिकता और पारंपरिक मूल्यों में विश्वास को रेखांकित करती है। यह गुण उन्हें अपने प्रशंसकों के लिए अविश्वसनीय रूप से भरोसेमंद बनाते हैं।

इस शुभ शुरुआत के प्रतीक के रूप में उठाए गए कदम में, ऋषभ गंगा घाट पर 11,000 दीये जलाते हुए भी दिखाई देंगे। यह कृत्य न केवल सम्मान और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि उनके करियर के इस नए चरण में कदम रखने पर उनके विश्वास और आशावाद का एक शक्तिशाली बयान भी है।

ऋषभ चौहान की अपनी कला के प्रति प्रतिबद्धता, उनकी आध्यात्मिक उच्चता और पारंपरिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता, उन्हें बॉलीवुड की हलचल भरी दुनिया में भी सबसे अलग करती है। जैसे ही वह इस नए प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रहे हैं, प्रशंसक और उनकी फिल्म पर नजर रखने वाले समान रूप से उत्सुकता से उम्मीद कर रहे हैं कि यह उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर क्या होगा?

मुकेश छाबड़ा के बर्थडे पर कृति ने सोशल मीडिया पर लॉन्च किया नया ऐप

–शिल्पा पाटिल

मुकेश छाबड़ा बॉलीवुड के सबसे बड़े कास्टिंग निर्देशकों में से एक हैं. जहां वह कई कुख्यात अभिनेताओं का करियर बनाने के लिए जाने जाते हैं, वहीं वह अपने जन्मदिन पर दर्शकों को एक बड़ी सौगात दे रहे हैं. जैसे ही वह एक साल

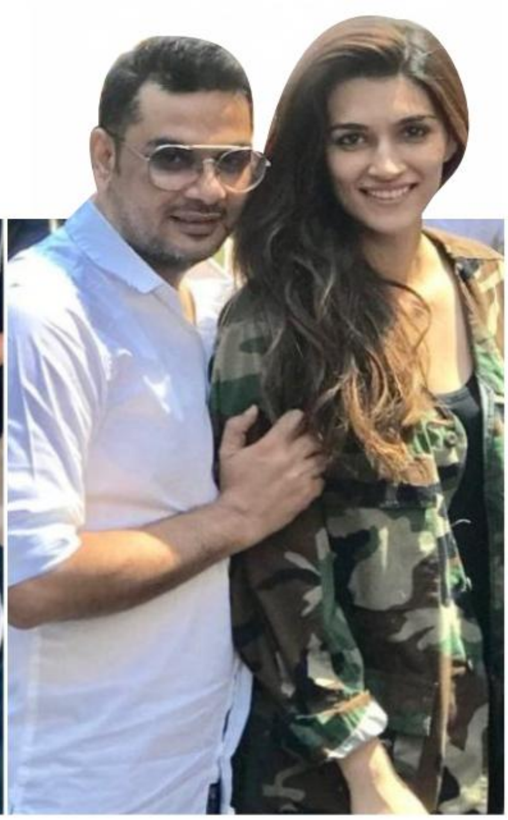

का हो गया, मुकेश ने अपना ऐप लॉन्च किया, जो उद्योग में पहली तरह का ऐप लॉन्च करने में अग्रणी बन गया! कृति सेनन ने आज आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया पर ऐप लॉन्च किया और जमकर तारीफ की.

एमसीसीसी ऐप के माध्यम से, इच्छुक अभिनेता आसानी से और चलते–फिरते कास्टिंग के अवसरों का पता लगा सकते हैं. ऐप निदेशक से एक मास्टरक्लास भी प्रदान करेगा. सबसे अच्छी बात यह है कि देश के किसी भी कोने में बैठा कोई भी व्यक्ति आवेदन करके अपने जीवन में बदलाव देख सकता है. उन्हें बस एमसीसीसी ऐप पर अपना पंजीकरण कराना होगा.

इस पहल के बारे में बात करते हुए मुकेश छाबड़ा कहते हैं,

कास्टिंग एक बेहतरीन अनुभव रहा. और अब जब दुनिया बदल रही है और डिजिटल हो रही है, तो हमें कास्टिंग में क्रांति क्यों नहीं लानी चाहिए? इसलिए उन सभी प्रतिभाशाली लोगों को अवसर देने के विचार से, मैंने एमसीसीसी ऐप शुरू करने का फैसला किया. अब आपको अपनी किस्मत बदलने के लिए बस एक पासपोर्ट साइज फोटो की जरूरत है. जो कोई भी विभिन्न कारणों से बॉम्बे आने में असमर्थ है, वह इस ऐप को निःशुल्क डाउनलोड कर सकता है.

मुकेश छाबड़ा अपना जन्मदिन मना रहे हैं, और जैसे–जैसे वह एक साल के हो जाएंगे, उन्होंने एमसीसीसी ऐप के माध्यम से कई भविष्यों को उज्जवल बनाने की योजना बनाई है.

'सावी' की स्पेशल स्क्रीनिंग में दिव्या खोसला को खूब सराहना मिली

–शिल्पा पाटिल

टीजर से ही, अभिनय देव द्वारा निर्देशित दिव्या खोसला की फिल्म सावी ने प्रशंसकों के बीच सही उत्साह पैदा कर दिया है. अब रिलीज के करीब, टीम ने जयपुर में एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया और प्रशंसकों ने दिव्या के अद्‌भुत प्रदर्शन की खूब सराहना की.

जहां प्रशंसकों ने सावी को 'मस्ट वॉच' कहा, वहीं उन्होंने दिव्या खोसला की 'शानदार अभिनय' के लिए भी सराहना की. जयपुर में विशेष स्क्रीनिंग वहां की माताओं के समुदाय के लिए आयोजित की गई थी. एक प्रशंसक ने लिखा, 'दिव्या खोसला की एक खूबसूरत फिल्म, सुपर कहानी के साथ शानदार अभिनय. विशेष स्क्रीनिंग का हिस्सा बनना मजेदार था.' दिव्या खोसला ने भी सोशल मीडिया का सहारा लिया और लिखा, 'जयपुर से सावी की विशेष स्क्रीनिंग से इन शुरुआती समीक्षाओं को पाकर आभारी महसूस कर रहा हूँ. आपका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है. धन्यवाद. 'सावी' 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।.

सावी एक आधुनिक समय की कहानी है जो सती सावित्री की कथा से प्रेरित है. यह एक गृहिणी की यात्रा को दर्शाती है जो अपने निर्दोष पति को लंदन की जेल से छुड़ाने की योजना बनाती है. क्या वह सफल होती है या उसकी मुश्किलें और बढ़ती हैं, यह देखने वाली बात होगी. फिल्म में हर्षवर्द्धन राणे और अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं.

अभिनय देव की फिल्म 'सावी' का निर्माण विशेष फिल्म्स और टी–सीरीज के बैनर तले मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा किया गया है. शिव चानना और साक्षी भट्ट सह–निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं. यह फिल्म एक थ्रिलर है, जो 31 मई 2024 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

यह 6 ऐक्टर्स जो एक्शन फिल्मों में अपना डेब्यू के साथ, एक्शन जोनर में तहलका मचाने के लिए तैयार हैं...

सुलेना मजुमदार अरोरा

जैसे-जैसे एक्शन जोनर की फिल्में दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित करती जा रही है, अभिनेताओं की एक नई लहर अपनी छाप छोड़ने के लिए बॉलीवुड में तैयार होने लगी है। ये सारे ऐक्टर्स , प्रत्येक अपनी अनूठी ताकत को सामने ला रहे हैं और एक्शन जोनर को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं। अपनी आने वाली फिल्मों के साथ, वे न केवल दिल दहला देने वाले दृश्यों का प्रॉमिस करते हैं, बल्कि ऐसे प्रदर्शन भी करते हैं जो एक्शन से भरपूर कहानियों में गहराई और भावना जोड़ते हैं। यहां 6 अभिनेता हैं जो अपने एक्शन से भरपूर डेब्यू से हमें चकित करने के लिए तैयार हैं।

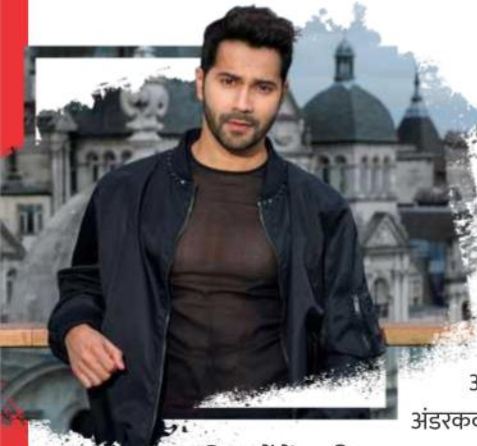

वरुण धवन - बेबी जॉन

बॉलीवुड में घर-घर में मशहूर नाम वरुण धवन "बेबी जॉन" से अपने एक्शन करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित, जो अपनी बेहतरीन थ्रिलर के लिए जाने जाते हैं, "बेबी जॉन" से वरुण की अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद है। खबरों की माने तो, यह फिल्म एक गंभीर, एक्शन ड्रामा है, जहां वरुण अपराध और जासूसी के जाल में फंसे एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी पिछली भूमिकाओं में उनकी एक्शन क्षमता की झलक दिखाई गई है, लेकिन "बेबी जॉन" इस शैली में उनका पहला पूर्ण एक्शन ड्रामा होने का प्रॉमिस करता है।

विक्की कौशल - छावा

अपने बहुमुखी एक्टिंग प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विक्की कौशल, फ़िल्म "छावा" के साथ एक्शन शैली में अपनी पहचान बना रहे हैं। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक ऐतिहासिक महाकाव्य है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। "छावा" में विक्की को एक शारीरिक रूप से कठिन भूमिका में देखा जाएगा, जिसके लिए तलवारबाजी और घुड़सवारी में कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। उनके पिछले प्रदर्शनों ने गंभीर भूमिकाओं को संभालने की उनकी क्षमता का खुलकर प्रदर्शन किया है, और "छावा" एक जबरदस्त एक्शन स्टार के रूप में उनकी स्थिति को मज़बूत करने के लिए तैयार है।

पावेल गुलाटी - देवा

फैमिली ड्रामा जोनर में अपने सम्मोहक अभिनय के लिए, खूब जाने पहचाने वाले पावेल गुलाटी, फ़िल्म "देवा" के साथ एक्शन शैली की फिल्मों में एक साहसिक छलांग लगा रहे हैं। यह फिल्म उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का वादा करती है, क्योंकि वह एक उग्र और ना थकने वाले नायक की भूमिका में कदम रख रहे हैं। प्रशंसित फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज़ द्वारा निर्देशित, फ़िल्म "देवा", मुंबई के खतरनाक अंडरवर्ल्ड पर आधारित फ़िल्म है, जिसमें एक मनोरंजक कहानी के साथ ज़बरदस्त एक्शन दृश्यों का मिश्रण है। एक कठोर एक्शन हीरो में पावेल का परिवर्तन अत्यधिक प्रत्याशित है।

राघव जुयाल - किल

अपने अनूठे डांस मूव्स और कॉमेडी टाइमिंग के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा और पहचान पाने वाले राघव जुयाल, फ़िल्म "किल" के साथ अपने लिए एक अज्ञात क्षेत्र में कदम रखने की तैयारी में हैं। निखिल नागेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक दिल दहला देने वाला थ्रिलर है जो राघव से एक अलग तरह के प्रदर्शन की मांग करती है। एक ऐसे किरदार को निभाते हुए, जो खतरे और धोखे की भूलभुलैया से गुजरता है, राघव का डांस फ्लोर से एक्शन दृश्यों तक का सफर एक रोमांचक यात्रा होने वाला है। उम्मीद है कि उनकी एक्सेसिबिलिटी और गतिशील ऊर्जा, कुछ शानदार एक्शन कोरियोग्राफी में तब्दील होगी, जिससे "किल" राघव की एक बहुप्रतीक्षित पहली फिल्म बन जाएगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी - युधरा

"गली बॉय" में अपनी भूमिका से प्रसिद्धि पाने वा ले सिद्धांत चतुर्वेदी अब "युधरा" के साथ क्शन जोनर में कदम रख रहे हैं। रवि उदयावर रा निर्देशित, यह फिल्म, अपने तीव्र क्शन दृश्यों के लिए, जिसमे मुख्य किरदार के रूप में, सिद्धांत के साथ एक ज़बरदस्त एक्शन फिल्म होने का वादा करती है। यह कहानी एक युवा व्यक्ति द्वारा एक शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ लड़ाई, मार्शल आर्ट और दिल दहला देने वाले हाई ऑक्टेन स्टंट के मिश्रण के इर्द-गिर्द घूमती है। सिद्धांत का करिश्मा और अपनी भूमिकाओं के प्रति उनका समर्पण बताता है कि "युधरा" उनके बढ़ते करियर में एक प्रमुख आकर्षण होगी।

कार्तिक आर्यन :अनटाइटल विशाल भारद्वाज प्रोजेक्ट

अब तक अपनी रोमांटिक कॉमेडी के लिए मशहूर कार्तिक आर्यन अब एक अनाम एक्शन फिल्म के लिए प्रसिद्ध निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। गंभीर और लेयार्ड कथाओं को गढ़ने में भारद्वाज की विशेषज्ञता, कार्तिक के एक्शन डेब्यू के लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करेगी। उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भारद्वाज की विशिष्ट कहानी को उच्च ऊर्जा वाले एक्शन दृश्यों के साथ मिश्रित किया जाएगा, जिसमें कार्तिक को एक नए और कठोर अवतार में दिखाया जाएगा। यह जोड़ी एक गेम-चेंजर साबित होगा, जिसमें कार्तिक एक ऐसी भूमिका निभाएगा जो भौतिकता और नाटकीय तीव्रता की मांग करती है

'ये रिश्ता क्या कहलाता है': अभिरा को अरमान की बैचलर पार्टी में डांसर के रूप में भेजा जाता है।

—मायापुरी प्रतिनिधि

विद्या के विचारों में माधव और अरमान और रूही के बीच होने वाली शादी शामिल है। इस बीच, अभिरा ने विद्या की परेशानी को नोटिस किया और उसे उत्सव की तैयारी में मदद करने की पेशकश की। हालाँकि, माधव के स्वास्थ्य में तब बदलाव आता है जब वह डॉक्टर से अपना मोबाइल माँगता है और डॉक्टर उसे आराम करने की सलाह देता है। बदला लेने के लिए संजय, अभिरा और अरमान के तलाक को अंतिम रूप देने तक माधव की दुर्घटना को गुप्त रखने का फैसला करता है।

जैसे ही पार्टी की तैयारी शुरू होती है, अभिरा अरमान को तैयार होने के लिए प्रोत्साहित करती है, लेकिन वह मना कर देता है। एक तनावपूर्ण मुठभेड़ में, अभिरा की मुलाकात संजय से होती है, जो उससे माफी की मांग करता है। संजय ने अभिरा के बॉस को फोन करके अपना बदला लेने की साजिश रची और उसे निर्देश दिया कि वह अभिरा को अरमान की बैचलरेट पार्टी में एक नर्तकी के रूप में भेजे। पोद्दार रूही की पार्टी का आनंद लेते हैं, और अरमान थीम की प्रशंसा करते हैं, इस बात से अनजान कि अभिरा ने इसकी व्यवस्था की थी। शुरुआती इनकार के बावजूद, अभिरा का बॉस उसे पार्टी में एक नर्तक के रूप में प्रदर्शन करने के लिए मजबूर करता है।

अगले एपिसोड के प्रीकैप में, कावेरी यह जानकर क्रोधित हो जाती है कि अभिरा ने अरमान की पार्टी में एक नर्तकी को भेजा था। हालाँकि, अरमान घटनाओं के एक नाटकीय मोड़ की ओर इशारा करते हुए, अभिरा के सम्मान की रक्षा के लिए आगे आता है।

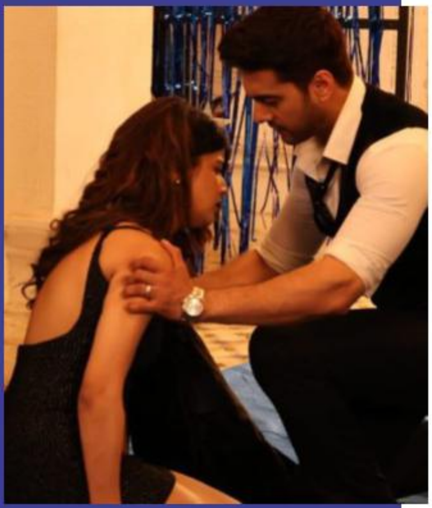

'मंजुम्मेल बॉयज', 'अरनमनई 4', 'गुंटूर करम': साउथ इंडियन फिल्में, जिन्होंने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया!

—मायापुरी प्रतिनिधि

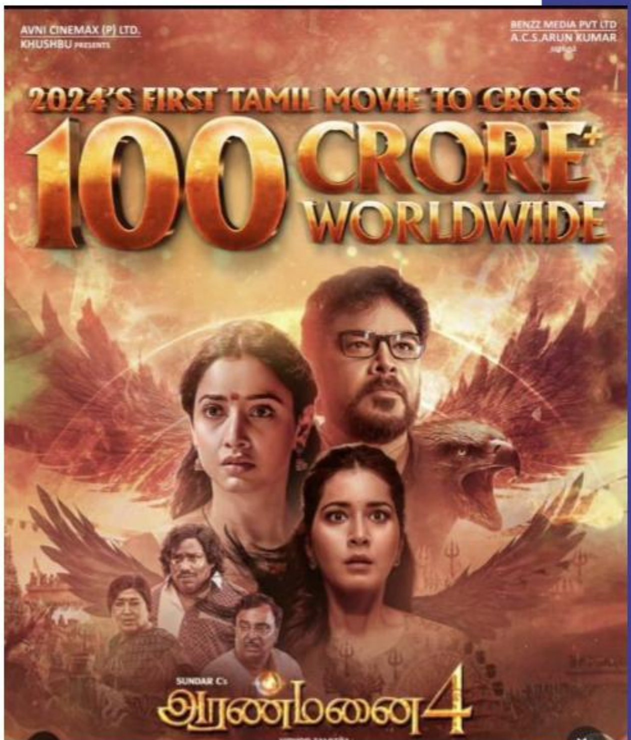

राशि खन्ना स्टारर 'अरनमनई 4' तमिल फिल्म इंडस्ट्री में बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो 2024 में तमिल फिल्म इंडस्ट्री की पहली हिट बनकर उभरी है। वर्सेटाइल पावर हाउस राशी अभिनीत इस हॉरर–कॉमेडी की सफलता को समझने से पहले, यहां उन साउथ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिन्होंने 2024 में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है।

मंजुम्मेल बॉयज – यह सर्वाइवल थ्रिलर बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली मलयालम फिल्म बनकर उभरी। चिदंबरम द्वारा निर्देशित यह फिल्म देश भर के दर्शकों से जुड़ी हुई है, जिससे यह देखने लायक बन गई है।

द गोट लाइफ – पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत इस फिल्म ने 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह एक मलयाली आप्रवासी मजदूर के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसे कई भारतीयों के बीच सऊदी अरब में मूल अरबों द्वारा रेगिस्तान में एकांत खेतों में चरवाहे के रूप में गुलामी में धकेल दिया जाता है।

इन फिल्मों के अलावा, मलयालम फिल्म 'आवेशम' और 'प्रेमालु' ने भी 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ अपार प्यार हासिल किया।

कैप्टन मिलरः धनुष अभिनीत इस तमिल फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 104.79 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

अरनमनई 4ः तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की यह फिल्म इस साल दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली फीमेल लीड फिल्म बन गई है। इस हॉरर–कॉमेडी की सफलता ने तमन्ना की स्थिति एक हिटमेकर के रूप में स्थापित कर दी है और राशि को वर्सेटाइल पावर हाउस साबित कर दिया है।

हनु–मैन एंड गुंटूर करमः तेलुगु इंडस्ट्री में दो बड़ी रिलीज देखी गई, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपाया। तेजा सज्जा अभिनीत 'हनु–मैन' और महेश बाबू की 'गुंटूर करम' ने दुनिया भर में 350 करोड़ रुपये और 171.5 करोड़ रुपये की कमाई की।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बाकी इंडस्ट्रीज में कौन सा एक्टर/एक्ट्रेस ये रिकॉर्ड तोड़ेगा।

रोहित पुरोहित ने राजन शाही के शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अरमान का किरदार निभाने के बारे में बात की

–मायापुरी प्रतिनिधि

राजन शाही (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) द्वारा निर्मित प्रिय शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अरमान के सम्मोहक किरदार के लिए प्रशंसित रोहित पुरोहित ने अपने गतिशील प्रदर्शन और अपनी कला के प्रति समर्पण से दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। अरमान के रूप में उनकी यात्रा को रिश्तों की जटिलताओं में गहराई से उतरने और मनोरम नाटक पेश करने की उनकी क्षमता से चिह्नित किया गया है, जिससे वह शो की सफलता का अभिन्न अंग बन गए हैं।

रोहित बताते हैं, 'मेरा मानना है कि रिश्तों की प्रामाणिकता और भावनात्मक ड्रामा ही हमारे दर्शकों को प्रभावित करता है। चाहे एक साथ जश्न मनाने की खुशी हो या हमारे सामने आने वाली चुनौतियाँ, हमारे पात्र प्रतिध्वनित होते हैं क्योंकि उनके अनुभव कई परिवारों के अनुभवों को दर्शाते हैं। दर्शक पात्रों के जीवन के उतार–चढ़ाव से जुड़ सकते हैं, और वे पारिवारिक गतिशीलता के यथार्थवादी चित्रण की सराहना करते हैं। यह शो व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को छूता रहता है। अरमान का किरदार निभाना रोहित के लिए एक रोमांचक यात्रा रही है, जो आश्चर्य और चरित्र विकास से भरी है। 'राजन शाही एक दूरदर्शी निर्माता हैं, और मुझ पर उनके विश्वास ने मेरे करियर को बहुत बढ़ावा दिया है। मैं शो में अरमान का किरदार निभाने के लिए उनका अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं और अरमान का किरदार निभाना एक उतार–चढ़ाव भरा अनुभव रहा है! मुझे बहुत पसंद है। रोहित उत्साह के साथ बताते हैं कि कैसे लेखक उनके किरदार में नए–नए शेड्स पेश करके मुझे आश्चर्यचकित करते रहते हैं। 'यह ऐसे मोड़ हैं जो दर्शकों को बांधे रखते हैं। चाहे वह अभीरा के साथ अरमान की प्रेम कहानी हो या अन्य पात्रों के साथ उनके संघर्ष, मैं इस नाटक को जीवंत बनाने और दर्शकों को बांधे रखने के अवसर के लिए आभारी हूं।

पर्दे के पीछे, रोहित को अपने परिवार से अटूट समर्थन मिलता है, जो शो के उत्साही प्रशंसक हैं। 'हां, मेरा परिवार मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। वे 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' का एक भी एपिसोड मिस नहीं करते और वे मेरे सबसे बड़े आलोचक और चीयरलीडर्स हैं! रोहित ने गर्मजोशी से किया खुलासा. ष्वे अक्सर मुझे बताते हैं कि उन्हें मेरे काम पर कितना गर्व है और उन्हें शो देखने में कितना आनंद आता है। उनकी प्रतिक्रिया मेरे लिए बहुत मायने रखती है और मुझे प्रेरित रखती है। शो की लोकप्रियता ने सीमाओं को पार कर विश्व स्तर पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। रोहित कृतज्ञतापूर्वक प्रतिबिंबित करता है। ष्शो की लंबी उम्र हमारे दर्शकों के साथ हमारे मजबूत बंधन के बारे में बताती है। अरमान का किरदार निभाना कृतज्ञता और सीखने से भरी एक यात्रा रही है, और मैं एक ऐसी श्रृंखला में योगदान करने के लिए बेहद सम्मानित महसूस करता हूं जो एक सांस्कृतिक घटना बन गई है, वह कहते हैं।

करण वी मेहरा ने पुकार–दिल से दिल तक का हिस्सा बनने पर खुलकर बात की

–मायापुरी प्रतिनिधि

स्टूडियो एलएसडी के शो 'पुकार–दिल से दिल तक' में गौतम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता करण वी मेहरा का कहना है कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनना पसंद है।

हालांकि अभिनेता की भूमिका संक्षिप्त है, उनका कहना है कि उन्हें शो के लिए शूटिंग करना पसंद आया। वह कहते हैं, ष्यह शो पारिवारिक प्रेम और उन मूल्यों के इर्द–गिर्द घूमता है जो सबसे महत्वपूर्ण हैं, 2 बेटियों और पति–पत्नी का एक छोटा सा परिवार किसी के बुरे मकसद के कारण अलग हो जाता है और फिर उनके एक साथ वापस आने का संघर्ष होता है।ष वह आगे कहते हैं, "मुझे शो का शीर्षक भी बहुत पसंद है। यह वुल्फ पैक परिवार की पुकारती आवाज है जो एक दुर्घटना के बाद अलग हो गया था। एक पूरी तरह से सकारात्मक किरदार होने के अलावा, जो मैंने कुछ समय से नहीं किया है, कहानी और उससे जुड़ी टीम, चैनल सोनी भी है, जिसके निर्माता हमेशा कुछ नया प्रयोग और निर्माण करते रहते हैं, वह कहते हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए वह कहते हैं, मेरे किरदार का नाम गौतम राठौड़ है, जो माहेश्वरी परिवार द्वारा संचालित एक बड़ी कंपनी के सीईओ हैं। मेरा किरदार पहले एपिसोड में दुखद रूप से समाप्त हो गया क्योंकि मैं एक दुर्घटना में मारा गया।" इस बीच, उन्हें निर्माता प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के साथ काम करना पसंद है। "एलएसडी युवा गतिशील उत्पादकों के साथ एक बेहतरीन उत्पादन है। वे कुछ अद्भुत काम कर रहे हैं और मुझे उनके साथ दोबारा काम करना अच्छा लगेगा। यह शो 27 मई से प्रसारित हो रही है।

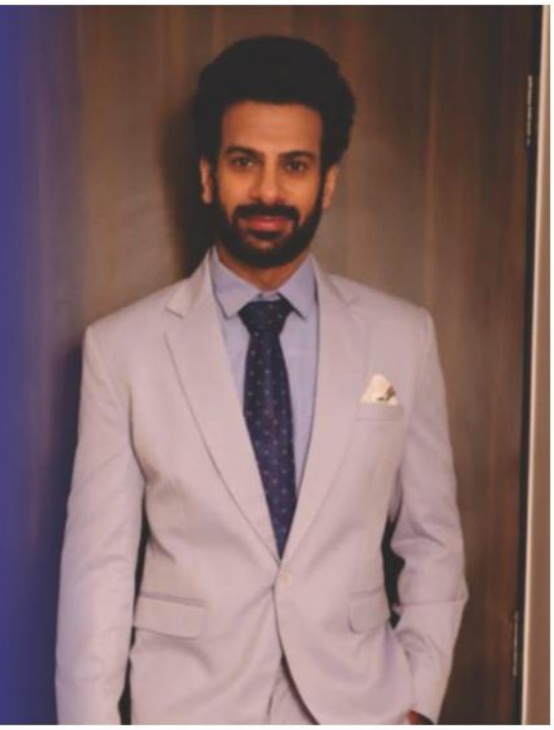

तमिल के बाद अब हिंदी में धमाल मचाने आ रही 'अरनमनई 4'

—मायापुरी प्रतिनिधि

बावेजा स्टूडियोज ने कार्मिक फिल्म्स के साथ साझेदारी में ब्लॉकबस्टर हिट 'अरनमनई 4' की हिंदी डब रिलीज की घोषणा की है। इस हॉरर–कॉमेडी फिल्म के तमिल संस्करण को दर्शकों से अपार प्रशंसा मिली, जिसका प्रीमियर 3 मई को हुआ था, इसे देखते हुए मेकर्स ने इसे हिंदी में डब करने का फैसला किया। 31 मई, 2024 से यह फिल्म हिंदी भाषी दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

'अरनमनई 4' पूर्वी भारतीय कहानियों की परंपराओं की कहानी बयाँ करती है, जो डरावने भूत बाक पर केंद्रित है। फिल्म में तमिलनाडु के कोवूर में पारिवारिक परिवेश में अच्छी और बुरी ताकतों के बीच महत्वपूर्ण जंग को बखूबी दिखाया गया है।

फिल्म में तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना ने रोमांच और हास्य का बेहद शानदार मिश्रण पेश किया है। फिल्म में ई. कृष्णासामी का कैमरा वर्क और हिप हॉप तमिझा का शानदार साउंडट्रैक इसमें चार चाँद लगाने का काम करता है।

फिल्म का निर्देशन सुंदर सी द्वारा किया गया है, जो फिल्म में मुख्य किरदार भी निभा रहे हैं। वहीं, यह साजिद कुरैशी, सुशील लावानी, खुशबू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार द्वारा निर्मित है। अन्य मुख्य कलाकारों में रामचन्द्र राजू, संतोष प्रताप, कोवई सरला, योगी बाबू, वीटीवी गणेश, दिल्ली गणेश और के.एस. रविकुमार के नाम शामिल हैं। बावेजा स्टूडियोज और कार्मिक फिल्म्स पूरे भारत के दर्शकों को इस ब्लॉकबस्टर हिट के रहस्य, हास्य और उत्साह का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

दर्शकों से इस फिल्म को काफी प्रशंसा मिल रही है। देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी 'अरनमनई 4' बम्पर बिजनेस कर रही है। यह फिल्म अब तक दुनिया भर में 100 करोड़ रुपए से भी अधिक की कमाई कर चुकी है।

तो, देखना न भूलें हिंदी में 'अरनमनई 4', जो 31 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ गई है।

प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह की 'पुकार– दिल से दिल तक' की स्क्रीनिंग कमाल की रही!

–मायापुरी प्रतिनिधि

'पुकार–दिल से दिल तक' का पहला एपिसोड स्क्रीन पर आया, जिसने नाटक में एक रोमांचक यात्रा की शुरुआत की। शो की शुरुआत ने बड़े नामों और प्रशंसकों को समान रूप से आकर्षित किया, जो आगे एक रोमांचक यात्रा का वादा करता है।

'पुकार–दिल से दिल तक' के पहले एपिसोड में जीवंत कलाकारों को पेश किया गया, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। एक दिलचस्प कहानी और दिलचस्प किरदारों के साथ, यह श्रृंखला प्यार, रहस्य और उत्साह से भरी दुनिया की एक झलक पेश करती है।

स्क्रीनिंग में शो के प्रतिभाशाली कलाकार सायली सालुंखे, सुखदा खांडकेकर, अभिषेक निगम, अनुष्का मर्चंडे और विमर्श रोशन के साथ–साथ निर्माता प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह और सोनी सब के प्रोग्रामिंग हेड प्रशांत भट्ट की उपस्थिति ने शानदार मनोरंजन के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। लोकप्रिय स्टूडियो एलएसडी के शो से अर्जुन बिजलानी, निक्की शर्मा, सचिन शर्मा, अलका कौशल और मनदीप बामरा जैसे अन्य कलाकारों ने उद्योग की एकता का प्रदर्शन करते हुए चर्चा में इजाफा किया।

स्क्रीनिंग के बाद, मीडिया ने कलाकारों और निर्माताओं के साथ बातचीत की, शो के निर्माण के बारे में जाना और आगे क्या होने वाला है, इसके बारे में संकेत प्राप्त किए, जिससे प्रत्याशा जगी।

जैसा कि 'पुकार–दिल से दिल तक' अपने साप्ताहिक एपिसोड के लिए तैयार है, प्रशंसक एक गहन अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं जो उन्हें भावनाओं, रहस्य और नाटक के मिश्रण से बांधे रखेगा। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर हर हफ्ते सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे रोलरकोस्टर राइड के लिए तैयार हो जाइए।

डिज्नी हॉटस्टार की 'लूटेरे' में काम करने को लेकर क्या कहते हैं आमिर अली

हंसल मेहता और शैलेश आर. सिंह द्वारा बनाई इस थ्रिलर शिप हाइजैक सीरीज के निर्देशक हंसल मेहता के बेटे जय मेहता हैं. डिज्नी हॉटस्टार की ये सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं जब एक भारतीय जहाज को सोमालियाई में समुद्री डाकुओं द्वारा हाईजैक कर लिया गया था 'लूटेरे' उसकी कहानी हीं बताता है. 'लूटेरे' में विवेक गोम्बर, रजत कपूर, अमृता खानविलकर, चंदन रॉय सान्याल, मार्शल बैचमैन, आमिर अली, एथेंकोसी मैगमेला, क्रिस ग्क्सलाबा और प्रीतिका चावला बेहतरीन अभिनय करते हुए दिखाई दे रहे हैं. सीरीज डिज्नी हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है. आइये आपको बताते हैं सीरीज में गुलाम वारिस का किरदार निभाने वाले आमिर अली इस सीरीज में काम करने के अनुभव के बारे में क्या कहते हैं.

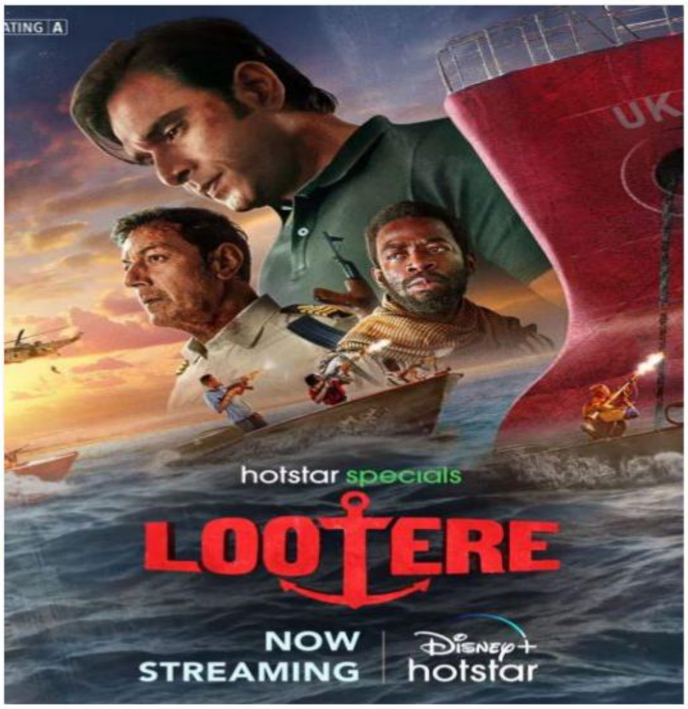

हंसल मेहता की सीरीज 'लूटेरे' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मुझे इस शो के बारे में शैलेश सिंह ने 2020 में बताया था जो इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. 2021 में मुझे मुकेश छाबरा से इस सीरीज की कास्टिंग के लिए फोन आया और उसके बाद फिर मै जय मेहता से मिला. उसके बाद मुझे पता चला कि इस सीरीज से हंसल मेहता भी जुड़े हुए हैं और इस सीरीज को उनके बेटे डायरेक्ट कर रहे हैं और इससे काफी बड़े नाम जुड़े हुए हैं. जब मुझे इसकी कहानी नरेट की गयी मुझे बहुत पसंद आई और मुझे पता था कि अगर इस तरह का शो कोई बना सकता है तो वो यही लोग बना सकते हैं. इसमें एक्शन, थ्रिल और बहुत सारे इमोशन हैं.

इस किरदार के लिए आपने क्या खास तैयारियां की थी?

हर किरदार के लिए तैयारी तो करनी हीं पड़ती है. जब आप टीवी के लिए काम करते हैं तब आपको टाइम नहीं मिलता है लेकिन जब आप ओटीटी के लिए काम करते हैं तब आपके पास किरदार की तैयारी करने के लिए काफी समय होता है. हर किरदार आसान और टफ होता है, ये आपका नजरिया है आप उस किरदार को किस तरह से देखते हैं. मुझे इस शो में अपना किरदार बहुत अच्छा लगा क्योंकि ये किरदार बहुत इंट्रेस्टिंग है लेकिन डिफिकल्ट भी है. ये किरदार हर सिचुएशन के साथ बहुत हीं शांति से डील

करता है. जैसे एक सीन है जहाँ पर उसके सिर पर बंदूक रखी है लेकिन वो अपनी गन नहीं निकालता है वो बस सामने वाले इन्सान से बातें करता है, और कुछ समय बाद ये रेअलाइज होता है कि वही पुरे सीन को कंट्रोल कर रहा है. वो एक अंडरकवर एजेंट है.

शो की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मुझे लगता है अभी तक सबसे डिफिकल्ट शूटिंग जिसका मै हिस्सा रहा हूँ वो 'लूटेरे' है. इस शूटिंग के दौरान लोकेशन से लेकर लोगों की एनर्जी तक मैंने जो देखा वो मैंने शायद मैंने पहले कभी नहीं देखा था. लोगों के अन्दर कुछ अलग करने का वाईब था और पूरी यूनिट में सभी लोग बहुत मेहनत से काम कर रहे थे.

आपने टीवी में एक लम्बे समय तक काम किया है तो अब जब आप फिल्मों में और ओटीटी में काम करते हैं तो क्या आपको भी टीवी से होने का टैग दिया जाता है?

फिल्मों से ओटीटी में जाता है तब उससे कोई सवाल नहीं करता है लेकिन जब कोई टीवी कर चूका है और वो ओटीटी की ओर जाता है तब हीं इस तरह के सवाल पूछे जाते हैं. मुझसे हर इंटरव्यू में यही सवाल पूछा जा रहा है क्योंकि सच का पता आपको भी है कि ऐसा होता हीं है. जब किसी ने आपको टीवी पर एक किरदार में देखा है तब वो आपको ओटीटी के रियल स्पेस में फिट करने से पहले बहुत सारी चीजें सोचता है कि क्या ये इस तरह के किरदार में फिट हो पायेगा या नहीं. लोगों का सोच और नजरिया बदलने में मुश्किलें तो आती हैं. मुझे लगता है ये वो एक या दो रोल पर डिपेंड करता है जब आपको लोग ओटीटी में एक्सेप्ट कर लेते हैं. मै उनको ब्लेम भी नहीं कर सकता हूँ क्योंकि हम सभी ऐसे हीं हैं, अगर किसी ने कोई एक काम अच्छा कर लिया है तो हम उससे यही उम्मीद करते हैं कि वो उसी तरह का काम करता रहे बिना ये समझे की वो दूसरी तरह का भी काम उतने हीं अच्छे से कर सकता है.

अपने आनेवाले प्रोजेक्ट के बारे में कुछ बताना चाहेंगे?

मैंने सिद्धार्थ पी मल्होत्रा का एक शो किया है 'डॉक्टर्स' वो जल्द हीं आनेवाला है. बाकि प्रोजेक्ट्स के बारे में आनेवाले दिनों में बात करेंगे.

ओटीटी काफी बड़ा हो रहा है, उस प्लेटफॉर्म पर काम करने का कैसा अनुभव रहा आपका?

ओटीटी बड़ा हो नहीं रहा है, ओटीटी बड़ा हो चूका है. 2020 से जो हमने घर बैठ कर ओटीटी देखना शुरू किया वो हम आजतक रुके हीं नहीं हैं. हम अब तब तक मूवी देखने नहीं जाते हैं जब तक उस मूवी का ट्रेलर बहुत अच्छा नहीं हो और मूवी कमाल की नहीं हो. वो मेकर्स जो अपनी फिल्में थिएटर में रिलीज नहीं कर पा रहे थे वो अब बहुत हीं अच्छा काम ओटीटी पर लेकर आ रहे हैं. सभी मेकर्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मुझे बहुत मजा आ रहा है.

अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

बहुत सारे फैंस नाराज हैं और वो कंप्लेन करते हैं कि मै ज्यादा दिखता नहीं हूँ. मै जो भी प्रोजेक्ट्स कर रहा हूँ वो मै अपनी खुशी के लिए कर रहा हूँ, इसलिए मै ज्यादा कभी नहीं दिखूंगा, मै हमेशा कम हीं दिखूंगा. मै फैंस से यही कहूँगा कि ऐसे हीं मेरे साथ रहिये और मुझसे प्यार करते रहिये. मै कुछ अच्छे काम करने पर फोकस करना चाहता हूँ और मै जिस तरह का काम कर रहा हूँ उससे मुझे बहुत खुशी हो रही है.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

‘पुकार – दिल से दिल तक’ के प्रीमियर से पहले, अभिनेत्री सुखदा खांडकेकर, सायली सालुंखे, और अनुष्का मर्चंडे ने मुंबई में खाटू श्याम जी का आशीर्वाद लिया

–शिल्पा पाटिल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का बहुप्रतीक्षित ड्रामा, ‘पुकार – दिल से दिल तक’ प्यार, नुकसान और मुक्ति की सम्मोहक कहानी है। 27 मई को इसके प्रीमियर से पहले, शो के कलाकारों – सुखदा खांडकेकर, सायली सालुंखे और अनुष्का मर्चंडे ने मुंबई में खाटू श्याम जी का आशीर्वाद लेकर इस खूबसूरत सफर की शुरुआत की।

सुखदा खांडकेकर, सायली सालुंखे, और अनुष्का मर्चंडे, जो एक मां और उसकी दो बेटियों के प्यारे बंधन को निभाते हुए दिखाई देंगी, ने मंदिर में खाटू श्याम जी की पूजा–अर्चना की, परमात्मा के साथ अपने कनेक्शन को समृद्ध किया, और हार्दिक भावनाओं के साथ अपने प्रदर्शन को जीवंत बनाने का आशीर्वाद लिया। यह दर्शन बेहद महत्व रखता है क्योंकि यह शो उत्साह से भरे शहर जयपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, और शो के किरदार खाटू श्याम जी के परम भक्त हैं।

वेदिका का किरदार निभा रहीं सायली सालुंखे ने कहाः ”मैंने हमेशा से माना है कि व्यक्ति को शुभ शुरुआत करनी चाहिए, और पुकार दिल से दिल तक के साथ इस नए सफर को शुरू करने से पहले खाटू श्याम जी का आशीर्वाद लेने से बेहतर क्या हो सकता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि जब हम गुलाबी शहर में शो की शूटिंग कर रहे थे तो मुझे जयपुर में पवित्र खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन करने का अवसर मिला। यह ऐसा अनुभव था जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी।”

कोयल का किरदार निभाने वाली, अनुष्का मर्चंडे ने अपने अनुभव के बारे में बताया, ”हमारे शो की शुरुआत से पहले सुखदा ताई और सायली के साथ खाटू श्याम जी का आशीर्वाद लेना वाकई काफी सुखद अनुभव रहा है। यह इस सफर की असली शुरुआत है, और मुझे खुशी है कि मैंने श्रद्धा और कृतज्ञता की भावना के साथ ऐसा किया है।”

सरस्वती का किरदार निभाने वाली, सुखदा खांडकेकर ने कहाः ”यह दर्शन बेहद सार्थक है। इस दर्शन के बाद मैंने जिस ऊर्जा और भक्ति का अनुभव किया है, उसने मेरे काम के प्रति मेरे जुनून को और भी बढ़ा दिया है। हम सभी को क्षमतावान बनाने का आशीर्वाद मांगने के बाद, मुझे पूरा यकीन है कि ‘पुकार दिल से दिल तक’ का प्रसारण शुरू होने पर, दर्शक हमें अपना प्यार और आशीर्वाद देंगे।”

पुकार – दिल से दिल तक एक तनहा मां, सरस्वती (सुखदा खांडकेकर) के सफर को प्रदर्शित करता है, और अपनी खोई हुई बेटियों – वेदिका (सायली सालुंखे) और कोयल (अनुष्का मर्चंडे) से दोबारा मिलने की उसकी दृढ़ उम्मीद को दर्शाता है। एक कुटिल चाल से दुखद रूप से अलग हो गईं, सरस्वती, वेदिका और कोयल की राहें अनजाने में अप्रत्याशित हालातों में दोबारा मिलेंगी और साथ मिलकर, उन्हें शो की खलनायिका राजेश्वरी माहेश्वरी (सुमुखी पेंडसे) का सामना करना होगा, जिसने उनके परिवार को जुदा कर दिया था। यह सम्मोहक ड्रामा एक–दूसरे को खोजने और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पुनर्मिलन करने हेतु एक परिवार की हार्दिक ‘पुकार’ को दर्शाता है, **और इसका प्रीमियर 27 मई 2024 को हुआ, जो हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे प्रसारित होगा।**

मेरे फोन में क्या है? आयुषी खुराना के साथ

'अजुनी' और 'मन सुन्दर' जैसे टीवी सीरियल में अपने अभिनय का जलवा बिखेरने के बाद आयुषी खुराना सोनी सब के सीरियल 'आँगन अपनों का' में पल्लवी का किरदार निभा कर दर्शकों का दिल जीत रही हैं. आइये आपको बताते हैं आयुषी के फोन में क्या है.

☐ आप कौन सा फोन इस्तेमाल करती हैं?

आईफोन 14 प्रो.

☐ क्या आप एक आईफोन लवर हैं?

हाँ, मै आईफोन लवर हूँ लेकिन मुझे एंड्राइड भी पसंद है. लेकिन अभी काफी समय से आईफोन यूज कर रही हूँ तो आईफोन ज्यादा पसंद है.

☐ सबसे ज्यादा बार आपके फोन में किसका नंबर डायल किया गया है?

जबसे मैंने ये शो शुरू किया है कशिश वो इन्सान है जिसको मै सबसे ज्यादा कॉल करती हूँ.

☐ आपने जो आखिरी फोटो ली थी वह क्या थी?

अभी मैंने जोमैटो से कॉफी मंगवाई थी और वो थोड़ा बाहर गिर गयी थी तो मैंने उसी की पिक्चर ली है ताकि मै कंप्लेन कर सकूं.

☐ आपने लास्ट टेक्स्ट किसको भेजा था?

दर्शना को टेक्स्ट किया था ये पूछने के लिए कि लंच हुआ या नहीं ताकि आप आकर इंटरव्यू ले सकें.

☐ आपने आखिरी चीज क्या गूगल की थी?

मै बहुत हीं फालतू चीजें गूगल करती हूँ. मै किसी को स्टॉक कर रही थी लेकिन मै उसका नाम नहीं बताउंगी. उससे पहले जो गूगल सर्च है मै उसके बारे में बताती हूँ. बहुत दिनों से मुझे ये चीज इन्स्टाग्राम पर दिख रही थी कि सिल्वर रिंग पहनना अच्छा होता है, इसलिए मैं उससे जुड़ी चीजों के बारे में गूगल कर रही थी कि इसके फायदे क्या हैं, इसको कौन पहन सकता है और इसको कहाँ पहना जा सकता है.

☐ आपके फोन में सबसे ज्यादा यूजड इमोजी कौन सा है?

एक तो लाल वाला दिल और दूसरा वो इमोजी जिसमें ऑयरौल है.

☐ आपकी आपके फोन में बेस्ट सेल्फी कौन सी है?

वो मेरे अकेले की सेल्फी नहीं है, वो हम तीनों बहनों की जब हम बचपन वाले लुक में फ्लैश के लिए तैयार हुए थे, मुझे अभी तक की ये सबसे बेस्ट लगी है.

☐ आपका होमस्क्रीन फोटो क्या है?

होमस्क्रीन पर तो कुछ नहीं है, ये मेरा रीसेंट बर्थडे पिक्चर है जो मेरी लॉक स्क्रीन पर है. मै अपने मूड के हिसाब से बदलती रहती हूँ.

☐ आपका लास्ट फूड डिलीवरी क्या था?

अभी मैंने कॉफी और केक मंगवाया है क्योंकि जब भी हम नायगांव से बाहर निकलते हैं तो हमें लगता है हमारे पास काफी ऑप्शन है ऑर्डर करने के लिए इसलिए हम काफी कुछ ऑर्डर करते हैं.

☐ आपके फोन में कितने अलार्म हैं?

काफी सारे अलार्म्स हैं 2:30 से शुरू होता है और 12 बजे तक रहता है ताकि जिस समय की भी शिफ्ट हो उस समय का अलार्म लगा दूँ.

☐ क्या आपने कभी भी गुस्से में अपना फोन तोड़ा है?

नहीं, फोन मेरा सबसे पसंदीदा चीज है तो मै ऐसा कभी नहीं करुँगी.

☐ क्या आप लोगो को अपना फोन देखने देती हैं?

जो मेरे करीबी दोस्त हैं उनको अगर कोई फोटो दिखानी हो या किसी का मैसेज दिखाना हो तो मै खुद हीं दे देती हूँ.

☐ उस इन्सान को फोन कीजिये जो कभी भी आपका फोन नहीं उठाते हैं.

श्रुति आनंद मेरा फोन कभी नहीं उठाती है इसलिए उसको हीं कॉल करेंगे. ऐसा पहली बार हुआ है उसने मेरा फोन पहली बार में उठाया है.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

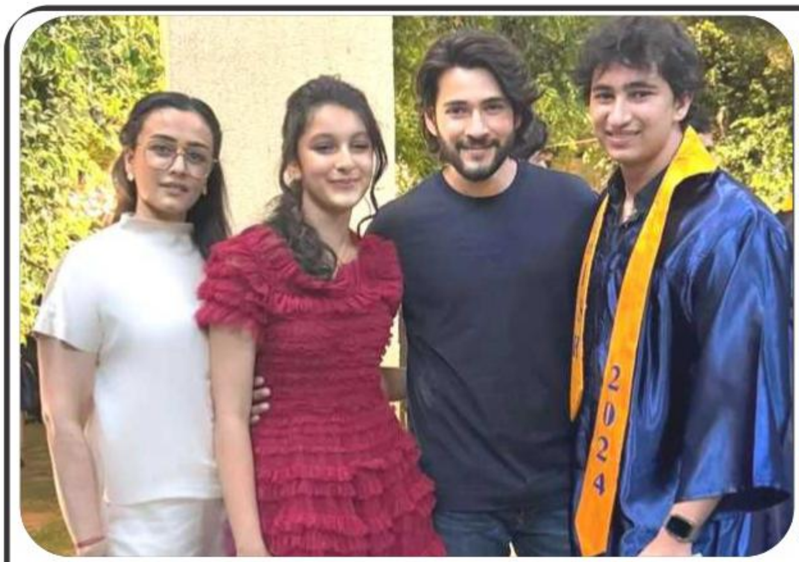

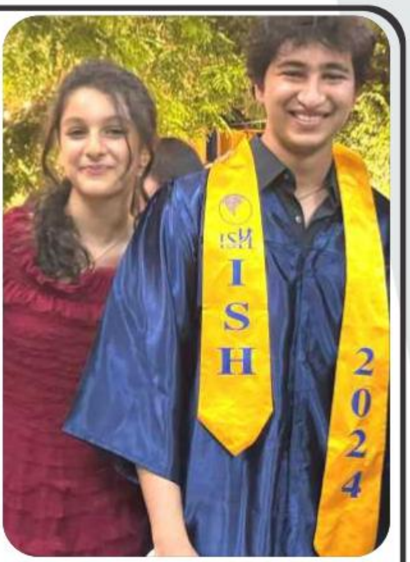

महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर अपने बेटे गौतम के ग्रेजुएशन समारोह में शामिल हुए...

"पुष्पा 2" का द कपल सॉन्ग नेशनल अवॉर्ड विनिंग कंपोजर और नेशनल अवॉर्ड विनिंग श्रेया घोषाल का चार्टबस्टर कोलैबोरेशन

पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के प्रबंध निर्देशक श्री अजय बिजली ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना वोट डाला..

सिद्धार्थ आनंद और उनके 'पहले हीरो' सैफ अली खान की बुडापेस्ट से काले रंग की जोड़ी की झलक; नेटिज़ेंस ने कहा "पुरानी जोड़ी वापस आ गई है"...

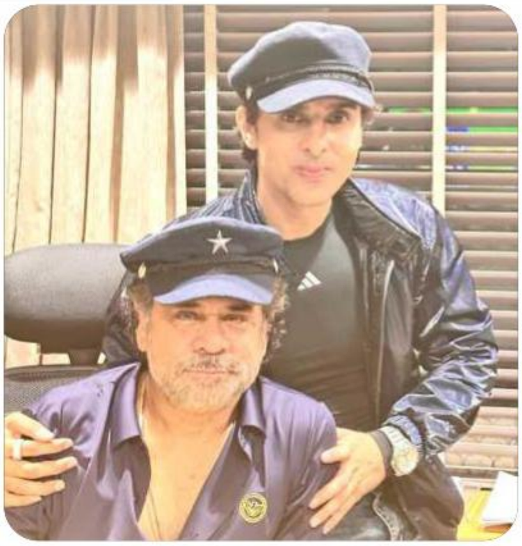
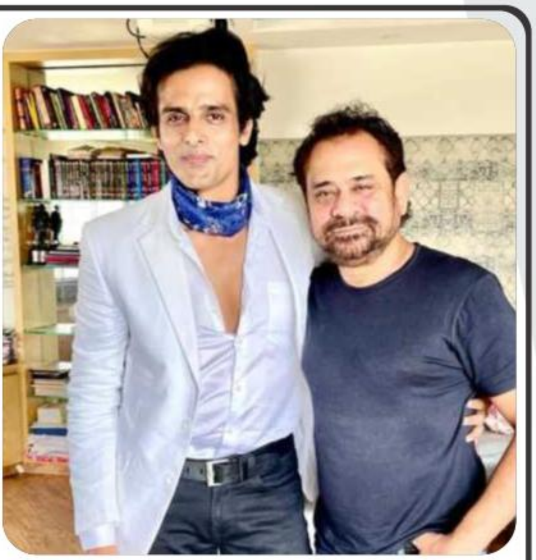

अभिनेता **कबीर** ने पूरी की **अनीस बज़्मी** के साथ **"भूल भुलैया 3"** की शूटिंग, साल के अंत में रिलीज की उम्मीद...

Cannes में अंतर्राष्ट्रीय निर्देशक Rahhat Shah Kazmi ने किया डेब्यू...

अविका गोर ने अपना न्यू फोटोशूट शेयर किया...

“वह अच्छे दिल वाला एक बुरा आदमी है”: अभिषेक बजाज ने अमेजॉन मिनीटीवी के “नामाकूल” में अपने किरदार के बारे में जानकारी साझा की...

मायापुरी डेस्क

अमेजॉन की मुफ़्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा अमेजॉन मिनीटीवी ने हाल ही में ब्रोमांस ड्रामा "नामाकूल" रिलीज़ किया है, जिसमें **हिना खान, अभिनव शर्मा, आरोन कौल, अभिषेक बजाज** और **अनुष्का** कौशिक मुख्य भूमिकाओं में हैं। लखनऊ के हलचल भरे शहर में सेट, यह सीरीज़ मयंक और पीयूष के जीवन का अनुसरण करती है, जो दो अविभाज्य सबसे अच्छे दोस्त हैं जो भाईचारे के सच्चे सार को समझने के लिए अपने कॉलेज की यात्रा शुरू करते हैं। लोकप्रियता और रोमांस को आगे बढ़ाने का प्रयास दोनों को दुर्भाग्य की एक श्रृंखला में ले जाता है, जो उनके जीवन को भ्रम, तबाही और कॉमेडी के अराजक मिश्रण में बदल देता है।

सीरीज में ' चक्कू भैया ' की भूमिका निभाने वाले अभिषेक बजाज ने स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, “ जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी थी, तभी मुझे पता था कि मैं यह भूमिका करना चाहता हूं। लखनवी लहजे वाला एक यूपी का लड़का, यह आदमी एक अल्फा पुरुष होने का दिखावा करता है, लेकिन उसका एक कमजोर पक्ष भी है। वह एक अच्छा दिल वाला बुरा आदमी है, और मुझे इस दिलचस्प किरदार को पर्दे पर जीवंत करने में बहुत खुशी हुई। जब मैं स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 पर काम कर रहा था, तो यूपी से आने वाले किरदार तेजी से लोकप्रिय हो रहे थे। मैं एक किरदार निभाना चाहता था, लेकिन मुझे ऐसी कोई भूमिका नहीं मिल रही थी। और जिस क्षण यह अवसर मेरे पास आया, मैंने इसे लपकना ही था, और यह तथ्य कि यह बहुत अच्छी तरह से लिखा गया था, इसने इसे एक पुरस्कृत अनुभव बना दिया

अपने किरदार के बारे में आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, “ जब भी मैं कोई किरदार निभाता हूँ, तो भावनाओं को वास्तविक बनाए रखने के लिए मैं उस किरदार को अपने भीतर खोजने की कोशिश करता हूँ। और चक्कू एक बहुत ही प्यारा लड़का है, जिसके पास अल्फा गुण हैं, जिससे मेरे लिए उससे जुड़ना आसान हो गया। हालाँकि वह अलग तरह से बात करता है और मैं उससे उतना नहीं लड़ता, लेकिन मैं अपने लोगों के लिए खड़ा होता हूँ, उन्हें हाइप करता हूँ, और उनके लिए वहाँ रहता हूँ, ठीक उसकी तरह। और यही वह गुण है जिससे मैं सबसे अधिक जुड़ सकता हूँ। ”

सोनी के नए फिक्शन शो 'जुबली टॉकीज-शोहरत शिद्दत मोहब्बत' का हुआ एलान

–शिल्पा पाटिल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने हाल ही में अपनी अगली फिक्शन पेशकश, एक रोमांटिक और भावुक ड्रामा, 'जुबली टॉकीज – शोहरत. शिद्दत.मोहब्बत' के लॉन्च की घोषणा की, जो महाराष्ट्र के एक छोटे शहर की एक साधारण लड़की शिवांगी सावंत और हजारों फैंस के दिलों की धड़कन सुपरस्टार अयान ग्रोवर के सफर पर आधारित है.

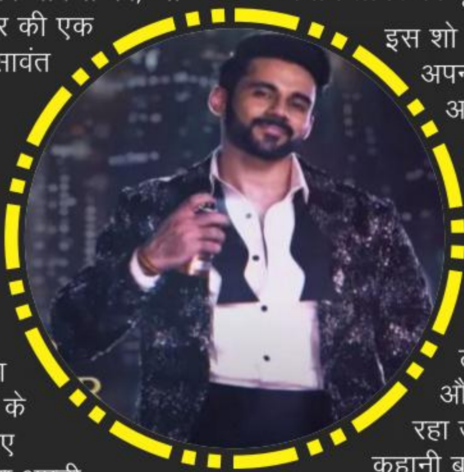

अपने पिता के सपने को पूरा करती दिखेगी शिवांगी सावंत

सिनेमा के प्रति शिवांगी का गहरा प्रेम उसे अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है. उसके पिता अपनी पैतृक संपत्ति, 'संगम सिनेमा' के खोए हुए गौरव को वापस लौटाने चाहते थे, और उसका मानना है कि 'अयान ग्रोवर' की सुपरहिट फिल्म उसे संगम सिनेमा की किस्मत बदलने में मदद करेगा. अभिनेता अभिषेक बजाज इस कहानी में चकाचौंध और ग्लैमर का तड़का लगाते हुए अयान ग्रोवर की भूमिका निभाएंगे.

इस शो का हिस्सा बनने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अभिषेक बजाज कहते हैं, "मैं 'अयान ग्रोवर' को पर्दे पर जीवंत करने के लिए वाकई उत्साहित हूं. वह एक सुपरस्टार है जो अपने करिश्माई व्यक्तित्व से बॉलीवुड में आगे बढ़ा है, लेकिन वह अपनी असुरक्षाओं और पारिवारिक बोझ से जूझ रहा जटिल व्यक्ति है. उसकी कहानी बहुत दिलचस्प है, और मैं दर्शकों को उससे मिलाने का इंतजार नहीं कर सकता. मुझे उम्मीद है कि दर्शक अयान और उसके संघर्षों से कनेक्ट कर पाएंगे, और मैं दुनिया के साथ उसकी कहानी साझा करने के लिए उत्साहित हूं."

जुबिली टॉकीज – शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होने वाला है!

एंटरटेनमेंट में उबाल आने वाला है, सुना है टीवी पर बवाल आने वाला है...

कलर्स डिनर के समय 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के साथ हंसी पेश करता है।

—शिल्पा पाटिल

लीजिए मनोरंजन का स्वाद, डिनर के साथ... हर किसी के लिए मनोरंजन की भूख मिटाने के लिए मेज तैयार है! कलर्स ने एक अनूठा मनोरंजन शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' पेश किया है, जो आपके पसंदीदा सेलिब्रिटीज को एक असामान्य कुकिंग सेट में एक साथ लाता है और स्थितिजन्य कॉमेडी बनाता है। तेरह सबसे बड़े मनोरंजनकर्ता और शौकिया शेफ अपने पारस्परिक मजाक और संबंधों के साथ मनोरंजक कहानियों के साथ—साथ भोजन परोसकर हँसी का तूफान मचाने वाले हैं। अनुचित माप, संदिग्ध घटक प्रतिस्थापन और कई अन्य दुर्घटनाओं के साथ, रसोई के नए उत्पादों का यह मिश्रण हंसी का दंगा परोसने का वादा करता है। इस असामान्य रसोई सेट की शोभा कृष्णा अभिषेक – कश्मीरा शाह, विक्की जैन – अंकिता लोखंडे, राहुल वैद्य –अली गोनी, रीम समीर शेख – जन्नत जुबैर, करण कुंद्रा –अर्जुन बिजलानी, और सुदेश लेहरी जैसी प्रशंसकों की पसंदीदा हस्तियां संभालेंगी। निया शर्मा. कॉमेडी की रानी, भारती सिंह इस तमाशे की मेजबानी करेंगी और सेलिब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोखी रसोई की अव्यवस्था के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता देंगे और लाफ्टर शेफ द्वारा तैयार किए गए प्रत्येक व्यंजन का मूल्यांकन करेंगे। ऑप्टिमिस्टिक्स द्वारा निर्मित, राजधानी बेसन, स्पेशल पार्टनर विम लिक्विड द्वारा संचालित 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का प्रीमियर 1 जून को होगा और यह हर शनिवार और रविवार को रात 9:30 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा।

कलर्स के प्रवक्ता का कहना है, "कलर्स में हम हर स्वाद के लिए मनोरंजन का एक विविध मेनू पेश करने का सम्मान पाकर उत्साहित हैं। लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के साथ, हम अपने दर्शकों के लिए एक वास्तविक मनोरंजन दावत तैयार कर रहे हैं। शो का सार उम्र, पृष्ठभूमि या स्वाद वरीयताओं की परवाह किए बिना मनोरंजन की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से लोगों को एकजुट करने की क्षमता में निहित है। शो का प्रयास परिवारों को परफेक्ट वीकेंड 'डिनर—टेनमेंट' के लिए एक साथ लाना है

विपुल शाह, ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष और एमडी। लिमिटेड का कहना है, "कलर्स के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को जारी रखते हुए, हम मनोरंजन के इस अनूठे ब्रांड की पेशकश करने के लिए रोमांचित हैं, जहां हमारे पसंदीदा सितारे शेफ की टोपी और एप्रन के लिए अपनी सामान्य भूमिका निभाते हैं। हमारा शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट हमारा नवीनतम मिश्रण है, जो कॉमेडी की प्रफुल्लता के साथ रसोई की अव्यवस्था को एक साथ जोड़ता है। हमें उम्मीद है कि दर्शक इस पाक—कॉमेडी यात्रा का आनंद लेंगे।

होस्ट भारती सिंह कहती हैं, "मैं लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट की मेजबानी करने को लेकर रोमांचित हूं और इस शो में अपने हास्य की भावना का तड़का लगाकर यह सुनिश्चित कर रही हूं कि दर्शकों को लगातार नॉन—स्टॉप मनोरंजन मिलता रहे। यह शो सभी आयु समूहों के लिए मनोरंजन की गारंटी देता है, रात के खाने के समय परिवार के सदस्यों को एक साथ लाता है। दिल खोलकर हंसने के लिए तैयार हो जाइए – भर—भर के मनोरंजन परोसने की जिम्मेदारी अब हमारी है।

सेलिब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोखी कहते हैं, "लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट पर सेलिब्रिटी शेफ कोच के रूप में, मुझे रसोई के विश्वासघाती तरीकों के माध्यम से शौकिया शेफ का मार्गदर्शन करने का काम सौंपा जाएगा। विचित्र सामग्री संयोजनों और व्यंजनों की अपेक्षा करें जो सबसे साहसी भोजन समीक्षक को भी भागने पर मजबूर कर देंगे। जैसे—जैसे मैं अपना पाक ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करता हूँ, मैं उनकी संदिग्ध रचनाओं को रेटिंग देने और अपने खाना पकाने के कौशल के साथ—साथ अपना हास्य पक्ष दिखाने के लिए अपने आलोचक की भूमिका निभाऊँगा। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि ये शेफ हमारे लिए किस तरह के आश्चर्य लेकर आए हैं।

राजधानी बेसन, स्पेशल पार्टनर विम लिक्विड द्वारा संचालित कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में त्रुटियों की कॉमेडी के साथ महाकाव्य अनुपात की पाक आपदाओं को देखने के लिए तैयार हो जाइए, जिसका प्रीमियर 1 जून को रात 9:30 बजे और उसके बाद हर शनिवार और रविवार को होगा। केवल रंगों पर!

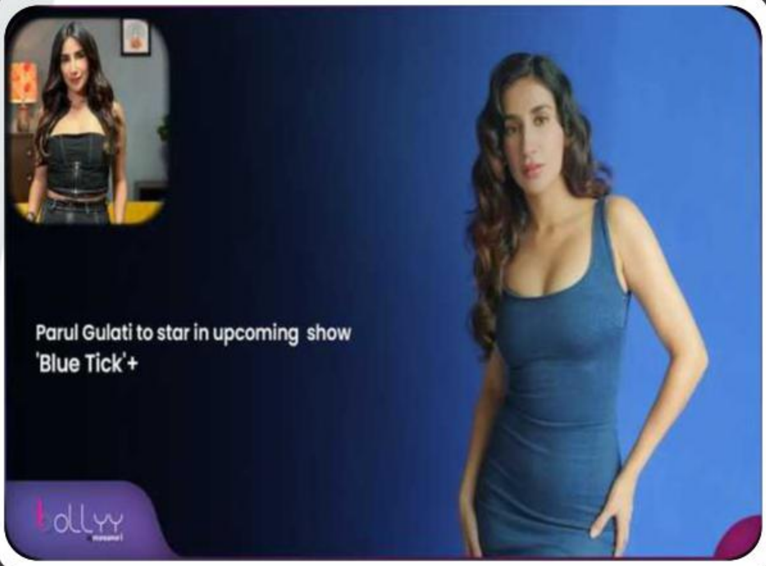

सारा खान की फिल्म "कैंप डिसेंट" का पोस्टर प्रतिष्ठित कान्स में रिलीज हुआ

अमेजॉन मिनीटीवी: जमनापार स्पिरिट का अनुभव करें: इक्का का गाना 'मेरा घर'

सलमान खान अब्दु रोज़िक की शादी में शामिल होंगे

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए bollyy.Com

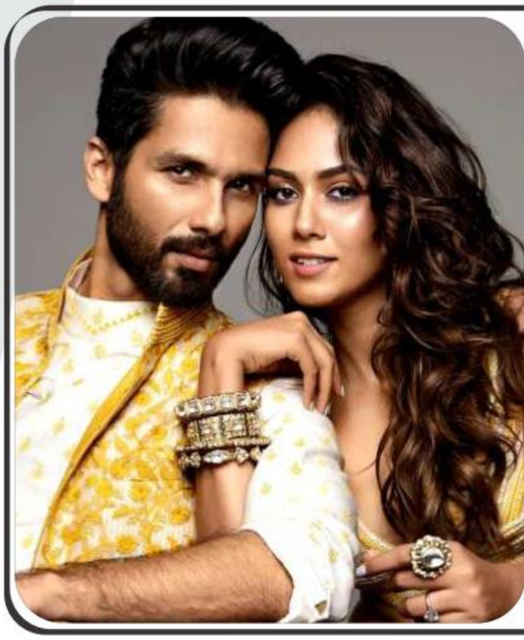

इंडेक्सटैप डॉट कॉम द्वारा प्राप्त पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, शाहिद कपूर और मीरा कपूर ने मुंबई के वर्ली इलाके में ओबेरॉय 360 वेस्ट प्रोजेक्ट में लगभग 59 करोड़ रुपये का एक लक्जरी अपार्टमेंट खरीदा है।

कमल चंद्रा की फिल्म “हमारे बारह” के टीजर के रिलीज होने के बाद, जिसमें अन्नू कपूर, मनोज जोशी और परितोष त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं, इसने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म बढ़ती जनसंख्या और महिलाओं की दुर्दशा के ज्वलंत मुद्दे पर आधारित है, जिसने कई लोगों को चौंका दिया है और जिसके कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं में उछाल आया है।

क्रांतिकारी नेता वीर सावरकर की 141वीं जयंती और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के विश्व डिजिटल प्रीमियर का जश्न मनाते हुए, जो विशेष रूप से ZEE5 पर स्ट्रीमिंग हो रहा है, निर्देशक और मुख्य अभिनेता, रणदीप हुड्डा ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की ऐतिहासिक सेलुलर जेल का दौरा किया, जहां सावरकर को कुल पचास साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी और उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी को याद करते हुए पूरा दिन बिताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को निर्माता सौरव गुप्ता, निर्देशक सुनील दर्शन के साथ-साथ एडवोकेट अशोक सरावगी और एडवोकेट जय यादव ने संबोधित किया...

ऐश्वर्या राय की कान्स के लिए तैयार होते हुए BTS तस्वीरें हुई वायरल...

विशाल मिश्रा ने Mr & Mrs Mahi के हार्टब्रेक सॉन्ग "रोया जब तू" किया आउट!

Mirzapur season 3: रिलीज से पहले अली फजल ने फैन्स को भेजा मैसेज

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

झलकियां

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

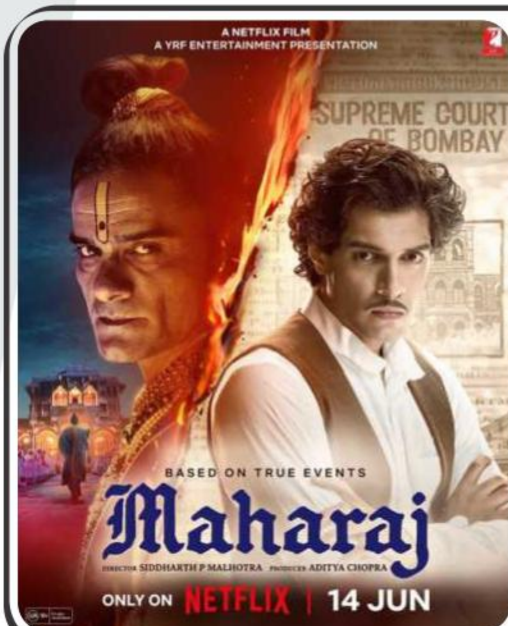

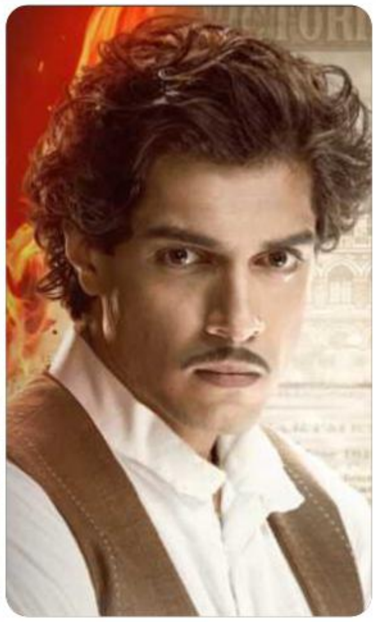

शर्वरी, जयदीप अहलावत और शालिनी पांडे अभिनीत महाराज, रोमांटिक्स और द रेलवे मेन के बाद यशराज फिल्म्स की तीसरी डायरेक्ट-टू-डिजिटल परियोजना है। आमिर खान के बेटे जुनैद इस ड्रामा में मुख्य भूमिका में हैं, जो 1862 के महाराजा मानहानि मामले पर आधारित है। यह फिल्म अक्टूबर 2023 में पूरी हो गई और 14 जून, 2024 को नेटफ्लिक्स पर इसका प्रीमियर होगा। सूत्रों ने एक केंद्रित मार्केटिंग अभियान का खुलासा किया है, जिसमें 5 जून को ट्रेलर जारी किया जाएगा, उसके बाद रिलीज से नौ दिन पहले। YRF और नेटफ्लिक्स का लक्ष्य इस रणनीतिक OTT लॉन्च के साथ वैश्विक दर्शकों तक पहुंचना है।

अनसूया सेनगुप्ता ने कान फिल्म महोत्सव में द शेमलेस में अपने अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल को एक बार फिर लंदन की सड़कों पर देखा गया....

"धर्मा फिल्म पर काम करना हमेशा से मेरा सपना रहा है, और मैं रोमांचित हूं कि यह आखिरकार धड़क 2 के साथ हो रहा है" - श्रेयस पुराणिक

द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति, भारत

विश्व इतिहास के स्वर्णिम अध्याय सदैव आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी ही सिद्ध हुआ है!....

शेखर कपूर

फिल्म निर्देशक

एआई द्वारा नौकरी छीनने के शोर में यह याद कर लेना बेहतर होगा कि दुनिया में सिर्फ 30 फीसदी आबादी के पास नौकरियां है, मगर इंटरनेट तक 65 प्रतिशत लोगों की पहुंच है। एआई वास्तव में बहुत सारे लोगों को उत्पादक बनने में समर्थ बनाएगा!....

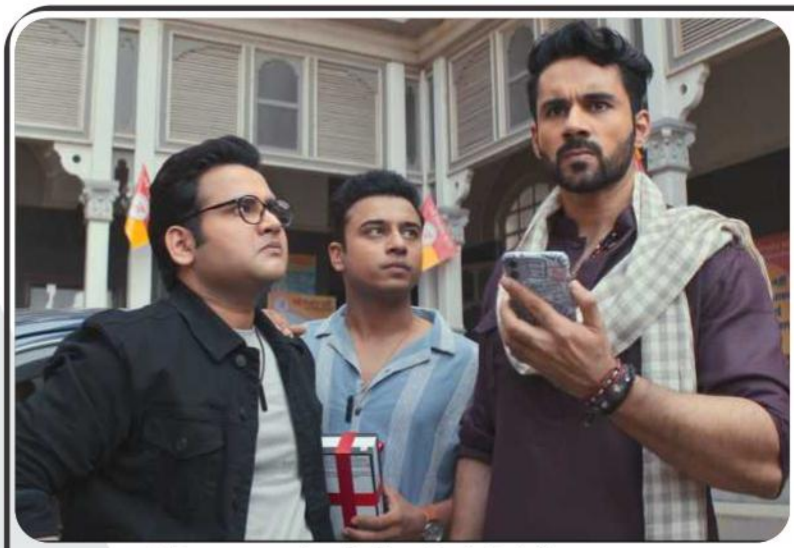

अभिषेक बजाज ने अमेजॉन मिनीटीवी के "नामाकूल" पर कहा, "इसमें कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा, रोमांच और रोमांस का मिश्रण है, जो सभी बेहतरीन तरीके से लिखा गया है।"

स्क्रीन पर बिकिनी पहनना मेरे लिए एक अनुभव था: नाजिया...

विशाल मिश्रा की इमोशनल जर्नी: ''मिस्टर एंड मिसेज माही'' से 'रोया जब तू'

इब्राहिम अली खान की लोकप्रियता बढ़ी, करीना की प्यारी चेतावनी

केकेआर की जीत के बाद सुहाना खान ने शेयर की शाहरुख खान की तस्वीर

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए bollyy.Com

क्लेटन नॉरक्रॉस ने आध्यात्मिक वेब सीरीज टू ग्रेट मास्टर्स की तारीफ की...

मैडॉक फिल्म्स की अनूठी सिनेमाई पेशकश 'मुंज्या' में दिखेंगे अभय वर्मा

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

फैशन इवेंट में 'हाउस ऑफ अली' की शो स्टॉपर बनकर रैंप पर उतरीं सनी लियोनी...

प्रोड्यूसर संजय सिंह की कॉमेडी फिल्म "शादी के डायरेक्टर करण और जौहर" का पोस्टर, ट्रेलर एवं म्युज़िक हुआ लॉन्च

शानदार स्टाइल में पसीना बहाते हुए शहजादा हमें जिम जाने के लिए प्रेरणा दे रहे हैं!

आरयूटीवीएक्स के, सोमांशु और निखिता गांधी ने आईआई म्यूजिक के नवीनतम गीत 'माशूका' में स्वैग और ऊर्जा को फिर से परिभाषित किया

जमनापार : "बिना अंडरस्टैंडिंग के एक्सेप्टेंस नहीं होता..." वरुण बडोला

शिल्पा पाटिल

ईस्ट दिल्ली के लक्ष्मी नगर के शांतनु बंसल उर्फ शैंकी की अपनी जमनापार पहचान को छोड़ने से लेकर अंत में अपने रूट्स को अपनाने और उस पर गर्व करने की जर्नी को बताता है अमेजॉन मिनी टीवी का सीरीज 'जमनापार'. प्रशांत भगिया द्वारा निर्देशित और गौरव अरोड़ा, और जसमीत सिंह भाटिया द्वारा लिखित इस सीरीज में रित्विक साहोरे, सृष्टि रिंधनी, रघु राम, वरुण बडोला, अंकिता सैगल, इंदर साहनी, और अनुभा फतेहपुरिया नजर आ रहे हैं. बता दें 'जमनापार' सीरीज अमेजॉन मिनी टीवी पर फ्री स्ट्रीम हो रही है. आइये जानते हैं सीरीज के बारे में क्या कहते हैं रित्विक, रघु और वरुण

इस सीरीज में आपके किरदार क्या हैं, इसके बारे में कुछ बताइए?

रघु –ये कहानी है शैंकी की. एक तरफ उसका घर है उसके पिताजी हैं, उसकी फैमिली है, और जहाँ से वो आता है वो है. वहीं दूसरी तरफ है साउथ दिल्ली. शैंकी जमनापार का लड़का है. हर कोई किसी ना किसी की तरह बनना चाहता है और साउथ दिल्ली शैंकी के लिए वही, वो साउथ दिल्ली के लोगों के

जैसा बनना चाहता है. मेरे किरदार का नाम है रजत थापा. रजत थापा वो किरदार है जिसकी तरह शैंकी बनना चाहता है. मै वो किरदार रिप्रेजेंट कर रहा हूँ जिसकी तरह शैंकी बनना चाहता है और क्या खोकर वो उसकी तरह बनेगा।

रित्विक – मेरे किरदार का नाम शैंकी है जिसका असली नाम शांतनु बंसल है जो शो में सीए है. वो एक होनहार सीए है. जमनापार सबको पता है कि केडी बंसल का बेटा टॉप करेगा और अच्छा सीए बनेगा और ये भरोसा शैंकी को खुद पर भी है. पिता जी और शैंकी के बीच हमेशा से थोड़ा तनाव रहा है क्योंकि पिताजी शैंकी को उनके जैसा हीं जीवन जीना सिखाते हैं लेकिन शैंकी को जिंदगी से और भी बहुत उम्मीदें हैं. जब शांतनु सीए बन जाता है तब उसके पिताजी उसको उनके कोचिंग सेंटर का एमडी घोषित कर देते हैं और इस बात से शांतनु नाराज हो जाता है क्योंकि उसको जिंदगी अपने तरीके से जीनी है. इसके बाद शांतनु घर छोड़कर साउथ दिल्ली चला जाता है, और वहां जाकर उनकी लाइफस्टाइल को देखता है. शांतनु उनकी लाइफस्टाइल में फिट होने की कोशिश करता है.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

कैसे उसकी जर्नी में उसको रजत थापा के रूप में एक मेंटर मिलते हैं और वो उनके बताये रास्ते पर चलकर साउथ दिल्ली के लाइफस्टाइल में फिट होने की कोशिश कर रहा है. कहानी यही है कि उसकी ये पूरी जर्नी कैसी रहती है और कैसे फिर वो अपने रूट्स को एक्सेप्ट करता है।

वरुण – मेरे साथ तो बहुत धोखा हुआ है क्योंकि शैंकी सीए बनता तो है लेकिन वो कोचिंग मेरे विरोधी से लेता है. मेरे विरोधी से इसने पहले हीं हाथ मिलाकर रखा है और ना ये अपने बाप की दुकान सँभालने को तैयार है और ना बाप खुद को सँभालने के लिए तैयार है. उसको लगता है कि मैंने अपने लड़के को सीए बनाया है, और अगर वो सीए बना है तो मेरे लिए बना है. सीधी भाषा में कहा जाये तो बाप अपने बेटे को मैनिपुलेट करने की कोशिश करता है और जब उसे लगता है कि ऐसा नहीं हो सकता है तो फिर वो समझता है कि उसके बेटे की जीवन से अपनी कुछ ख्वाइशें हैं. वो इस बात को समझता है और चाहता है कि उसका बेटा जो भी करे बस खुश रहे. 'जमनापार' अपने आप से सच बोलने की कहानी है।

रघु –मुझे केडी बंसल और उसके बेटे की जो बात सबसे इंट्रेस्टिंग लगती है वो है कि केडी बंसल अपने बेटे को ऑफर कर रहा है बंसल कोचिंग क्लासेज जो केडी बंसल ने अपने पूरी जिंदगी की मेहनत से बनाई है और वो उसे अपने बेटे को दे रहा है ताकि उसके बेटे को ठोकरें ना खानी पड़े. लेकिन उसके बेटे के लिए ये चीज सबसे घटिया है जो उसे नहीं चाहिए और इसलिए वो बंसल कोचिंग क्लासेज का एमडी बनने का ऑफर रिजेक्ट कर देता है और इस तरह से वो अपने पिता को हीं रिजेक्ट कर रहा है. ये कहानी एक पिता और बेटे के खुबसूरत रिश्ते को दिखाता है।

इस सीरीज में जनरेशन गैप किस तरह से माँ–बाप और उनके बच्चे के रिश्तों को एफेक्ट करता है ये दिखाने की कोशिश की गयी है. इसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

वरुण – जनरेशन गैप लोगों को अपने सराउंडिंग में इतना सीमित कर लेती है कि उसके बाद उसके बाहर कुछ भी देखने या समझने से कासिर हो जाती है या फिर रोक लेती है अपने आप को. मुझे लगता है शायद यहाँ पर जनरेशन गैप क्रिएट होता है. हर कोई ग्रो कर रहा है फिर चाहे वो बच्चे हो यां बड़े लेकिन जहाँ आपने उस ग्रोथ को रोक दिया और अपने आप को

एक दायरे में सीमित कर दिया वह जनरेशन गैप आ जाता है. क्योंकि आपने अपनी ग्रोथ रोकी है आपके बच्चे अभी भी खुद को आगे बढ़ा रहे हैं वो बाहर निकलकर वहां की दुनिया देखना चाहते हैं. बच्चा जब बाहर निकलेगा कुछ तो नया सीख कर आएगा और इसका मतलब ये है कि वो आपसे ज्यादा सोच के मामले में खुल रहा है. कभी–कभी परिस्थियाँ ऐसी होती हैं कि आपको ज्यादा मौके देती नहीं है कि आप इधर–उधर सोच पायें, और मेरे ख्याल से वो एक दुसरे को समझने का जो खालीपन दो जनरेशन के बीच आ जाता है वही जनरेशन गैप है।

रघु –दुनिया जब बदलती है तब चीजों की परिभाषा बदल जाती है. जैसे अगर सक्सेस की बात करें तो मेरे पिता का जो जनरेशन है उनके हिसाब से आप तभी सक्सेसफुल हैं जब आपने इंजीनियरिंग की है. जो मार्केट में नयी चीजें आ रही हैं उसमें अपना करियर बनाना है हमारे लिए सक्सेस, जैसे उस समय केबल टीवी मार्केट में नया आया था हमने अपना करियर वहां बनाया तो वो हो गया हमारे लिए सक्सेस. अब जैसे राजीव का बेटा अभी 18 साल का है उसको हमारा करियर सही नहीं लगता है उसको गेमर बनना है उसको गेमिंग करनी है जो आज एक प्रोफेशन है. अब एक पिता के लिए सक्सेस की परिभाषा है पढ़कर नौकरी लेना सक्सेस है लेकिन बेटे के लिए सक्सेस की परिभाषा है गेम खेलकर फेम हासिल करना. अब यहाँ उनकी सोच अलग है और यही जनरेशन गैप है. हर जनरेशन में चीजों की परिभाषा बदल जाती है और यहीं पर क्लैश होता है।

वरुण – ये समझ की हीं बात है वरना अगर आज से 30 साल पहले फोन के एप्प पर आपका करियर बन सकता है इसके बारे में कौन सोच सकता था. हमारे बच्चे जब गेम खेलते हैं हमें लगता है वो टाइम पास कर रहे हैं लेकिन कुछ 10 से 12 साल के बच्चे हैं जिन्होंने प्रोफेशनल गेमिंग शुरू कर दी है, वो कम्पटीशन्स में पार्टिसिपेट करते हैं और मिलियंस में कमा रहे हैं. अगर हम इस चीज को एक्सेप्ट नहीं करें फिर वो जनरेशन गैप क्रिएट होगा. बिना अंडरस्टैंडिंग के एक्सेप्टेंस नहीं होता है. और अगर आपको उस चीज की समझदारी नहीं है लेकिन आप फिर भी एक्सेप्ट कर रहे हैं मतलब या तो आपने हार मार ली है या फिर आप सिचुएशन के हिसाब से जा रहे हैं।

अपने फैंस को क्या कहना चाहेंगे?

वरुण – देखना जरुर

रित्विक – अमेजॉन मिनी टीवी पर फ्री में स्ट्रीम हो रहा है, तो फैमिली और फ्रेंड्स के साथ जरुर देखिये।

रघु – ये फ्री है तो एंजॉय कीजिये

वरुण – जितना बढ़िया ये सीरीज है, पैसे लेने तो बनते थे।

जय श्री महाकाल: श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की भस्म आरती श्रृंगार दर्शन 31 मई 2024 (शुक्रवार)

उज्जैन, 28 मई 2024 को अभिनेत्री **राशि खन्ना** व **वाणी कपूर** महाकाल मंदिर में महाकाल भगवान के प्रातः होने वाली भस्म आरती में सम्मिलित हुए भस्म आरती पुरोहित चतुर्वेदी द्वारा पूजन किया गया

महेंद्र कटियार

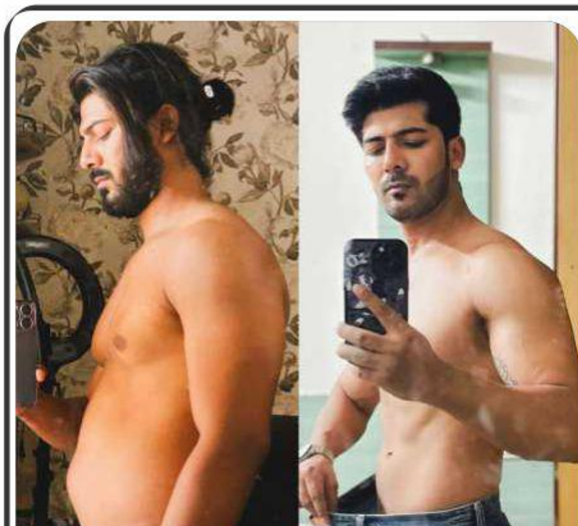

अभिनेता शीजान खान ने अपना वजन घटाने का सफर साझा किया और कहा, ''मेरे परिवर्तन का कारण बहुत व्यक्तिगत है"

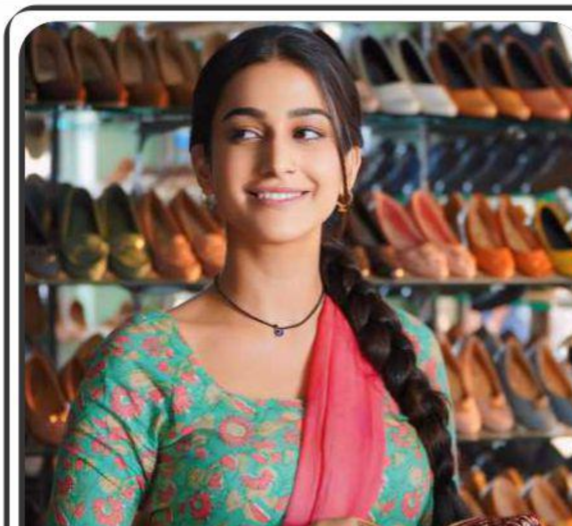

अमनदीप सिद्धू ने अपने नए शो, सोनी सब के 'बदल पे पांव है' पर कहा, "अपने किरदार बानी की तरह, मुझमें भी महत्वाकांक्षा की प्रबल भावना है।''

रैपर एमसी स्टेन ने अपने गृहनगर में एक दुखद दुर्घटना के बाद पुणे समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा, “शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, जनता अपना नहीं तो सामने वाले का सोचो”

मायापुरी डेस्क

एमसी स्टेन ने सुरक्षा और जिम्मेदारी की वकालत की, "हम एक ठंडी दुनिया में रहते हैं आइए पीटाउन को साफ और सुरक्षित रखें"

रैपर एमसी स्टेन एक अग्रणी हिप-हॉप संगीतकार हैं, जिनकी कच्ची और विघटनकारी शैली ने भारतीय संगीत परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके लोकप्रिय एल्बम "तड़ीपार" ने उन्हें 2020 में प्रसिद्धि दिलाई, और 2022 में, "बस्ती का हस्ती" जैसे गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी विशिष्ट आवाज़ और वास्तविक गीतों की बदौलत उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं, और बिग बॉस सीज़न 16 में उनकी जीत ने लोकप्रिय संस्कृति में उनकी जगह को मजबूत किया।

पुणे के रहने वाले स्टेन ने हाल ही में शहर को हिला देने वाली दुखद पोर्श दुर्घटना के पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त की है। इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से, उन्होंने घटना की गंभीरता को दर्शाते हुए एक भावपूर्ण संदेश साझा किया। "मेरी अम्मी हमेशा बोलती हैं कि तू तो गाड़ी अच्छे से चलाता है लेकिन सामने वाले का क्या? मेरी प्रार्थनाएँ पी टाउन में हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के पीड़ितों के लिए हैं शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, अपना नहीं तो सामने वाले का सोचो अपने मॉम डैड का सोचो हम जिस दुनिया में रहते हैं, वह बहुत ठंडी है चलो पी टाउन को साफ और सुरक्षित रखें ," उन्होंने कहा।

इस दुर्घटना ने लापरवाह ड्राइविंग के खतरों और सड़कों पर सतर्क रहने के महत्व के बारे में चर्चा को जन्म दिया है। एमसी स्टेन का हार्दिक संदेश, जिसमें उनकी मां की एक ज्ञानवर्धक बात भी शामिल है, इस बात पर जोर देता है कि सबसे सावधान चालक भी दूसरों की अप्रत्याशित हरकतों के कारण जोखिम में पड़ सकते हैं। लोगों से उनकी अपील कि वे न केवल अपनी सुरक्षा के बारे में सोचें बल्कि दूसरों की भी सुरक्षा करें और अपने प्रियजनों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सोचें, हाल ही में हुई त्रासदी के आलोक में दृढ़ता से प्रतिध्वनित होती है।

इस स्थिति में रहस्यमय संयोग की एक परत जोड़ते हुए, दुर्घटना से कुछ ही दिन पहले, YouTuber IShowSpeed के साथ MC Stan की रील वायरल हो गई। वीडियो में, MC Stan ने संयोग से Porsche से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र किया, जो अब लगभग भविष्यसूचक लगती है। इस अजीब मोड़ ने प्रशंसकों और अनुयायियों को मोहित कर दिया है, जो जीवन की अप्रत्याशित प्रकृति और सड़कों पर निरंतर सतर्कता के महत्व को उजागर करता है।

पुणे के एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में, एमसी स्टेन का संदेश महत्वपूर्ण है। सावधानी से गाड़ी चलाने का उनका आह्वान और "पीटाउन को स्वच्छ और सुरक्षित" रखने की उनकी अपील सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी की साझा जिम्मेदारी की शक्तिशाली याद दिलाती है। दुर्घटना के कारण हुए नुकसान और अराजकता से दुखी शहर में, उनके शब्द सांत्वना और सड़कों पर लापरवाही के परिणामों की कड़ी याद दिलाते हैं।

मायापुरी
www.mayapuri.com

'द गॉडफादर' फिल्मांकन में मर्लिन ब्रांडो का शानदार काम

असना जैदी

"द गॉडफ़ादर" की फ़िल्मांकन के दौरान, मर्लिन ब्रांडो, जिन्होंने डॉन वीटो कोरलियोन की भूमिका निभाई थी, को अपनी लाइनें याद रखने में परेशानी हो रही थी. उनकी मदद करने के लिए, निर्देशक फ्रांसिस फ़ोर्ड कोपोला ने एक अनूठा समाधान निकाला. उन्होंने ब्रांडो की लाइनों वाले क्यू कार्ड सेट के चारों ओर विभिन्न स्थानों पर रखे, जिसमें प्रॉप्स के अंदर और यहाँ तक कि अन्य अभिनेताओं के कपड़ों पर भी शामिल थे. इससे ब्रांडो को अपनी लाइनें पूरी तरह याद किए बिना स्वाभाविक रूप से बोलने में मदद मिली. एक दिन, फिल्मांकन के दौरान, ब्रांडो ने एक दृश्य में सुधार करके सभी को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसमें वह अपने डायलॉग्स बोलते समय एक बिल्ली को सहलाते हैं.

यह सहज पल फिल्म के सबसे पॉपुलर सीन्स में से एक बन गया, जिसने डॉन कोरलियोन के चरित्र में गहराई जोड़ दी और अराजकता के बीच भी उसके शांत व्यवहार को उजागर किया.

Courtesy : Mr. Bean

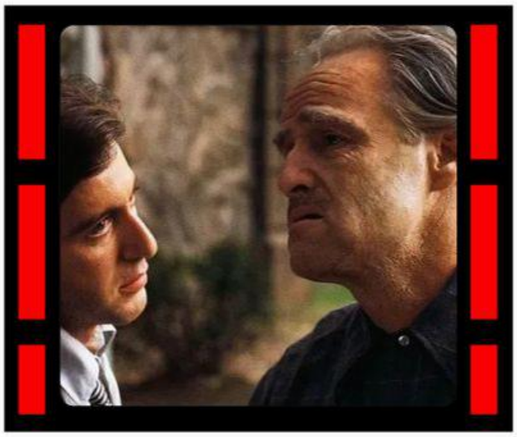

'पौरशपुर सीजन 3' में डबल रोल में डबल धमाका दिखा रहीं हैं शर्लिन चोपड़ा

शिल्पा पाटिल

तेलुगू फिल्म 'वेंडी मब्बू' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले शर्लिन चोपड़ा ने तेलुगू, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया है. करियर के शुरुआत में शर्लिन ने फिल्मों में छोटे–छोटे रोल किये थे. फिल्म 'टाइम पास' से शर्लिन ने हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की. बता दें शर्लिन तब सुर्खियों में आयीं जब उन्होंने अमेरिकन मैगजीन 'प्लेबॉय' के लिए न्यूड पोज दिए, बता दें ऐसा करने वाली शर्लिन इकलौती भारतीय महिला है. इसके बाद हीं शर्लिन को बॉलीवुड लेजेंड भी कहा जाने लगा. जानकारी के लिए बता दें शर्लिन 'बिग बॉस सीजन 3' में एक कंटेस्टेंट के तौर पर भी नजर आयीं थीं. अपने फिल्मी करियर में कई बोल्ड शोज करने वाली शर्लिन ऑल्ट बालाजी की सीरीज 'पौरशपुर' के सीजन 2 का भी हिस्सा रह चुकी हैं और हाल हीं में स्ट्रीम हो रही 'पौरशपुर' सीजन 3 में शर्लिन डबल रोल में नजर आ रही हैं. आइये जानते हैं इस सीरीज और अपने किरदार को लेकर शर्लिन क्या कहती हैं।

आपका शो 'पौरशपुर' ऑल्ट बालाजी पर स्ट्रीम हो रहा है, किस तरह का फीडबैक मिल रहा है. इस शो में अपने किरदार को लेकर क्या बताना चाहेंगी?

– सबसे पहले तो मैं एकता कपूर जी का आभार व्यक्त करना चाहूंगी जिन्होंने मुझे 'पौरशपुर सीजन 3' में डबल रोल करने का अवसर दिया. 'पौरशपुर सीजन 2' में मैंने महारानी स्नेहलता की भूमिका निभाई थी. 'पौरशपुर सीजन 3' में मैं ना सिर्फ महारानी स्नेहलता की भूमिका निभा रही हूँ बल्कि विषकन्या भौमिका की भी भूमिका निभा रही हूँ, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ कि मुझे एक एतिहासिक वेब सीरीज में डबल धमाका करने का एक अद्भुत मौका मिला।

आपके किरदार में आपको सबसे ज्यादा चैलेंजिंग लगा?

– महारानी स्नेहलता बहुत हीं जिद्दी और महत्वकांक्षी है और उनके साथ रिलेट कर पाना मेरे लिए ज्यादा मुश्किल नहीं था क्योंकि मैं भी उनकी तरह हीं जिद्दी और महत्वकांक्षी हूँ. अगर विषकन्या भौमिका की बात करें तो बहुत हीं बहादुर है और उसके अन्दर कम–से–कम हजार सापों का जहर है. मेरे अन्दर वो जहर तो नहीं है लेकिन वक्त आने पर मैं नागिन बन कर डंस सकती हूँ.

ऑन–स्क्रीन बोल्ड सीन्स और इंटिमेट सीन्स देने में क्या आप कम्फर्टेबल फील करती हैं या अनकम्फर्टेबल फील करती हैं?

– मेरे ख्याल से अगर आप इंटिमेसी को एक कविता या पोएट्री के रूप में दर्शाते हैं तो वो बहुत हीं खुबसूरत लग सकता है. 'पौरशपुर सीजन 3' के सेट पर जब भी कोई बोल्ड सीन शूट होता था तो वहां पर महिला अस्सिटेंट डायरेक्टर और महिला स्टाइलिस्ट रहती थीं ताकि एक्टर्स बहुत ही कम्फर्टेबल महसूस करें. इस बात के लिए मैं पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहूंगी जिन्होंने हमें कम्फर्टेबल फील करवाया।

इस सीरीज में आपका प्रेगनेंसी का भी सीन है, तो आप उस सीन में कितनी कम्फर्टेबल थीं?

– मैंने अपने लेट मैनेजर से एक बात सीखी है, वो हमेशा कहते थे, "जिंदगी ऐसे जियो जैसे कि एक्टिंग कर रही हो, और एक्टिंग ऐसे करो जैसे कि जिंदगी जी रही हो." जब मै एक गर्भवती महिला का किरदार निभा रही थी तो मैंने उस समय यही सोचा कि अगर मैं असल जिंदगी में गर्भवती होती तो मैं कैसा फील कर रही होती और अगर उस बच्चे को मुझसे कोई दूर कर रहा होता तो मै कैसा फील कर रही होती. खुद को उस हालात में रखकर जो कुछ भी मैंने महसूस किया वही मैंने स्क्रीन पर दर्शाया. इस सीरीज में मैंने किसी भी सीन के लिए ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं किया है और मुझे लगता है अगर कोई एक्टर बिना ग्लिसरीन के इस्तेमाल के एक सीन के दौरान रोता है इसका मतलब ये हैं कि वो उस सीन में जो कुछ भी हो रहा है उसको अन्दर से फील कर रहा है।

क्या आपके असल जिंदगी का कोई ऐसा दुःख भरा लम्हा है जो आज भी आपके साथ है?

– हम अक्सर देखते हैं कि जो लोग दोस्त होने का दावा करते हैं वो कैसे मीडिया को बुलाकर मेरी इज्जत की नीलामी करते हैं और इज्जत की धज्जियां उड़ाते हैं. जब जब मै ऐसा कुछ सोशल मीडिया पर देखती हूँ बस यही सोचती हूँ कि ये दुःख खत्म क्यों नहीं होता है. आखिर ये सिलसिला कबतक चलेगा, कब तक लोग मेरी इज्जत की नीलामी करते रहेंगे. हाल हीं मेरे कुछ दोस्तों ने कहा कि मुझे बस अपने काम पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि अगर इस समाज में कुछ बुरे लोग हैं तो कुछ अच्छे लोग भी हैं. इस सीख और मैसेज के लिए मै अपने चहेते दोस्त का धन्यवाद करना चाहूंगी।

हर किरदार एक एक्टर को कुछ ना कुछ सीखा कर जाता है, इस किरदार से आपने क्या सीखा है?

– महारानी स्नेहलता एक बहुत ही पॉवरफूल महारानी है, और राजसिंहासन को सुरक्षित रखने के लिए वो कुछ भी त्याग कर सकती है फिर चाहे वो खुद की औलाद ही क्यों नहीं हो. जब मैंने उनका किरदार निभाया तो मुझे समझ आया कि इस तरह से सत्ता की कुर्सी या राजसिंहासन से प्यार किया जाता है. सत्ता और पॉवर का जो नशा है उसकी तुलना दुसरे किसी भी नशे से नहीं की जा सकती है. उस पॉवर को जीना और उसको महसूस करके सुबह–शाम काम करना अपने आप में एक अनोखी बात होती है. इस किरदार को निभाने के बाद मैंने कई बार चाहा कि आगे चलकर मै इतना पॉवरफूल महसूस करूँ कि मुझे किसी की कोई भी कही हुई बात डिस्टर्ब नहीं करे।

मैं थोड़े समय पहले एक फ्लाइट में थी जहाँ मैं आशा भोसले ताई से मिली और उन्होंने भी मुझे यही सलाह दी कि अगर कभी स्टैंड लेना हो तो अपने वकील के साथ सलाह–मशवरा करके एक लीगल स्टैंड ले सकते हैं लेकिन मीडिया के सामने आकर तमाशा करना और गाली देना एक हीरोइन को शोभा नहीं देता है. मैं उनकी इस बात से सहमत हूँ और इसके लिए मै उनका बहुत बहुत शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ।

क्या आपको आनेवाले बिग बॉस ओटीटी के लिए अप्रोच किया गया है, और क्या आप उसको एक्सेप्ट करेंगी?

– अगर अप्रोच किया जाये तो मैं जरुर उनके ऑफर के बारे में सोचना चाहूंगी. मुझे लगता है चाहे रियलिटी शो जो भी हो जीतता वही है जो असली होता है क्योंकि अंत में सबके नकाब उतरते ही हैं।

अभी हाल ही में राखी की सर्जरी हुई है तो क्या आपकी उनसे कोई बात हुई है?

– हाल ही मेरी राखी जी से कोई बातचीत नहीं हुई है. मै राखी से इतना हीं कहना चाहूंगी कि राखी हमारे बीच में रिश्ता चाहे जैसा भी हो और जो भी हो मैं हमेशा आपके लिए अच्छा हीं चाहूंगी और मै ईश्वर से ये प्रार्थना करती हूँ कि आप जल्द से जल्द सेहतमंद होकर हमारे बीच में आयें और हसाएं–रुलाएं. ज्यादा हसाएं कम रुलाएं.

अपने फैंस और व्यूअर्स को क्या मैसेज देना चाहेंगी?

आप लोगों ने 'पौरशपुर सीजन 2' को ढेर सारा प्यार दिया इसके लिए धन्यवाद, अब पौरशपुर सीजन 3 आ चुका है तो आप ऑल्ट बालाजी पर जाएँ और पौरशपुर सीजन को देखें और उसका आनंद उठायें और देखें कि मैंने किस तरह इस सीरीज में दो किरदार निभाए हैं, डबल रोल मतलब डबल धमाका. आपके फीडबैक का मुझको इंतजार रहेगा।

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

ऑल्ट बालाजी की सस्पेंस थ्रिलर सीरीज 'कातिल हसीना' में नजर आएँगी साक्षी प्रधान

शिल्पा पाटिल

एमटीवी स्प्लिट्सविला 2 के विजेता बनने से अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत करने वाली साक्षी उसके बाद बिग बॉस सीजन 4 का हिस्सा बनी. साक्षी ने हिंदी के साथ साथ कन्नड़ और बांग्लादेशी–अमेरिकन फिल्म में भी काम किया है. पॉइशन और तमन्ना जैसी वेब सीरीज में अपने अभिनय का जादू दिखाने वाली साक्षी ऑल्ट बालाजी की सीरीज 'कातिल हसीना' में नजर आएँगी. बता दें ये सीरीज 31 मई से ऑल्ट बालाजी पर स्ट्रीम हो गई।

साक्षी इस कातिलाना अंदाज से कितनों को घायल किया है आपने?

– ये तो तब पता चलेगा जब शो आयेया।

ट्रेलर को कैसा फीडबैक मिल रहा है?

– सभी लोग बहुत एक्साइटेड हैं और ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि मैंने शो में कितने खून किये हैं और किस किस का खून किया है।

इस किरदार के लिए आपको कितनी मेहनत करनी पड़ी?

– इस सीरीज के लिए मेरी कास्टिंग शूटिंग के कुछ दिन पहले हीं हुई थी, और इसलिए सबकुछ बहुत जल्दीबाजी में हुआ था. जैसे हीं इस सीरीज के प्रोड्यूसर सागर ने मुझे कॉल किया मैंने उनको इसकी स्क्रिप्ट भेजने के लिए कहा. मैंने पूरी रात बैठ कर स्क्रिप्ट पढ़ी और कहानी मुझे बहुत हीं इंट्रेस्टिंग लगी. मेरे किरदार का नाम शनाया है और ये किरदार इतना वर्सटाइल है कि ऑडियंस कंफ्यूज है कि इस सीरीज में शनाया के कितने किरदार हैं. 'कातिल हसीना' एक कंफ्यूजिंग थ्रिलर शो है।

इस किरदार को निभाने में आपको सबसे ज्यादा चैलेंजिंग क्या लगा?

– चैलेंज तब आता है जब आप एक ऐसे किरदार में घुसते हैं जो वायलेंट हैं और शनाया एक ऐसा किरदार है जो बदला ले रही है. बदला लेने एक चक्कर में शनाया क्या क्या करती है उसको पोट्रे करना चैलेंजिंग था।

क्या आपने असल जिंदगी में किसी से बदला लिया है या बदला लेने के बारे में सोचा है?

– नहीं, मै वो आखिरी इन्सान होंगी जो बदला लेने के बारे में सोचेगी या किसी से बदला लेगी. अगर मै बदला लेने का सोचने लगी तो मुझे एक लंबी लिस्ट बनानी पड़ेगी. बात ऐसी है कि मै एक स्पिरिचुअल लड़की हूँ और इसलिए मैं इस बात में विश्वास करती हूँ कि आप अपने कर्म कीजिये और बाकी चीजें भूल जाइये क्योंकि आपका जिसने बुरा किया है उसको भगवान देख लेगा।

ये शो के लिए आपको किस तरह से अप्रोच किया गया और कैसे ये शो आपको मिला इसके बारे में बताइए?

– इस फिल्म को डायरेक्ट और प्रोड्यूस रामसे ब्रदर्स ने किया है. सीरीज के प्रोड्यूसर सागर ने मुझे इसके लिए कॉल किया था और उन्होंने मुझसे कहा इसमें मुझे एक्शन और भी बहुत कुछ करने को मिलेगा. जब उन्होंने मुझे इसका कॉन्सेप्ट और सीरीज का टाइटल बताया फिर मैंने उनसे इसकी स्क्रिप्ट मांगी. मैंने रात भर बैठ कर स्क्रिप्ट पढ़ी और अगले दिन मैंने शो के लिए हाँ कह दिया. जब मैंने उनसे इसकी शूटिंग के बारे में पुछा तो उन्होंने बताया चार दिन बाद इसकी शूटिंग है।

आपने अपनी जर्नी की शुरुआत स्प्लिट्स विल्ला से की थी इस जर्नी के दौरान आपने अपने आप में कितने बदलाव देखे हैं?

– बहुत सारे बदलाव, मै वो साक्षी हूँ हीं नहीं जो स्प्लिट्स विल्ला में थी. क्योंकि मै एक लर्नर हूँ और मैंने काफी ट्रेवल भी किया है तो बहुत कुछ सीखा है और उसी हिसाब से खुद को अच्छे के लिए बदला है. मैं पॉजिटिविटी की भूखी हूँ, जहाँ भी मुझे अच्छे और पॉजिटिव लोग दिखते हैं मैं उनसे दोस्ती कर लेती हूँ और जहाँ भी मुझे थोड़ी भी नेगेटिविटी फील होती है मैं वहां से निकल लेती हूँ।

इस इंडस्ट्री में आप इतना पॉजिटिव रहना कैसे मैनेज करती हैं?

– हर कोई कमर्शियली हिट नहीं होना चाहता हैं. मैंने 16 ओटीटी शोज किये हैं, दो ट्रेवल शोज किये हैं, तीन एमटीवी के शोज होस्ट किये हैं और अभी मै एक इंटरनेशनल हॉलीवुड फिल्म फ्रैंक ग्रिलो और माइकल जे वाइट के साथ करके आई हूँ. मै ऐसी इन्सान नहीं हूँ जिसे बहुत कुछ करना है, मैं काम करके पैसे कमा रही हूँ मै खुश हूँ. मेरा ये मानना है कि जो मेरे नसीब में होगा उसको मै अच्छी तरह से निभाउंगी क्योंकि किस्मत में जो लिखा है वो तो मुझे मिलेगा हीं. अब जब मै 30 साल की चुकी हूँ तो मै लाइफ को बैलेंस करना चाहती हूँ क्योंकि लाइफ का पर्पस तो मै अभी भी ढूंढ रही हूँ।

आप बिग बॉस 4 का हिस्सा रही हैं तो क्या आप बिग बॉस ओटीटी में दिखाई देंगी?

– मेरे लिए अब कभी नहीं क्योंकि मैं रियलिटी शोज नहीं करना चाहती हूँ, मै अपनी एक्टिंग पर फोकस करना चाहती हूँ और शायद फ्यूचर में मै प्रोड्यूस भी करूँ।

अभी 'खतरों के खिलाड़ी' का क्रेज चल रहा है, क्या मौका मिलने पर आप ये शो करना चाहेंगी?

– मैं बिल्कुल 'खतरों के खिलाड़ी' करना चाहूंगी. मै फिटनेस पर भी ध्यान देती हूँ तो मुझे लगता है मै शो में अच्छा कर सकती हूँ, मुझे बस स्पाइडर्स से डर लगता है।

आपने कहा कुछ चीजों कि वजह से आपने अपनी लाइफ को बदला, वो कारण क्या था इसके बारे में कुछ बताना चाहेंगी?

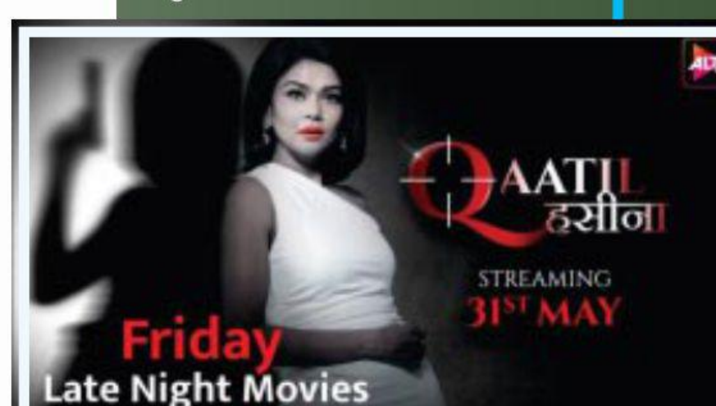

– अभी मेरा जीवन थोड़ा वल्नरेबल है क्योंकि कुछ महीनों पहले मेरी माँ का देहांत हो गया. उसके बाद लाइफ का एक बहुत हीं अलग फेज चल रहा है. माँ के चले जाने के बाद के जीवन को शब्दों में बयाँ नहीं कर पाउंगी. इसलिए भी मै अपने आप में थोड़ी ज्यादा मैच्योर हो गयी हूँ. अब मैं और मेरी कैट साथ में हैं।

अपने फैंस और व्यूअर्स को क्या कहना चाहेंगी?

– मै बस यही कहना चाहूंगी कि मेहनत कीजिये और लोगों से और जानवरों से प्यार कीजिये और उनके प्रति सहानुभूति रखिये।

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

जी स्टूडियो, धर्मा प्रोडक्शंस और क्लाउड 9 पिक्चर्स ने 'धड़क 2' की घोषणा की, 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में

–मायापुरी प्रतिनिधि

जी स्टूडियो, धर्मा प्रोडक्शंस और क्लाउड 9 पिक्चर्स ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धड़क 2' के बारे में जानकारी जारी कर दी है। अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली सिद्धांत चतुर्वेदी और त्रिप्ति डिमरी की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फिल्म पारंपरिक प्रेम कहानी और सामाजिक मानदंडों को चुनौती देती है।

कुशल शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित यह फिल्म समाज के दिमाग में बैठी वर्ग और स्थिति की बाधाओं को दर्शाती है, जो प्यार की एक ऐसी कहानी को रेखांकित करती है जो कभी पूरी नहीं हो सकती। या हो सकती है?

इस सफल फ्रैंचाइज की कमान आगे बढ़ाते हुए, 'धड़क 2' रोमांस, ड्रामा और भावनाओं से भरी एक ऐसी यात्रा का वादा करती है जो दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी। 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है!

जी स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा निर्मित 'धड़क 2' में सिद्धांत चतुर्वेदी और त्रिप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को रिलीज होगी।

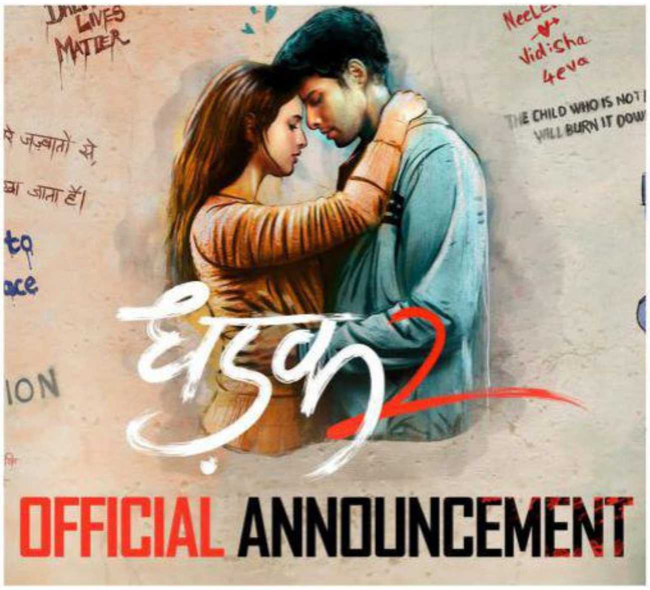

डायरेक्टर रॉबी ग्रेवाल और सैफ अली खान के साथ सिद्धार्थ आनंद की अगली फिल्म का नाम 'ज्वेल थीफ– द रेड सन चैप्टर' है!

–मायापुरी प्रतिनिधि

फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद ने अपने नए सोशल मीडिया पोस्ट से इंटरनेट पर आग लगा दी है। डायरेक्टर–प्रोड्यूसर ने सैफ अली खान के साथ एक फोटो शेयर की थी, जिसमें कैप्शन लिखा था, बैक ऑन सेट विद माय फर्स्ट हीरो! हाऊ कैन नथिंग चेंज. फोटो ने मीडिया की अटकलों पर विराम लगा दिया था और पुष्टि की थी कि फिल्ममेकर और एक्टर 17 साल बाद एक–दूसरे के साथ कोलैबोरेट करने के लिए तैयार हैं, जिसने फैंस को आगामी फिल्म के लिए उत्साहित कर दिया है। अब, सिद्धार्थ ने रॉबी ग्रेवाल और सैफ की एक तस्वीर एक कैप्शन के साथ साझा की है, जो तीनों के एक साथ प्रोजेक्ट का टाइटल प्रतीत होता है। आनंद के लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के मुताबिक, बहुप्रतीक्षित फिल्म का टाइटल 'ज्वेल थीफ– द रेड सन चैप्टर' होगा।

सिद्धार्थ प्रोड्यूसर ममता आनंद के साथ 'मार्फ़्लिक्स पिक्चर्स' के तहत इस प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहे हैं, जबकि रॉबी ग्रेवाल इसका निर्देशन कर रहे हैं। प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और एक्टर के इस कॉम्बिनेशन ने इस प्रोजेक्ट से बहुत उम्मीदें लगाई हैं, जिसे एक हाइस्ट ड्रामा के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में जयदीप अहलावत भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के बीच लड़ाई पर केंद्रित होगा और डायरेक्ट–टू–डिजिटल रिलीज होगी।

सिद्धार्थ आनंद, ममता आनंद, सैफ अली खान और रॉबी ग्रेवाल, बाकी कास्ट और क्रू के साथ, फिलहाल बुडापेस्ट में प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहे हैं। जबकि यह प्रोजेक्ट रॉबी और सैफ के पहले कोलैबोरेशन को मार्क करता है, खान और सिद्धार्थ पहले 'सलाम नमस्ते' और 'ता रा रम पम' के लिए साथ काम कर चुके हैं। अब, फैंस यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि यह ट्रायो स्क्रीन पर क्या नया लेकर आएगा।

पूनम ढिल्लों, दीपक तिजोरी, रोहित रॉय और डॉ. सुरभि धनवाला को मिला दादा साहब फाल्के फिल्म फाउंडेशन अवॉर्ड...

गाउन से साड़ी तक: अंकिता लोखंडे एक फैशन आइकन के रूप में चमकीं

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

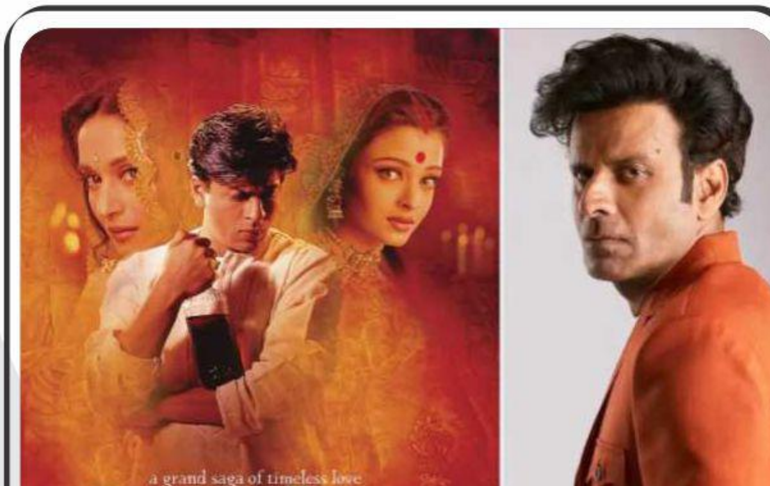

फिल्म देवदास के लिए मनोज को ऑफर हुआ था ये रोल, इसलिए किया था रिजेक्ट

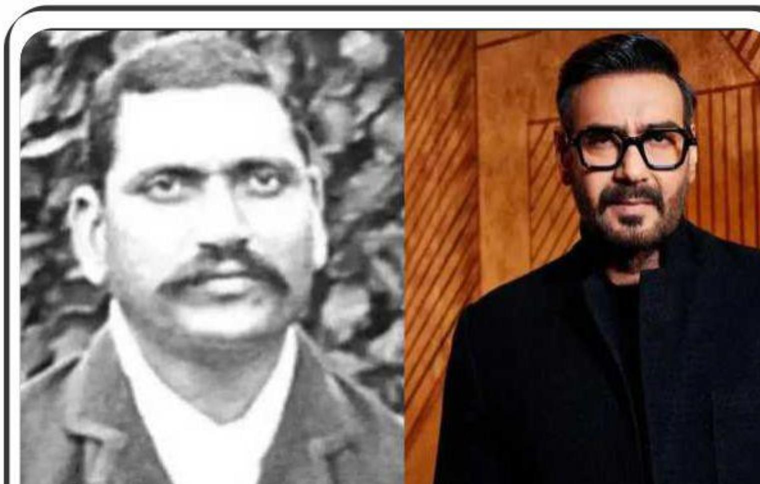

अजय देवगन क्रिकेटर पलवणकर बालू पर आधारित फिल्म में एक्टिंग करेंगे

बड़े अच्छे लगते हैं के 13 साल हुए पूरे,एकता कपूर ने शेयर किया वीडियो

जियो स्टूडियोज 19 जुलाई को "एक डॉन तीन चार" प्रस्तुत करेगा, जिसका निर्देशन वरुण नार्वेकर ने किया है

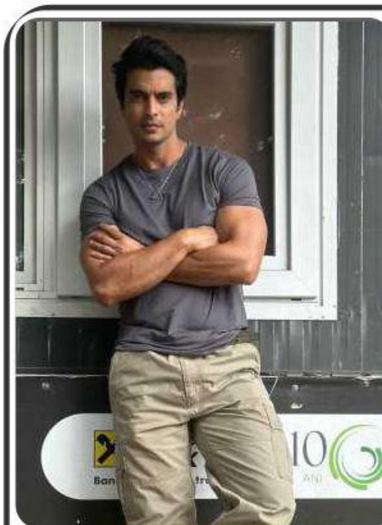

अच्छा लग रहा है! महाजनी गशमीर अपने करिश्माई आकर्षण से हमारे दिन को बेहतर बना रहे हैं

"सुपरस्टार सिंगर 3" पर, देवन श्रिया के प्यार ने सभी को भावुक कर दिया...

"फूली" एक बच्ची और जादूगर की प्यारी कहानी , शिक्षा के महत्व पर करती हैं संवाद

खुशाली कुमार ने अपनी ओटीटी डेब्यू फिल्म #dedhbighazameen के प्रीमियर के लिए उत्तराखंड के कसार देवी मंदिर से दिव्य आशीर्वाद मांगा...

मधु चोपड़ा और **मन्नारा** की माँ **कामिनी जी** एक साथ रेड कार्पेट इवेंट पर नज़र आईं दोनों सफ़ेद रंग में ट्विनिंग करती हुईं...

गुलशन देवैया और **अनुराग कश्यप** ने चोर-पुलिस की भागमभाग को बनाया और भी मजेदार; डिज़्नी+हॉटस्टार ने ड्रामा सीरीज 'बैड कॉप' की घोषणा की!...

ये रिश्ता क्या कहलाता है: अरमान की बैचलरेट पार्टी में अभिरा से जबरदस्ती डांस करवाया गया

नेहा धूपिया, नव्या नवेली और अन्य: पॉडकास्टिंग उत्कृष्टता वाले पॉडकास्ट

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए bollyy.Com

"कल्कि 2898 एडी" से बुज्जी और भैरवा का टीज़र, प्राइम वीडियो पर 31 मई से हुआ स्ट्रीम...

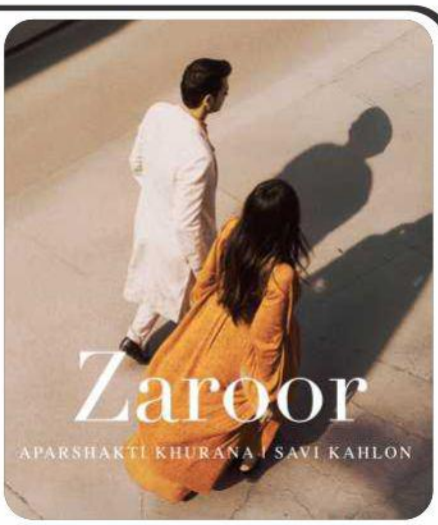

अपारशक्ति खुराना ने अपने अगले सिंगल 'ज़रूर' की घोषणा की, फर्स्ट लुक शेयर किया...

अमित साध ने लंदन में जेरार्ड बटलर से मुलाकात की, इसे 'फैनबॉय मोमेंट' बताया...

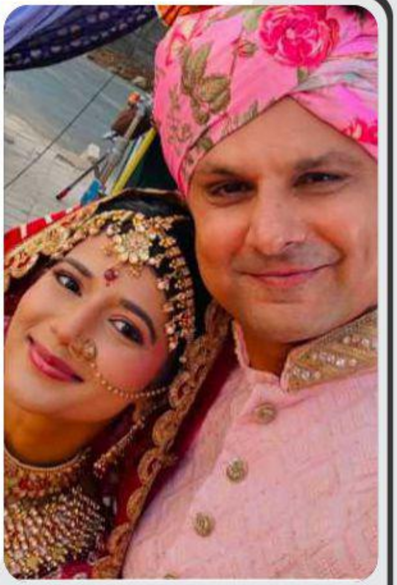

राजन शाही की "ये रिश्ता क्या कहलाता है" में सबसे पसंदीदा बॉन्ड...

अदिति राव हैदरी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपने रेड कार्पेट लुक का खुलासा किया, लोरियल पेरिस के साथ ग्लैमर का तड़का लगाया

रोमांस और रीयूनियन के लिए तैयार हो जाइए 'मनमे' में सीरत कपूर की अतिथि भूमिका की रिलीज डेट का खुलासा!

अमेजॉन मिनीटीवी पर इक्का के नए एंथम 'मेरा घर जमनापार' के साथ जमनापार की भावना का अनुभव करें...

स्क्रीन पर आग लगाते हुए निक्की तंबोली ने अपनी सिजलिंग शैली से गर्मी बढ़ा दी है!

'मेरी शुरुआत के लिए इससे बेहतर कोई शो नहीं हो सकता!' हेली शाह 'गुल्लक सीजन 4' के साथ अपने बहुप्रतीक्षित ओटीटी डेब्यू पर

—मायापुरी प्रतिनिधि

गुल्लक सीजन 4 को लेकर चर्चा स्पष्ट है, और अच्छे कारण से भी। अपने उल्लेखनीय अभिनय के लिए मशहूर अभिनेत्री हेली शाह, गुल्लक के नए सीजन के साथ ओटीटी क्षेत्र में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रशंसक उत्सुकता से प्रिय श्रृंखला में उनके प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं, जिसने लगातार अपनी हृदयस्पर्शी कहानी और प्रासंगिक पात्रों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। यह नवीनतम अध्याय हृदयस्पर्शी कहानियों और अविस्मरणीय पारिवारिक क्षणों का एक और दौर देने का वादा करता है जो मिश्रा परिवार का पर्याय बन गए हैं।

उसी के बारे में बोलते हुए, हेली ने अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू के बारे में अपना उत्साह साझा किया, उन्होंने कहा, "मेरे किरदार का नाम प्रीति है, और वह शो में एक डॉक्टर है। यह पहली बार है कि गुल्लक के ब्रह्मांड में एक नई महिला चरित्र को पेश किया जा रहा है, जिससे मुझे बेहद खुशी हो रही है क्योंकि गुल्लक हर किसी का पसंदीदा शो है। कई अन्य लोगों की तरह, मैं भी इस शो से आश्चर्यचकित था, इसकी गुणवत्ता और उस तरह के प्रोजेक्ट को पहचान कर, जिसके साथ मैं वास्तव में जुड़ना चाहता था।

हेली ने आगे कहा, "मैं आगामी सीजन में और अधिक काम करने और अधिक यादें बनाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे इस नए किरदार में स्वीकार करेंगे। उन्होंने हमेशा मुझे बहुत प्यार दिया है, और यह बहुत मायने रखता है, खासकर क्योंकि यह ओटीटी स्पेस में मेरी पहली फिल्म है। मेरी शुरुआत के लिए इससे बेहतर कोई शो नहीं हो सकता, और मुझे पूरी उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे।

यह श्रृंखला, जो भारत में मध्यवर्गीय जीवन के सार को कलात्मक रूप से दर्शाती है, ने रोजमर्रा के संघर्षों और खुशियों के प्रामाणिक चित्रण के कारण दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है। गुल्लक में हेली शाह के प्रवेश से श्रृंखला में एक नई गतिशीलता जुड़ने की उम्मीद है। अपने अभिव्यंजक अभिनय और मजबूत स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली शाह के कलाकारों में शामिल होने से इस प्रिय शो में नई ऊर्जा और गहराई आने की उम्मीद है।

अपने कैलेंडर में 7 जून को चिह्नित करें, क्योंकि इसी समय टीवीएफ के गुल्लक सीजन 4 का प्रीमियर SonyLIV पर होगा।

वीकेंड की हंसी और वीकडे का ड्रामा: बेहतरीन मनोरंजन के लिए कलर्स आपका पसंदीदा डेस्टिनेशन है

—मायापुरी प्रतिनिधि

यह चैनल अपने कंटेंट में विविधता ला रहा है, और अपने मौजूदा प्रोग्रामिंग लाइन—अप में विभिन्न प्रकार के नए लॉन्च और आकर्षक हाइलाइट्स के साथ हर मूड के लिए शो पेश करने का वादा करता है

जबकि आईपीएल के उत्साहपूर्ण समापन के बाद क्रिकेट प्रेमियों का शोर थम गया है, भारत का प्रमुख एचईजी, कलर्स फिक्शन और नॉन—फिक्शन दोनों शो के शानदार लाइन अप के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है कि उत्साह में कोई भी कमी न आए। फैंटसी, रियलिटी, माईथोलॉजी, रोमांस और ड्रामा के परफेक्ट ब्लेंड के साथ, सभी की पसंद और प्राथमिकताओं को पूरा करने वाला विविध प्रकार का व्यूइंग अनुभव देते हुए, चैनल मौन माहौल के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता है।

रहस्यमय कहानियों के आकर्षण और रियलिटी टीवी के रोमांच से लेकर पौराणिक महागाथाओं की गहराई और नाटकीय आख्यानों की प्रबलता तक, कलर्स हर भारतीय घर में दर्शकों के लिए एक रोमांचक सफर का वादा करता है। वीकडे को मजबूत करते हुए, 'सुहागन चुड़ैल', 'मंगल लक्ष्मी', 'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव', और 'उड़ारियां' जैसे शो में रोमांचक कहानियां पेश की जाएंगी। लेकिन इतना ही नहीं, आगामी रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के साथ वीकेंड में भी धूम मचने वाली है, जिसका उद्देश्य सेलेब्रिटीज के एक शानदार लाइनअप के साथ दर्शकों का मनोरंजन करना है।

यहां विस्तार से बताया गया है कि सभी के लिए हमारे पास क्या है:

दावत—ए—एंटरटेनमेंट

एक कॉमेडी और कुलिनरी क्रॉसओवर 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट', हर शनिवार और रविवार को रात 9:30 बजे एक बहुत आकर्षक थाली में हंसी और मनोरंजन के व्यंजन परोसने के लिए तैयार है। बारह प्रसिद्ध एंटरटेनर एक असाधारण कुकिंग सेट अप में साथ आएंगे, और अपनी ट्रेजडी में कॉमेडी का तड़का लगाएंगे। कॉमेडी क्वीन, भारती सिंह इस शो की मेजबानी करेंगी और सेलिब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोखी रसोई की उथलपुथल के दौरान अपनी विशेषज्ञता देंगे और लाफ्टर शेफ्स द्वारा तैयार किए गए हर व्यंजन का मूल्यांकन करेंगे। यह नवीन कॉन्सेप्ट वीकेंड में मजेदार होने का वादा करता है, जो निश्चित रूप से लोगों को गुदगुदाएगा और आपके वीकेंड को आनंददायक बनाने के लिए पहले कभी नहीं देखा गया 'डिनरटेनमेंट' पेश करेगा।

'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' ने डिनरटेनमेंट पर से पर्दा हटा दिया है, जिसका प्रीमियर शनिवार, 1 जून को होगा और उसके बाद हर वीकेंड रात 9:30 बजे प्रसारित किया जाएगा।

सच्चे प्यार की लड़ाई

फैंटसी स्टाइल को फिर से दर्शकों के सामने लाते हुए, 'सुहागन चुड़ैल' शाश्वत प्रेम और एक बुरी ताकत की लड़ाई का वर्णन करती है। यह एक बहादुर लड़की दीया (देबचंद्रिमा सिंघा रॉय) की कहानी है, जिसे अपने प्यार मोक्ष (जैन इबाद खान) को अमरता चाहने वाली चुड़ैल निशिगंधा (निया शर्मा) के चंगुल से बचाना है। यह सुपरनेचुरल ताकत 'सोलह श्रृंगार' के काले अनुष्ठान के माध्यम से 16 पतियों से शादी करके उनकी बलि देना चाहती है, ताकि वह अमरता हासिल कर सके। मोक्ष उसका 16वां शिकार है, लेकिन दीया इस चुड़ैल के जादू को तोड़ने और अपने प्रेमी की जान बचाने के लिए उसके खिलाफ युद्ध का बिगुल बजा देती है। क्या दीया के प्रेम की शक्ति निशिगंधा की अमरता की भूख पर विजय प्राप्त करेगी? निशिगंधा की भूमिका निभा रही निया शर्मा ने शो में विभिन्न तत्वों के अनूठे मिश्रण के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, "प्यार को एक चुड़ैल से चुनौती मिल रही है, और दर्शक पहले से ही उसके जादू से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। दर्शकों का मनोरंजन करने और उन्हें सरप्राइज देने के प्रति कलर्स की प्रतिबद्धता के साथ, मुझे यकीन है कि यह फैंटसी कहानी ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को आकर्षित करेगी। यह सुपरनेचुरल कहानी रहस्य, ड्रामा और काल्पनिक तत्वों का एक दमदार मिश्रण है, जो दर्शकों को और अधिक जानने के लिए मजबूर कर देगी!"

हर सोमवार से शुक्रवार रात 10:30 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होने वाले 'सुहागन चुड़ैल' के विलक्षण जादू के लिए तैयार हो जाइए।

विघ्नहर्ता बप्पा का आगमन

भारतीय पौराणिक कहानियों में दो सबसे प्रतिष्ठित देवी—देवता, शिव और पार्वती की प्रेम कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है। जल्द ही, यह दिव्य जोड़ा एक नए सफर पर निकलेगा क्योंकि वे अपने जीवन में अपने प्यारे बेटे गणेश का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। कलर्स अपने पौराणिक शो 'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव' में भगवान गणेश के जन्म और सिर काटने के सीक्वेंस को प्रदर्शित करेगा। नए प्रारंभ और शुभ शुरुआत के प्रतीक गणेश, शो में अपने आगमन के साथ शिव और शक्ति के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेंगे।

ब्रह्मांड की पहली प्रेम कहानी को प्रदर्शित करने वाला, 'शिव शक्ति – तप त्याग तांडव' हर रात 8:00 बजे प्रसारित होता है

लक्ष्मी और कार्तिक का मंगलमय विवाह!

'मंगल लक्ष्मी' में दो बहनों की गाथा ने अपनी सम्मोहक कहानी और प्रासंगिक किरदारों के कारण एक मजबूत दर्शक वर्ग और फैन बेस बनाया है। चूंकि मंगल की अपनी बहन लक्ष्मी के लिए एक आदर्श वर ढूंढने की खोज आखिरकार पूरी हो गई है, वह यह सुनिश्चित करने की हर संभव कोशिश कर रही है कि कार्तिक के साथ लक्ष्मी की शादी किसी सपने के सच होने से कम न हो! दर्शक मंगल की इच्छा पूरी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, और अब टेलीविजन की सबसे बड़ी शादी होने वाली है! मंगल की भूमिका निभा रही दीपिका सिंह ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मैं शो और मेरे किरदार मंगल को पसंद करने के लिए दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। मंगल खुश है कि लक्ष्मी के दूल्हे की तलाश उसे कार्तिक तक ले गई, और उसे यकीन है कि वह उसकी बहन को अपने बराबर का सम्मान देगा। दर्शकों को इस महा—विवाह के दौरान ट्विस्ट, टर्न और सरप्राइज का रोमांचक उतार—चढ़ाव देखने को मिलेगी, जो उन्हें अपनी स्क्रीन से बांधे रखेंगे।"

'मंगल लक्ष्मी' में लक्ष्मी की भव्य शादी देखने के लिए तैयार हो जाइए, जो हर दिन रात 9:00 बजे प्रसारित होता है

नए दौर की नई उड़ारियां

कलर्स ने अपने सबसे लंबे समय तक चलने वाले रोमांस ड्रामा 'उड़ारियां' में 15 साल का लीप लेकर और सरब (अविनेश रेखी), मेहर (श्रेया जैन) और हानिया (अदिति भगत) जैसे नए किरदार पेश करके दर्शकों को अपनी सीट्स पर चिपके रहने के लिए मजबूर कर दिया है। शो में प्यार और महत्वाकांक्षा की नई कहानियों के साथ, 'उड़ारियां' रिश्तों का एक नया परिदृश्य विकसित करने का वादा करता है।

'उड़ारियां' में प्यार और महत्वाकांक्षा की तलाश ने 15 साल का लीप लेकर नई उड़ान भरी है, जो हर दिन शाम 6:00 बजे प्रसारित होता है

एक्शन प्रिंस ध्रुव सरजा के जन्मदिन के अवसर पर भारत का सबसे बड़ा एक्शन वेंचर 'मार्टिन' 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

—शिल्पा पाटिल

आपको अच्छे के लिए इंतजार करना होगा। सभी अच्छे कार्य समय पर होने चाहिए। वह समय आ रहा है.

'मार्टिन' हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह ड्रीम प्रोजेक्ट है. हमने इस फिल्म को कन्नड़ से पैन इंडिया स्तर पर सबसे बड़ा एक्शन वेंचर देने के बड़े जुनून के साथ बनाया है, लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने का समय करीब आ रहा है। उदय मेहता और सूरज उदय मेहता ने वासवी एंटरप्राइजेज और उदय मेहता प्रोडक्शन के तहत 200 करोड़ की लागत से 'मार्टिन' के निर्माण में निवेश किया है।

जिस फिल्म 'मार्टिन' का इंतजार पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को है, उसे निर्देशक एपी अर्जुन ने बनाया है, कहानी और पटकथा एक्शन किंग अर्जुन सरजा की है। सिनेमैटोग्राफर सत्या हेगड़े उदय मेहता के ड्रीम प्रोजेक्ट की आंख हैं। टॉलीवुड के दिग्गज संगीत निर्देशक मणि शर्मा ने अद्भुत गीतों की रचना की है, और बैकग्राउंड स्कोर केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर का है।

सैकड़ों तकनीशियनों की मेहनत से फिल्म 'मार्टिन' जश्न मनाने के लिए तैयार है.

हमारे सपनों की इस फिल्म से आपके दिल को छूने का समय आ गया है। एक्शन प्रिंस ध्रुव सरजा के 36वें जन्मदिन के अवसर पर।

हम फिल्म 'मार्टिन' को 11 अक्टूबर 2024 को दुनिया भर में कई भाषाओं में एक साथ रिलीज करने जा रहे हैं।

14 जून को रिलीज होगी सोनम बाजवा और ऐमी विर्क की फिल्म 'कुड़ी हरियाणे वल दी'

राकेश धवन द्वारा निर्देशित ये फिल्म दो राज्यों के दो अलग अलग भाषाएँ बोलने वाले दो लोगों की प्रेम कहानी को दर्शाता है. 'कुड़ी हरियाणे वल दी' एक पारिवारिक फिल्म है जिसमें कॉमेडी, ड्रामा, और रोमांस भरपूर मात्रा में देखने को मिलेगा। फिल्म में सोनम बाजवा, ऐमी विर्क, अजय हूड्डा, यशपाल शर्मा, और योगराज सिंह नजर आयेंगे। बता दें ये फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अगर आपके फिल्म 'कुड़ी हरियाणे वल दी' की ट्रेलर की तारीफ करने के लिए अगर यहाँ पर शाहरुख खान आ जाएँ तो आपका रिएक्शन क्या होगा?

ऐमी– हम ये प्रमोशन बंद कर देंगे और वापस चले जायेंगे, क्योंकि हमारा काम हो जायेगा. उसके बाद तो पुरे इंडिया ने हमारा ट्रेलर और फिल्म देखना है. हमारी दो पंजाबी फिल्में आयीं हैं जिसमें एक में आमिर सर आये थे और दुसरे में सलमान सर आये थे. एक इंटरव्यू के दौरान जब ये पूछा गया कि अब अगली फिल्म के लिए किसको बुलाएँगे तो सोनम ने शाहरुख खान का नाम लिया था. हम कोशिश करेंगे कि हम उनको अपनी अगली फिल्म में बुला सकें. हम अपने प्रोड्यूसर्स को मिन्नते करेंगे कि किसी भी तरह से शाहरुख खान को बुलाएँ क्योंकि उनका आना हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी. पूरा पंजाब उनको बहुत प्यार करता है. उनका आना हमारे दिल की तमन्ना है.

सोनम– मै तो फ्रीज हो जाउंगी. मुझे अपने आप को चुंटी काट कर खुद को यकीन दिलाना होगा, अगर ऐसा हो जाये तो.

अगर शाहरुख खान आपकी अगली फिल्म में कैमियो करें तो?

ऐमी– हमारी एक फ्रैंचाइजी फिल्म सितंबर में आ रही है, तो आपसे मिन्नते करते हैं कि आप हीं उनको ले आओ हमारी खुशनसीबी होगी उनके साथ काम करना.

फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिला है, आपलोगों को कैसा रिस्पांस मिल रहा है?

सोनम– बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है. इस रिस्पांस से हमारी उम्मीद बढ़ती है कि अगर लोगों को ट्रेलर पसंद आया है तो फिल्म भी जरुर पसंद आएगी. हम सभी एक्साइटेड हैं और उम्मीद है लोगों को फिल्म पसंद आएगी.

ऐमी– जब हमने पहली बार ट्रेलर देखा था तो हमें ट्रेलर बहुत अच्छा लगा था जबकि हम अपने काम को लेकर थोड़े ज्यादा क्रिटिकल होते हैं. सोनम पूरी फिल्म के शूट के दौरान काफी नर्वस थी कि लोगों को फिल्म पसंद आएगी या नहीं. सोनम ने जब ट्रेलर देखा तो उसे बहुत अच्छा लगा. मै एक दोस्त के साथ था जब मैंने ये ट्रेलर देखा और मुझे बहुत अच्छा लगा. हमारे इंडस्ट्री के दोस्त हैं जो लीगल एडवाइसर हैं, हमने ये ट्रेलर उनको दिखाया और मेरा एक दोस्त है जो डायरेक्टर है उसको भी ये ट्रेलर दिखाया, उन दोनों ये ट्रेलर बहुत अच्छा लगा और उन्होंने इसकी काफी प्रशंसा भी की. हमें लगा जब इंडस्ट्री के लोगों को ये पसंद आ रहा है तो जो हमारे चाहने वाले हैं उनको तो ये अच्छा लगेगा हीं. जब हमने ट्रेलर रिलीज किया तब वहां पर मुंबई के मीडिया वाले भी थे, सभी ने बहुत तारीफ की. इस फिल्म की सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें दो भाषा है एक तो पंजाबी और दूसरा हरयाणवी और दोनों हीं रीजनल लैंग्वेज हैं. एक फिल्म फैमली के साथ देख सकते हैं, ट्रेलर को लेकर फैंस का रिस्पांस बहुत हीं अच्छा है. बस यही उम्मीद है कि लोगों को फिल्म पसंद आये.

आप दोनों ने फिल्म देख ली?

सोनम– हाँ

ऐमी— हम जब डबिंग करते हैं तब देखते हैं और हम इस फिल्म के हीरो—हीरोइन हैं तो ज्यादातर सीन्स हमारे हीं होते हैं तो हम लगभग फिल्म देख हीं लेते हैं और हम इस फिल्म के मालिक भी हैं तो हमने देख लिया है. फिल्म का प्रोड्यूसर और डायरेक्टर मेरा भाई हीं है, और मैंने और सोनम ने अभी तक काफी फिल्में कर ली हैं तो अब हम क्रिएटिव लेवल पर अपना पॉइंट ऑफ व्यू भी दे सकते हैं इसलिए भी हम फिल्म देख लेते हैं.

सोनम आप तो मुंबई से हीं हैं, तो क्या आपने ऐमी को मुंबई दिखाया?

सोनम— मैंने कल इनको बड़ा पाव खिलाया और एक की जगह दो बड़ा पाव खा गए.

ऐमी— डेढ़ खाया था. ये डिश अभी पंजाब में नहीं है, मुझे लगता है अगर ये पंजाब में जाएगी तो हिट हो जाएगी. बेसन, आलू, ब्रेड से बनी चीजें पंजाब में हिट होंगी क्योंकि वहां लोगों को इस तरह की चीजें बहुत पसंद है. मै ट्राई करता हूँ किसी दोस्त को बोलता हूँ कि बड़ा पाव का रेस्टोरेंट खोलने के लिए. मुंबई के बड़ा पाव की अपनी एक खासियत है जैसे पंजाब के सरसों के साग और मक्के की रोटी की है. हमने इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग हरियाणा के एक गाँव सच्चाखेड़ा में की थी. वो सभी लोग बहुत अच्छे थे. वहां के घरवालों ने हमें बाजरे की रोटी, कढ़ी, चटनी, घी, मक्खन और भी बहुत कुछ खिलाया था. हम उनका बहुत शुक्रिया अदा करते हैं. हर जगह का खाना स्पेशल होता है, हम कोशिश करेंगे कि हम मुंबई का बड़ा पाव पंजाब लेकर जाएँ. मुंबई के एक रेस्टोरेंट का मैसूर मसाला डोसा मुझे बहुत पसंद है.

सोनम— इन्हें हम भेलपुरी और सेवपुरी भी खिलाएंगे क्योंकि ये भी यहाँ कि स्पेशलिटी है.

बाकी फिल्म इंडस्ट्री की तरह पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री भी ग्रो कर रही है, अब इसकी ऑडियंस सिर्फ नार्थ में हीं नहीं बल्कि साउथ में भी है और अब सभी तरह की फिल्मों को पूरा देश देख रहा है. इस बदलाव को आप कैसे देखते हैं?

ऐमी— एक इंटरव्यू के दौरान सोनम जी ने एक बात बताई थी, कि इसका कारण एक तो लॉकडाउन था, क्योंकि उस दौरान लोगों ने ओटीटी बहुत देखा है. ओटीटी वालों को भी पता नहीं था कि लॉकडाउन होने वाला है तो सबके पास कंटेंट खत्म हो गया था. जब सबकुछ खत्म हो गया तो फिर उस समय लोगों कोरियाई सिनेमा, नेशनल सिनेमा, रीजनल सिनेमा, तुर्किश फिल्मे, ईरानियन फिल्में और भी बहुत कुछ हमने इस दौरान देखा. और इस सब के बीच लोगों ने पंजाबी सिनेमा को भी डिसकवर किया और देखा. अब जब नयी फिल्में रिलीज होती हैं तो लोग ट्राई करते हैं कि थिएटर में जाकर देखें. अभी इस समय हमारी फिल्मों का 60% रेवेन्यु ओवरसीज से आता है और 40% रेवेन्यु इंडिया से आता है क्योंकि अभी पंजाबी हर जगह हैं. हम यही उम्मीद करते हैं कि आनेवाले समय में पूरा इंडिया पंजाबी फिल्में देखे और पसंद करे. हमारी यही कोशिश रहेगी कि हम अच्छी फिल्में और ऐसी फिल्में बनाएं जो पूरी फैमिली साथ बैठ कर देख सके.

सोनम— बहुत अच्छा लगता है जब आप जहाँ काम कर रहे हैं, वहां तो लोग आपको प्यार दे हीं रहे हैं लेकिन बाहर के लोग भी आपको उतना हीं प्यार दे रहे हैं. किसी भी फिल्म को बनने में मेहनत तो उतनी हीं लगती है, रीजनल फिल्मों के पास बजट कम होने के कारण रिसोर्सेज भी कम हीं होते हैं. मुझे लगता है रीजनल सिनेमा में मेहनत थोड़ी ज्यादा है. और जब आपने इतनी मेहनत की है और लोग उसकी तारीफ करें तो बहुत अच्छा लगता है. मुझे लगता है पंजाबी म्यूजिक ने हमारी बहुत मदद की है क्योंकि पंजाबी म्यूजिक सिर्फ इंडिया में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सुनी जाती है. मै बस यही चाहती हूँ कि ये लैंग्वेज का बैरियर कम हो और लोगों का पंजाबी सिनेमा के प्रति प्रेम बढे.

अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

ऐमी— सभी ऑडियंस से यही विनती करते हैं कि अपनी फैमिली के साथ ये फिल्म देखने जाइये, आपको मजा आएगा.

सोनम— 14 जून को 'कुड़ी हरियाणे वल दी' जरुर देखें.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे' में, इंदर साहनी अपने आगामी गैग के बारे में कहते हैं, "हम सिर्फ हंसी-मज़ाक का लक्ष्य नहीं रख रहे हैं; हम मज़ेदार और रचनात्मक तरीके से ए.आई. इनोवेशन की आकर्षक दुनिया को भी नमन कर रहे हैं"

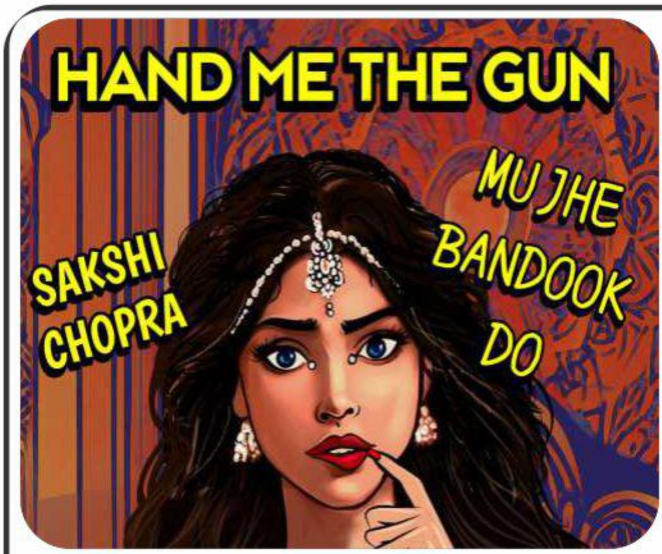

साक्षी चोपड़ा का नया म्यूजिक वीडियो "हैंड मी द गन" कॉमिक बुक म्यूजिक वीडियो जो एक दिन से भी कम समय में 100k व्यूज के साथ यूट्यूब पर धूम मचा रहा है

सेलिब्रिटीज के हाथों सम्मानित हुए वसई महाराष्ट्र के गौरव, किशोर भानुशाली, अनुपना चक्रबर्ती, श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव ने लगाया एंटरटेनमेंट का तड़का

जान्हवी कपूर को याद आया हार्ट ब्रेक,कहा 'उस व्यक्ति ने मेरी जिंदगी...'

Vishwambhara के सेट पर अजीत कुमार से मिलकर रोमांचित हुए चिरंजीवी

सोनल चौहान ने "हीरामंडी" स्टार शर्मिन सहगल की ट्रोलिंग पर किया रिएक्ट?

रजनीकांत ने केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा की, देखें यहां

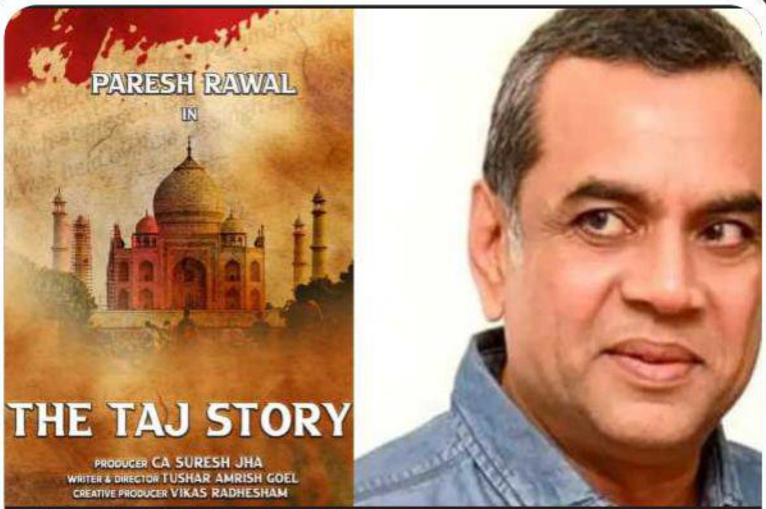

परेश रावल ने अपनी अगली फिल्म 'द ताज स्टोरी' की घोषणा की

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

खुशाली कुमार ने अपनी ओटीटी डेब्यू फिल्म #dedhbighazameen के प्रीमियर के लिए उत्तराखंड के कसार देवी मंदिर से दिव्य आशीर्वाद मांगा...

मधु चोपड़ा और मन्नारा की माँ कामिनी जी एक साथ रेड कार्पेट इवेंट पर नज़र आईं दोनों सफ़ेद रंग में ट्विनिंग करती हुईं...

गुलशन देवैया और अनुराग कश्यप ने चोर-पुलिस की भागमभाग को बनाया और भी मजेदार; डिज़्नी+हॉटस्टार ने ड्रामा सीरीज 'बैड कॉप' की घोषणा की!...

ये रिश्ता क्या कहलाता है: अरमान की बैचलरेट पार्टी में अभिरा से जबरदस्ती डांस करवाया गया

नेहा धूपिया, नव्या नवेली और अन्य: पॉडकास्टिंग उत्कृष्टता वाले पॉडकास्ट

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए bollyy.Com

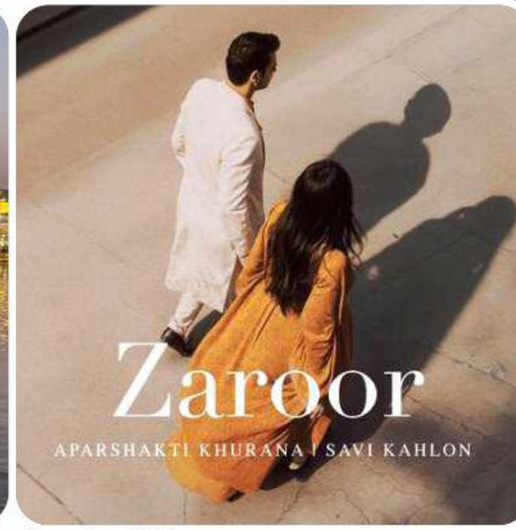

अपारशक्ति खुराना ने गोल्डन टेम्पल में आशीर्वाद मांगा, अपने गाने 'ज़रूर' को प्रशंसकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने पर आभार व्यक्त किया!

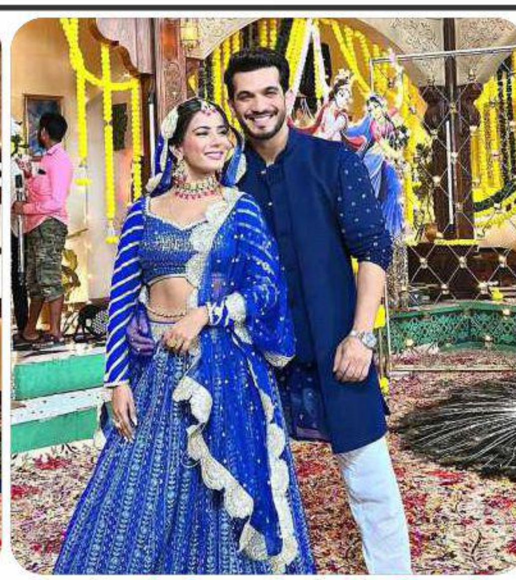

"प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति" में अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा का मंत्रमुग्ध कर देने वाला अंदाज़...

संगीतकार किंग ने अपने बहुप्रतीक्षित एल्बम 'एमएम' से पहला रैप हिप-हॉप गीत 'गोट शिट' जारी किया...

गुलशन देवैया और अनुराग कश्यप पुलिस-खलनायक के पीछा को एक पायदान ऊपर ले जाते हैं। डिज्नीहॉटस्टार ने ड्रामा सीरीज, बैड कॉप की घोषणा की!

-शिल्पा पाटिल

एक खतरनाक विलेन, एक जांबाज पुलिस वाला और बहुत सारे ट्विस्ट? डिज्नीहॉटस्टार ने अपनी आगामी एक्शन-ड्रामा सीरीज 'बैड कॉप' की घोषणा की है, जो कई उतार-चढ़ाव के साथ एक क्लासिक पुलिस बनाम खलनायक कहानी है। करण, एक भयंकर पुलिस वाला, अपने से अधिक शक्तिशाली और घातक खलनायक काजबे का पीछा करने की कोशिश कर रहा है और साथ ही अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी संभाल रहा है। यह शो फ्रेमेंटल इंडिया की भारत में पहली काल्पनिक श्रृंखला का निर्माण है, हॉटस्टार स्पेशल्स का बैड कॉप जल्द ही विशेष रूप से डिज्नीहॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

हॉटस्टार स्पेशल्स का 'बैड कॉप' आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित है और रेंसिल डिसिल्वा द्वारा अनुकूलित है, जिसमें अनुराग कश्यप को विचित्र, आकर्षक और घातक खलनायक के रूप में पेश किया गया है, काजबे और गुलशन देवैया को करण एक साहसी और साहसी पुलिस वाले के रूप में पेश किया गया है, श्रृंखला में हरलीन सेठी, सौरभ सचदेवा भी हैं। और ऐश्वर्या सुष्मिता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फरेमेंटल इंडिया की प्रबंध निदेशक आराधना भोला ने कहा, "हम अपनी पहली ड्रामा वेब सीरीज बैड कॉप के साथ फरेमेंटल इंडिया की सामग्री निर्माण की यात्रा में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। मूल रूप से आरटीएल द्वारा बनाए गए इस प्रारूप के भारतीय संस्करण को डिज्नीहॉटस्टार के लिए जीवंत बनाने के लिए, हमने बोर्ड भर में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के साथ काम किया। लेखक रेंसिल डीसिल्वा ने भारतीय परिवेश में दिलचस्प लेकिन विचित्र दुनिया की फिर से कल्पना की, इसके मूल पात्रों को गुलशन देवैया, हरलीन सेठी, सौरभ सचदेवा और अनुराग कश्यप के नेतृत्व में प्रतिभाशाली कलाकारों ने आदित्य दत्त के कुशल निर्देशन में जीवंत किया। सभी ने, अपनी सामूहिक कार्रवाई संबंधी संवेदनशीलता को श्रृंखला में लाया। हमें उम्मीद है कि हमारा उत्साह संक्रामक साबित होगा और दर्शक बैड कॉप को उतना ही पसंद करेंगे जितना हमने इसे बनाना पसंद किया है।

निर्देशक आदित्य दत्त ने कहा, "हम एक ऐसी कहानी लाकर बहुत खुश हैं जो क्लासिक, विचित्र, रोमांचकारी और एक्शन से भरपूर है! यह एक कट्टर क्लासिक पुलिस बनाम खलनायक का पीछा है, लेकिन एक मजेदार मोड़ के साथ जो आपको अंत तक उत्सुक बनाए रखेगा। सीरीज में हाई ऑक्टेन एक्शन, विलक्षण किरदार हैं और यह पूरी तरह से मनोरंजक है। सीरीज के प्रत्येक किरदार को बेहद गहराई और बारीकी से गढ़ा गया है, जिसे कुछ शानदार कलाकारों ने निभाया है। डिज्नी हॉटस्टार और फ्रेमेंटल इंडिया के साथ मेरा सहयोग एक उल्लेखनीय अनुभव था क्योंकि हम श्रृंखला के लिए एक सामान्य दृष्टिकोण का पीछा कर रहे थे और हमें उम्मीद है कि दर्शक इस साहसिक कार्य का आनंद लेंगे।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अनुराग कश्यप ने कहा, "मैंने बहुत सारे किरदार बनाए हैं जो भयानक, विचित्र, अंधेरे और कई अन्य चीजें हैं, लेकिन विश्वास करें या नहीं, मेरे लिए ऐसा करना मुश्किल था। काज्बे वह व्यक्ति है जो कुछ भी करने से पहले ज्यादा नहीं सोचता, बस कर देता है। वह एक भयानक, सनकी, नापाक और एक सर्वोत्कृष्ट खलनायक है। मुझे इस किरदार की जटिलताओं को समझना था और इसे अपना बनाना था। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित होना एक शानदार अनुभव था और डिज्नीहॉटस्टार और फ्रेमेंटल इंडिया जैसे भागीदारों के साथ सहयोग करना अविश्वसनीय था।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, गुलशन देवैया ने कहा, "मुझे बैड कॉप में काम करने में बहुत मजा आया क्योंकि यह एक बेहतरीन मनोरंजक फिल्म है। मैं उत्साहित हूं क्योंकि यह मेरे लिए बहुत अलग तरह की भूमिका है। मैंने देवीलाल के रूप में एक अन्य शो में एक अलग पुलिस वाले की भूमिका निभाई थी, लेकिन यहां यह एक बड़े पैमाने पर मनोरंजक तरह के पुलिस वाले की तरह है। मैं आदित्य दत्त की शैली से परिचित था क्योंकि मैंने उनके साथ पहले काम किया था, वह बहुत सीधे हैं और एक मनोरंजक, अच्छा शो बनाना चाहते हैं जिसका लोग आनंद लेंगे। एक्शन थोड़ा कठिन था, खासकर दौड़ना, जिसने मुझे चुनौती दी क्योंकि मुझे एक्शन करने की आदत नहीं है और मैं इसके लिए शारीरिक रूप से तैयार नहीं हूं। कुल मिलाकर फरेमेंटल इंडिया और डिज्नीहॉटस्टार के साथ काम करना मजेदार रहा। इसके अलावा, अनुराग के साथ प्रदर्शन करना आनंददायक था, जिन्होंने पहले केवल मेरी फिल्मों का निर्देशन और निर्माण किया था, लेकिन उनके साथ दृश्य और एक्शन करना मजेदार था। यह मेरे लिए एक महान क्षण था क्योंकि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उनके साथ अभिनय करूंगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि लोग फिल्मी पुलिस वाले के मेरे संस्करण का आनंद कैसे उठाएंगे। उम्मीद है, यह दर्शकों के लिए भी मजेदार होगा, इसलिए मैं उनकी प्रतिक्रियाएँ जानने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

हॉटस्टार स्पेशल्स के बैड कॉप में जब करण और काजबे एक-दूसरे के खिलाफ होंगे तो उतार-चढ़ाव के लिए तैयार हो जाइए, जल्द ही स्ट्रीमिंग, विशेष रूप से डिज्नीहॉटस्टार पर!

ग्लोबल पेरेंट्स डे के अवसर पर सोनी सब के कलाकारों ने अपने माता.पिता के प्रति आभार व्यक्त किया ...

मायापुरी डेस्क

माता-पिता अपने बच्चों के जीवन में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उसे सम्मानित करने और स्वीकार्यता देने के लिए 1 जून को दुनिया भर में ग्लोबल पेरेंट्स डे मनाया जाता है। यह दिन मूलभूत समर्थन प्रणाली के रूप में परिवार के महत्व और माता-पिता द्वारा अपने बच्चों की परवरिश व सुरक्षा के प्रति किए जाने वाले महत्वपूर्ण योगदान पर ज़ोर देता है। इस अवसर पर, सोनी सब के विभिन्न शो के पेरेंट्स ने अपने माता-पिता के प्रति आभार व्यक्त किया, और ऑनस्क्रीन व ऑफ़स्क्रीन माता-पिता होने की चुनौतियों पर चर्चा की।

सोनी सब के 'आंगन अपनों का' में जयदेव शर्मा की भूमिका निभाने वाले महेश ठाकुर ने कहा,

"माता-पिता के लिए, उनका बच्चा हमेशा सबसे सुंदर होता है, और यह उनके बिना शर्त प्यार और देखभाल का प्रतीक है। इस ग्लोबल पेरेंट्स डे पर, हम हमारे जीवन पर माता-पिता के गहरे प्रभाव को सेलिब्रेट करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। मेरे मार्गदर्शक बनने और निरंतर समर्थन देने के लिए मेरे अपने माता-पिता को धन्यवाद। चूंकि मैं ऑनस्क्रीन और ऑफ़स्क्रीन दोनों जगह पेरेंट हूं, इसलिए मैं पेरेंट के रूप में अपने कर्तव्यों को बहुत गंभीरता से लेता हूं। आंगन अपनों का में भी, मेरा किरदार जयदेव एक पिता के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहा है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि वह अपनी तीन बेटियों को उचित बुद्धि दे।"

सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा,

"ग्लोबल पेरेंट्स डे पर, मैं अपने माता-पिता के मेरे जीवन पर पड़े गहरे प्रभाव को विचार करती हूं, जिसने मुझे वैसा आकार दिया, जैसी मैं आज हूं। उनका प्यार और समर्थन इस बात में दिखाई देता है, जैसे मैं अपने कुत्तों की देखभाल करती हूं, जो मेरे लिए बच्चों की तरह हैं। जिस तरह से पुष्पा हर चुनौती के दौरान अपने बच्चों, अश्विन, राशि और चिराग के समर्थन में खड़ी रहती है, उसी तरह पुष्पा भी मेरे प्यारे परिवार को वैसा ही अटूट प्यार और समर्पण देने के लिए प्रतिबद्ध है। चाहे इंसान के बच्चे हों या जानवर के, पेरेंटहुड बिना शर्त प्यार की ताकत का प्रमाण है।"

सोनी सब के 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी, नए किस्से' में राजेश की भूमिका निभाने वाले सुमीत राघवन ने कहा,

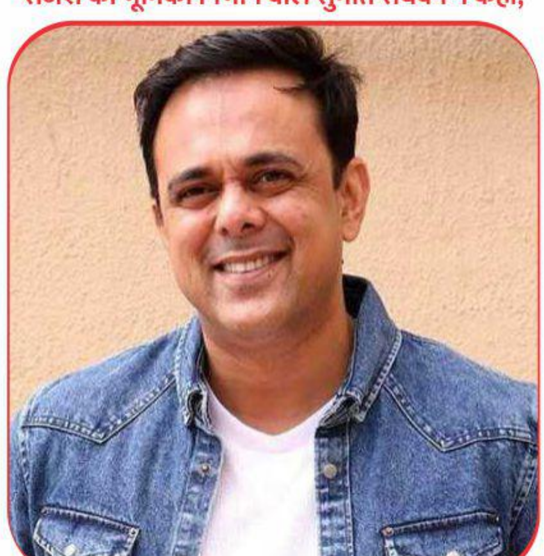

"मेरे माता-पिता मेरे सबसे बड़े समर्थक रहे हैं, जिन्होंने अपने ज्ञान और प्यार से हर चुनौती में मेरा मार्गदर्शन किया है। मेरे जीवन की हर उपलब्धि मेरे माता-पिता के समर्पण और प्यार का प्रमाण है। मैं न केवल असल जीवन में बल्कि रील लाइफ में भी अपने बच्चों के लिए अच्छा पिता बनने की कोशिश करता हूं। मैं अपनी बेटी के उतना ही करीब हूं, जितना शो में चिन्मयी (सखी वागले) और शीहान (अथर्व वागले) के साथ हूं। एक अभिनेता के रूप में, मुझे लगता है कि यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि मैं ऐसा किरदार निभाऊं जो समाज का आईना हो, और मुझे लगता है कि राजेश वागले वह किरदार हैं, खासकर पेरेंटहुड के मामले में।"

सोनी सब के वागले की दुनिया में वंदना वागले की भूमिका निभाने वाली परिवा प्रणति ने कहा,

"माता-पिता बच्चे के जीवन में पहले शिक्षक होते हैं। मेरे माता-पिता ने मुझे कड़ी मेहनत करने, करुणा दिखाने और ईमानदार रहने के आदर्श दिए हैं। वे हमेशा मेरा हौंसला बढ़ाते रहे हैं, और एक अभिनेत्री के रूप में मेरा सफर मेरे माता-पिता के निरंतर प्रोत्साहन और विश्वास के बिना संभव नहीं होता। मैंने उनके मूल्यों को आगे बढ़ाया है और अपने बेटे को भी वही संस्कार देने की कोशिश की है। मेरे माता-पिता मेरे दोस्तों की तरह रहे हैं और इसी तरह से मेरा किरदार वंदना वागले भी गढ़ा गया है। मैं अपने ऑनस्क्रीन बच्चों की दोस्त और मां दोनों हूं। जैसे सखी और अथर्व दोनों वंदना के साथ सब कुछ शेयर करते हैं, मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी टीनेज होने के बाद मुझसे सब कुछ शेयर करे।"